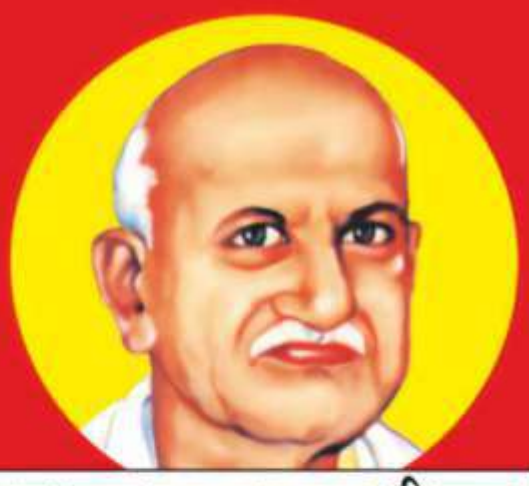
यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

www.thakurprasad.in

यश

ठाकुर प्रसाद पंचाङ्ग जनवरी 2027

जन-जन की पीड़ा हरते थे, देकर नित नूतन मंगल विचार।
हे श्रेष्ठ प्रकाशक वर तुमको, हम नमन कर रहें बार-बार।।

उनकी मधुर स्मृति का दीपक, साहित्य द्वार पर धरता हूँ।
ठाकुर प्रसाद की पुण्य स्मृति में, तिथि पत्र समर्पित करता हूँ।।

दूध का विवरण

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			31		
16			योग		

कपड़ा धुलाई का विवरण

तारीख	विवरण कपड़ा	संख्या

अख़बार का विवरण

दिनांक	8	16	24
1	9	17	25
2	10	18	26
3	11	19	27
4	12	20	28
5	13	21	29
6	14	22	30
7	15	23	31

आवश्यक कार्यक्रम

आकाशीय लक्षण

मासारम्भ में आसमान साफ रहेगा। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल में शीतलहर चलेगी। वर्षा तथा हिमपात होगा। वायु संचार में वृद्धि होकर शीत का प्रकोप बढ़ेगा। ता.3, 4, 13, 14, 21, 22 को तीव्र वायु वेग के साथ वर्षा सम्भावित है। कहीं-कहीं हल्की से भारी वर्षा हो सकती है। मौसम में अप्रत्याशित चाल दिखेगी। दक्षिण भारत में बादल-वृष्टि, तापमान में उतार-चढ़ाव दिखेगा। मौसम परिवर्तित रहेगा।

विक्रम संवत् 2083

पौष कृष्ण 9 से माघ कृष्ण 10 तक।
तारीख 23 जनवरी से माघ प्रारम्भ।।

शालिवाहन शाके 1948

राष्ट्रीय पौष 11 से राष्ट्रीय माघ 11 तक।
ता.21 जनवरी से राष्ट्रीय माघ प्रारम्भ।।

फसली संवत् 1434

फसली माघ 9 से फसली फाल्गुन 9 तक।
ता.23 जनवरी से फसली फाल्गुन माह प्रारम्भ।।

JANUARY



इस्लामी हिजरी 1448

रज्जब 22 से सावान 22 तक।
तारीख 10 जनवरी से सावान माह प्रारम्भ।।

बंगला संवत 1433

बंगला पौष 16 से बंगला माघ 17 तक।
ता.15 जनवरी से बंगला माघ माह प्रारम्भ।।

नेपाली संवत 1147

नेपाली पौष 17 से नेपाली माघ 18 तक।
ता.14 जनवरी से नेपाली माघ माह प्रारम्भ।।

विवाह मुहूर्त

ता.	वार	नक्षत्र
24	रवि.	मघा
26	मंगल.	उ.फा.
30	शनि.	अनुराधा
31	रवि.	अनुराधा

पंचक—ता.११ को पंचक प्रारम्भ प्रातः ४।३४ बजे से पंचक समाप्त ता.१५ रात्रि ११।५० बजे तक।

भद्रा—ता.१को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १।४७ से भद्रा समाप्त ता.२ को दिन पं.२।२४ तक। ता.५ को भद्रा प्रारम्भ सायं ८।३९ से ता.६ को भद्रा समाप्त दिन ९।५६ बजे तक। ता.११ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०।२८ से ता.१२ को भद्रा समाप्त दिन ११।२९ तक। ता.१५ को भद्रा प्रारम्भ दिन २।१३ से भद्रा समाप्त रात्रि ३।५३ बजे। ता.१८ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ९।१८ से ता.१९ को भद्रा समाप्त सायं ७।४९ तक। ता.२१ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ९।३० से ता.२२ को भद्रा समाप्त सायं ७।२८ बजे तक। ता.२४ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ९।३३ से ता.२५ को भद्रा समाप्त दिन ८।१० तक। ता.२७ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ३।५३ से ता.२८ को भद्रा समाप्त दिन ३।५२ तक। ता.३१ को भद्रा प्रारम्भ सायं ७।३४ से भद्रा समाप्त रात्रि २।७ बजे तक।

मूल विचार- ज्येष्ठा- ता.४ को रात्रि १२।१४ से ता.५ को रात्रि ३।७ तक। मूल- ता.५ को रात्रि ३।७ से ता.७ को प्रातः ६।५० तक। रेवती- ता.१४ को रात्रि १।१८ से ता.१५ को रात्रि १।१५० तक। अश्विनी- ता.१५ को रात्रि १।५० से ता.१६ को रात्रि १।१८ तक। आश्लेषा- ता.२३ को प्रातः ७।२९ से ता.२४ को प्रातः ४।५३ तक। मघा- ता.२४ को प्रातः ४।५३ से रात्रि २।४० तक।

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
31	3	10	17	24		
	4	11	18	25		
	5	12	19	26		
	6	13	20	27		
	7	14	21	28		
	1	8	15	22	29	
	2	9	16	23	30	

एकादशी व्रत, प्रदोष व्रत, मकर संक्रान्ति, पूर्णिमा व्रत, गणेश चतुर्थी, गणतन्त्र दिवस, एकादशी व्रत, प्रदोष व्रत, नेताजी जयन्ती, अमावस्या, चन्द्रदर्शन, बड़ा दिन

व्रत-त्यौहार

1 शुक्र. ईसाई नववर्ष आरम्भ
3 रवि. सफला एकादशी,सुरुप द्वादशी
5 मंगल. भौम प्रदोष, मास शिवरात्रि व्रत गुरु गोविन्द सिंह जयंती
7 गुरु. स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या
9 शनि. चन्द्र दर्शन
11 सोम. वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
14 गुरु. श्री कृपालु जगद्गुरुत्तम दिवस
15 शुक्र. मकर संक्रान्ति, खिचड़ी, पोंगल
16 शनि. शाकम्भरी यात्रा, दुर्गाष्टमी
19 मंगल. पुत्रदा एकादशी व्रत, मनवादि
20 बुध. प्रदोष व्रत
21 गुरु. राष्ट्रीय माघ मास आरम्भ
22 शुक्र. शाकंभरी जयंती, स्नान दान व्रत की पूर्णिमा, माघ स्नान आरम्भ
23 शनि. नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती
24 रवि. शब-ए-बारात
25 सोम. संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी, तिल-कुट चतुर्थी, सौभाग्य सुन्दरी व्रत संकट हर गणपति व्रत,(संकट) गौरी चतुर्थी (गणेश चौथ)
26 मंगल. भारतीय गणतन्त्र दिवस
28 गुरु. स्वामी विवेकानन्द जयंती
29 शुक्र. कालाष्टमी
30 शनि. शहीद दिवस

राशि-फल

मेष- श्रम से आय में सफलता, संतान की चिन्ता, साहस पराक्रम में लाभ।
वृष- शत्रु से विजय, पराक्रम शक्ति में वृद्धि, रुके कार्य पूर्ण, धर्म-कर्म।
मिथुन- मातृसुख में कमी, पुरातत्व कालाभ पारिवारिक सुख, व्यापार में लाभ।
कर्क- भाग्योन्नति, रोजगार में लाभ, पत्नी व संतान से सुख, बौद्धिक क्षमता।
सिंह- आर्थिक अवरोध, स्वजनों से क्लेश कार्यक्षेत्र में प्रगति, धर्मकर्म में रुचि
कन्या- परिवार में खुशी, खर्च पर नियंत्रण भौतिक सुख,मान-सम्मान में वृद्धि
तुला- सामाजिक कार्यों में रुचि, पत्नी से प्रेम, रोजगार में बाधा, धर्म में रुचि।
वृश्चिक- व्यय की अधिकता, आर्थिक अवरोध, स्वजनों से क्लेश, पुत्रलाभ।
धनु- शारीरिक कष्ट, शक्ति का विकास, दिनचर्या सुव्यवस्थित, वाहन सुख।
मकर- बौद्धिक क्षमता से रुके कार्य पूर्ण, आर्थिक लाभ, मातृसुख, धर्मरुचि।
कुम्भ- भूमि-भवन का लाभ, माता के प्रति चिन्ता, भाई से निरसता, द्रव्यलाभ।
मीन- रोजगार में लाभ, मानसिक क्लेश, पत्नी से मतभेद, स्वास्थ्य उत्तम।

तेजी-मंदी

बाजार में अन्नादि पदार्थ, गुड़-खाण्ड, चीनी में अच्छी तेजी के झटके लायेगी। सोना-चांदी, खाद्यान्न में कुछ मन्दी का माहौल रहेगा। शेयर बाजार मन्दी में होगा। बाजरा, मूंग, सोंठ, गेहूँ जौ, चना आदि में मन्दी का रुख देखने को मिलेगा। तिल, तेल, मूंगफली, चावल आदि में बाजार तेज रहेगा।

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	6:48	6:48	6:48	6:48	6:48	6:48	6:49	6:49	6:49	6:49	6:49	6:49	6:49	6:49	6:49	6:49	6:49	6:49	6:49	6:49	6:49	6:48	6:48	6:48	6:48	6:47	6:47	6:47	6:46	6:46	6:46
सूर्यास्त	5:15	5:16	5:16	5:17	5:18	5:18	5:19	5:20	5:20	5:21	5:22	5:23	5:23	5:24	5:25	5:26	5:26	5:27	5:28	5:29	5:29	5:30	5:31	5:32	5:33	5:34	5:34	5:35	5:35	5:35	5:36

दिसम्बर 2026

रवि		6	13	20	27
सोम		7	14	21	28
मंगल	1	8	15	22	29
बुध	2	9	16	23	30
गुरु	3	10	17	24	31
शुक्र	4	11	18	25 बड़ा दिन	
शनि	5	12	19	26	





स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

फरवरी 2027

रवि		7	14	21	28
सोम	1	8	15	22	
मंगल	2	9	16	23	
बुध	3	10	17	24	
गुरु	4	11	18	25	
शुक्र	5	12	19	26	
शनि	6	13	20 सरस्वती पूजा	27	

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

नाटीइमली, वाराणसी।
Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

अधिकृत विक्रेता-ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक्सेलर, राजादरवाजा, वाराणसी। फोन-0542-2413650

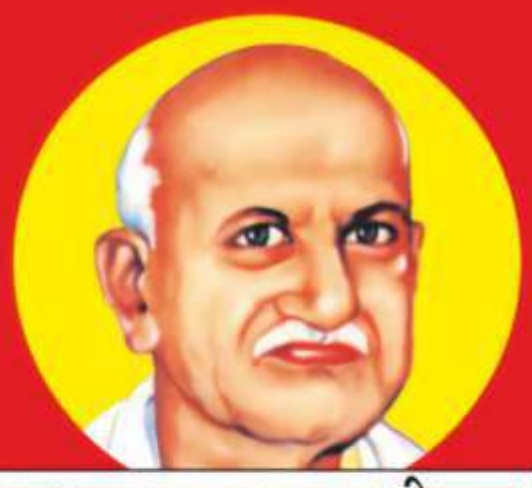
Email- info@savitrithakur.com

www.thakurprasad.in

web - www.thakurprasad.in

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

2027

।।श्रीः।।

स्वर्गीय बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

एक संस्मरण



धर्मप्राण स्वर्गीय बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

छप्पय

बा रिज वंश प्रशंस,
हंस समं जानहु नीके,
बू झि विरद वश भए,
सुजन मन मानस फीकें,
ठा नी मन में जौन,
ठान पारपूरन कीन्हीं।।
कु शल कार्य रत विरत,
कबहुँ दिन रात न चीन्ही।
रस सानि बानि बोले सदा
नीरसता नियरे नही।
प्र ति मूर्ति प्रेमसाकार हित,
लखि न परै उपमा कही।१।।
सा धु सुजन कोविद-कविन्द,
गो द्विज हितकारी।
द या धाम अभिराम,
प्रेम निधि पर उपकारी।।
जी धन ज्योति जगाय,
गाय गुण गहन राम के।
गु म राही नहिं पुण्य,
पथिक थे राम धाम के।।
प ल एक नाहिं बिसरत हमें,
सौम्य मूर्ति वह आपकी।
त म तोम विनाशन दीन हित,
शमन शोक सन्ताप की।।२।।
बु ध जन के विश्राम,
भोज भाषा उद्धारक।
क लित ललित साहित्य,
प्रकाशक विमल विचारक।
से वत सुख परिवार,
पुण्य पादपक नीचे।
ल गन मगन श्रम सोबत
स्वेद सीकर सो सोचे।
र त रहे सदा निज काम में,
नाम अमर करके गये।
बसु सुवन सत्य सामीप्य पा,
रामकृष्ण, निर्भय भये।।३।।

दोहा

पादप कल्प कुटुम्ब को, हों न कदापि कलेश।।
विभव बल्लरी आपकी, विकसित रहे हमेश।।

डा.रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी
'निर्भय' तंत्राचार्य प्रणेता एवं सम्पादक

औद्योगिक संस्थानों को समुन्नति के सन्दर्भ में जिस प्रकार, यशस्वी उद्योपतियों का नाम अविस्मरणिय है, ठीक उसी प्रकार जन-साहित्य के प्रकाशन से सम्बन्धित प्रशस्त विमल व्यवसाय में स्व.बाबू ठाकुर प्रसादजी गुप्त का नाम शिक्षित समुदाय के हृदयपटल पर अंकित है, आपकी जनभाषा एवं सत्यसाहित्य की सराहनीय साधना द्वारा हिन्दी जगत् इस प्रकार उपकृत है कि स्वप्न में भी आपके नाम को विस्मृत नहीं किया जा सकता हैं।

भोजपुरी भाषा के सरस प्रकाशन को जन जन तक पहुंचाने का एकमात्र श्रेय बाबू साहब को ही है, इनके समक्ष सम्पूर्ण भारत का कोई दूसरा भोजपुरी साहित्य का प्रकाशक ही दृष्टिगोचर नहीं होता, जिसने इस क्षेत्र में स्व.बाबू साहब को यदि भोजपुरी भाषा का समुद्धारक कहा जाय तो सम्भवत: कोई अतिशयोक्ति न होगी, यह ध्रुव सत्य है। इसी कारण बिहार प्रान्त का बच्चा-बच्चा आपके नाम से सुपरिचित है। व्यावहारिकता, उदारता एवं सौजन्यता की तो आप प्रतिमूर्ति ही थे।

आप अपने पीछे पुत्रों एवं पौत्रों का भरा पूरा परिवार छोड़ गये। आपही के पूर्व प्रशिक्षण एवं निर्देशानुसार आपके द्वारा संस्थापित व्यापारिक संस्थान को उत्तराधिकारी कुशलता के साथ संचालित कर रहे हैं। हम इस परिवार तथा संस्थान की सुख समृद्धि की सम्वृद्धि हेतु जगज्जनी मां से अनवतर प्रार्थना करते हैं।

निर्भय सम्पादक -

स्व.पं.श्रीगणेशदत्त पाठक ज्योतिषाचार्य ज्योतिष

विभागाध्यक्ष गोयनका संस्कृत महाविद्यालय

स्व.पं.जीवनाथ ओझा, पी.एच.डी.एम.ए.बी.

टी.प्रणेता महावीर पञ्चाङ्ग

स्व.पं.दौलतराम गौड़ वेदाचार्य

स्व.श्रीजगजीवनदास जी गुप्त

ज्योतिषाचार्य, रचयिता ज्योतिषरहस्य, दशफलविचार एवं सम्पादक चिन्ताहरण जंत्री।

ज्यो.शास्त्री-तंत्राचार्य,डा.रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी निर्भय प्रणेता ठाकुर प्रसाद कलेण्डर, मंत्र-सागर आदि।

स्व.पं.श्रीलक्ष्मण पाण्डेय, ज्योतिषाचार्य,
प्रणेता श्रीशंकर पंचाग
ज्योतिष पं.कैलाशनाथ उपाध्याय
ब्रह्मघाट,वाराणसी-२२१००१
पं.सुशील कुमार त्रिपाठी 'अभय'
पं.श्रीविजय कुमार त्रिपाठी

कैलेण्डर के पृष्ठ भाग की विषय सूची

जनवरी- कैलेण्डर देखने को विधि, चौघड़िया मुहूर्त्त, यात्रा मुहूर्त विचार।
फरवरी- सन् २०२७ का संवत्सर फल सभी अधिकारियों का क्रम से फल, विन्ध्य से दक्षिण निवासियों का क्रम से फल, विन्ध्य से दक्षिण निवासियों के लिये अष्टोत्तरी मतानुसार लाभ-खर्च का विवरण, स्वप्न फल-विचार, नवग्रह शान्ति व धन-प्राप्ति।
मार्च- सन् २०२७ ई. में शनि की साढ़े साती और ढैया, बारहों राशियों के लिए शनि का संक्षिप्त गोचर फल, राहु तथा केतु।
अप्रैल- होड़ा चक्र
मई- भद्रा पंचक, मूल विचार
जून- भारतीय ज्योतिष में ग्रह गोचर विचार एवं सन् २०२७ का वार्षिक राशिफल
जुलाई- सन् २०२७ ई. के विवाह मुहूर्त्त, वाग्दान मुहूर्त्त, वधू-प्रवेश मुहूर्त्त, द्विरागमन मुहूर्त्त।
अगस्त- प्रसूति का स्नान मुहूर्त्त नामकरण, अन्नप्राशन मुहूर्त्त कर्णवेध मुहूर्त्त, चौलमुण्डन मुहूर्त्त।
सितम्बर- अक्षरारम्भ मुहूर्त्त,गृहारम्भ मुहूर्त्त, नूतन गृह प्रवेश मुहूर्त्त, जीर्णादि गृह प्रवेश मुहूर्त्त, कूपारम्भ मुहूर्त्त, हलप्रवहण विजोप्ति विद्यारम्भ मुहूर्त्त।
अक्टूबर- विपणी व्यापार, वाहनादि खरिदने का मुहूर्त्त, वर्षा के नक्षत्र एवं उनके फल।
नवम्बर- सन् २०२७ ई. जनवरी से दिसम्बर तक के व्रत-त्योहार तथा जयन्ती आदि।
दिसम्बर- सन् २०२७ई. में भारत, भारत सरकार, प्रधानमंत्री तथा विभिन्न दलों की स्थिति व भविष्य, ग्रहो की शान्ति हेतु विधि-विधान।

कैलेण्डर देखने की विधि

इस महीने के मुख पर बीच में अंग्रेजी महीने का नाम ऊपर लिखा रहता है। बाँई तरफ विक्रम संवत, माह, शालिवाहन शाके व माह एवं दाहिनी तरफ इस्लामी हिजरी सन् व माह बंगला व नेपाली संवत मास दिया गया है। रविवार से शनिवार तक प्रत्येक वार के सामने अंग्रेजी तारीख बड़े अक्षर में लिखी है। प्रत्येक तारीख के कोष्ठक में मास, पक्ष, तिथि नक्षत्र का समाप्ति समय भारतीय स्टैण्डर्ड टाइम से, उसी कोष्ठक में राष्ट्रीय मास-तिथि, मुस्लिम तिथि, बंगला तिथि, नेपाली तिथि, एवं उस रोज का तात्कालिक चन्द्रमा जिस राशि में है लिखा है। हर महीने ये जितने मूल नक्षत्र है मूल विचार शीर्षक से किस तारीख को कौन सा मूल कितने बजे से कितने बजे तक है स्पष्ट लिखा है। एक माह पीछे और एक माह आगे कैलेण्डर व दैनिक कार्यक्रम विवरण नीचे दिया गया है दाहिनी ओर व्रत-त्योहार, राशिफल, तेजी मन्दी व आकाशी लक्षण तथा बाँयी तरफ माह की प्रत्येक तारीख को सुबह शाम, दूध का विवरण, अखबार, कपड़ा धुलाई व आवश्यक कार्यक्रम विषय दिये गये हैं। जो सब एक साथ एक पंचांग में भी नहीं उपलब्ध है। अत: हिन्दी भाषा लोगों कोयह पंचांग एक ज्योतिषी की भाँति सहयोग करता है।

उदाहरण—जनवरी वाले पेज पर ता.१ को कोष्ठक देखे। ऊपर पौष कृष्ण ९ दिन १/१० छपा है। इसका अर्थ है शुक्रवार १ जनवरी को नवमी तिथि रहेगी। इसके बाद दशमी तिथि प्रारम्भ होगी। बंगला १६ नेपाली १७ का अर्थ है। बंगला तारीख १६ तथा नेपाली गते १७ होगी। राष्ट्रीय पौष ११ एवं रज्जब २२ छपा है। इसका अर्थ है राष्ट्रीय पौष ११ एवं मुस्लिम रज्जब की तारीख २२ है। तुला चन्द्र छपा है का अर्थ है कि चन्द्र इस दिन तुला राशि में रहेगा तथा चित्रा नक्षत्र सायं ५/२९ पर समाप्त हो जायेगा और स्वाती नक्षत्र लगेगा।

यात्रा मुहूर्त विचार

यात्रामुहूर्त के लिए दिशाशूल, नक्षत्रशूल, समयशूल, भद्रा, योगिनी तिथि नक्षत्र इत्यादि का विचार किया जाता है। शुभ तिथि-भद्रादि दोषरहित २,३,५,७,१०,११,१३ तथा कृष्ण पक्ष को प्रतपिदा। शुभ नक्षत्र-अश्विनी, मृगशिरा, पुष्य, हस्त, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती। मध्यम नक्षत्र- रोहिणी तीनो उत्तरा, तीनो पूर्वाषाढ़ा, ज्येष्ठा शतभिषा।

दिशाशूल

सोम शनीचर पुरब न चालू। मंगल बुध उत्तर दिशि कालू रवि शुक्र जो पश्चिम जाय। हानि होय पथ सुख नहिं पाय। बीफै दक्खिन करे पयाना। फिर नहि समझे ताको आना।

दिशाशूल नक्षत्र तथा योगिनि वास का चक्र



पूरब,पश्चिम,उत्तर दक्षिण चारो दिशाओं को सब जानते है, लेकिन इनके बीच के अन्य दिशायें सबको स्मरण नहीं रहती। अत: आठो दिशाओं तथा उनके नक्षत्र-शूल, दिशाशूल और योगिनी वास तिथियों को सरलता पूर्वक तत्काल जान लेने के लिए हम उपर चक्र दे रहे है। इसमें प्रत्येक दिशा के नीचे पहले नक्षत्र का नाम है फिर वार तथा चारों के अन्त में ये तिथियां दी हुई है जिन तिथियों का उस दिशा योगिनी का वास होता है, उन तिथियों का उस दिशा में जाने से वह स्वभावत: यात्रा के सम्मुख पड़ेगी और सम्मुख तथा दाहिने योगिनी अशुभ रहती है। अत: जिन तिथियों को योगिनी सम्मुख तथा दाहिने पड़ उन तिथियों को तथा जिस दिशा के नीचे जो नक्षत्र और वार लिखा है उन नक्षत्रों तथा वारों में, उस दिशा को ओर यात्रा न करनी चाहिए **समयशूल-** उषाकाल में पूरब को, गोधूलि में पश्चिम को, अर्धरात्री में उत्र को ओर, मध्याह्न काल में दक्षिण काल में दक्षिण को नहीं जाना चाहिए। **दक्षिण यात्रा का निषेध-** कुम्भ और मीन के चन्द्रमा के अर्थात् पंचक में दक्षिण कदापि न जाय। पंचक तथा चन्द्रमा की राशि का उल्लेख प्रतिमास को तिथि,नक्षत्र के साथ किया गया है। वही देखें। **चन्द्रमा की दिशा और शुभाशुभफल-** मेष सिंह धनु, पूरब चन्द्र, दक्षिण कन्या, वृष मकरन्दा। पश्चिम कुम्भ तुलायी मिथुन। उत्तर कर्कट वृश्चिक मीना। अर्थात् मेष,सिंह और धनु राशि का चन्द्रमा पूर्व में वृष कन्या और मकर राशि का दक्षिण में, मिथुन, तुला और कुम्भ का पश्चिम में, कर्क वृश्चिक मीन का चन्द्रमा उत्तर में रहता है। यात्रा में चन्द्रमा सम्मुख या दाहिने शुभ होता है। पीछे होने से धन हानि और बायी ओर होने से मरण तुल्य कष्ट होता है। **यात्रा शुभाशुभ लग्न-** कुम्भ या कुम्भ के नवांशक में यात्रा कदापि न करें। शुभ लग्न वह है, जिसमें १,४,८,९ स्थानों में शुभ ग्रह और ३,६,११ में पाप ग्रह है। अशुभ लग्न यह है जिसमें १,६,१२ वे चन्द्रमा १०वें शनि ७वें शुक्र, १२,६,८ वे लग्न हो। **प्रस्थान विधान-** यदि किन्हीं जरुरी कारणों से यात्रा के मुहूर्त में न जा सकें तो उसी मुहूर्त में ब्राह्मण जनेऊ,माला, क्षत्रिय-शस्त्र, वैश्य-शहद,घी, शूत्र फल को अपने वस्त्र में बांधकर किसी के घर में व नगर से बाहर जाने कि दिशा में प्रस्थान करे। उपयुर्क्त चीजों के बजाय मनु की सबसे प्यारी वस्तु को भी प्रस्था में रख सकते हैं। **यात्रा के पहले त्याज्य वस्तुएं-** यात्रा के तीन दिन पहले, दूध, पांच दिन पहले हजामत, तीन दिन पहले तेल, सात दिन पहले मैथुन त्याग देना चाहिए। यदि इतना न हो सकें तो कम से कम एक दिन पहले तो ऊपर को सब त्याज्य वस्तुओं को अवश्य ही छोड़ देना चाहिए।

सांकेतिक अक्षरों का वास्तविक अर्थ

अ - अश्विनी	आ.- आर्द्रा	म. - मघा	अ. - अनुराधा	श्र. - श्रवण
भ. - भरणी	पुन.- पुनर्वसु	ह. - हस्त	ज्ये.- ज्येष्ठा	ध. - धनिष्ठा
कृ. - कृत्तिका	पु. - पुष्य	चि. - चित्रा	मू. - मूल	श. - शतभिषा
रो. - रोहिणी	श्ले. - आश्लेषा	स्वा.- स्वाती	पू.षा.-पूर्वाषाढ़ा	पू.भा.- पूर्वाभाद्रपद
मृ. - मृगशिरा		वि. - विशाखा	उ.षा.-उत्तराषाढ़ा	उ.भा. - उत्तराभाद्रपद

चौघड़िया मुहूर्त

शीघ्रता में कोई भी यात्रा मुहूर्त न बनता हो या एकाएक यात्रा करने का मौका आ पड़े तो उस अवसर के लिए विशेषरुप से चौघड़िया मुहूर्त का उपयोग है, लेकिन अब तोप्राय: हर आवश्यक शुभ कार्यारम्भ के लिए चौघड़िया मुहूर्त ने जनता के हृदय पर अपना सिक्का जमा लिया है।

दिन और रात के आठ-आठ बराबर हिस्से का एक चौघड़िया मुहूर्त होता है। जब दिन और रात बराबर यानि १२ घण्टे का दिन और १२ घंटे का रात होती है तब एक चौघड़िया मुहूर्त १।। घण्टा या पौने चार घटी का होता है, इसलिए इसका नाम चौघड़िया मुहूर्त पड़ा। रविवार, सोमवार आदि प्रत्येक वार सूर्योदय से शुरु होकर अगले सूर्योदय पर समाप्त होता है। एवं उसी समय से अगला वार आरम्भ हो जाता है। प्रत्येक वार के सूर्योदय में सूर्यास्त तक का समय उस वार का दिनमान और सूर्यास्त से अग्रिम सूर्योदय का समय रात्रिमान होता है। दिनमान और रात्रिमान न्यूनाधिक भी (यानि दिन रात छोटे-बड़े) हुआ करते हैं पर वार हमेशा २४ घंटा यानि ६० घटी का होता है अर्थात् दिनमान और रात्रिमान जाना हो, उस रोज के दिनमान को ६० घटी में घटा देने पर रात्रि मान निकल आयेगा। अब जिस रात के दिन में यात्रा करनी हो तो उस रोज के दिनमान के अष्टमांश घटीपल का घण्टा मिनट बनकार उस रोज के सूर्योदय समय में जोड़ने जावे तो क्रमश: उस दिन को आठ चौघड़िया के समय ज्ञात होते जायेगें। उन आठो चौघड़िया में से कौन सा ग्राह्य और त्याज्य है, यह उपर दिन को चौघड़िया के चक्र में उस दिन के वार के सामने खाने में देखकर जान लें। इसी प्रकार जिस रोज रात्रि में यात्रा करनी हो तो उस रोज के रात्रिमान के अष्टमांस घटी-पल का घंटा मिनट बनाकर सूर्यास्त समय में जोड़े जाने से क्रमश: रात की प्रत्येक चौघड़िया का समय ज्ञात हो जायेगा और उनका शुभाशुभत्व उपर्युक्त रात को चौघड़िया के चक्र में वार के सामने खाने देखकर ज्ञात कर लें। श्रेष्ठ समय शुभ, चर, अमृत और लाभ की चौघड़िया का है। अशुभ, समय उद्वेग रोग और काल का होता है, इनको त्याग देना चाहिए। २।। घटी का १ घंटा तथा २।। पल का एक मिनट होता है। अत: घटी पल का घंटा-मिनट बनाने के लिए उसमें ५ का भाग देकर लब्धि को दूना कर दें।

दिन की चौघड़िया

	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
पहली चौ.	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
दूसरी चौ.	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
तीसरी चौ.	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
चौथी चौ.	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
पांचवी चौ.	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
छठवीं चौ.	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
सातवीं चौ.	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
आठवीं चौ.	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल

रात की चौघड़िया

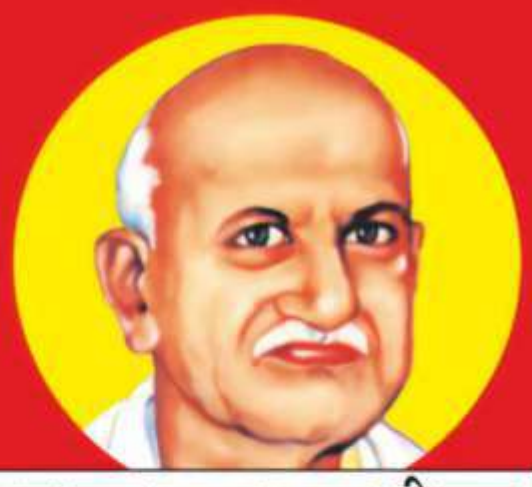
	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
पहली चौ.	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
दूसरी चौ.	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
तीसरी चौ.	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
चौथी चौ.	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
पांचवी चौ.	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
छठवीं चौ.	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
सातवीं चौ.	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
आठवीं चौ.	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

नोट—हमारे संस्थान में सभी प्रकार की समस्यओं का समाधान जन्म-पत्रिका, हस्तरेखा व अंक ज्योतिष के माध्यम से किया जाता है। जो महानुभाव, किसी भी प्रकार की समस्या से पीड़ित है। वह ज्योतिष के माध्यम से समाधान प्राप्त कर सकते हैं। संस्थान में विभिन्न प्रकार के अनुष्ठान जैसे-पीताम्बरा (बंगलामुखी जप), महामृत्युञ्जय, प्रत्यंगिरा, रुद्राभिषेक, सहस्त्रचिन आदि प्रकार के अनुष्ठान योग्य विद्वान शास्त्री द्वारा करवाया जाता है। जो व्यक्ति किसी प्रकार का अनुष्ठान कराने के इच्छुक हो वह दिन में प्रात: ११ से शाम ५ बजे तक सम्पर्क कर सकते हैं।

ज्यो. दिव्या त्रिपाठी
यंत्र-मंत्र-तंत्र ज्योतिष शोध संस्थान
रामेश्वरम् १५१ ए, यशोदानगर,
कानपुर - २०८०११
मो.९४५१२२०३९२

www.thakurprasad.in

यश



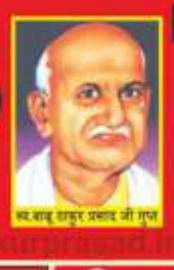
स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

ठाकुर प्रसाद पंचाङ्ग फरवरी 2027

द्रुध का विवरण

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13					
14					
15					
16			योग		

कपड़ा धुलाई का विवरण

तारीख	विवरण कपड़ा	संख्या

अख़बार का विवरण

दिनांक	8	16	24
1	9	17	25
2	10	18	26
3	11	19	27
4	12	20	28
5	13	21	
6	14	22	
7	15	23	

आवश्यक कार्यक्रम

आकाशीय लक्षण

वायु संचार के साथ शीत का प्रकोप जारी रहेगा। पूर्वोत्तरीय प्रदेशों में शिमला, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में वायु वेग के साथ मेघ गर्जना एवं ओला वृष्टि होगी। मासान्त में शीत का प्रकोप रहेगा। कहीं-कहीं हल्की बूंदा-बांदी होगी। ता.9, 10, 18, 19, 26, 27, 28 को वायु वेग के साथ वर्षा हो सकती है।

विक्रम संवत् 2083

माघ कृष्ण 10 से फाल्गुन कृष्ण 8 तक।
तारीख 21 फरवरी से फाल्गुन माह प्रारम्भ।।

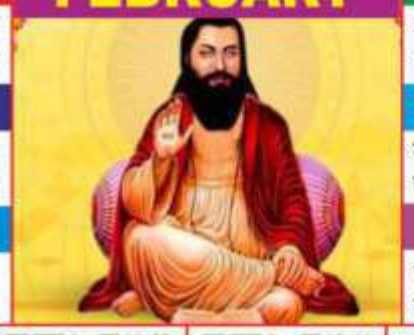
शालिवाहन शाके 1948

राष्ट्रीय माघ 12 से राष्ट्रीय फाल्गुन 9 तक।
ता.20 फरवरी से राष्ट्रीय फाल्गुन प्रारम्भ।।

फसली संवत् 1434

फसली फाल्गुन 10 से फसली चैत्र 8 तक।
ता.21 फरवरी से फसली चैत्र माह प्रारम्भ।।

FEBRUARY



इस्लामी हिजरी 1448

सावान 23 से रमजान 20 तक।
ता.9 फरवरी से रमजान माह प्रारम्भ।।

बंगला संवत् 1433

बंगला माघ 18 से बंगला फाल्गुन 15 तक।
ता.14 फरवरी से बंगला फाल्गुन माह प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1147

नेपाली माघ 19 से नेपाली फाल्गुन 16 तक।
ता.13 फरवरी से नेपाली फाल्गुन माह प्रारम्भ।

व्रत-त्यौहार

2 मंगल. षट्तिला एकादशी व्रत
3 बुध. प्रदोष व्रत, तिल द्वादशी।
4 गुरु. मास शिवरात्रि व्रत
6 शनि. स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या मौनी अमावस्या
7 रवि. श्रीवल्लभाचार्य जयंती
8 सोम. चन्द्रदर्शन
9 मंगल. रमजान प्रारम्भ
10 बुध. वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी वरद चतुर्थी
11 गुरु. बंसत पञ्चमी, सरस्वती पूजा
13 शनि. पुत्र सप्तमी, रथ सप्तमी अचला सप्तमी, मनवादि
14 रवि. भीष्माष्टमी, दुर्गाष्टमी
15 सोम. हरसूब्रह्मदेव जयंती,महानन्दा नव.
17 बुध. जया एकादशीव्रत, भीष्म द्वादशी
18 गुरु. प्रदोष व्रत
19 शुक्र. कल्पादि
20 शनि. स्नान व्रत की पूर्णिमा, माघ स्नान समाप्त, सन्त रविदास जयंती, राष्ट्रीय फाल्गुन मास आरम्भ
24 बुध. संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी
28 रवि. कालाष्टमी, जानकी जयंती

	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
		1	2	3	4	5	6
			एकादशी व्रत	प्रदोष व्रत	बसंत पञ्चमी		अमावस्या
		8	9	10	11	12	13
		चन्द्रदर्शन					
	7	14	15	16	17	18	19
				एकादशी व्रत		प्रदोष व्रत	रविदास जयन्ती पूर्णिमा
	21	22	23	24	25	26	27
	28						

विवाह मुहूर्त

ता.	वार	नक्षत्र
9	मंगल.	उ.भा.
10	बुध.	उ.भा.
11	गुरु.	रेवती
14	रवि.	रोहिणी
15	सोम.	रोहिणी
16	मंगल.	मृगशिरा
21	रवि.	मघा
22	सोम.	उ.फा.
25	गुरु.	स्वाती
26	शुक्र.	स्वाती
28	रवि.	अनुराधा

पंचक-ता.७ को पंचक प्रारम्भ दिन १०।३६ बजे से। ता.१२ को प्रात: ५।४१ बजे तक पंचक समाप्त।

भद्रा-ता.४ को भद्रा प्रारम्भ दिन ४।३१ बजे से भद्रा समाप्त प्रात: ५।४८ बजे तक। ता.१० को भद्रा प्रारम्भ दिन २।४६ से भद्रा समाप्त रात्रि ३।४ बजे तक। ता.१३ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि २।६ से ता.१४ को भद्रा समाप्त दिन १।२८ तक। ता.१७ को भद्रा प्रारम्भ दिन ६।५८ बजे से भद्रा समाप्त दिन ५।३२ बजे तक। ता.२० को भद्रा प्रारम्भ दिन ८।०० बजे से भद्रा समाप्त सायं ६।२६ बजे तक। ता.२६ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ८।४३ से ता.२७ को भद्रा समाप्त दिन ९।१३ तक।

मूल-विचार-ज्येष्ठा-ता.१ प्रात: ६।२७ से ता.२ को सुबह ९।२१ तक। मूल-ता.२ को सुबह ९।२१ से ता.३ को दोपहर १२।२६ तक। रेवती- ता.११ को प्रात: ४।५५ से ता.१२ को प्रात:५।४१ तक। अश्विनी-ता.१२ को प्रात: ५।४१ से ता.१३ को प्रात: ५।५५ तक। आश्लेषा- ता.१९ को सायं ६।३५ से ता.२० को दिन ४।७ तक। मघा-ता.२० को दिन ४।७ से ता.२१ को दिन १।५० तक। ज्येष्ठा- ता.२८ को दिन १।४७ से।

राशि-फल

मेष- पुरातत्व लाभ, साहस पराक्रम में वृद्धि, संतान पक्ष की चिन्ता।
वृष- शत्रु से विजय, धार्मिक कार्यों में बाधा, पराक्रम शक्ति की वृद्धि।
मिथुन- मातृसुख, दिनचर्या से लाभ, भोजन शयनादि में सुख, द्रव्यलाभ
कर्क- भाग्योन्नति, रोजगार में लाभ, पुत्र पत्नी से सुख, बौद्धिक क्षमता।
सिंह- अत्यधिक व्यय, संतान से सुख, धर्म-कर्म में रुचि, व्यापार में लाभ।
कन्या- धैर्य गम्भीरता की वृद्धि, रोजगार में बाधा, भवन सुख, पुत्रलाभ।
तुला- सामाजिक कार्यों में रुचि, पत्नी से कलह, रोजगार में बाधा, धर्मरुचि।
वृश्चिक- भाग्योन्नति, सामाजिक मान, भाई बहनो का सुख, वाणी यश वृद्धि।
धनु- शारीरिक कष्ट, हिम्मत शक्ति का विकास, रुके कार्य पूर्ण, धर्म-कर्म
मकर- रोजी रोजगार में लाभ, भाग दौड़ की स्थिति, पुरातत्व से लाभ होगा।
कुम्भ- सामाजिक कार्यों में रूचि, भूमि-भवन का लाभ, रुके कार्य पूर्ण।
मीन- रोजी-रोजगार में लाभ, स्वास्थ्य व्यतिक्रम, पत्नी से लाभ, धर्मरुचि।

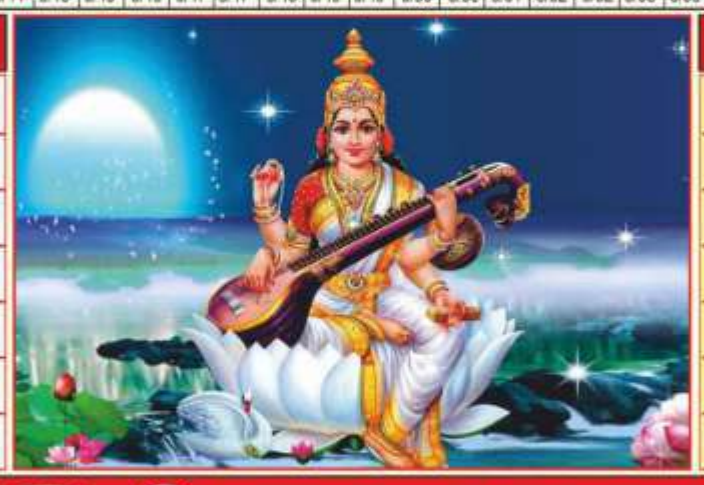
तेजी-मंदी

तेजी मन्दी का मिलाजुला प्रभाव देखने को मिलेगा। तेजी के चलते अचानक मंदी का झटका लग सकता है। अन्न आदि के भाव सम रहेंगे। चना, अलसी, मूंग मोङ्ग, अरहर के भाव सम रहेंगे, लवण, कपूर, चन्दन मंहगे हो, रस कस दूध-दही व फलों के भाव में हल्की तेजी। सोना-चांदी तेज रहेगा। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का रुख।

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28
सूर्योदय	6/45	6/45	6/45	6/44	6/44	6/43	6/43	6/42	6/41	6/41	6/40	6/40	6/39	6/38	6/38	6/37	6/36	6/36	6/35	6/34	6/33	6/32	6/31	6/31	6/30	6/29	6/28	6/27
सूर्यास्त	5/38	5/38	5/39	5/40	5/41	5/41	5/42	5/43	5/43	5/44	5/45	5/45	5/46	5/47	5/47	5/48	5/49	5/49	5/50	5/50	5/51	5/52	5/52	5/53	5/53	5/54	5/54	5/55

जनवरी 2027

रवि	31	3	10	17	24
सोम		4	11	18	
मंगल		5	12	19	
बुध		6	13	20	27
गुरु		7	14	21	28
शुक्र	1	8		22	29
शनि	2	9	16		30



मार्च 2027

रवि		7	14		28
सोम	1	8	15		29
मंगल	2	9	16	23	30
बुध	3		17	24	31
गुरु	4	11	18	25	
शुक्र	5	12	19		
शनि		13	20	27	

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

नाटीइमली, वाराणसी।
Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

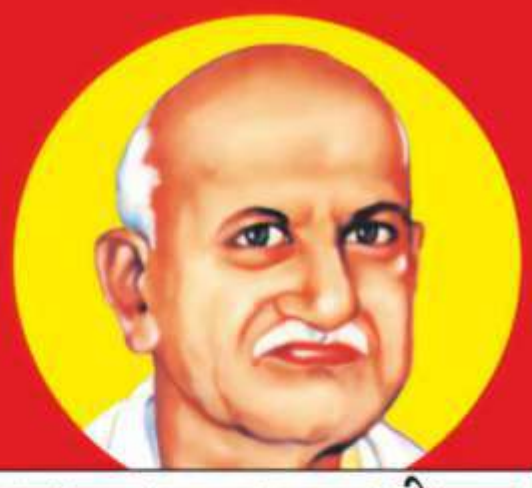
अधिकृत विक्रेता-ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक्सेलर, राजादरवाजा, वाराणसी। फोन-0542-2413650

Email- info@savitrithakur.com

web - www.thakurprasad.in

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ® ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

2027

संवत्सर फल

चैत्र शुक्र प्रतिपदा को नव सवंत्सर का आरम्भ होता है। इस वर्ष सवंत्सर २०८४ विक्रमीय सवंत्सर का नाम 'दुर्मति' है। यह ६० संवत्सरों में रुद्र आदि वीसवी के युग जिसका स्वामी अश्विनी कुमार है। ५५वाँ दुर्मति सवंत्सर है। ग्रह योग की दृष्टि से इस सवंत्सर में ग्रह मण्डल सभा में ६ स्थान सौम्य ग्रहों ने प्राप्त किये है बाकी अन्य स्थान क्रूर ग्रहों को प्राप्त हुई है।

इस वर्ष का **राजा–बुध, मंत्री–बुध**, सस्येश–शुक्र, धान्येश–गुरु, मेघेश–भौम, रससेश–रवि, नीरसेश–शुक्र, फलेश–भौम, धनेश–शुक्र, दुर्गेश–भौम है। इस सवंत्सर की लग्न और राशि मीन है। वर्ष लग्नकी कुण्डली में लग्नेश गुरु, पंचम भाव में स्थित है। गुरु की पाँचवी दृष्टि नवम भाव में सातवी दृष्टि एकादश भाव में है तथा नवी दृष्टि लग्न में स्वयं की राशि पर है। द्वितीयेश और नवमेष मंगल नीच का होकर पंचम भाव में गुरु और केतु के साथ स्थित है। मंगल की चौथी दृष्टि अष्टम भाव पर, सातवी दृष्टि एकादश भाव पर तथा आठवी दृष्टि व्यय भाव पर पड़ रही है। तृतीयेश और अष्टमेश शुक्र द्वादश भाव में स्थित है। चतुर्थेश और सप्तमेश बुध प्रथम भाव में, पंचमेश चन्द्र और षष्ठेश सूर्य के साथ स्थित है। अत: यह वर्ष सामान्यता शुभाशुभ मिश्र फलकारक है। देश के हित में किये गये कार्य में बाधाये आयेगी। उच्चाधिकारी, राज्याधिकारी एवं व्यापार वर्ग अपने लाभ के हित में मनमानी करेगे। कानून व्यवस्थ छिन्न-भिन्न रहेगी। महंगाई में बेतहाशा वृद्धि होगी। व्यापार नीति में सफलता प्राप्त होगी। सैन्य व्यवस्था सुदृढ़ होगी। राजनैतिक व्यवस्था अस्त-व्यस्त होगी। औद्यौगिक क्षेत्र में शराब उद्योग, इलेकट्रानिक उद्योग, हीरा उद्योग को विशेष लाभ पहुचेगा किन्तु शेयर बाजार, तेल खाद्य, उत्पादन वनस्पति, आयल उद्योग आदि की स्थिति ठीक नहीं रहेगी। उत्तरी पूर्व तथा पश्चिमोत्तर राज्य पंजाब, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, उत्तराखण्ड, हिमांचल प्रदेश, आसाम, बंगाल, तमिलनाडु आदि राज्यों में प्राकृतिक उत्पात आतंकवादी व नक्सलवादी, राजनैतिक दलों की स्वार्तवादी गतिविधियों के कारण काफी अशांत रहेंगे। पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश के लिये यह वर्ष अत्याधिक संवेदनशील एवं संकटपूर्ण होगा। उत्तर प्रदेश सरकार और जनता के लिए यह वर्ष कठिन परीक्षा का वर्ष होगा।

दसों अधिकारियों का क्रमश: फल

१. राजा–बुध–इस वर्ष का राजा बुध होने से पृथ्वी जल से परिपूर्ण हो घरों में मंगल व्याप्त हो। दान आदि की व्यवस्था वृद्धि प्रजा को स्वास्थ्य लाभ तथा धन-धान्य की स्थिति अच्छी हो। **२. मंत्री-बुध**–धन की स्थिति सुदृढ़ हो, जौ, मसूर, चना में मंहगाई तथा प्रजा का पारिवारिक जीवन शांति व सुखमय हो। **३. सस्येश शुक्र**–सस्येश शुक्र होने से शुभ और भारी वर्षा हो, गेहूँ, चावल ईख धन और प्रियगुं (औषधीय पौधे) अच्छ हो। वृक्षों में फल और पुष्पों की बढोत्तरी हो।

४. धान्येश गुरु–धान्येश गुरु होने से गेहूँ और चावल की फसल अच्छी हो तथा ब्राह्मण धर्म-कर्म में तत्पर रहें। **५. मेघेश भौम**–मेघेश भौम होने से वर्षा कहीं कम तो कहीं अधिक हो। तथा बाह्मण वेद-विचार से हीन हो। **६. रसेश रवि**–रसेश रवि होने से रस-कस दुध आदि में कमी, वस्त्र तेल, घी में महंगाई तथा राजाओं को कष्ट। **७. नीरसेश शुक्र**–नीरसेश शुक्र होने से कूपर, अगरबत्ती, धूपबत्ती स्वर्ण और मोती सस्ते हो। **८. फलेश भौम**–फलेश भौम होने से वृक्षों में फूल-फल की कमी होगी। मनुष्यों में रोगों की वृद्धि होगी और भय व्याप्त होगा। राजाओं में आपसी क्लेश की स्थिति होगी। **९. धनेश शुक्र**–धनेश शुक्र होने से सब लोगों में धन की सामान वृद्धि होगी। लोगों में सुख की वृद्धि होगी। क्रय-विक्रय में लाभ होगा। मनुष्य कई प्रकार के द्रव्य से युक्त होंगे। **१०.दुर्गेश भौम**–दुर्गेश भौम होने से प्रजा के सुख में कमी होगी। व्यापारियों में आपसी विश्वास में कमी। वृक्षों पर फलों की कमी होगी।

स्तम्भ चतुष्टय फल–चैत्र शुक्र प्रतिपदा को रेवती नक्षत्र का योग लगभग ६० प्रतिशत है। अत: जल का स्तम्भ सामान्य है। वर्षा अच्छी होगी। वैशाख शुक्ल प्रतिपदा को भरणी नक्षत्र का योग २० प्रतिशत है। अत: तृण का स्तम्भ कमजोर है।अत: तृण, तुष, धान, पशुआहार की कमी है। ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा का मृगशिरा नक्षत्र का योग लगभग ७५प्रतिशत है। अत: वायु का स्तम्भ उत्तम है। वायु संचार उत्तम रहेगा। आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा को पुनर्वसु नक्षत्र का योग लगभग ५० प्रतिशत है। अत: अन्न का स्तम्भ भी सामान्य है। अत: अन्नोत्पादन भी सामान्य रहेगा। **नागफल**–द्वादश नागों में इस वर्ष नागफल तक्षक नाग है। अत: वर्षा मध्यम हो और राजाओं में विग्रह। **मेघ फल**–मेघजल ९ मेघों में द्रोण नामक मेघ है। द्रोण मेघ हो तो राजा लोगों के खजाने भरपूर रहें। सम्पूर्ण पृथ्वी पर भी धन-धान्य अधिक हो और इन्द्रदेव जल की उत्तम वर्षा करें। **रोहिणी निवास**–इस वर्ष रोहिणी निवास संधि में पड़ रहा है। तो खण्ड वृष्टि हो,खेतों की हानि न हो। **समय निवास**–इस वर्ष समय का निवास वैश्य के घर में है। **समय वाहन**–इस वर्ष का समय वाहन सिंचाणु है। **गुरुदय मानेनवर्ष**–गुरु का उदय पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में हो रहा है। अत: यह गुरुदय मानेन फाल्गुन वर्ष होगा। चोरो का भय, कही वर्षा कहीं अन्य और सर्वत्र भय व्याप्त हो। **गुर्राफल**–७ जून २०२७ दिन सोमवार को, हिजरी सम्वत् १४४९ प्रारम्भ हो रहा है अत: इसका स्वामी चन्द्र है। गुर्रा का आधिपत्य चन्द्र होने से प्रजा सुखी रहें, वर्षा श्रेष्ठ हो। तिल, कपास, मेवा, फल, दूध की पैदावार होवें। कृषि में कुछ कमी अन्त में रहें। भारत में विशेषकर पश्चिम में युद्ध का भय बढ़े। मजदूरों से मलेरिया आदि रोग बढ़े, अग्निभय, वायु प्रकोप हो। मनुष्य सम्पन्न रहे। पक्षियों में रोग व्यापे।

न.१ विन्ध्योत्तर निवासियों के लिए विंशोत्तरी मतानुसार लाभ खर्च का विवरण

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
लाभ	२	११	२	११	१४	२	११	२	१४	८	८	१४	९९
खर्च	५	११	११	५	२	११	११	८	८	११	११	८	९९

न.२ विन्ध्य से दक्षिण निवासियों के लिये अष्टोत्तरी मतानुसार लाभ खर्च का विवरण

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चि.	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
लाभ	५	१४	२	११	१४	२	५४	५	८	११	११	८	१०५
खर्च	५	११	११	८	२	११	११	५	११	५	५	११	९६

लाभ-खर्च मालूम करने की रीति–अपनी राशि का जन्म नक्षत्र तक गिनें। प्राप्त संख्या को ९ से भाग दें। १ शेष बचे तो लाभ, २ से सौख्य, ३ से कलेश, ४ से रोग, ५ लोकापवाद, ६ से सम्मान ७ से विवाद, ८ से रोगे० से हानि का योग इस वर्ष में होता है। सारणी में १,२,६ या ७ शेष बचने से लाभ वर्ष लाभ, मानोपयश, नौकरी धन्धे में तरक्की होगी। शेष ३,४,५,८ या ० बचे तो खर्च अधिक, आय कम, अनुकूलता मिलने कठिनाई।

अंग फड़कने का फल

स्थान	फल	स्थान	फल
मस्तक	पृथ्वी-लाभ	हस्त	द्रव्यलाभ
ललाट	स्थान-लाभ	वक्षस्थल	इष्ट-सिद्धि
दोनो भौं	महान सुख	कटि	उत्तम
बीच भौं	महान सुख	कटि-पार्श्व	उत्तमप्रीति
कपाल	वारंगन प्राप्ति	नाभि	स्त्रीनाश
नेत्र	प्रिय दर्शन	भग	पति-प्राप्ति
नेत्र-समीप	प्रिय समागम	लिंग	स्त्री-लाभ
नेत्रोर्ध्व	विजय	गुदा	वाहन-लाभ
कन्धा	भोग,समृद्धि	वृषण	पुत्र-लाभ
हनु	महाभय	वस्ति	अभ्युदय
ग्रीवा	शत्रु-भय	उरु	वस्त्रलाभ
उदर	कोष-लाभ	जानु	शत्रुवृद्धि
कुक्षि	सुप्रीति-लाभ	जाँघ	स्वामी
मुख	मधुर भोजन	पाद	स्थानलाभ
भुज	प्रिय-प्राप्ति	पादतल	नृपत्वबुद्धि
भुज-मध्य	धनागम		

मैं और मेरे पिताजी

जब मैं ५ वर्ष हो गया–तब सोचता था कि मेरे पिता दुनियाँ के सबसे मजबूत और ताकतवर व्यक्ति हैं।

जब मैं १० वर्ष का हो गया–तब मैं महसूस करने लगा कि मेरे पिता को दुनिया कि हर चीज के बारे में जानकारी है।

जब मैं १५ वर्ष का हो गया–तब मैं महसूस करने लगा कि मेरे मित्रों के पिता मेरे पिता से ज्यादा समझदार हैं।

जब मैं २० वर्ष का हो गया–तब मैंने महसूस किया कि मेरे पिता को दुनिया के साथ चलने के लिए कुछ और ज्ञान की जरुरत है।

जब मैं २५ वर्ष का हो गया–मैंने महसूस किया कि मेरे पिता किसी और दुनिया के हैं, और वे हमारी सोच के साथ नहीं चल सकते।

जब मैं ३० वर्ष का हो गया–तब मैंने महसूस किया कि मुझे किसी भी काम के बारे में अपने पिता से सलाह नहीं करनी चाहिए, क्योंकि उनमें हर काम में कमी निकालने की आदत हो गयी है।

जब मैं ३५ वर्ष का हो गया–मैंने महसूस करने लगा कि मेरे पिता को मेरी नकल करके कुछ समझ आ गयी है।

जब मैं ४० वर्ष का हो गया–तब मैं महसूस करने लगा कि मेरे पिताजी की सलाह ली जा सकती है।

जब मैं ५० वर्ष का हो गया–तब मैंने फैसला किया कि मुझे अपने पिता की सलाह के बिना कुछ भी नहीं करना चाहिए। क्योंकि मुझे ज्ञान हो चुका था। कि मेरे पिता दुनिया के सबसे समझदार व्यक्ति हैं।

निष्कर्ष–पिताजी के फैसले और सुझाव पर चलने से ही हमारे परिवार व कार्य में सफलता की पूरी संभावना है।

नवग्रह से धन प्राप्ति के उपाय



१.सूर्य शान्ति से धन-प्राप्ति

१. घर में स्फटिक 'श्री यन्त्र' स्थापित करें एवं श्रीसूक्त का पाठ करें।

२. हरिवंश पुराण के अनुसार सिद्धिप्रद देवी की स्थापना करनी चाहिए।

३. आत्मबल बढ़ाना अभीष्ट हो तथा धन-प्राप्ति की विशेष इच्छा हो, तो "माणिक्य युक्त सूर्य यन्त्र" स्वर्ण धातु में पहनें।

४. हरिवंश पुराण की कथा करें तथा सूर्य को मीठा डालकर अर्घ्य दें।

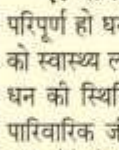
५. माणिक्य धारण करें। माणिक्य के अभाव से तांबा धारण करें।

६. चारपाई के पायों में तांबे की कील गाड़े।

७. सूर्य नीच का हो, तो सूर्य की चीजों को दान न लें और सूर्य उच्च का हो, तो सूर्य की चीजों का दान न दें।

८. सूर्य के मन्त्रों का किसी ब्राह्मण से जप करावें।

९. सूर्य को प्रसन्न करने के लिए प्रात: जब आधा ही सूर्य उगे, तो लाल पुष्प डालकर सूर्य को नियमित अर्घ्य दें।



२. चन्द्र शान्ति से धन-प्राप्ति

१. चन्द्रमा को मजबूत करना हो तथा धन-प्राप्ति की इच्छा हो तो, "मोती युक्त चन्द्र यन्त्र" गले में धारण करें। २. अनिष्ट चन्द्रमा की शान्ति के लिए पूर्णिमा व्रत सहित चन्द्र मन्त्र का विधिवत् अनुष्ठान करना चाहिए।

३. दूध का बर्तन रात को सिराहने रखकर सुबह यज्ञीवृक्ष में डाले।

४. चारपायी के पायों में चांदी की कील गाड़नी चाहिए।

५. बहते पानी (गंगा) में स्नान करें।

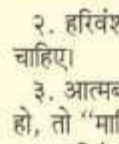
६. घर की छत के नीचे कुआं या हैण्डपम्प नहीं लगायें।

७. चन्द्र का नीच का हो तो चन्द्र की चीजों का दान करें। यह उपाय ५,११ या ४३ दिन या सप्ताह या एक माह लगातार करे।

८. केतु के सात चन्द्र होने पर गणपति की उपासना करें।

९. चन्द्र निर्बलता में कैल्शियम की विशेष कमी हो जाती है, अत: उसका सेवन बहुत हितकर है।

१०.कर्क या वृष के निर्बल चन्द्र के लिए भगवती गौरी परांबा ललिता की आराधना करें।



३. मंगल शान्ति से धन-प्राप्ति

१. मंगल को शक्तिशाली बनाने के लिए 'मंगल यंत्र' धारण करें।

२. देवी भगवती का पाठन अथवा श्रवण करें।

३. ऋण निवृत्ति की इच्छा के साथ जिस जातक को धन संग्रह की कामना हो "मंगल यन्त्र" में मूंगे के साथ मोती लगायें, तो लक्ष्मी जी की कृपा हो जायेगी।

४. हरिवंश पुराण के अनुसार जातक को महारुद्र या अतिरुद्र यज्ञ का दान कराना चाहिए।

५. मंगल यंत्र निर्दोष मूंगा सहित धारण करें। यथाशक्ति गुड़ का दान भी हितकारी सिद्ध होता है।

६. लक्ष्मी स्तोत्र, देवी कवच स्तोत्र अथवा ऋण मोचन मंगल स्तोत्र में से किसी भी एक का नियमित वाचन करें।

७. महागायत्री का पाठ करना, हनुमानजी की सिन्दूर लगाना एवं स्वयं भी हनुमान के पैरों में रखे हुए सिन्दूर लगायें।

८. मंगल अशुभ हो, तो गुड़,तिल को प्रवाहित करें।

९. मंगलकृत अरिष्ट निवारणार्थ मंगलव्रत सहित मंगल मन्त्र का विधिवत् अनुष्ठान करना चाहिए।



४. बुध शान्ति से धन प्राप्ति

१. बुध पीड़ा की विशेष शान्ति हेतु चावल, शहद, सफेद सरसों, गोबर गोरोचन एवं नवारी मल्वत मिलाकर ७ बुधवार तक स्नान करें।

२. एक रत्ती स्वर्ण का बुधवार के दिन दान करें।

३. ग्यारह बुधवार तक एक मुट्ठी मूंग भिखारियों दान दें।

४. बुधवार का व्रत ५,११ या ४३ बार करें।

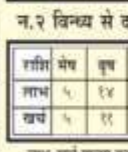
५. साबुत मूंग, हरी चीजें दान करें या जल में प्रवाह करें।

६. तांबे के सिक्के में छेद करके बहते पानी में बहायें।

७. पन्ना धारण करें। पन्ने के अभाव में धातु धारण करें।

८. लड़की, बहन, बुआ, साली की सेवा करे।

९. कौड़ियों को जलाकर बहते पानी में बहायें।



५. बृहस्पति शान्ति से धन प्राप्ति

१. गुरु को बलवान् करने एवं धन-प्राप्ति हेतु 'पुखराज युक्त गुरुयन्त्र' सोने में धारण करें।

२. गुरुलीलामृत का पाठन अथवा श्रवण करें।

३. हरि पूजन करें या पीपल का पालन करें।

४. शुद्ध सोना धारण करें।

५. पुखराज पहनें पुखराज के अभाव में हल्दी की गांठ, पीले रंग के धागे में बांधकर दायीं भुजा पर बांधे।

६. गुरु के कारण उत्पन्न समस्त अरिष्टों के शमन के लिए रुद्राष्टाध्यायी एवं शिवसहस्रनाम का पाठ अथवा नित्य रुद्राभिषेक करना अमोघ है।

७. पंचम भाव स्थित शनि, गुण के अरिष्ट शमनार्थ ४० दिन तक वटवृक्ष की १०८ प्रदक्षिणा करना हितकारी होता है।

८. चांदी की कटोरी में केसर/हल्दी का तिलक करना।

९. बृहस्पतिवार का व्रत ५,११ या ४३ बार रखना।

१०.प्रतिदिन स्नान के पश्चात् नाभि में केसर लगायें।



६.शुक्र शान्ति से धन-प्राप्ति

१. श्रीसूक्त लक्ष्मीसूक्त और कवच अथवा भाग्यशाली मन्त्र का जाप लाभकारी है।

२. विलम्ब विवाह में मोहिनी कवच या कामदेव मन्त्र का जाप कल्याणकारी होता है। ३. शुक्र मन्त्र का जप, स्तोत्र कवच या शतनाम के सहित करके सौन्दर्य लहरी का एक श्लोक पढ़ना चाहिए।

४. २१ शुक्रवार तक श्वेत वस्तुओं का दान करें।

५. शुक्रवार का व्रत ५,११, या ४३ बार करें।

६. घी, दही, कपूर, अदरक का दान करें।

७. हीरा पहनें, हीरे के अभाव में सच्चे मोती पहनें।

८. स्त्री का कहना मानें, स्त्री की सेवा करें और स्त्री से झगड़ा न करें।

९. प्रतिदिन श्रीसूक्त का पाठ करें।



७.शनि शान्ति से धन प्राप्ति

१. शनि व्रत के सहित भगवान् शिव पर नित्य दूध या तिल चढ़ावें।

२. भैरव उपासना और मन्त्र जप अतिशीघ्र यथेष्ट कल्याणप्रद सिद्ध होता है।

३. शनि स्तुति का वाचन अथवा श्रण करें।

४. शनिवार का व्रत ५,११ या ४३ बार करें।

५. सन्ध्या समय शनि मन्दिर के दर्शन करें।

६. काली भैंस का पालन करें, काले सांप को दूध दें।

७. शनि की स्थिति देखकर नीलम धारण करें।

८. शनि के वैदिक या तान्त्रिक मन्त्र समस्त अरिष्टों को दूर करता है।

९. काले वस्त्रों एवं तिल का यथा सम्भव दान करें।



८. राहु शान्ति से धन-प्राप्ति

१. राहु को प्रसन्न करने हेतु 'गोमेद युक्त राहु यंत्र धारण करें।

२. गोमेद धारण करें। गोमेद के अभाव में सिक्का धारण करें।

३. 'नवनाथ' के १३ परायण करें।

४. श्रावण में प्रति सोमवार लघुरुद्र पाठ करें।

५. नागपंचमी को ताम्र अथवा रजत का नाग बनवाकर उसे पूजा स्थान पर स्थापित कर उसकी नियमित हल्दी, कुंकुम, नैवेद्य आदि से पूजन करें। कार्य हो जाने पर उन्हें ठण्डा करें।

६. छिन्नमस्ता मां का यंत्र चमत्कारी फलकारक है।

७. बटुक भैरव प्रयोग भी लाभकारी है।

८. औषधि स्नान एवं गूगल की नित्य धूप देना चाहिए।

९.परिवार से अलग न रहें या परिवार में मुखिया न बनें।



९.केतु शान्ति से धन-प्राप्ति

१. केतु के वैदिक या तान्त्रिक मन्त्र का जाप करें।

२. पीपल वृक्ष की प्रदक्षिणा एवं नाग प्रतिष्ठा भी लाभकारी।

३. केतु द्वादश नाम का नित्य पाठ करना चाहिए।

४. गुरुवार को यथाशक्ति ब्राह्मणों को दान दें।

५. दत्त चरित्र के ११ परायण करें।

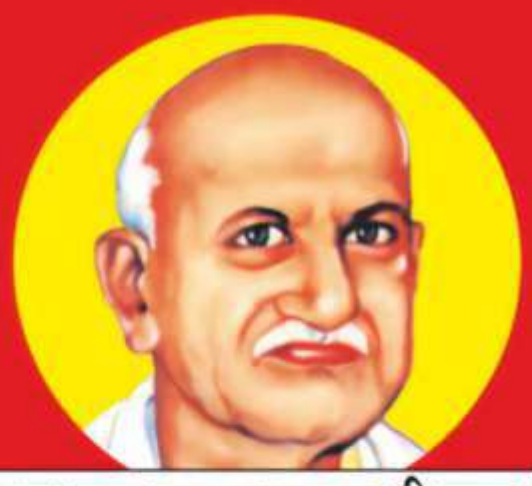
६. शनि एवं गुरु के होरा में निर्जल रहें।

७. लोहे के पात्र में जलादि ग्रहण करें।

८. अपना चाल-चलन ठीक रखना। ९. खटाई वाली चीजें नींबू, इमली या गोल-गप्पे लड़कियों को खिलायें। ●

www.thakurprasad.in

यश



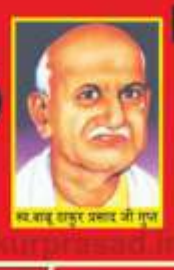
स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

ठाकुर प्रसाद पंचाङ्ग

मार्च 2027

द्रुध का विवरण

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			31		
16			योग		

कपड़ा धुलाई का विवरण

तारीख	विवरण कपड़ा	संख्या

अख़बार का विवरण

दिनांक	8	16	24
1	9	17	25
2	10	18	26
3	11	19	27
4	12	20	28
5	13	21	29
6	14	22	30
7	15	23	31

आवश्यक कार्यक्रम

आकाशीय लक्षण

मासारम्भ में साधारण वर्षा का योग है। कुछ भागों में बूंदा-बांदी तथा कुछ भागों में अधिक वर्षा का योग है। वायु उपद्रव का योग बनता है। तूफान आदि में दक्षिणी समुद्र तटीय क्षेत्र को प्रभावित होंगे। ता.8,9,10,17,18,26, 27 को पंजाब, मध्यप्रदेश उत्तर प्रदेश के पर्वतीय इलाकों में गर्ज-तर्ज के साथ वर्षा होगी।

विक्रम संवत् 2083

फाल्गुन कृष्ण 9 से चैत्र कृष्ण 9 तक।
तारीख 23 मार्च से चैत्र माह प्रारम्भ।।

शालिवाहन शाके 1948-49

राष्ट्रीय फाल्गुन 10 से राष्ट्रीय चैत्र 10 तक।
ता.22 मार्च से राष्ट्रीय चैत्र प्रारम्भ।।

फसली संवत् 1434

फसली चैत्र 9 से फसली वैशाख 9 तक।
ता.23 मार्च से फसली वैशाख माह प्रारम्भ।।

MARCH



इस्लामी हिजरी 1448

रमजान 21 से शव्वाल 22 तक।
तारीख 10 मार्च से शव्वाल माह प्रारम्भ।।

बंगला संवत् 1433

बंगला फाल्गुन 16 से बंगला चैत्र 16 तक।
ता.16 मार्च से बंगला चैत्र माह प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1147

नेपाली फाल्गुन 17 से नेपाली चैत्र 17 तक।
ता.15 मार्च से नेपाली चैत्र माह प्रारम्भ।

विवाह मुहूर्त

ता.	वार	नक्षत्र
2	मंगल.	मूल
3	बुध.	उ.षा.
4	गुरु.	उ.षा.
9	मंगल.	उ.भा.

व्रत-त्यौहार

1	सोम.	रामदास नवमी, शहादते हजरत-अली जन्म दिवस
4	गुरु.	विजया एकादशी व्रत
5	शुक्र.	प्रदोष व्रत, जमातुल विदा
6	शनि.	महाशिवरात्रि
7	रवि.	शब-ए-कदर
8	सोम.	स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या सोमवती अमावस्या
9	मंगल.	चन्द्रदर्शन
10	बुध.	श्रीरामकृष्ण परमहंस जयंती फुलवरिया दूज, ईदुल-फितर,ईद
12	शुक्र.	वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
13	शनि.	याज्ञवलक्य जयंती
15	सोम.	दुर्गाष्टमी
16	मंगल.	होलाष्टक आरम्भ
18	गुरु.	आमल की रंगभरी एकादशी व्रत
19	शुक्र.	मेला श्याम जी खाटु
20	शनि.	शनि प्रदोष व्रत
21	रवि.	होलिका दहन, व्रत पूर्णिमा
22	सोम.	व्रत की पूर्णिमा, होली, धुरण्डी राष्ट्रीय चैत्र आरम्भ शाके 1949 प्रारम्भ, चैतन्य महाप्रभु जयंती
25	गुरु.	संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी छत्रपति शिवाजी जयंती
26	शुक्र.	गुड फ्राईडे
27	शनि.	रंग पंचमी
28	रवि.	इस्टर सण्डे
29	सोम.	शीतला पूजन, इस्टर मण्डे
30	मंगल.	कालाष्टमी, बुढ़वा मंगल

राशि-फल

मेष- शत्रुओं पर विजय, भाग्योन्नति, धर्म-कर्म में रुचि, प्रतिष्ठा वृद्धि।

वृष- रोजगार में बाधायें, सामाजिक मान सम्मान की प्राप्ति, व्यापार उन्नत।

मिथुन- भाग्योन्नति, धर्म का पालन, साहस पराक्रम में वृद्धि, परिवार से लाभ।

कर्क- बिगड़े कार्य पूर्ण, बौद्धिक विकास अध्ययन से लाभ, स्वजनों से लाभ

सिंह- पत्नी से मतभेद, रोजगार में बाधा पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण।

कन्या- आत्मविश्वास की कमी, शत्रुओं की वृद्धि, वाणी पर नियंत्रण,द्रव्यलाभ

तुला- पारिवारिक क्लेश, मानसिक शांति कर्म शक्ति में कमी, भाग्योन्नति।

वृश्चिक- माता से सहयोग, भूमि-भवन, मकानादि का सुख, शत्रु पर विजय

धनु- भूमि भवन का सुख, भौतिक सुख द्रव्यलाभ, मांगलिक कार्य पूर्ण।

मकर- इष्ट मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण, पारिवारिक मतभेद, भाग्योन्नति।

कुम्भ- रोजी-रोजगार में लाभ, व्यर्थ के बाद विवाद, सामाजिक कार्य।

मीन- कर्मचारियों से लाभ, भौतिक सुख पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि,स्वास्थ्य लाभ।

तेजी-मंदी

बाजार में मन्दी होगी। सभी अन्नादि भावों में मन्दी का रुख रहेगा। सोना-चांदी व सर्राफा बाजार सम रहेगा। गुड़, खाड के भावों में गिरावट नजर आयेगी। सट्टे केस भी जिन्सों में मन्दी कायम रहेगी। गेहूँ, जौ, चना, ज्वार, मक्का, बाजरा, में मन्दी का नजर आयेगा।

	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
	7	1	2	3	4	5	6
	14	8	9	10	11	12	13
	21	15	16	17	18	19	20
	28	29	30	31	23	26	27

होलिका दहन (21) · होली (22) · ईदुल फितर (ईद) (10) · एकादशी व्रत (4) · एकादशी व्रत (18) · गुड फ्राइडे (26) · महाशिवरात्रि (6) · प्रदोष व्रत (20) · चन्द्रदर्शन (9)

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	6/25	6/24	6/23	6/22	6/21	6/20	6/19	6/18	6/17	6/16	6/15	6/14	6/13	6/12	6/11	6/10	6/9	6/8	6/7	6/6	6/4	6/3	6/2	6/1	6/0	5/59	5/58	5/57	5/56	5/55	5/54
सूर्यास्त	5/56	5/57	5/57	5/58	5/58	5/59	5/59	6/0	6/0	6/0	6/1	6/2	6/2	6/3	6/3	6/4	6/4	6/4	6/5	6/5	6/6	6/6	6/6	6/7	6/8	6/8	6/8	6/9	6/9	6/10	6/10

फरवरी 2027

रवि		7	14	21	28
सोम	1	8	15	22	
मंगल	2	9	16	23	
बुध	3	10	17	24	
गुरु	4		18	25	
शुक्र	5	12	19	26	
शनि	6	13		27	



अप्रैल 2027

रवि		4	11	18	25
सोम		5	12	19	26
मंगल		6	13	20	27
बुध				21	28
गुरु	1	8		22	29
शुक्र	2	9	16		30
शनि	3	10	17	24	

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

नाटीइमली, वाराणसी।
Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

अधिकृत विक्रेता-ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक्सेलर, राजादरवाजा, वाराणसी। फोन-0542-2413650

Email- info@savitrithakur.com

web - www.thakurprasad.in

www.thakurprasad.in

यश

स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ® ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

सन् २०२७ ई. में शनि की साढ़े साती एवं गुरु, राहु-केतु गोचर फल विचार

२९ मार्च २०२५ दिन शनिवार को भारतीय प्रमाणिक समय घं.२१ मि.२९ बजे पर मार्गगत्या शनिदेव मीनराशि पू.भा. नक्षत्र में प्रवेश करेंगे। शनि उपरोक्त प्रवेश काल के समय तत्कालिक चन्द्र मकर राशि में था। अपनी मार्गीय वक्रीय गति से शनिदेव ३ जून २०२७, ५ बजकर २५ मिनट तक मीन राशि में ही भ्रमणशील रहेंगे।

जन्माराशि के गोचर शनि	मेष अ १२	सिंह स ८	वृश्चिक ५	रजतपाद फल लाभ,सफलता
जन्मराशि के गोचर शनि	वृष ११	कन्या ७	मकर ३	लौहपाद फल दुःख कलह
जन्मराशि के गोचर शनि	मिथुन १०	तुला ६	मीन ब-१	ताम्रपाद फल लक्ष्मी प्राप्ति
जन्मराशि के गोचर शनि	कर्क ९	धनु ४	कुम्भ द-२	स्वर्णपाद फल श्रम संघर्ष
अ-सिर पर चढ़ती ढैय्या स-लघु कल्याणी ढैय्या		थ-हृदय के बीचकी ढैय्या द-पैर पर उतरती ढैय्या		

मीनराशि गत शनि का गोचर फल और पादफल द्वादश राशियों के लिए इसी पंचांग में पढ़ें। प्रत्येक राशि से १-२-३ यदि जिस स्थान पर शनि का भ्रमण चल रहा है, उसका गोचर फल एवं पादफल उपरोक्त चक्र में प्रत्येक राशि के साथ अंकित किया जाता है। उस संख्या के साथ जहाँ अ ब स द संकेताक्षर का उल्लेख है उसका विवरण उसी चक्र के नीचे दिया गया है।

ता.३ जून २०२७ प्रातः ५ बजकर २५ मिनट दिन गुरुवार शनिदेव मीनराशि में भ्रमणशील रहेंगे। अतः ३ जून २०२७ प्रातः ५.२५ तक वक्र-मार्गगत्या शनि मीन राशि पर रहने की अवधि में मेष-सिंह-वृश्चिक राशि वालों का रजतपाद से कल्याणकारी है, किसी शुभ दिशा में अग्रसर होंगे। अवसर से लाभ उठाना आपके परिश्रम और प्रयत्न पर निर्भर है। कठिनाइयों की परवाह नहीं करनी है। वृष-कन्या-मकर राशिवालों को लौहपाद से शनि कष्टप्रद होगा। चिन्ता अपव्यय एवं अपशकुन के नये-नये कारण स्वयं पैदा होते रहेंगे। सरलता और भावुकता से हानि होगी। मिथुन-तुला-मीन राशि वालों का ताम्रपाद से शनि अधिक आवागमन हेतु शुभ होगा। भावुकता की जगह बुद्धि विवेक से कार्य करे तो उलझनोंसे बचते रह सकते है, अपव्यय पर नियन्त्रण आवश्यक है। कर्क-धनु-कुम्भ राशि वालों को स्वार्थ पैदा होते रहेंगे। सरलता और व्याकुलता से हानि होगी। मिथुन-तुला-मीन राशि वालों की ताम्रपाद से शनि अधिक आवागमन हेतु शुभ होगा। भावुकता और सरलता से हानि होगी। भावुकता की जगह बुद्धि विवेक से कार्य करें तो उलझनों से बचते रह सकते है, अपव्यय पर नियन्त्रण आवश्यक है। कर्क-धनु-कुम्भ राशि वालों को स्वर्णपाद से साहसिक क्षमता में कमजोर, आलस्य लापरवाही से हानि हो सकती है। प्रिय व्यक्ति से विद्रोह सम्भव होगा।

द्वादश राशियों के लिए शनिफल

१. मेष राशि वालों के लिये—द्वादश शनि अशुभ है। साढ़ेसाती के अन्तर्गत सिर पर चढ़ती ढैया है। आर्थिक अवरोध, स्वजनों से मन, मुटाव असफल यात्रा अनेक प्रकार से कष्ट आघात, प्रत्याघात, चौराग्नि भय एवं आकांक्षा पूर्ति में कठिन अवरोध उत्पन्न होगा। शत्रु का भय रहेगा। परिवार में विचित्र प्रकार के रोगों का दौर चलेगा।

२. वृष राशि वालों के लिये—एकादश शनि शुभ है। विविध सुख साधनों की वृद्धि होगी। सहोदर भाई बहनों से लाभप्रद एवं मददगारी प्रीति बढ़ेगी। धर्म-अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। वाद-विवाद मुकदमा, परीक्षा-प्रतियोगिता वगैरह में सफलता मिलने का योग है। छोटी-छोटी कठिनाइयों से घबड़ाना नहीं है।

३. मिथुन राशि वालों के लिये—दशम शनि शुभ है। आर्थिक आवागमन से आत्मसंतोष बढ़ेगा। संकल्पित कार्यक्रमों में सफलता मिलेगी। उच्च अधिकारियों से मित्रता बढ़ेगी, भ्रमण सुख भी मिलेगा। स्वावलम्बनकी शक्ति बढ़ेगी। भौतिक सुख-सुविधा की वृद्धि होगी। मान-सम्मान की रक्षा होगी।

४. कर्क राशि वालों के लिये—नवम शनि पूज्य है। दैनिक समस्याओं का सामना करना होगा। शारीरिक, दुर्बलता परिश्रम संघर्ष से कठिन कार्य सिद्धि होगी। व्यापार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनेगी। स्त्री संतान कुटुम्बियों के प्रति उदासीनता रहेगी। अध्ययन में सफलता बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान देना है।

५. सिंह राशि वालों के लिये—अष्टम शनि पूज्य है। लघुकल्याणी ढैया चालू रहेगी। अनियमित दिनचर्या, उदर-विकार, गृह-कलह, वैमनस्यता, पारिवारिक सदस्यों की करतूतों से घृणा पैदा होगी। साहस पराक्रम पुरुषार्थ शक्ति का क्षय अधीनस्थ कर्मचारियों से कष्ट का अनुभव। स्वास्थ्य बाधा जोश-क्रोध-उन्माद की वृद्धि। आत्मविश्वास तथा मनोबल टूटते जाने की स्थिति में धैर्य धारण अनिवार्य।

६. कन्या राशि वालों के लिये—सप्तम शनि पूज्य है। नौकरी व्यापार में सफलता का योग घबराहट, अपव्यय बढ़ेगा। लाभ हानि की समानता। रुके अधूरे कार्य धीरे-धीरे पूर्ण होंगे। सामान्य सुखोदय का योग है। स्वास्थ्य उत्तम वाहन के प्रयोग में सावधानी बरतें। रुचिकर कार्यों का त्यागना एवं जबरन अरुचिकर लाभ अपनाना शोभनीय न होगा।

७. तुला राशि वालों के लिये—छठा शनि शुभ है। विद्याध्यन में मध्यम सफलता मिलेगी। आयु आरोग्य सुरक्षित रहेगा। कर्त्तव्य निष्ठ जीवन का विकास होगा। साहस उत्साह सत्कर्म सद्बुद्धिका विकास होगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख उत्तम, अविश्वास का आवागमन बना रहेगा।

८. वृश्चिक राशि वालों के लिये—पंचम शनि पूज्य है। सुख, दुःख एवं लाभ हानि की समानता विभिन्न परिस्थितियों में क्रमशः सुधार। धनागार हेतु स्वाभाविक चिन्ताएँ रहेगी। हर क्षेत्र में सामान्य शुभफल मिलेगा। घर गृहस्थी के निर्वाह में सफल, सहोदर भाई-बहनों में खटपट बनी रहेगी। कार्य व्यस्तता, दौड़, धूप की वृद्धि हिंसक विचारों वाले मित्रों, रिश्तेदारों का त्याग जरुरी है।

९. धनु राशि वालों के लिये—चतुर्थ शनि अशुभ है। लघु कल्याणी ढैया चालू रहेगी। पत्नी सन्तान को विविध कष्ट, पारिवारिक एवं मानसिक असंतोष, विश्वासीजनों से धोखा, शरीर में कठिन रोगग्रस्तता, भोजन शयन में कष्ट, दैनिक कठिनाइयों की वृद्धि, यदा-कदा दुश्चरित्रता का भय बना रहेगा।

१०. मकर राशि वालों के लिये—तृतीय शनि शुभ है। आचरण की पवित्रतासे भाग्य वृद्धि, अच्छे मित्रों का सहयोग मिलेगा। सुख की प्राप्ति, भौतिक सुख सम्पन्नता की वृद्धि, सज्जनों से सहयोग प्राप्ति, प्रसंगों में शुभफल प्राप्त।

११. कुम्भ राशि वालों के लिये—द्वितीय शनि पूज्य है, साढ़ेसाती के अन्तर्गत पैर पर उतरती ढैया रहेगी कठिन कार्यों में सफलता, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास, स्थान परिवर्तन का योग। साहस उत्साह की कमी रहेगी। अधिक प्रयत्नसे स्वल्प लाभ, श्रम संघर्ष अधिक करना होगा। दुःख-सुख हर्ष विवाद एवं लाभ हानि की समानता रहेगी। ऐसा कोई काम न करें।

१२. मीन राशि वालों के लिये—जन्मस्थ शनि पूज्य है, साढ़ेसाती के अन्तर्गत हृदय पर बीच की ढैया है। घर-गृहस्थी में उतार-चढ़ाव की स्थिति रहेगी। पारिवारिक शुभता में विघ्न होगा। श्रम प्रयत्न से सफलता, आमदनी कम खर्च अधिक। धर्म और धैर्यविलम्बन से रुके कार्य पूरे होंगे।

मेष राशिगत शनि का गोचर पाद फल

ता.३ जून २०२७ प्रातः ५ बजकर २५ मिनट पर शनि देव मेषराशि अश्विनी नक्षत्र के प्रथम चरण में प्रवेश करेंगे। अतः मेष राशि गत शनि का प्रत्येक राशि के लिए गोचर भ्रमण और पाद-फल बोधक चक्र निम्नवत है-

जन्माराशि के गोचर शनि	मेष ब-१	सिंह ९	वृश्चिक ६	रजतपाद फल लाभ,सफलता
जन्मराशि के गोचर शनि	वृष अ-१२	कन्या स-८	मकर स-४	लौहपाद फल दुःख कलह
जन्मराशि के गोचर शनि	मिथुन ११	तुला ७	मीन द-२	ताम्रपाद फल लक्ष्मी प्राप्ति
जन्मराशि के गोचर शनि	कर्क १०	धनु ५	कुम्भ ३	स्वर्णपाद फल श्रम संघर्ष
अ-सिर पर चढ़ती ढैय्या स-लघु कल्याणी ढैय्या		थ-हृदय के बीचकी ढैय्या द-पैर पर उतरती ढैय्या		

मेषादि प्रत्येक राशि से १-२-३ आदि जिस स्थान पर शनि का गोचर भ्रमण चल रहा है। उसका गोचर फल एवं पाद फल उपरोक्त चक्र में प्रत्येक राशि के साथ अंकित है। गोचर स्थान संख्या के साथ जहाँ अ-ब-स-द संकेताक्षर का उल्लेख है उसका विवरण इसी चक्र के नीचे स्पष्ट किया गया है अस्तु।

ता.३ जून २०२७ को भारतीय प्रामाणिक समय प्रातः घं.५ मि.२५ बजे शनि देव मार्गगत्या मेष राशि अश्विनी नक्षत्र प्रथम चरण में प्रवेश करेंगे तथा वर्षान्त तक इसी मेष राशि में भ्रमणशील रहेंगे।

इस समय खण्ड में मेष राशि पर रहने की अवधि में मेष-सिंह-वृश्चिक राशि वालों के लिए शनि का रजतपाद से आगमन शुभद और कल्याणकारी है। किसी शुभ दिशा में अग्रसर होकर असफलता प्राप्त करना आपके परिश्रम, प्रयत्न और विवेक पर निर्भर है। वृष-कन्या मकर राशिवालों को शनि का लौहपाद से आगमन दुःख कलह कारक एवं कष्टप्रद है। चिन्ता-अपव्यय, झगड़ा-झंझट आदिसे बचते हुऐ आत्मरक्षात्मक दृष्टि से जीविकोपार्जन के प्रयास करते रहें। मिथुन-तुला-मीन राशि पर शनि देव का ताम्र पाद से आगमन आर्थिक लाभदायक होगा। कर्क-धन-कुम्भ राशि पर शनिदेव का स्वर्ण पाद से आगमन श्रमसंघर्ष बढ़ाने वाला होगा। रोजी-रोटी के लिये संघर्षशील रखने वाला, शारीरिक-मानसिक तनाव व आलस्य और लापरवाही के कारण कुछ हानि भी सम्भव है। मेषादि द्वादश राशियों का मेष राशिगत शनि का गोचरफल निम्नालखित है।

१. मेष राशि—जन्मस्थ शनि पूज्य है। साढ़ेसाती के अन्तर्गत हृदय पर बीच की ढैय्या है। पारिवारिक शुभता में कमी, क्लेश, शारीरिक मानसिक कष्ट, स्वजनों से विरोध, मानसिक खिन्नता, व्यय की अधिकता तथा काफी श्रम और प्रयत्न से ही सफलता की प्राप्ति सम्भव है। परिस्थितियों वश गलत संगति और सलाह से गलत कार्य होंगे। धैर्यावलम्बन से ही कुछ सफलता प्राप्त होगी।

२. वृष राशि—द्वादश शनि अशुभ है। साढ़े साती के अन्तर्गत सिर पर चढ़ती ढैय्या है। आघात-प्रतिघात, चौराग्नि भय, शत्रु भय, आर्थिक अवरोध, स्वजनोंसे क्लेश, मनोरोग, रोग ऋण से कष्ट आदि नाना प्रकार के कष्ट सम्भावित है।

३. मिथुन राशि—एकादशस्थ शनि शुभ है। ताम्रपाद भी शुभ है। धर्म एवं अध्यात्म में रुचि, पारिवारिक उत्तरदायित्व निर्वाह कुशलता पूर्वक हो, सहोदर भाई बहनों से लाभ, सुख साधनों की वृद्धि,आदर-सम्मान की प्राप्ति, वाद-विवाद-मुकदमा-प्रतियोगिता में सफलता एवं धन प्राप्ति का उत्तम योग है।

४. कर्क राशि—दशमस्थ शनि शुभ है। भाग्य-कर्म-प्रारब्ध का उत्तम सहयोग, आर्थिक लाभ से आत्मसंतोष, सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा, भौतिक सुख-सुविधाओं की वृद्धि, उच्चाधिकारियों से सहयोग देशाटन का लाभ होगा परन्तु इसके लिये काफी श्रम और प्रयत्न करना होगा। धर्म धैर्य से कल्याण होगा।

५. सिंह राशि—नवमस्थ शनि पूज्य है। रजतपाद शुभ है। दैनिक जीवन में समस्याएँ, रोजी-रोजगार-व्यापार में उतार-चढ़ाव की स्थिति, शारीरिक दुर्बलता, स्त्री-संतान-परिवार के प्रति उदासीनता, अध्ययन से सामान्य सफलता।

६. कन्या राशि—अष्टमस्थ शनि का लौहपाद एवं लघु कल्याणी ढैया का होना अत्यन्त अनिष्टकाल है। अनियमित दिनचर्या, उदर-विकार, स्वास्थ्य बाधा, गृहकलह, कार्यव्यापार में हानि, शत्रुवृद्धि साहस पराक्रम-पुरुषार्थ की कमी, वैमनस्यता धन-हानि आदि अनेकानेक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

७. तुला राशि—सप्तमस्थ शनि पूज्य है। सामान्य सुख, नौकरी-व्यापारादि में समान्यता सफलता किन्तु घबराहट, अपव्यय में वृद्धि, अत्यधिक कर्म व्यस्तता, दाम्पत्य जीवन में कुछ कटुता, लाभ हानि का समानता, कार्य सिद्ध होंगे।

८. वृश्चिक राशि—षष्ठस्थ शनि का रजतपाद से आगमन शुभ है। पारिवारिक सुख उत्तम, कार्य व्यापार में लाभ, आयु, आरोग्य की वृद्धि इच्छित कार्यों में सफलता, कर्तव्यनिष्ठ जीवन का विकास, कार्यों में रुचि, विधाध्ययन में सफलता।

९. धनु राशि—पंचमस्थ शनि पूज्य है। कार्य व्यस्तता, आरोग्य सुख सामान्य धनागम हेतु स्वाभाविक चिन्तायें, भाई-बहनों से कटुता, हर क्षेत्र मेंसामान्य, धनागम हेतु स्वाभाविक चिन्तायें, भाई-बहनों से कटुता, हर क्षेत्रमें सामान्य शुभफल, उदर विकार, रोजी-रोजगार व्यापार मेंश्रम संघर्ष से सफलता व दुःख-सुख की समानता होगी। बच्चों पर विशेष ध्यान दें।

१०. मकर राशि—लौहपाद से चतुर्थस्थ शनि की लघु कल्याणी ढैय्या विशेष कष्टकारक है। पत्नी-संतान को कष्ट, पारिवारिक-सामाजिक असन्तोष, शारीरिक-मानसिक व्याधि, व्ययाधिक्य, धनहानि, विश्वासजनों से धोखा या असहयोग, दुश्चरित्रता का भय आदि होगी। श्रम धर्म और धैर्य से ही प्राप्ति होगी।

११. कुम्भ राशि—स्वर्णपाद से तृतीय शनि शुभ किन्तु श्रम संघर्ष कारक है। पारिवारिक सुख, भाग्य-कर्म-प्रारब्ध की वृद्धि, मित्रों एवं सज्जनों का सहयोग, आचरण की पवित्रता, अभिनव सुख, समृद्धिकी वृद्धि, महत्वपूर्ण यात्राओं में सफलता, रोजी-रोजगार व्यापार में तथा अन्य कई प्रसंगों में शुभ फल की प्राप्ति होगी। अनैतिक लोगों का साथ छोड़ दे शुभ होगा। श्रम संघर्ष आवश्यक है।

१२. मीन राशि—ताम्रपाद से द्वितीय शनि की साढ़ेसाती के अन्तर्गत पैर पर उतरती ढैया होगी। सुख-दुःख, लाभ-हानि की समानता, साहस उत्साह की कमी, अधिक प्रयत्न से अल्प लाभ, श्रम संघर्ष अधिक करने पर ही विद्या बुद्धि और प्रतिभा का विकास तथा धन लाभ सम्भव है।

कर्क राशिगत गुरु का गोचर पाद फल

ता.१ जून २०२६ दिन मंगलवार को मार्गगत्या गुरुदेव भारतीय प्रमाणिक समयानुसार घं.२५ मि.३३ बजे कर्क राशि में प्रवेश हुये थे इस तात्कालिक चन्द्र धनु राशि में भ्रमणशील थे गुरुदेव १ जून २०२६ से २६ जून २०२७ भारतीय प्रमाणिक समय प्रातः घं.५ मि.१६ बजे तक इसी कर्क राशि में मार्गवक्रगत्या भ्रमणशील रहेंगे। तदनुसार २५ जून २०२७ तक गुरु का गोचरपाद फल निम्नलिखित है।

मेष कन्या और कुम्भ राशि पर स्वर्णपाद से आगमन शुभाशुभ मिश्र फलकारक है। सुख समृद्धिकी वृद्धि लाभ बढ़ाने के साथ ही मानसिक दृष्टि से कुछ परेशानियों में वृद्धि उत्पन्न करेंगे। मिथुन, तुला, मकर राशि वालों के लिये रजतपाद से आगमन श्रेष्ठ प्रभावी लाभदायक और प्रदान करने वाले होंगे। वृष, सिंह और धनुराशि वालों के गुरुदेव का आगमन शुभ रहेगा। श्रमानुकूल सफलता प्राप्त होगी। अधिक प्रयास के द्वारा कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक विकास और व्यावसायिक सफलता व सामाजिक क्षेत्र में अनुकूलता देने वाला होगा। कर्क वृश्चिक और मीन राशि वालों के लिए लौहपाद से गुरु का आगमन अत्याधिक श्रम संघर्ष के बावजूद आपकी उलझनों और परेशानियों में वृद्धि उत्पन्न करेगा। श्रम संघर्ष और परिश्रम के बावजूद आपेक्षिक सफलता प्राप्त होने से परेशानियाँ प्राप्त होगी।

कर्क राशिगत मार्गवक्रगत्या गुरु का गोचरफल मेषादि द्वादश राशियों के लिए निम्नलिखित है।

१. मेष राशि वालों के लिये—लौहपाद से गुरुदेव का आगमन शुभफलदायक है। रोजी-रोजगार व्यापार में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पत्नी व संतान से सुख प्राप्त होगा। मन प्रसन्नचित रहेगा। पारिवारिकजनोंका सहयोग प्राप्त होगा। भूमि भवन वाहनादि का सुख प्राप्त होगा। व्यापारिक उन्नति के मार्ग योजनायें।

२. वृष राशि वालों के लिए—स्वर्णपाद से तृतीयस्थ गुरु मिश्रफलकारक है। स्वास्थ्य की अधिकता, सामाजिक पद प्रतिष्ठा ही हानि होगी। जातक की बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। रुके कार्यों की पूर्ति होगी। पारिवारिकजनों का सहयोग प्राप्त। वाद-विवाद की स्थितियों से बचे मानसिक चिन्तओं का सामना।

३. मिथुन राशि वालों के लिये—मिथुन राशिवालों के लिए ताम्रपाद से गुरुदेव का आगमन शुभाशुभ मिश्रितफल प्रदान करने वाला होगा। पारिवारिकजनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान से मन प्रसन्न रहेगा। धैर्य, साहस, गम्भीरता, सहनशील का मार्ग अपनाने से रोजी-रोजगार के उन्नति के मार्ग।

४. कर्क राशि वालों के लिये—मिथुन राशि वालों के लिये जन्मस्थ गुरु पूज्य है। स्वर्णपाद से गुरुदेव का आगमन शुभफलदायक है। जातक के स्वास्थ्य में उन्नति होगी। परन्तु मन कुछ अशान्त रहेगा। उद्योग और व्यापारिक क्षेत्रों में नवीन समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। व्यापारिक क्षेत्रों में अवरोध की स्थितियाँ बनेगी। विद्या-अध्ययन के क्षेत्र में श्रमानुकूल परिणाम प्राप्त होंगे।

५. सिंह राशि वालों के लिए—लौहपाद से द्वादस्थ गुरुदेव का आगमन मिश्रफलकारक है। मानसिक तनाव का सामना करना पड़ेगा। जिससे वृद्धि होती नजर आयेगी। जिससे पुरुषार्थ में कमी नजर आयेगी। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। ऋण सम्बन्धी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। मित्रों और पारिवारिकजनों से धोखा प्राप्त होगा। दाम्पत्य जीवन में समस्याओं का सामना।

६. कन्या राशि वालों के लिए—कन्या राशिवालों के लिए ताम्रपाद से एकादशस्थ गुरुदेव का आगमन शुभफलदायक है। परन्तु बाहरी सम्बन्धों के कारण समाज में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। पारिवारिकजनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। रोजी-रोजगार व्यापार में उन्नति के ये मार्ग प्रशस्त होंगे। भाग्य कर्म प्रारब्ध की वृद्धि होगी।

७. तुला राशि वालों के लिए—दशमस्थगुरुदेव का स्वर्णपाद से आगमन शुभाशुभ मिश्रफलकारक है। धैर्य, साहस, गम्भीरता का मार्ग अपनाने से रोजी-रोजगार सलामत रहेगा। वाणी और क्रोध पर नियन्त्रण रखे अन्यथा बने हुये कार्य बिगड़ेगे व्यर्थ की भागदौड़ का सामना करना पड़ेगा।

८. वृश्चिक राशि वालों के लिए—वृश्चिक राशिवालो के लिये रजतपाद से गुरुदेव का आगमन शुभाशुभ मिश्र फलकारक है। श्रेष्ठजनों की संगति प्राप्त होगी। मानसिक तनाव का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिकजनों से मन कुछ खिन्न रहेगा। रोजी-रोजगार व्यापारमें समस्याओं का सामना।

९. धनु राशि वालों के लिए—धनुराशि वालों के लिए लौहपाद से गुरुदेव का आगमन मिश्रफलकारक है। अतः अत्यधिक श्रम संघर्ष के अल्पलाभ की प्राप्ति होगी। व्यय की अधिकता आय में कमी। सामाजिक मान सम्मान में कमी। वाद-विवाद से बचे मामले मुकदमे में असफलता।

१०. मकर राशि वालों के लिये—मकर राशिवालों के लिए ताम्रपाद से सप्तमस्थ गुरुदेव का आगमन शुभाशुभ मिश्र फलकारक है। पारिवारिकजनों का पूर्ण प्रेम व सहयोग प्राप्त होगा। कर्तव्यनिष्ठ जीवन का विकास होगा। व्यापारिक क्षेत्रों में नवीन योजनायें, उन्नति की ओर ले आयेगा।

११. कुम्भ राशि वालो के लिए—कुम्भ राशिवालों के लिए रजतपाद से गुरुदेव का आगमन शुभाशुभ मिश्रफलकारक है। पारिवारिक क्लेश की स्थिति बनेगी। मान-सम्मान पद-प्रतिष्ठा की हानि उठानी पड़ सकती है। अनचाही कष्टप्रद यात्रायें करनी पड़ सकती है। सामाजिक व व्यापारिक क्षेत्र में चल रहा प्रयास सफल रहेगा।

१२. मीन राशि वालो के लिए—मीन राशि वालों के लिए स्वर्णपाद से पंचमस्थ गुरु का आगमन मिश्र फलकारक है। जातक के जीवन में भौतिक सुख साधनों की पूर्ति होगी। स्वजनों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्वों की पूर्ति होगी। मन कुछ खिन्न रहेगा।

अरिष्टग्रहों की शान्ति के उपायों का संक्षिप्त वर्णन

१. शनि-शनि देव से पीड़ित व्यक्तियों को हनुमान जी का दर्शन पूजन पीपल वृक्ष के नीचे जलदान दीपदान किसी विद्वान से शनि जप कराना लाभदायक होगा। शनि मंत्र द्वारा नीलम-नीली, लाजवर्तया काले घोड़े की नाल या पुरानी नौका का अधोमुखी कील की बनी हुई शुद्ध लौह मुद्रिका धारण करें।

२. गुरु-गुरु की सेवा या नारायण की उपासना करें। गुरु मंत्र या खड़ी हल्दी की अक्षत गांठ या पुखराज (पीला) या सुनैला धारण करें और राहु मन्त्र का जप करायें।

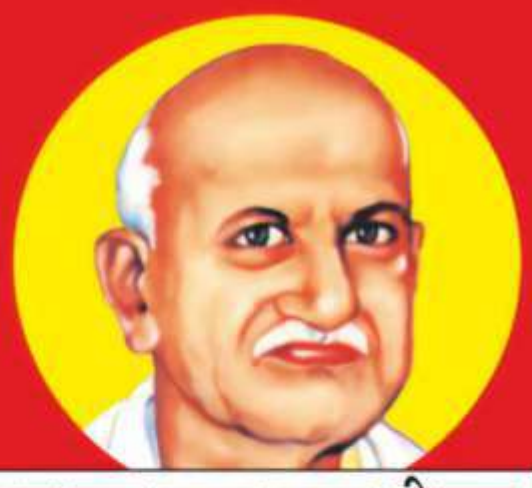
३. केतु-केतु के शान्तियर्थ नवग्रह युक्त केतु का यन्त्र या लहसुनिया धारण करें और केतु मन्त्र का जप करें या करायें।

४. राहु-राहु शान्तियर्थ नवग्रह सहित राहु यन्त्र या गोमेद धारण करें तथा किसी योग्य पंडित से राहु शन्ति के लिये राहु मंत्र का जप करायें।

-दिव्या त्रिपाठी

www.thakurprasad.in

यश



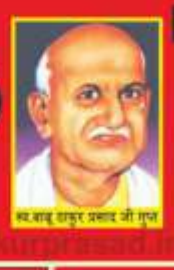
स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

ठाकुर प्रसाद पंचाङ्ग

अप्रैल 2027

द्रुध का विवरण

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15					
16			योग		

कपड़ा धुलाई का विवरण

तारीख	विवरण कपड़ा	संख्या

अख़बार का विवरण

दिनांक	8	16	24
1	9	17	25
2	10	18	26
3	11	19	27
4	12	20	28
5	13	21	29
6	14	22	30
7	15	23	

आवश्यक कार्यक्रम

आकाशीय लक्षण

उत्तर प्रदेश, बंगाल, बिहार, पूर्वी राजस्थान में आंधी के साथ बूंदा-बांदी होगी। मासान्त में गर्मी का जोर बढ़ेगा। बांग्लादेश में समुद्री तूफान तथा उपलवृष्टि से जान-माल का नुकसान हो सकता है। भारत के पश्चिमी हिस्सों में तूफान से अशांति का वातावरण रहेगा। ता.5,6, 13,14,15,22,23,24 को वर्षा होने की सम्भावना हो सकती है।

विक्रम संवत् 2083-84

चैत्र कृष्ण 10 से वैशाख कृष्ण 9 तक।
तारीख 21 अप्रैल से वैशाख माह प्रारम्भ।।

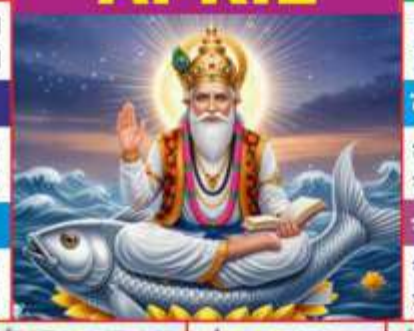
शालिवाहन शाके 1949

राष्ट्रीय चैत्र 11 से राष्ट्रीय वैशाख 10 तक।
ता.21 अप्रैल से राष्ट्रीय वैशाख प्रारम्भ।।

फसली संवत् 1434

फसली वैशाख 10 से फसली ज्येष्ठ 10 तक।
ता.21 अप्रैल से फसली ज्येष्ठ माह प्रारम्भ।।

APRIL



इस्लामी हिजरी 1448

शव्वाल 23 से जिल्काद 22 तक।
तारीख 9 अप्रैल से जिल्काद माह प्रारम्भ।।

बंगला संवत् 1433-34

बंगला चैत्र 17 से बंगला वैशाख 16 तक।
ता.15 अप्रैल से बंगला वैशाख माह प्रारम्भ।

नेपाली संवत 1147

नेपाली चैत्र 18 से नेपाली वैशाख 17 तक।
ता.14 अप्रैल से नेपाली वैशाख माह प्रारम्भ।

विवाह मुहूर्त

ता.	वार	नक्षत्र
18	रवि.	उ.फा.
19	सोम.	हस्त
21	बुध.	स्वाति
23	शुक्र.	स्वाति
24	शनि.	अनुराधा
25	रवि.	मूल
26	सोम.	मूल
27	मंगल.	उ.षा.
28	बुध.	उ.षा.

पंचक–ता.२ को पंचक प्रारम्भ रात्रि १।३२ बजे से पंचक समाप्त ता.७ को सायं ६।२५ तक। ता.३० को पंचक प्रारम्भ दिन ९।५३ बजे से।

भद्रा–ता.१ को भद्रा प्रारम्भ दिन ११।३२ से भद्रा समाप्त रात्रि १२।४५ बजे तक। ता.४ को भद्रा प्रारम्भ प्रातः ५।२३ से भद्रा समाप्त ता.५ को सायं ५।३६ बजे तक। ता.१० को भद्रा प्रारम्भ दिन १२।३७ से भद्रा समाप्त रात्रि ११।४० बजे तक। ता.१६ भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०।२४ से भद्रा समाप्त ता.१७ को दिन ९।२७ तक। ता.१९ को भद्रा प्रारम्भ प्रातः ४।५१ से भद्रा समाप्त। ता.२० को दिन ४।२१ बजे तक। ता.२३ को भद्रा प्रारम्भ दिन ३।५४ से भद्रा समाप्त। ता.२४ प्रातः ४।२० बजे तक। ता.२७ को भद्रा प्रारम्भ दिन ९।५७ से भद्रा समाप्त रात्रि ११।२० बजे तक। ता.३० को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १३।४० तक।

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
4	5	6	7	1	2	3
11	12	13	14	8	9	10
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	



नवरात्रारम्भ



अम्बेडकर जयंती



श्रीरामनवमी



कुँवर सिंह जयन्ती (बिहार)

व्रत-त्यौहार

1 गुरु. बैंकों की वार्षिक लेखा-बन्दी
2 शुक्र. पापमोचनी एकादशी
3 शनि. महावारुणी योग पर्व
4 रवि. रवि प्रदोष व्रत
5 सोम. मास शिवरात्रि व्रत
6 मंगल. स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या
7 बुध. बसन्त नवरात्रारम्भ, गुडी पड़वा
8 गुरु. चन्द्रदर्शन, झूलेलाल जयंती
9 शुक्र. अरुन्धति व्रत, गण-गौरी पूजा, मनोरथ तृतीया, सौभाग्य शयन व्रत,मत्स्योत्पत्ति शिवशक्ति पूजा, सरहुल (झारखण्ड)
10 शनि. वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
11 रवि. डोलोत्सव, श्रीपंचमी
12 सोम. स्कन्द षष्ठी व्रत, सूर्य षष्ठी
13 मंगल. निशिथ महानिशापूजा, ओली प्रारम्भ (जैन)
14 बुध. भवानी उत्पत्ति, बुधाष्टमी, सतुआ संक्रान्ति, अम्बेडकर जयंती
15 गुरु. श्रीरामनवमी, वैशाखी, बंगला नववर्ष प्रारम्भ
17 शनि. कामदा एकादशी व्रत
18 रवि. रवि प्रदोष व्रत, श्री हरदमनोत्सव महावीर जयंती (जैन)
20 मंगल. स्नान-दान व्रत की पूर्णिमा, हनुमान जयंती
21 बुध. राष्ट्रीय वैशाख माह आरम्भ
23 शुक्र. बाबू कुँवर सिंह जयंती
24 शनि. संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत
29 गुरु. शीतलाष्टमी व्रत

राशि-फल

मेष- धन संचय, स्त्री-संतान से लाभ, बौद्धिक विकास, भाग्योन्नति।
वृष- आर्थिक लाभ, मित्रों से सहयोग, रुके कार्य पूर्ण, भौतिक सुख प्राप्त
मिथुन- परिश्रम से लाभ, घरेलू सुख, ऋण के लेनदेन से बचे, धार्मिक यात्रा।
कर्क- स्वास्थ्य में व्यतिक्रम, परिश्रम से लाभ, मन शान्त, मांगलिक कार्य।
सिंह- वस्त्रादि का लाभ, रुके कार्य पूर्ण, धर्म में रूचि, रोग ऋण से मुक्ति।
कन्या- साझेदारी का कार्य न करें, अल्प श्रम से लाभ, रोजगार के नये स्त्रोत।
तुला- शारीरिक कष्ट, मित्रों से सहयोग नौकरी में लाभ, वाणी पर संयम।
वृश्चिक- रुके कार्य पूर्ण, वाणी पर नियंत्रण पुत्र व पत्नी से सहयोग, द्रव्यलाभ।
धनु- बुद्धिभ्रम, आय के नये साधन, स्वास्थ्य में व्यतिक्रम, मन अशांत।
मकर- व्यापारिक धन्धो में सुधार, नौकरी में तरक्की, नवीन योजनाए बनेगी।
कुम्भ- पारिवारिक सुख, आय से अधिक व्यय मित्रों से सहायता, वाहन सुख
मीन- रोजगार में शिथिलता, कार्यों में विलम्ब, साहस वृद्धि, धर्म में रुचि।

तेजी-मंदी

दूध, घी, शक्कर, रस-कस पदार्थो के भाव सम रहेंगे। अन्नादि में मंदी के बाद तेजी का रुख रहेगा। तिलहन, दहन के भाव में दुतरफा रुख देखने को मिलेगा। शेयर बाजार में उछाल आयेगा।

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सूर्योदय	5/53	5/52	5/51	5/50	5/49	5/48	5/47	5/46	5/45	5/44	5/43	5/42	5/41	5/40	5/39	5/38	5/37	5/36	5/36	5/35	5/34	5/33	5/32	5/31	5/30	5/30	5/29	5/28	5/27	5/27
सूर्यास्त	6/11	6/11	6/11	6/12	6/12	6/13	6/13	6/14	6/14	6/14	6/15	6/15	6/16	6/16	6/17	6/17	6/18	6/18	6/18	6/19	6/19	6/20	6/20	6/21	6/21	6/22	6/22	6/23	6/23	6/24

मार्च 2027

रवि		7	14		28
सोम	1	8	15		29
मंगल	2	9	16	23	30
बुध	3		17	24	31
गुरु	4	11	18	25	
शुक्र	5	12	19	गुड फ्राइडे	
शनि		13	20	27	



मई 2027

रवि	30	2	9	16	23
सोम	31	3	10		24
मंगल		4	11	18	25
बुध		5	12	19	26
गुरु		6	13		27
शुक्र		7	14	21	28
शनि	1	8	15	22	29

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

नाटीइमली, वाराणसी।
Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

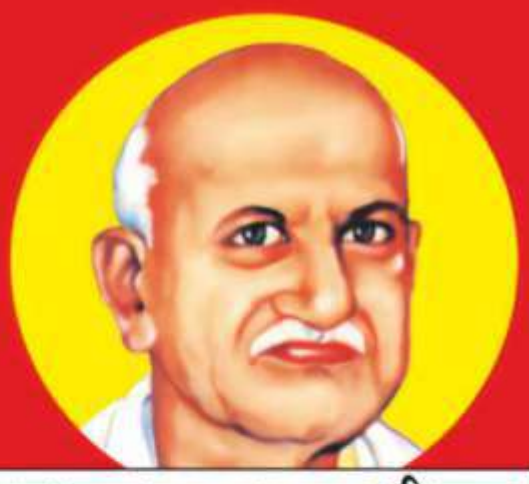
अधिकृत विक्रेता–ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक्सेलर, राजादरवाजा, वाराणसी। फोन–0542–2413650

Email- info@savitrithakur.com

web - www.thakurprasad.in

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

होड़ा चक्र–इसके द्वारा जन्म-समय के नक्षत्र से या जन्म-समय के रखे नाम के प्रथम अक्षर से अपनी राशि, वर्ण, वश्य, योनि, राशि-स्वामी, गण तथा नाड़ी मालूम करें।

नक्षत्र	अश्वि.	भर.	कृत्ति.	रोहि.	मृग.	आर्द्रा	पुन	पुष्य	आश्ले.	मघा	पू.फा.	उ.फा.	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशा.	अनु.	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा.	उ.षा.	श्रवण	धनि.	शत.	पू.भा.	उ.भा.	रेवती
अक्षरः	चू.चे. चो.ला.	ली.लू. ले.लो.	अ.ई. ऊ.ए.	ओवा वी.वू.	वे.वो का.की.	कू.घ. ङ.छ.	के.को. हा.ही.	हू.हे हो.डा	डी.डू डे.डो.	मा.मी मू.मे	मो,टा, टी.टू.	टे,टो पा.पी.	पू.ष. ण.ठ.	पे.पो. रा.री.	रु.रे. रो.ता.	तो.तू. ते.तो.	ना.नी नू.ने.	नो.या यी.यू	ये.यो. भा.भी	भू.धा. फा.ढा	भे.भो. जा.जी.	खो.खू. खे.खो.	गा.गी. गू.गे.	गो.सा. सी.सू.	से.सो. दा.दी.	दू.थ. झ.ञ.	दे.दो. चा.ची.
राशिः	मेष	मेष	मे.१ वृ.३	वृष	वृ.२ मि.२	मिथुन	मि.३ क.१	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिं.१ क.३	कन्या	कं.२ तु.२	तुला	तु.३ वृ.१	वृश्चि.	वृश्चि.	धनु	धनु	ध.१ म.३	मकर	म.२ कुं.२	कुम्भ	कुं.३ मी.१	मीन	मीन
वर्णा	क्षत्रि.	क्षत्रि.	क्ष.१ वै.३	वै.	वै.२ शू.२	शू.	शू.३ ब्रा.१	ब्रा.	ब्रा.	क्षत्रि.	क्षत्रि.	क्ष.१ वै.३	वैश्य	वै.२ शू.२	शूद्र	शू.३ ब्रा.१	ब्रा.	ब्रा.	क्षत्रि.	क्षत्रि.	क्ष.१ वै.३	वैश्य	वै.२ शू.२	शूद्र	शू.३ ब्रा.१	ब्रा.	ब्रा.
वश्य.	चतु.	चतु.	चतु.	चतु.	चतु.२ न.२	नर	न.३ जल.१	जल	जल	वन	वन	व.१ न.३	नर	नर	नर	न.३ की.१	कीट	कीट	नर	न।। घ.३।।	चतु.	च.१।। ज.२।।	नर	न.३ ज.१	जल.	जल.
योनिः	अश्व	गज	छाग.	सर्प.	सर्प.	श्वान	मार्जर	छाग.	मार्जार	मूषक	मूषक	गो.	महिष	व्याघ्र	महिष	व्याघ्र	मृग.	मृग.	श्वान	मर्कट	नकुल	मर्कट	सिंह	अश्व	सिंह	गौ	गज
वैरम्	महिष	सिंह	वानर	नकुल	नकुल	मृग.	मूषक	वानर	मूषक	मार्जार	मार्जार	व्याघ्र	अश्व	गौ	अश्व	गौ.	श्वान	श्वान	मृग.	मेष	सर्प	मेष	गज	महिष	गज	व्याघ्र	सिंह
राशीश	मं.	मं.	मं.१ शु.३	शु.	शु.२ बु.२	बु.	बु.३ चं.१	चं.	चं.	सूर्य	सूर्य	सू.१ बु.३	बुधः	बु.२ शु.२	शुक्रः	शु.३ मं.१	मं.	मं.	गुरु	गुरु	गुरु १ शनि ३	शनि	शनि	शनि	श.३ गु.१	गुरु	गुरु
गणः	देव	मनु.	राक्ष.	मनु.	देव	मनु.	देव	देव	राक्ष.	राक्ष.	मनु.	मनु.	देव	राक्ष.	देव.	राक्ष.	देव	राक्ष.	राक्ष.	मनु	मनु	देव	राक्ष.	राक्ष.	मनु	मनु	देव
नाडी	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य	अन्त्य	मध्य	आदि	आदि	मध्य	अन्त्य

१ वर्ण गुण ज्ञान चक्र

कन्या	ब्रा.	क्ष.	वै.	शू.
ब्राह्मण	१	०	०	०
क्षत्रिय	१	१	०	०
वैश्य	१	१	१	०
शूद्र	१	१	१	१

२ वश्य गुण ज्ञान चक्र

कन्या	च.	मा.	ज.	व.	की.
चतुष्प	२	१	१	०	१
मानव	१	२	।।	०	१
जलचर	१	।।	२	१	१
वनचर	०	०	१	२	०
कीट	१	०	१	०	२

जन्म पत्री मिलान में ३६ गुण होते हैं। १८ गुण से ऊपर मिलने पर शुभ २७ गुण के ऊपर अत्यन्त शुभ मानते हैं। अन्य बातों का भी विचार किया जाता है।

६ गुण मैत्री ज्ञान चक्र

कन्या	देव	मनुष्य	रा.
देव	६	५	१
मनुष्य	६	६	०
राक्षस	०	०	६

८ नाड़ी गुण ज्ञान चक्र

कन्या	आ.	म.	अं.
आदि	०	८	८
मध्य	८	०	८
अन्त्य	८	८	०

७ भकूट के गुण

राशय	मे.	वृ.	मि.	क.	सि.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
मेष	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०
वृष	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७
मिथु.	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०	७
क.	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०	०
सिंह	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७	०
कं.	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०	७
तु.	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०	०
वृ.	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७	०
ध.	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७	७
म.	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०	७
कु.	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७	०
मी.	०	७	७	०	०	७	०	०	७	७	०	७

३ तारा के गुण

ता.	१	२	३	४	५	६	७	८	९
१	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
२	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
३	१।।	१।।	०	१।।	०	१।।	०	१।।	१।।
४	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
५	१।।	१।।	०	१।।	०	१।।	०	१।।	१।।
६	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
७	१।।	१।।	०	१।।	०	१।।	०	१।।	१।।
८	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३
९	३	३	१।।	३	१।।	३	१।।	३	३

तारा देखने की रीति-कन्या के नक्षत्र से वर नक्षत्र तक, वर के नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक गिनकर अलग-अलग दोनों में ९ के भाग से शेष ३,५,७, बचे तो तारा।

४ योनि गुण ज्ञान चक्र

योनय	अश्व	गज	मेष	सर्प	श्वान	मार्जार	मूषक	गौ	महिष	व्याघ्र	मृग	वानर	नकुल.	सिंह.
अश्व	४	२	३	२	२	३	३	३	०	१	३	२	२	१
गज	२	४	३	२	२	३	३	३	३	१	३	२	२	०
मेष	३	३	४	२	२	३	३	३	३	१	३	०	२	१
सर्प	२	२	२	४	२	१	१	२	२	२	२	१	०	२
श्वान	२	२	२	२	४	१	१	२	२	२	०	२	२	२
मार्जार	३	३	३	१	१	४	०	३	३	२	३	२	२	२
मूषक	३	३	३	१	१	०	४	३	३	२	३	२	१	२
गौ	३	३	३	२	२	३	३	४	३	०	३	२	२	१
महिष	०	३	३	२	२	३	३	३	४	१	३	२	२	१
व्याघ्र	१	१	१	२	२	२	२	०	१	४	१	२	२	२
मृग	३	३	३	२	०	३	२	३	३	१	४	२	२	१
वानर	२	२	०	१	२	२	२	२	२	२	२	४	२	२
नकुल	२	२	२	०	२	२	१	३	२	२	२	२	४	२
सिंह	१	०	१	२	२	२	२	१	१	२	१	२	२	४

नैसर्गिक ग्रह मैत्री चक्र

सूर्य	चन्द्र	मंगल.	बुध.	गुरु.	शुक्रः	शनि.	ग्रहाः
चं.मं. गुरु	सूर्यः बुध	सू.चं. गुरु	सूर्यः शुक्रः	सूर्यः चं.मं.	बुधः शनिः	बुध शुक्रः	मित्राणि
बुधः	मं.गु. शु.श.	शुक्र शनिः	मं.गु. शनि	शनि	मंगल. गुरु	गुरुः	समाः
शुक्र शनिः	०	बुध	चन्द्रः	बुधः शुक्रः	सूर्यः चन्द्रः	सूर्य चं.मं.	शत्रवः

ग्रह मैत्री गुण बोधक चक्र

ग्रहाः	सू.	चं.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
सूर्य	५	५	५	४	५	०	०
चन्द्रः	५	५	४	१	४	।।	।।
मंगल	५	४	५	।।	५	३	।।
बुध	४	१	।।	५	।।	५	४
गुरु	५	४	५	।।	५	।।	३
शुक्रः	०	।।	३	५	।।	५	५
शनि	०	।।	।।	४	३	५	५

कुण्डली में मंगल आदि का विचार



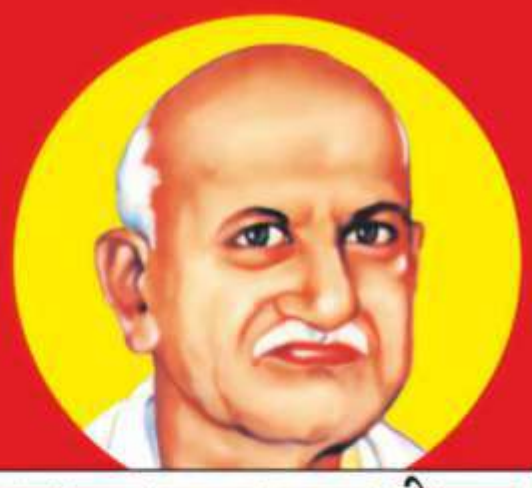
१,४,७,८ व १२ वें स्थानों में मंगल होने से मंगली कहलाती है। वर की कुण्डली हो तो स्त्री को और स्त्री को हो, तो पति को हानि। यदि दोनों की कुण्डली में मंगल हो, तो दोष नहीं। इसी प्रकार हम इन स्थानों में शनि, राहु, केतु और सूर्य का भी विचार किया जाता है। यह सब पाप ग्रह मंगल के परिहार है। चंद्र कुण्डली से भी इन स्थानों में मंगल आदि का विचार किया जाता है।

गुणबोधक चक्र–वर नक्षत्र के नीचे तथा कन्या नक्षत्र के सामने जितने अंक मिलेंगे, वर-कन्या के गुणों का योग फल होगा। जैसे कन्या का नक्षत्र भरणी और वर का अश्विनी हैं तो अश्विनी के नीचे भरणी के सामने ३४ गुण हैं।

वर / कन्या	मेष			वृष			मिथुन			कर्क			सिंह			कन्या			तुला			वृश्चिक			धनु			मकर			कुम्भ			मीन		
नक्षत्र	अ	भ	कृ१	कृ२	रो	मृ२	मृ	आ.	पु.३	पु.१	पुष्य	आश्ले	म	पू.फा	उ.फा	हस्त	चित्रा	स्वाती	विशा	अनु	ज्येष्ठा	मूल	पू.षा	उ.षा	श्रवण	धनि	शत	पू.भा	उ.भा	रेवती
मेष	अ. २८	३३	२८।।	१८।।	२१।।	२२।।	२६	१७	१८	२२।।	३१।।	२७	२०।।	२६	१७।।	११	९	१३	२२।।	२६।।	२२।।	१९।।	२६।।	१५	१३	२६	२७	२४।।	२६	२६	२४	२१	२१	१५	१६	१४।।	२४।।	२६
	भ. ३४	२८	२९	१९	२२।।	१३।।	१७	२६	२४	३०।।	२३।।	२४।।	२१	१९	२८	२१।।	२०	६	१४।।	२९।।	२२।।	१९।।	१७।।	१९।।	२०	१९	२०	२७	२८।।	२८	२६	१०	१०	२०	२४	२२।।	१६।।	२८
	कृ१ २७।।	२७।।	२८	१६।।	९	१५।।	१९	२०	२१	२५।।	२६।।	२३।।	१७।।	२१	२२	१५।।	१५।।	१८।।	२७।।	१५।।	१९।।	१६।।	२०।।	२६।।	२४।।	१८	१९	१४	१५।।	११।।	१०।।	२५	२५	२७	१९।।	१७।।	१९।।	११।।
वृष	कृ३ १८।।	१८।।	१९	२८	१९	२५।।	१६।।	१७।।	१८।।	२२	२३	२०	१९।।	२३	२४	२१	२१	२३।।	२२।।	१०।।	१४।।	२१।।	२५।।	३१।।	२०	१२।।	१३।।	९।।	१४	११	१०	२२।।	२९।।	३१	२३।।	२०	२२	१४
	रो. २३।।	२३।।	१०	१९	२८	३६	२७	२३।।	२३।।	२७	२८	१३	१२।।	२६।।	२८	२५	२६	२०	१९	५।।	९।।	१६।।	३०।।	२४।।	१४	१९	२०	११।।	१७	१९	१८	२०	२६	२४।।	३०।।	२७	२६	१९
	मृ२ २३।।	१३।।	१८।।	२८।।	३४	२८	२०	२५	२५।।	२६	२०	२३	२१।।	१७।।	२५।।	२३।।	२७	१३	१२	२५।।	१७।।	२३।।	२२।।	२५।।	१५	१२	११	१८	२१	२४।।	२४।।	१३	१९	२७	२९।।	२६।।	१७	२७
मिथुन	मृ२ २७	१८	२१	१८।।	२६।।	२०	२८	३३	३१।।	१९।।	१२	१५।।	२४	२०।।	२८।।	३०।।	३४	२१	१४	२७	१९।।	१४	११	१३	२३	१९	१८	२४	२०।।	२५	२५	१२	१३	२१	२३।।	२७।।	१७	२७
	आ. १९	२७	२१	१८।।	२४।।	२६	३४	२८	२५	१३	२०।।	१३।।	२३।।	२९।।	२२।।	२४।।	२४।।	२७	२०	२७	२०	१३।।	१७	४	१६	२८	२७	२७	२२।।	२२।।	२२।।	१७	२०	११	१६	१९	२७	२७
	पु.३ १९	२६	२३	२०।।	२३।।	२४।।	३२।।	२४	२८	१६	३७	१६।।	२२।।	२७।।	२१।।	२३।।	२४।।	२५।।	१८।।	२७	२१	१३।।	२०।।	५	१३	२७	२६	२७	२१।।	२२।।	२३।।	१७।।	१८।।	११	१७	१९।।	२७।।	२८
कर्क	पु.१ २१।।	२८	२५।।	२०।।	२४	२५	१९	१०।।	१४।।	२८	३५	२८।।	१५।।	२०	१४।।	१७	१८	२०।।	२०	२७	२०	१९	२६	१०।।	८	२१	२०।।	२१।।	२६।।	२५	२७	२१	१२।।	७	११	१७	२५	२५।।
	पुष्य ३०।।	२१।।	२६।।	२३	२४	१७	१०	१८	२१।।	३५	२८	३०	१८।।	१४।।	२३।।	२६	२७	१२	११।।	२६	२१	२०	१९	२२	१७	११	११।।	२२।।	२६	२४	२५	१३	४।।	१४।।	१८	२४	१८	२७
	श्लेषा २५	२३।।	२२।।	१९	१२	२१	१३	१२	२५	२८।।	२८।।	२८	१५	१५।।	१७।।	२०।।	२०।।	२६	२५।।	११।।	१६।।	१५।।	२०	२६	२२।।	१६	१७।।	८।।	१२	१३	१३	२७	१८।।	१८।।	१२।।	१८।।	२०	१२
सिंह	म २१	२१	१७।।	१८।।	११।।	१९।।	२२।।	२२।।	२१।।	१६।।	१८।।	१६	२८	३०	२६।।	१६।।	१६।।	२२।।	२५।।	११।।	१७।।	२४।।	२६।।	३४	२४	२०	२१	११।।	५।।	५।।	४।।	१८।।	२४।।	२५।।	१८।।	१७।।	१८।।	१२
	पू.फ. २७	१९	२१	२२	२५।।	१५।।	२०।।	२८।।	२७।।	२२।।	१६।।	१६।।	३०	२८	३४	२४	२२।।	८।।	११।।	२५।।	१९।।	२६।।	२४।।	२४।।	१९	१८	१९	२७	२१	१९।।	१८।।	४।।	११।।	१९।।	२४।।	२३।।	१६।।	२४
	उ.फा२ १८।।	२७	२२	२३	२७	२५।।	२८।।	२१।।	२१।।	१६।।	२५।।	१८।।	२६।।	३४	२८	१८	१६।।	१४।।	१७।।	२६।।	१७।।	२४।।	३०।।	१९।।	१०।।	२६	२७	२८	२२	२१	२०।।	११।।	१८।।	१२।।	१५।।	१५।।	२६।।	२४।।
कन्या	उ.फा३ १३	२१।।	१६।।	२१	२५	२३।।	३०।।	२३।।	२३।।	१९।।	२८।।	२१।।	१७।।	२५	१९	२८	२५।।	२४।।	१६।।	२५।।	१६।।	१८	२७।।	१३	१५।।	२९।।	२८।।	२९।।	२६	२५	२५	१६।।	१६।।	१०।।	१४।।	१८	२९	२७
	हस्त १०	२०	१६।।	२१	२६	२६	३३	२३।।	२३।।	१९।।	२८।।	२२	१७।।	२२।।	१७	२६	२८	२७	१९	२६।।	१७।।	१९।।	२६	१२	१४	२७	२६	२७।।	२३	२४	२४	१९	१९	९।।	१४।।	१९	२७	२७
	चि.२ १३	६	१९	२५।।	२०	२२	२१	२६	२४।।	२०।।	१२।।	२६।।	२३।।	९।।	१५।।	२४।।	२७	२८	२०	१९	२६।।	२८	११	२५	२८	१४	१३	२१	१७।।	१९	१९	१८	१८	२४	१८।।	२२	१०।।	२१
तुला	चि.२ २२।।	१५।।	२८।।	२३।।	२०	१२	१३	२०	१८।।	२०	१२	२६	२५।।	१०	१७।।	१७।।	२०	२१	२८	२७	३४।।	२४।।	७।।	२१।।	२८	१४	१३	२१	२५।।	२७।।	२७	२६	२०	२६	२०।।	१५	४	१३
	स्वा. २७।।	२९।।	१७।।	२१।।	२६।।	२७	२७	२६	२६।।	२८	२८	१५।।	१३।।	२५।।	२५।।	२५।।	२७।।	२१	२८	२८	२०	१०	२३।।	१८।।	२३	२७	२६	१८	२२।।	२३।।	२३।।	२७	२१	२०	२५	१९।।	२०	१२।।
	वि.३ २२।।	२२।।	२०।।	१५।।	१०।।	१८।।	१९।।	२१	२१	२२।।	२१।।	१९	१७।।	१९।।	१८।।	१७।।	१८।।	२७।।	३४।।	१८	२८	१८	१७	२१।।	२८	२२	२१	१३	१७।।	१७।।	१७।।	३२।।	२६।।	२६	२२	१६।।	१३।।	५
वृश्चिक	वि.१ १६।।	१६।।	१४।।	१९।।	१४।।	२२।।	१३	१४।।	१४।।	१९	१८	१५।।	२१।।	२३।।	२१।।	१८	१९	२८	२३।।	८।।	१७	२८	२७	३१।।	२३।।	१७।।	१६।।	९।।	१२	१२	१२	२७	२७	२६।।	२२।।	२१	१८	९।।
	अ २४।।	१४।।	१९।।	२४।।	२७।।	२०।।	११	१६	२१।।	२६।।	१८	२१	२४।।	२०।।	२९।।	२६	२७	१२	७।।	२२।।	१७	२८	२८	३१	१६।।	१४।।	१४।।	२२	२५	२६	२६	१२	१२	२२	२४।।	२४	१८	२७
	ज्ये. १२	१८।।	२८।।	२९।।	२२।।	२२।।	१३	३	६	१०।।	२०	२६	३१	२३।।	१६।।	१३	१२	२५।।	२०।।	१६।।	२०।।	३१।।	३०	२८	१५	१७।।	१७।।	१७।।	२०	२०	२०	२५	२५	१९	११	९।।	२१	२१
धनु	मू. १२	३०	२४।।	१९	१३	१४	२१	१५	१२	८।।	१७।।	२४	२५	१९	९।।	१३	१३	२६।।	२७	२१	२७	२४।।	१६।।	१६	२८	२८	२७	२५।।	१५।।	१५।।	१५।।	२१।।	२८	२१।।	१५।।	१६।।	२५।।	२७
	पू.। । २६	१९	१८	१२।।	१९	११	१९	२७	२७	२३।।	१३।।	१७।।	२१	१९	२५	२८।।	२७	१२	१२	२७	२०	१६।।	१८।।	१८।।	२८	२८	२७	३३	२३	२३।।	२३।।	८।।	१६।।	२३।।	३१।।	३२।।	२३।।	३२।।
	पू३।। २७	२०	१९	१३।।	२०	१२	१८	२६	२६	२३।।	१३।।	१७।।	२१	१९	२७	२७	२६	११	११	२६	१९	१८।।	१८।।	१९।।	२७।।	२७।।	२८	३५	२४	२४	२३।।	८।।	१५।।	२२	२९।।	३२।।	२३।।	३२।।
	उ.१ २५।।	२७	१४	८।।	११।।	१८	२४	२६	२६	२३।।	२४।।	९।।	१२।।	२७	२८	२८।।	२७।।	२०	२०	१९	१२	११।।	२५।।	१९।।	२५।।	३३	३४	२८	१८	१६	१५	१५।।	२२।।	२२।।	२८।।	३१।।	३२।।	२३।।
मकर	उ.३ २८	२९।।	१६।।	१४	१७	२२।।	२०।।	२२।।	२२।।	२७	२८	१३	६।।	२२	२३	२६	२५	१७।।	२४।।	२३।।	१६।।	१४।।	२८।।	२२	१६।।	२६	२५	१९	२८	२६	२५	२५।।	१७।।	१७।।	२३।।	३०।।	३२।।	२३।।
	श.१।। २८	२७	१४।।	१२	१८	२७	२४	२१।।	२१।।	२७	२५	१५	५।।	१९।।	२०	२४	२५	१९	२६	२३।।	१६।।	१४	२८	२३	१७।।	२३।।	२४।।	१७	२५	२८	२७	३०	२२	१८।।	२३।।	३१।।	३०।।	२२।।
	श.२।। २७	२६	१३।।	१०	१७	२६	२३।।	२१	२३।।	२८	२६	१५	६।।	१८।।	२०।।	२३।।	२४।।	१८।।	२५।।	२३	१६	१४	२८	२२	१६	२३	२५।।	१५	२४	२७	२८	३०	२०।।	१८	२३	२९।।	३१।।	२४।।
	श.२ २०।।	१०।।	२६	२३।।	२०	१२	८।।	१७।।	१७।।	२२	१३	२८	१८।।	५।।	१२।।	१६	१७।।	१६।।	२४	२६	३०	२८	१४	२७	२१	९	९।।	१६।।	२५।।	२८	२८	२८	१८।।	२३।।	२१	२६।।	१५।।	२२।।
कुम्भ	श.२ २०	११	२६	३०।।	२७।।	१९	१०	२०	१९	१४	५	२०	२५।।	११।।	१९।।	१७।।	२१	१८	१९	२२	२५।।	२८	१२	२६	२९।।	१७।।	१६।।	२३।।	१८।।	२१	१८।।	२०	२८	३३	२८।।	१८।।	७	१४।।
	ध.ल. १५	२१	२८	३२।।	२५।।	२५	१८	१०	१३	७।।	१५	२०	२६।।	२०।।	१३।।	११।।	८।।	२६	२६	१९	२६	२६।।	२१	१९।।	२२।।	२४।।	२३।।	२३।।	१८।।	१८।।	१८।।	२५	३३	२८	१९	९	१७	१६।।
	पू.भा.३ १८	२५	२०	२४।।	३१।।	३१	२४।।	१७	१७	१३।।	२०।।	१४	१९।।	२५।।	१६।।	१५।।	१७।।	१८।।	१९।।	२८	२१	२१।।	२७।।	१२	१५।।	३१।।	३०।।	२९।।	२४।।	२५।।	२५।।	२०।।	२७।।	१९	२८	१८	२३	२०।।
मीन	पू१ १४।।	२१।।	१६।।	१९	२६	२६	२५।।	१८	१८	१८	२५।।	१८।।	१६।।	२२।।	१४।।	१६।।	१८।।	१९।।	१२।।	१९।।	१४	२१	२७	१९।।	१५	३१	३१।।	३०।।	२८।।	२९।।	३०।।	२५।।	१७	७।।	१६।।	२८	३३	३०।।
	उ.भा. २४।।	१५।।	१८।।	२१	२५	१७	१६।।	२५।।	२७	२६	१९	२०	१७।।	१५।।	२५।।	२७।।	२६	९।।	५	१९।।	१२	१९	२०	२२	२४	२२	२२।।	३१।।	२९।।	२८।।	२९।।	१४।।	६	१६।।	२१।।	३३	२८	३४
	रेवती २५	२४।।	१९।।	१४	१७	२६	२५।।	२४	२५।।	२४।।	२७	१३	१२	२२	२२	२४	२६।।	२०।।	१३।।	१९।।	५।।	१२।।	२७	२२	२७	३०।।	३०	२१	१९	२०	२२।।	२२।।	१४	१६	१८	२९।।	३३	२८

www.thakurprasad.in

यश



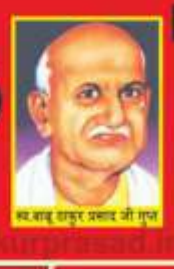
स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

ठाकुर प्रसाद पंचाङ्ग

मई 2027

द्रव का विवरण

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			31		
16			योग		

कपड़ा धुलाई का विवरण

तारीख	विवरण कपड़ा	संख्या

अख़बार का विवरण

दिनांक	8	16	24
1	9	17	25
2	10	18	26
3	11	19	27
4	12	20	28
5	13	21	29
6	14	22	30
7	15	23	31

आवश्यक कार्यक्रम

आकाशीय लक्षण

उत्तर भारत, बंगाल, बिहार में तीव्र गर्मी लू बवण्डर आदि का जोर रहेगा। कभी-कभी आकाश में मेघ खण्ड चक्कर लगायेंगे। ता.2, 3, 11, 12, 20,21 को भीषण तूफान, वायुवेग आंधी का प्रबल योग देखने को मिलेगा। मध्य भारत के कुछ हिस्सों में प्राकृतिक प्रकोप होगा।

विक्रम संवत् 2084

वैशाख कृष्ण 10 से ज्येष्ठ कृष्ण 10 तक।
तारीख 21 मई से ज्येष्ठ माह प्रारम्भ।।

शालिवाहन शाके 1949

राष्ट्रीय वैशाख 11 से राष्ट्रीय ज्येष्ठ 10 तक।
ता.22 मई से राष्ट्रीय ज्येष्ठ माह प्रारम्भ।।

फसली संवत् 1434

फसली ज्येष्ठ 11 से फसली आषाढ़ 11 तक।
ता.21 मई से फसली आषाढ़ माह प्रारम्भ।।

MAY



इस्लामी हिजरी 1448

जिल्काद 23 से जिलहिज 24 तक।
तारीख 8 मई से जिलहिज माह प्रारम्भ।।

बंगला संवत् 1434

बंगला वैशाख 17 से बंगला ज्येष्ठ 15 तक।
ता.17 मई से बंगला ज्येष्ठ माह प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1147

नेपाली वैशाख 18 से नेपाली ज्येष्ठ 16 तक।
ता.16 मई से नेपाली ज्येष्ठ माह प्रारम्भ।

विवाह मुहूर्त

ता.	वार	नक्षत्र
4	मंगल.	रेवती
7	शुक्र.	रोहिणी
9	रवि.	मृगशिरा
13	गुरु.	मघा
14	शुक्र.	मघा
16	रवि.	हस्त
17	सोम.	हस्त
18	मंगल.	स्वाति
19	बुध.	स्वाति
20	गुरु.	अनुराधा
21	शुक्र.	अनुराधा
22	शनि.	मूल
24	सोम.	उ.षा.
25	मंगल.	उ.षा.
30	रवि.	उ.भा.

पंचक-ता.4 को पंचक समाप्त प्रात. 3:14 तक। ता. 24 को पंचक प्रारम्भ सायं 5:14 बजे तक।

भद्रा-ता.1 को भद्रा प्रारम्भ दिन 8:47 बजे से भद्रा समाप्त सायं 6:14 तक। ता.4 को भद्रा प्रारम्भ सायं 3:13 से भद्रा समाप्त ता.5 को दिन 6:14 तक। ता.7 को भद्रा प्रारम्भ रात्रि 8:45 से भद्रा समाप्त ता.8 को दिन 6:20 तक। ता.10 को भद्रा प्रारम्भ रात्रि 11:13 से भद्रा समाप्त ता.11 को दिन 7:13 तक। ता.13 को भद्रा प्रारम्भ दिन 5:14 से भद्रा समाप्त रात्रि 4:13 तक। ता.15 को भद्रा प्रारम्भ दिन 3:13 से भद्रा समाप्त ता.16 को प्रात: 3:14 तक। ता.23 को भद्रा प्रारम्भ दिन 10:41 से भद्रा समाप्त रात्रि 4:16 तक। ता.25 को भद्रा प्रारम्भ प्रात. 3:14 से भद्रा समाप्त ता.26 को सायं 5:12 तक। ता.28 को भद्रा प्रारम्भ रात्रि 9:14 से भद्रा समाप्त ता.29 को दिन 8:12 बजे तक।

मूल विचार-रेवती- ता.4 को रात्रि 3:15 से ता.4 को रात्रि 3:13 तक। **अश्विनी**- ता.4 को रात्रि 3:14 से ता.5 को रात्रि 2:31 तक। **आश्लेषा**- ता.12 को दिन 2:14 से ता.13 को दिन 2:42 तक। **मघा**- ता.13 को दिन 2:42 से ता.14 को दिन 2:14 तक। **ज्येष्ठा**- ता.19 को दिन 1:42 से ता.20 को दिन 1:13 तक। **मूल**- ता.20 को दिन 1:13 से ता.21 को दिन 1:12 तक।

रवि SUN	ज्येष्ठ कृष्ण 9 दिन 09/35 30 चैत्र का चंद्र पू.भा. दिन 11/32	वैशाख कृष्ण 11 सायं 7/52 2 एकादशी व्रत मीन का चंद्र रात 8/23 पू.भा.रात2/40	वैशाख शुक्ल 3 दिन 09/03 9 मिथुन चंद्र दिन 8/36 पुन.सायं7/59	वैशाख शुक्ल 11 दिन 5/13 16 एकादशी व्रत कन्या का चंद्र उ.फा.दिन। 1/35	ज्येष्ठ कृष्ण 4 रात 8/41 23 कुंभ का चंद्र पूर्व सायं 7/17
सोम MON	ज्येष्ठ कृष्ण 10 दिन 10/02 31 मीन का चंद्र उ.भा. दिन 12/35	वैशाख कृष्ण 12 रात 8/04 3 प्रदोष व्रत मीन का चंद्र उ.भा.रात 3/19	वैशाख शुक्ल दिन 06/23 रात 03/48 10 मिथुन का चंद्र आर्द्रा सायं 06/8	वैशाख शुक्ल 12 दिन 8/28 17 बकरीद प्रदोष व्रत सूर्यास्त रात 11/36 पुन: दिन 11/24	ज्येष्ठ कृष्ण 4 रात 10/59 24 मकर चंद्र प्रात: 4/52 पू.भा. रात 10/7
मंगल TUE	ज्येष्ठ कृष्ण 13 सायं 7/31 4 मेष चंद्र रात 3/14 रेवती रात 2/14	वैशाख शुक्ल 1 रात 01/23 11 कर्क चंद्र दिन 10/58 पू.दिन 4/25	वैशाख शुक्ल 12 दिन 8/03 18 तुला का चंद्र चित्रा दिन 11/42	ज्येष्ठ कृष्ण 5 रात 01/30 25 मकर का चंद्र उ.षा. रात 01/12
बुध WED	वैशाख कृष्ण 14 सायं 6/16 5 मेष का चंद्र अश्विनी रात 3/3	वैशाख शुक्ल 2 रात 11/13 12 कर्क का चंद्र पुष्य दिन 2/55	वैशाख शुक्ल 14 दिन 4/03 19 तुला का चंद्र स्वाति दिन 12/19	ज्येष्ठ कृष्ण 6 प्रात: 04/04 26 मकर का चंद्र श्रवण प्रात: 4/19
गुरु THU	वैशाख कृष्ण 30 दिन 4/28 6 मेष का चंद्र भरणी रात 01/17	वैशाख शुक्ल 13 रात 9/18 13 सिंह चंद्र दिन।/40 आश्ले.दिन 1/40	वैशाख शुक्ल 15 दिन 4/28 20 बुद्ध पूर्णिमा वृश्चि.चंद्र दिन 7/02 विशा.दिन। 7/20	ज्येष्ठ कृष्ण 7 दिन 06/00 27 कुंभ चंद्र दिन 5/49 धनि.दिन 6/00
शुक्र FRI	वैशाख कृष्ण 1 दिन 2/14 7 वृष चंद्र दिन 4/55 कृति.रात 11/41	वैशाख शुक्ल 9 सायं 7/39 14 सिंह का चंद्र मघा दिन 12/42	ज्येष्ठ कृष्ण 1 दिन 5/23 21 वृश्चि.का चंद्र अनुराधा दिन 2/50	ज्येष्ठ कृष्ण 7 दिन 06/26 28 कुंभ का चंद्र धनिष्ठा दिन 07/14
शनि SAT	वैशाख कृष्ण 10 सायं 6/53 1 कुंभ का चंद्र प्रात.रात 01/15	वैशाख शुक्ल 2 दिन 11/42 8 वृष का चंद्र रोहिणी रात 09/52	वैशाख शुक्ल 10 सायं 6/17 15 कन्या चंद्र दिन 3/32 पू.फा.दिन 12/00	ज्येष्ठ कृष्ण 2 दिन 6/48 22 धनु चंद्र दिन4/50 ज्ये.दिन4/50	ज्येष्ठ कृष्ण 8 दिन 08/20 29 मीन चंद्र प्रात: 5/08 श्रव.दिन 9/42

व्रत-त्यौहार

1	शनि.	श्रमिक दिवस, मई दिवस
2	रवि.	वरुथनी एकादशी
3	सोम.	सोम प्रदोष व्रत
4	मंगल.	मास शिवरात्रि
6	गुरु.	स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या
7	शुक्र.	चन्द्रदर्शन, रविन्द्र नाथ टैगोर ज.
8	शनि.	शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती
9	रवि.	अक्षय तृतीया, वै.गणेश चतुर्थी मातृ दिवस (मदर डे)
10	सोम.	श्रीआद्यगुरु शंकराचार्य जयंती
11	मंगल.	श्रीरामानुज जयंती
12	बुध.	गंगोत्पत्ति, गंगा सप्तमी
14	शुक्र.	सीतानवमी, जानकी नवमी
16	रवि.	मोहिनी एकादशी व्रत
17	सोम.	सोम प्रदोष व्रत, बकरीद
18	मंगल.	नरसिंह चतुर्दशी
19	बुध.	कूर्म जयंती
20	गुरु.	बुद्ध पूर्णिमा, स्नान-दान व्रत की पूर्णिमा, वैशाख स्नान समाप्त
22	शनि.	नारद जयंती, वीणा दान
23	रवि.	संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी
29	शनि.	कालाष्टमी

राशि-फल

मेष- सफलता की प्राप्ति, नूतन वस्त्रादि का लाभ, शारीरिक निरोगता।

वृष- कार्यक्षेत्र में प्रगति, यश की वृद्धि, आय के नये श्रोत, दौड़ धूप सेबचे।

मिथुन- विचारों में अस्थिरता, मन खिन्न, मित्रों से अल्प लाभ, श्रम से लाभ।

कर्क- धार्मिक कार्यों में रूचि, धन की कमी, आकस्मिक यात्रा से बचे।

सिंह- भाग्योन्नति, व्यापार के नए साधन क्रोध हानिकारक, ऋण से बचे।

कन्या- वाणी में कटुता, आलस्य की वृद्धि शारीरिक सुख, पत्नी से लाभ।

तुला- मन अशान्त, शिक्षा एवं स्वास्थ्य में सुधार, व्यावसायिक परेशानियाँ।

वृश्चिक- मित्रों से सहयोग, शत्रुओं का दमन धर्म-कर्म में रूचि, रोजगार में वृद्धि

धनु- धन-यश की वृद्धि, अधिकारियों से सम्पर्क, रोजगार सामान्य रहेगा।

मकर- वाद-विवाद की आंशका, पत्नी व पुत्र से सहयोग, स्वास्थ्य लाभ।

कुम्भ- बौद्धिक विकास, व्यापार में लाभ अल्प लाभ, मन शांत, द्रव्य लाभ।

मीन- पद परिवर्तन, भौतिक सुख, वाणी पर नियंत्रण, कुसंगति से बचे।

तेजी-मंदी

रस पदार्थ गुड़, चीनी, सरसो बिनौला कपूर, इलायची में तेजी, खाड़ शक्कर तेल तिल आदि के भावों में तेजी का रुख होगा। घी, तेल, में तेजी की सम्भावना, दलहन, सरसों एवं अन्य जिन्सों में समभाव देखने को मिलेगा। सोने-चांदी में तेजी का रुख रहेगा। शेयर बाजार में घटबढ़ से मन्दी का रूख रहेगा। व्यापारिक वस्तुओं में तेजी का वातावरण बनेगा। लाल वर्ण की वस्तुओं में अच्छी तेजी आ सकती है। मटर, मूंग, कपास आदि में बाजार घट-बढ़ रहेगा।

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	5/26	5/25	5/24	5/24	5/23	5/22	5/22	5/21	5/20	5/20	5/19	5/19	5/18	5/18	5/17	5/17	5/16	5/16	5/15	5/15	5/15	5/14	5/14	5/14	5/13	5/13	5/13	5/12	5/12	5/12	5/12
सूर्यास्त	6/24	6/25	6/25	6/26	6/26	6/27	6/27	6/28	6/28	6/29	6/29	6/30	6/30	6/31	6/31	6/32	6/32	6/33	6/33	6/34	6/34	6/35	6/35	6/36	6/36	6/37	6/37	6/38	6/38	6/39	6/39

अप्रैल 2027

रवि		4	11	18	25
सोम		5	12	19	26
मंगल		6	13	20	27
बुध				21	28
गुरु	1	8		22	29
शुक्र	2	9	16		30
शनि	3	10	17	24	



जून 2027

रवि		6	13	20	27
सोम		7	14	21	28
मंगल	1	8	15	22	29
बुध	2	9		23	30
गुरु	3	10	17	24	
शुक्र		11	18	25	
शनि	5	12	19	26	

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

नाटीइमली, वाराणसी।
Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

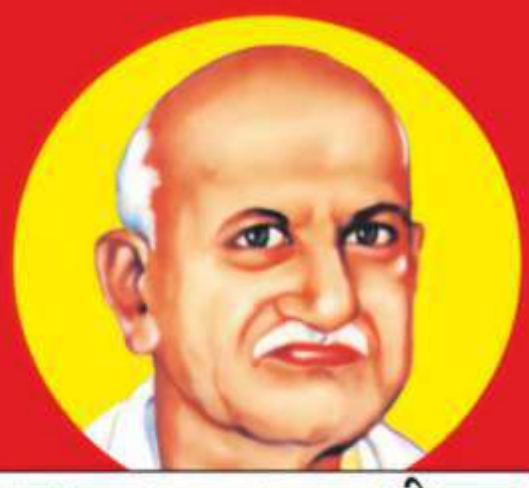
अधिकृत विक्रेता-ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक्सेलर, राजादरवाजा, वाराणसी। फोन-0542-2413650

Email- info@savitrithakur.com

web - www.thakurprasad.in

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

जनवरी के पंचक

ता.११ को पंचक प्रारम्भ प्रात: ४।३४ बजे से पंचक समाप्त ता.१५ रात्रि ११।५० बजे तक।

जनवरी के भद्रा

ता.१ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १।४७ से भद्रा समाप्त ता.२ को दिन घं.२।२४ तक। ता.५ को भद्रा प्रारम्भ सायं ८।३९ से ता.६ को भद्रा समाप्त दिन ९।५६ बजे तक। ता.११ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०।२८ से ता.१२ को भद्रा समाप्त दिन ११।२९ तक। ता.१५ को भद्रा प्रारम्भ दिन २।१३ से भद्रा समाप्त रात्रि १।५३ बजे। ता.१८ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ९।८ से ता.१९ को भद्रा समाप्त सायं ७।४९ तक। ता.२१ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ९।३० से ता.२२ को भद्रा समाप्त सायं ७।३८ बजे तक। ता.२४ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ९।३३ से ता.२५ को भद्रा समाप्त दिन ८।१० तक। ता.२७ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ३।५३ से ता.२८ को भद्रा समाप्त दिन ३।५२ तक। ता.३१ को भद्रा प्रारम्भ सायं ७।३४ से भद्रा समाप्त रात्रि २।७ बजे तक।

फरवरी के पंचक

ता.७ को पंचक प्रारम्भ दिन १०।३६ बजे से। ता.१२ को प्रात: ५।४१ बजे तक पंचक समाप्त ।

फरवरी के भद्रा

ता.४ को भद्रा प्रारम्भ दिन ४।३१ बजे से भद्रा समाप्त प्रात: ५।४८ तक। ता.१० को भद्रा प्रारम्भ दिन २।४६ से भद्रा समाप्त रात्रि ३।४ तक। ता.१३ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि २।६ से ता.१४ को भद्रा समाप्त दिन १।२८ तक। ता.१७ को भद्रा प्रारम्भ दिन ६।५८ से भद्रा समाप्त दिन ५।३२ बजे तक। ता.२० को भद्रा प्रारम्भ दिन ८।०० बजे से भद्रा समाप्त सायं ६।२६ बजे तक। ता.२६ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ८।४३ से ता.२७ को भद्रा समाप्त दिन ९।१३ तक।

मार्च के पंचक

ता.६ को पंचक प्रारम्भ सायं ५।१४ बजे तक पंचक समाप्त ता.११ को दिन ११।१९ बजे तक।

मार्च के भद्रा

ता.२ को भद्रा प्रारम्भ दिन ३।२४ से भद्रा समाप्त ता.३ को प्रात: ४।४४ बजे तक। ता.६ को भद्रा प्रारम्भ दिन १२।३ बजे से भद्रा समाप्त ता. ७ रात्रि ४।५४ बजे तक। ता.११ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ३।७ बजे से भद्रा समाप्त ता.१२ को दिन २।३७ बजे तक। ता.१५ को भद्रा प्रारम्भ दिन १०।५१ बजे से भद्रा समाप्त रात्रि २१।५२ बजे तक। ता.१८ को भद्रा प्रारम्भ दिन ३।७ बजे से भद्रा समाप्त रात्रि १।५१ बजे तक। ता.२४ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १२।५५ से भद्रा समाप्त ता.२५ दिन १२।३७ बजे तक। ता.२८ को भद्रा प्रारम्भ दिन ३।५ बजे से भद्रा समाप्त प्रात: १२।८ बजे तक।

अप्रैल के पंचक

ता.२ को पंचक प्रारम्भ रात्रि १।३२ बजे से पंचक समाप्त ता.७ को सायं ६।२५ तक। ता.३० को पंचक प्रारम्भ दिन ९।५३ बजे से।

अप्रैल के भद्रा

ता.१ को भद्रा प्रारम्भ दिन ११।३२ से भद्रा समाप्त रात्रि १२।४५ तक। ता.४ को भद्रा प्रारम्भ प्रात: ५।२३ से भद्रा समाप्त ता.५ को सायं ५।३६तक। ता.१० को भद्रा प्रारम्भ दिन १२।३७ से भद्रा समाप्त रात्रि ११।४०तक। ता.१६ भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०।२४ से भद्रा समाप्त ता.१७ को दिन ९।२७ तक। ता.१९ को भद्रा प्रारम्भ प्रात: ४।५१ से भद्रा समाप्त। ता.२० को दिन ४।२१ तक। ता.२३ को भद्रा प्रारम्भ दिन ३।५४ से भद्रा समाप्त। ता.२४ प्रात: ४।२० बजे तक। ता.२७ को भद्रा प्रारम्भ दिन ९।५७ से भद्रा समाप्त रात्रि ११।२० बजे तक। ता.३० को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १३।४०तक।

मई के पंचक

ता.४ को पंचक समाप्त प्रात: ३।१४ तक। ता.२७ को पंचक प्रारम्भ सायं ५।४९ बजे तक।

मई के भद्रा

ता.१ को भद्रा प्रारम्भ दिन ६।८ बजे से भद्रा समाप्त सायं ६।५३

सन् २०२७ के पंचक एवं भद्रा

तक। ता.४ को भद्रा प्रारम्भ सायं ७।३१ से भद्रा समाप्त ता.५ को दिन ६।५८ तक। ता.९ को भद्रा प्रारम्भ सायं ७।४३ से भद्रा समाप्त ता.१० को दिन ६।२३ तक। ता.१२ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ११।१३ से भद्रा समाप्त ता.१३ को दिन १०।१३ तक। ता.१६ को भद्रा प्रारम्भ दिन ५।४३ से भद्रा समाप्त सायं ५।१३ तक। ता.१९ को भद्रा प्रारम्भ दिन ४।३ से भद्रा समाप्त। ता.२० को प्रात: ४।५५ तक। ता.२३ को भद्रा प्रारम्भ दिन ७।४१ से भद्रा समाप्त रात्रि ८।४१ तक। ता.२६ को भद्रा प्रारम्भ प्रात: ४।४ से भद्रा समाप्त ता.२७ को सायं ५।१८ तक। ता.३० को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ९।४८ बजे से भद्रा समाप्त ता.३१ को दिन १०।२ बजे तक।

जून के पंचक

ता.१ को पंचक समाप्त दिन १२।४९ बजे तक।

ता.२३ को पंचक प्रारम्भ रात्रि २२।५० से पंचक समाप्त ता.२८ को रात्रि ९।४८ तक।

जून के भद्रा

ता.३ को भद्रा प्रारम्भ दिन ६।३४ से भद्रा समाप्त सायं ५।१९ तक। ता.७ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १।५४ से भद्रा समाप्त ता.८ को दिन १२।२२ तक। ता.११ को भद्रा प्रारम्भ दिन ५।१४ से भद्रा समाप्त दिन ४।२९ तक। ता.१४ को भद्रा प्रारम्भ दिन २।६ से भद्रा समाप्त रात्रि २।८ तक। ता.१७ को भद्रा प्रारम्भ प्रात:४।४७ से भद्रा समाप्त ता.१८ को सायं ५।२१तक। ता.२१ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ११।५१ से भद्रा समाप्त ता.२२ को दिन१।७ तक। ता.२५ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०।१७ से भद्रा समाप्त ता.२ को दिन ९।२९ तक। ता.२९ को भद्रा प्रारम्भ दिन १०।३३ से भद्रा समाप्त रात्रि १०।४ बजे तक।

जुलाई के पंचक

ता.२१ को पंचक प्रारम्भ दिन ७।४ से पंचक समाप्त ता.२६ को प्रात: ५।१३ बजे तक।

जुलाई के भद्रा

ता.२ को भद्रा प्रारम्भ दिन ३।२३ से भद्रा समाप्त रात्रि १।४४ तक। ता.७ को भद्रा प्रारम्भ दिन ८।१३ से भद्रा समाप्त सायं ६।४१ तक। ता.१० को भद्रा प्रारम्भ दिन १२।३७ से भद्रा समाप्त रात्रि १२।१३ तक। ता.१३ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १२।३९ से भद्रा समाप्त ता.१४ को दिन १।१० तक। ता.१७ को भद्रा प्रारम्भ सायं६।४८ से भद्रा समाप्त ता.१८ को दिन ८।०० तक। ता.२१ को भद्रा प्रारम्भ दिन ३।३५ से भद्रा समाप्त। ता.२२ को प्रात: ४।४६ तक। ता.२५ को भद्रा प्रारम्भ दिन ९।५२ से भद्रा समाप्त रात्रि १०।८ तक। ता.२८ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ८।२४ से भद्रा समाप्त ता.२९ को ७।३४ तक। ता.३१ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०।५७ बजे से।

अगस्त के पंचक

ता.१७ को पंचक प्रारम्भ दिन १।४ बजे से पंचक समाप्त ता.२२ को दिन ११।१० बजे तक।

अगस्त के भद्रा

ता.१ को भद्रा समाप्त दिन ९।१० बजे तक। ता.५ को भद्रा प्रारम्भ दिन ३मि.४४ बजे से भद्रा समाप्त रात्रि २ मि.२७ तक। ता.८ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि २०।२४ से भद्रा समाप्त ता.९ को १०।२३ तक। ता.१२ को भद्रा प्रारम्भ दिन १।५६ से भद्रा समाप्त रात्रि २।५९ तक। ता.१६ को भद्रा प्रारम्भ दिन १०मि.२८ से भद्रा समाप्त रात्रि ११।४३ तक। ता.२० को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ६।७ से भद्रा समाप्त सायं ६।५३ तक। ता.२३ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०मि.५३ से भद्रा समाप्त ता.२४ को दिन ८।४३ तक। ता.२६ को भद्रा प्रारम्भ सायं ५।३९ से भद्रा समाप्त ता.२७ को दिन ३।२५ तक ता.३० को भद्रा प्रारम्भ दिन ६।१२ से भद्रा समाप्त दिन ४।२६ बजे तक।

सितम्बर के पंचक

ता.१३ को पंचक प्रारम्भ सायं ७।३३ से पंचक समाप्त ता.१८ को दिन ४।४७ बजे तक।

सितम्बर के भद्रा

ता.३ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १।२१ से भद्रा समाप्त ता.४ को दिन १२।२६ तक। ता.७ को भद्रा प्रारम्भ नि ११।२८ से भद्रा समाप्त रात्रि ११।३६ तक। ता.११ को भद्रा प्रारम्भ दिन६।१७ से भद्रा समाप्त सायं ७।३६ तक। ता.१४ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि २।४८ से भद्रा समाप्त ता.१५ को दिन ३।४३ तक। ता.१८ को भद्रा प्रारम्भ साय ६।५६ से भद्रा समाप्त ता.१९ को दिन ७।९ तक। ता.२२ को भद्रा प्रारम्भ दिन ५।५२ से भद्रा समाप्त सायं ५मि.१४ तक। ता.२५ को भद्रा प्रारम्भ दिन ११।४५ से भद्रा समाप्त रात्रि १०।३० तक। ता.२८को भद्रा प्रारम्भ दिन१।५४ से भद्रा समाप्त रात्रि१२।२४ तक।

अक्टूबर के पंचक

ता.१० को पंचक प्रारम्भ रात्रि २।५५ तक पंचक समाप्त ता.१५ को रात्रि ११।२९ तक।

अक्टूबर के भद्रा

ता.३ को भद्रा प्रारम्भ दिन १।४२ से भद्रा समाप्त रात्रि १।२८ तक। ता.६को भद्रा प्रारम्भ प्रात: ४।१३ से भद्रा समाप्त ता.७ को सायं ५।१७ से तक। ता.१० को रात्रि १२।५४ से भद्रा समाप्त ता.११ को दिन २।८ तक। ता.१४ को भद्रा प्रारम्भ सायं ६।४९ से भद्रा समाप्त ता.१५ को ७।७ तक। ता.१८ को भद्रा प्रारम्भ दिन ६।२० से भद्रा समाप्त सायं ५।५१ बजे तक। ता.२१ को भद्रा प्रारम्भ दिन १।४२ से भद्रा समाप्त रात १२।४८ बजे तक। ता.२४ को भद्रा प्रारम्भ सायं ६।५० से भद्रा समाप्त ता.२५ को प्रात: ५।४० तक। ता.२७ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०।५० बजे से भद्रा समाप्त ता.२८ को ९।४७ बजे तक।

नवम्बर के पंचक

ता.७ को पंचक प्रारम्भ दिन १०।५९ से पंचक समाप्त ता.१२ को दिन ७।५५ बजे तक।

नवम्बर के भद्रा

ता.१ को भद्रा प्रारम्भ प्रात: ५।४३ से भद्रा समाप्त ता.२ को दिन ६।२ तक। ता.५ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १२।९ से भद्रा समाप्त ता.६ को दिन १।२९ बजे तक। ता.९ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०।२२ से भद्रा समाप्त ता.१० को दिन ९।११ तक। ता.१३ को भद्रा प्रारम्भ दिन ९।५५ बजे से भद्रा समाप्त रात्रि ९।२५ तक। ता.१६ को भद्रा प्रारम्भ दिन ४।४३ बजे से भद्रा समाप्त रात्रि ३।४१ बजे तक। ता.१९ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ९।२० बजे से भद्रा समाप्त ता.२० को दिन ८।१८ बजे तक। ता.२२ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि २।३६ से भद्रा समाप्त ता.२३ को दिन १।४५ बजे तक। ता.२६ को भद्रा प्रारम्भ दिन ९।७ बजे से भद्रा समाप्त रात्रि ९।२७ तक।

दिसम्बर के पंचक

ता.४ को पंचक प्रारम्भ सायं ७।०७ से ता.९ को पंचक समाप्त सायं १७।२६ बजे तक। पंचम प्रारम्भ ता.३१ को रात्रि २।३९ से।

दिसम्बर के भद्रा

ता.१ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०।५३ से भद्रा समाप्त ता.२ को दिन १।४३ तक। ता.५ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ९।३७ से भद्रा समाप्त ता.६ को दिन १०।५१ तक। ता.९ को भद्रा प्रारम्भ दिन ३।१५ से भद्रा समाप्त रात्रि ३।२० बजे। ता.१२ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ११।५५ बजे से भद्रा समाप्त ता.१३ को दिन १०।४९ बजे तक। ता.१५ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि २।४७ से भद्रा समाप्त ता.१६ को दिन १।२१ बजे। ता.१८ को भद्रा प्रारम्भ ५।३६ से भद्रा समाप्त ता.१९ को दिन ४।३२ तक। ता.२२ को भद्रा प्रारम्भ दिन १२।४ से भद्रा समाप्त रात्रि ११।४० बजे तक। ता.२५ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ११मि.३१ से भद्रा समाप्त ता.२६ को दिन ११।५३ तक। ता.३१ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ९।३३ बजे से।

मूल विचार सन् २०२७

जनवरी

ज्येष्ठा–ता.४ को रात्रि १२।१४ से ता.५ को रात्रि ३।७ तक। मूल–ता.५ को रात्रि ३।७ से ता.७ को प्रात: ६।०० तक। रेवती–ता.१४ को रात्रि ११।१८ से ता.१५ को रात्रि ११।५०तक। अश्विनी–ता.१५को रात्रि११।५०से ता.१६ को रात्रि ११।३८ तक। आश्लेषा–ता.२३ कोप्रात: ७।३१ से ता.२४ को प्रात: ४।५३तक। मघा–ता.२४ को प्रात: ४।५३ से रात्रि २।४० तक।

फरवरी

ज्येष्ठा–ता.१ प्रात: ६।२७ से ता.२ को सुबह ९।२१ तक। मूल–ता.२ को सुबह ९।२१ से ता.३ को दोपहर १२।२६ तक। रेवती–ता.११ को प्रात: ४।५५ से ता.१२ को प्रात:५।४१ तक। अश्विनी–ता.१२ को प्रात: ५।४१ से ता.१३ को प्रात: ५।५५तक। आश्लेषा–ता.१९ को सायं ६।३५ से ता.२० को दिन ४।७ तक। मघा–ता.२० को दिन ४।७ से ता.२१ को दिन १।५०तक। ज्येष्ठा–ता.२८ को दिन १।४७से।

मार्च

ज्येष्ठा–ता.१ को दिन ४।२६ तक। मूल–ता.१ को दिन ४।२६ से ता.२ को सायं ७।२७ तक। रेवती–ता.१० को दिन १०।५२ से ता.११ को दिन ११।१९तक। अश्विनी–ता.११ को दिन ११।१९ से ता.१२ को दिन ११।२२तक। आश्लेषा–ता.१८ को रात्रि ३।२० से ता.१९ को रात्रि ११ मि.४४तक। मघा–ता.१९ को रात्रि १।३१ से ता.२० को रात्रि ११।५४तक। ज्येष्ठा–ता.२७ को रात्रि १०।१४ से ता.२८ को रात्रि १२।३१तक। मूल–ता.२८ को रात्रि १२।३१ से ता.२९ को रात्रि ३।१८ तक।

अप्रैल

रेवती–ता.६ को सायं ६।२३ से ता.७ को सायं ६।२५ तक। अश्विनी–ता.७ को सायं ६।२५ से ता.८ को सायं ५।५९ तक। आश्लेषा–ता.१५ को दिन ९।३३ से ता.१६ को दिन ८।१८तक। मघा–ता.१६ को दिन ८।१८ से ता.१७ को सुबह ७।७ तक। ज्येष्ठा–ता.२४ को सुबह ६।५६ से ता.२५ को दिन ८।५७तक। मूल–ता.२५ को दिन ८।५७ से ता.२६ को दिन११।२९तक।

मई

रेवती–ता.४ को रात्रि ३।१९ से ता.४ को रात्रि ३।१४ तक। अश्विनी–ता.४ को रात्रि ३।१४ से ता.५ को रात्रि २।३१ तक। आश्लेषा–ता.१२को दिन २।५५से ता.१३ को दिन १।४० तक। मघा–ता.१३ को दिन १।४० से ता.१४ को दिन १२।४२ तक। ज्येष्ठा–ता.२१ को दिन २।५० से ता.२२ को दिन ४।५० तक। मूल–ता.२२ को दिन ४।५० से ता.२३ को सायं ७।१७ तक। रेवती–ता.३१ को दिन १२।३५ से

जून

रेवती–ता.१ को दिन १२।४९ तक। अश्विनी–ता.१ को दिन १२।४९ से ता.२ को दिन १२।१६तक। आश्लेषा–ता.८ को रात ९।३६ से ता.९ को रात ७।४७ तक। मघा–ता.९ को रात ७।४७ से ता.१० को सायं ६।२३ तक। ज्येष्ठा–ता.१७ को रात ९।३० से ता.१८ को रात ११।४०तक। मूल–ता.१८ को रात ११।४० से ता.१९ को रात २।१२ तक। रेवती–ता.२७ को रात८।५८ से ता.२८ को रात ९।४८ तक। अश्विनी–ता.२८ को रात ९।४८ से ता.२९ को रात ९।४८ तक।

जुलाई

आश्लेषा–ता.६ को सुबह ६।३३ से ता.७ को प्रात: ४।३ तक। मघा–ता.७ को प्रात: ४।३ से ता.७ को रात १।५५ तक। ज्येष्ठा–ता.१४ को रात्रि ३।१८ से ता.१६ को प्रात: ५।३९ तक। मूल–ता.१६ को प्रात: ५।३९ से ता.१७ को सुबह ८।३१तक। रेवती–ता.२४ को रात्रि ३।५२ से ता.२६ को प्रात:५।१३तक। अश्विनी–ता.२६ को प्रात: ५।१३ से ता.२७ को प्रात:५।५२तक।

अगस्त

आश्लेषा–ता.२ को दिन ५।९ से ता.३ को दिन २।१६ तक। मघा–ता.३ को दिन २।१६ से ता.४ को दिन ९।१९ तक। ज्येष्ठा–ता.११ को दिन ९।१३ से ता.१२ को दिन ११।३३तक। मूल–ता.१२ को दिन ११।३३ से ता.१३ को दिन २।१९तक। रेवती–ता.२१ को दिन ९।३८ से ता.२२ को दिन ११।१०तक। अश्विनी–ता.२२ को दिन ११।१० से ता.२३ को दिन१२।११तक। आश्लेषा–ता.२९ को रात३।४४ से ता.३० को रात्रि १।२तक। मघा–ता.३० को रात १।२ से ता.३१ को रात १०।३० तक।

सितम्बर

ज्येष्ठा–ता.७ को दिन ४।४ से ता.८ को सायं ६।१६ तक। मूल–ता.८ को सायं ६।१६ से ता.९ को रात ८।५२ तक। रेवती–ता.१७ को दिन ३।२८ से ता.१८ को दिन ४।४७ तक। अश्विनी–ता.१८ को दिन ४।४७ से ता.१९ को सायं ५।४०तक। आश्लेषा–ता.२६ को दिन १२।३७ से ता.२७ को दिन१०।३२तक। मघा–ता.२७ को दिन १०।३३ से ता.२८ को सुबह ८।२० तक।

अक्टूबर

ज्येष्ठा–ता.४ को रात १३।४३ से ता.५ को रात २।१४ तक। मूल–ता.५ को रात २।१४ से ता.६ रात ४।२८ तक। रेवती–ता.१४ को रात १०।३० से ता.१५ को रात ११।२९तक। अश्विनी–ता.१५ को रात ११।२९ से ता.१६ रात११।५८तक। आश्लेषा–ता.२३ को सायं ७।७ से ता.२४ को सायं५।४१तक। मघा–ता.२४ को सायं ५।४१ से ता.२५ को सायं ४।९तक।

नवम्बर

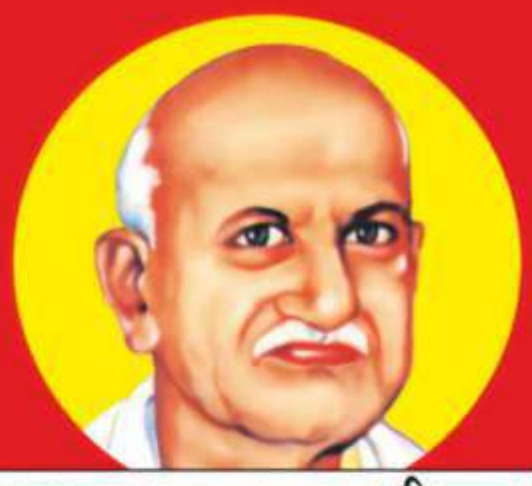
ज्येष्ठा–ता.१ को सुबह ९।५७ से ता.२ को दिन ११।६ तक। मूल–ता.२ को दिन ११।६ से ता.३ को दिन १२।५७ तक। रेवती–ता.११ को सुबह ७।१ से ता.१२ को सुबह ७।५५ तक। अश्विनी–ता.१२ को सुबह ७।५५ से ता.१३ को सुबह ८।१०तक। आश्लेषा–ता.१९ को रात१२।२७ से ता.२० को रात ११।६तक। मघा–ता.२० को रात ११।६ से ता.२१ को रात९।५१ तक। ज्येष्ठा–ता.२८ को सायं ७।३९ से ता.२९ को सायं ७।४७तक। मूल–ता.२९ को सायं ७।४७ से ता.३० को रात ९।२९ तक।

दिसम्बर

रेवती–ता.८ को रेवती दिन ४।१२ से ता.९ को सायं ५।२६तक। अश्विनी–ता.९ को सायं ५।२६ से ता.१० को सायं ५।५४ तक। आश्लेषा–ता.१७ को सुबह ७।७ से ता.१८ को सुबह ५।११तक मघा–ता.१८ को सुबह ५।११ से ता.१८ को रात ३।२९ तक। ज्येष्ठा–ता.२५ को रात १।४९ से ता.२६ को रात ३।१४ तक। मूल–ता.२६ को रात ३।१४ से ता.२८ को प्रात: ५।६ तक।

www.thakurprasad.in

यश

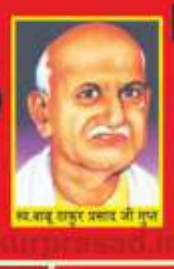


स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

www.thakurprasad.in

यश 

ठाकुर प्रसाद पंचाङ्ग

जून 2027

द्रुध का विवरण

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15					
16			योग		

कपड़ा धुलाई का विवरण

तारीख	विवरण कपड़ा	संख्या

अख़बार का विवरण

दिनांक	8	16	24
1	9	17	25
2	10	18	26
3	11	19	27
4	12	20	28
5	13	21	29
6	14	22	30
7	15	23	

आवश्यक कार्यक्रम

आकाशीय लक्षण

उत्तर भारत में गर्मी का सामना करना पड़ेगा। तेज हवा एवं लू के थपेड़ों से परेशानी होगी। गर्मी से जनजीवन त्रस्त रहेगा। मैदानी भागों में मानसून का आगमन होगा। आसाम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, बंगाल आदि में बाढ़ आने की सम्भावना। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं अनावृष्टि की स्थिति बनेगी।

विक्रम संवत् 2084

ज्येष्ठ कृष्ण 11 से आषाढ़ कृष्ण 11 तक।
तारीख 20 जून से आषाढ़ माह प्रारम्भ।।

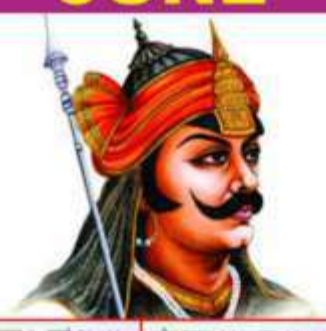
शालिवाहन शाके 1949

राष्ट्रीय ज्येष्ठ 11 से राष्ट्रीय आषाढ़ 9 तक।
ता.22 जून से राष्ट्रीय आषाढ़ माह प्रारम्भ।।

फसली संवत् 1434

फसली आषाढ़ 11 से फसली श्रावण 11 तक।
ता.20 जून से फसली श्रावण माह प्रारम्भ।।

JUNE



इस्लामी हिजरी 1448-49

जिलहिज 25 से मुहर्रम 24 तक।
तारीख 17 जून से मुहर्रम माह प्रारम्भ।।

बंगला संवत् 1434

बंगला ज्येष्ठ 16 से बंगला आषाढ़ 14 तक।
ता.17 जून से बंगला आषाढ़ माह प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1147

नेपाली ज्येष्ठ 17 से नेपाली आषाढ़ 15 तक।
ता.16 जून से नेपाली आषाढ़ माह प्रारम्भ।

विवाह मुहूर्त

ता.	वार	नक्षत्र
9	बुध.	मघा
10	गुरु.	मघा
12	शनि.	उ.फा.
13	रवि.	हस्त
15	मंगल.	स्वाति
16	बुध.	अनुराधा
19	शनि.	मूल
26	शनि.	उ.भा.
28	सोम.	रेवती

व्रत-त्यौहार

1	मंगल.	अचला एकादशी व्रत
2	बुध.	प्रदोष व्रत
3	गुरु.	मास शिवरात्रि व्रत
4	शुक्र.	स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या शनिश्चर जयंती, वट सावित्री व्रत
5	शनि.	विश्व पर्यावरण दिवस
6	रवि.	चन्द्र दर्शन
7	सोम.	रम्भा व्रत, महाराणा प्रताप जयंती ईस्लामी हिजरी 1449 प्रारम्भ
8	मंगल.	वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
10	गुरु.	सन्त टेउराम पुण्यतिथि
11	शुक्र.	दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती
13	रवि.	गंगा दशहरा व्रत
14	सोम.	निर्जला एकादशी व्रत
16	बुध.	प्रदोष व्रत, मुहर्रम (ताजिया)
19	शनि.	ज्येष्ठी पूर्णिमा, कबीर दास जयंती
20	रवि.	पितृ दिवस (फादर डे)
21	सोम.	विश्व योग दिवस
22	मंगल.	अंगार की गणेश चतुर्थी, संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी, रा.आषाढ़ प्रार.
27	रवि.	शीतलाष्टमी
30	बुध.	योगिनी एकादशी व्रत

राशि-फल

मेष- व्यापार में लाभ, कार्य सिद्ध,बुद्धि का विकास, बिगड़े कार्य पूर्ण।

वृष- स्वजनों से वियोग, संतान से सुख मान-सम्मान पद प्रतिष्ठा में वृद्धि।

मिथुन- पारिवारिक क्लेश, वाद-विवाद, मित्रों से सहयोग, कार्यों में रूचि।

कर्क- कुसंगति से बचे, धनाभाव, मन खिन्न, शारीरिक कष्ट, पुत्र लाभ।

सिंह- मन प्रसन्न, आर्थिक स्थिति में सुधार मान सम्मान में वृद्धि, शत्रु दमन।

कन्या- रोजगार में कमी, गृहस्थ जीवन में व्यवधान, अधिक श्रम से लाभ।

तुला- वाद-विवाद से बचे, धनाभाव, पारिवारिक सुख, धर्म-कर्म में रुचि

वृश्चिक- स्वास्थ्य सुधार, रोजगार में सफल, रुके कार्य पूर्ण, पुत्र से सहयोग।

धनु- परिश्रम से लाभ, बुद्धि विकास, पैतृक सम्पत्ति में वाद-विवाद।

मकर- रोजगार में वृद्धि, पुत्र सुख, सफल यात्रा, धर्म में रुचि, वाहन सुख।

कुम्भ- नवीन कार्यों की योजना, शत्रु दमन आर्थिक स्थिति सुदृढ़, पुत्र से लाभ।

मीन- शारीरिक विकारों से कष्ट, मित्रों से लाभ, धार्मिक यात्रा, मन शांत।

तेजी-मंदी

खाद्य पदार्थों में बाजार तेजी कारक रहेगा। बाजार में दुतरफा रुख देखने को मिलेगा। अन्नादि पदार्थों के भाव सम रहेगा। अनाज, तिलहन, दलहन में तेजी के आयेगी। रूई, सोना-चांदी, सर्राफा बाजार में तेजी का रुख देखने को मिलेगा। शेयर बाजार की स्थिति सम रहेगी। मूंग, दाले, गुड़, चीनी, सरसो, ग्वार में मन्दी अथवा रोज की घटा-बढ़ी होगी।, गेहूं, जौ, चना, मटर मन्दी कारक है।

	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
ज्येष्ठ शुक्ल	2	3	4	5	6	7	8
	6	7	1	2	3	4	5
ज्येष्ठ शुक्ल	9	10	11	12	13	14	15
	13	14	8	9	10	11	12
ज्येष्ठ शुक्ल	16	17	18	19	20	21	22
	20	21	15	16	17	18	19
ज्येष्ठ शुक्ल	23	24	25	26	27	28	29
	27	28	22	23	24	25	26
ज्येष्ठ शुक्ल	30	31					
			29	30			

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सूर्योदय	5/12	5/12	5/11	5/12	5/12	5/12	5/12	5/12	5/12	5/12	5/12	5/12	5/12	5/12	5/12	5/12	5/12	5/12	5/12	5/12	5/13	5/13	5/13	5/13	5/14	5/14	5/14	5/15	5/15	5/15
सूर्यास्त	6/40	6/40	6/41	6/41	6/41	6/42	6/42	6/43	6/43	6/43	6/44	6/44	6/44	6/45	6/45	6/45	6/46	6/46	6/46	6/46	6/47	6/47	6/47	6/47	6/48	6/48	6/48	6/48	6/48	6/48

मई 2027

रवि	30	2	9	16	23
सोम	31	3	10		24
मंगल		4	11	18	25
बुध		5	12	19	26
गुरु		6	13		27
शुक्र		7	14	21	28
शनि	1	8	15	22	29



जुलाई 2027

रवि		4	11	18	25
सोम			12	19	26
मंगल		6	13	20	27
बुध		7	14	21	28
गुरु	1	8	15	22	29
शुक्र	2	9	16	23	30
शनि	3	10	17	24	31

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

नाटीइमली, वाराणसी।
Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

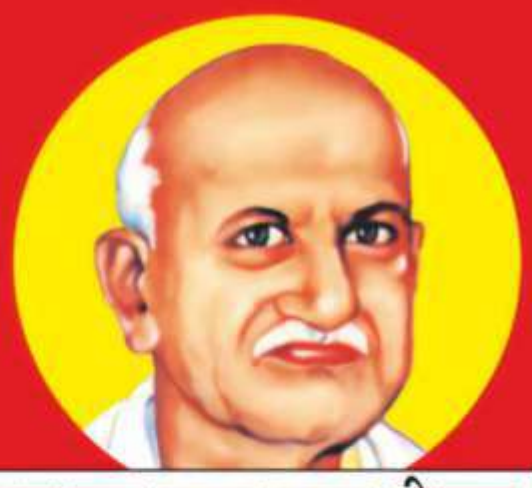
अधिकृत विक्रेता-ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक्सेलर, राजादरवाजा, वाराणसी। फोन-0542-2413650

Email- info@savitrithakur.com

web - www.thakurprasad.in

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी



स्व.डॉ.रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी ''निर्भय''



स्व.बाबू ठाकुर प्रसादजी गुप्त बुक्सेलर



स्व.श्रीमती सावित्री देवी धर्मपत्नी बाबू ठाकुर प्रसादजी

भारतीय ज्योतिष में ग्रह गोचर विचार

भारतीय ज्योतिष ज्ञान के लिए तिथि, नक्षत्र, योग, करण वार, वर्ष तथा त्रिपुष्कर योग जन्म-नक्षत्र, दिनमान, ग्रहों का होरा, भद्रा पंचक, द्विपुष्कर तथा त्रिपुष्कर योग, जन्म नक्षत्र फल के सम्बन्ध में जानकारी विगत वर्षों में दी जा चुकी है। गतवर्ष सन् २०२६ ई. में विभिन्न ग्रहों के गोचर फल की सम्बन्ध में संक्षिप्त किन्तु सारगर्भित जानकारी के अन्तर्गत सूर्य-चन्द्र, मंगल का गोचर फल विचार किया जा चुका है।

जन्म समय में चन्द्रमा किसी एक राशि में रहता है। उस राशि को जन्म राशि कहते हैं और इसी राशि को चन्द्र लग्न कहते हैं। उसी समय की चन्द्र राशि को लग्न मान कर जो कुण्डली बनाई जाती है उस कुण्डली को चन्द्र कुण्डली कहते हैं। सभी ग्रह अपनी-अपनी चाल के अनुसार चन्द्र लग्न से भिन्न-भिन्न स्थानों में चलते रहते हैं। इसी को ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों का गोचर भ्रमण कहते हैं महर्षियों का कथन है कि जातक के चन्द्र लग्न का एक बड़ा प्रबल प्रभाव उसके समस्त जीवन पर पड़ता है। भारत वर्ष के विद्वानों के अनुसार प्रत्येक ग्रह जब जन्म राशि में पहुँचता है अथवा जन्म राशि के द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम, षष्ठ, अष्टम, नवम, दशम, एकादश, या द्वादश स्थान में पहुँचता है तब जातक के जीवन में अपने-अपने गुणों और दोषों का प्रभाव अपनी एतत्तकालीन स्थिति के अनुसार डालता है इसी को गोचर फल कहते हैं।

बृहस्पति एक राशि में लगभग एक वर्ष रहता है। इस कारण लगभग बारह वर्ष में चलते-चलते उस स्थान में आ जाता है जहाँ वह जन्म के समय था। बुध और शुक्र ग्रह शीघ्रगामी होने के कारण एक वर्ष के भीतर ही अपनी आवृत्ति को समाप्त करते हैं। गुरु गोचर भ्रमण फल के आधार पर कहा जाता है कि प्रत्येक बारह वर्ष के बाद मानव जीवन के एक नया मोड़ आता है। जिंदगी की किताब का एक नया परिच्छेद शुरु होता है। गोचर प्रकरण में इस वर्ष बुध, गुरु, शुक्र का गोचर फल निम्नलिखित तरीके से कहा जा सकता है। इस गोचर फल से बृहत्तपाराशर होरा शास्त्र दीपक तथा दशाफल विचार आदि ग्रन्थों की सहायता ली गयी है।

बुध–(१) चन्द्र लग्न में जब बुध आता है तब चुगलखोरी बन्धन तथा धन की क्षति, पारिवारिक विरोध, झगड़ा, कुसमय का भोजन, स्वागत विहीनता एवं दुष्टों की संगति होती है। (२) चन्द्र लग्न के द्वितीय स्थान में जब बुध आता है तो हमेशा आनंद धन और रत्नादि की प्राप्ति और सज्जन लोगों का साथ होता है। (३) तृतीय स्थान में बुध के जाने से भय, परिवारजनों से झगड़ा एवं धन की हानि होती है। वराही-संहिता के अनुसार भिन्न प्राप्ति होती है। दुश्चरित्रता को भय से जोड़ता है। (४) चतुर्थ स्थान में बुध के जाने से धन की प्राप्ति एवं माँ को सुख होता है। (५) पंचम स्थान में बुध के जाने से पीड़ा, अचानक झगड़ा, संतान एवं स्त्री से वियोग या अनबन, मृत्यु का भय एवं गर्मी के कारण शरीर के अवयवों में शिथिलता रहती है। (६) छठे स्थान में बुध के जाने से धन, अन्न एवं वस्त्रादि का प्राप्ति उत्तम पुस्तकादि के पढ़ने का सुख होता है। (७) सप्तम भाव में बुध होने से पीड़ा सुख का अभाव धन की क्षति, परिवार एवं सहयोगी से झगड़ा, राजभय, निस्तेज शरीर के अवयवों में शिथिलता होती है। (८) अष्टम स्थान में बुध के जाने से धन का लाभ, पुत्र से सुख, बौद्धिक विकास, चित्त अंशाति, भोजन में अरुचि और असत्य वचन होता है। (९) नवम में बुध जाने से खेद अपवाद, सभी कार्यों में विघ्न बाधा, दूसरों को उत्पीड़न कुत्सित भोजन और पित्त से पीड़ा बढ़ती है। (१०) दशम में बुध के आने पर पदोन्नति प्राप्ति, वाणी में चतुराई दुश्मनों के पराजित होने से सुख, भोजन में असुविधा, मन में अशान्ति, अपवाद और दुर्वचन का भोजन होता है। (११) एकादश में बुध के आगमन से स्वास्थ्य लाभ, कीर्ति धन प्राप्ति, पारिवारिक सौहर्दता हो। (१२) द्वादश में बुध के आने पर धन एवं सुख का अभाव, चित्त में संताप भोजन में अरुचि झगड़ा तथा कार्य बाधा होती है।

बृहस्पति–(१) चन्द्र लग्न में जब बृहस्पति है तो डर, अपमान, राजभय, रोजगार मे झगड़ा, मनोव्यथा तथा पदार्थों की हानि होती है। (२) द्वितीय स्थान में जब गुरु जाता है। तब धन और सुख बढ़ता है ख्याति उन्नति, मित्रता तथा दान आदि में रुचि बढ़ती है। (३) तृतीय स्थान में जब बृहस्पति जाता है, तब पीड़ा, बाधा, पारिवारिक क्लेश, रोजगार में किल्लत, स्थान परिवर्तन एवं शारीरिक वेदना होती है। (४) चतुर्थ स्थान में जब बृहस्पति का आगमन होता है। तब मन में शांति का अभाव, धन एवं कान्ति की हानि, शत्रु वृद्धि कुटुम्बियों से असुविधा और देश का त्याग होता है। (५) पंचम स्थान में जब बृहस्पति जाता है तब सुख-समृद्धि कार्य में सफलता, धन लाभ पारिवारिक सुख और पदोन्नति होता है। (६) षष्ठ स्थान में जब बृहस्पति जाता है तब शोक, स्त्री संतान और परिवार जनों से अनबन तथा चोर, अग्नि एवं राजभय होता है। घर में उदासीनता छा जाती है। (७) सप्तम स्थान में गुरु के जाने पर उत्तम भोजन, राज सम्मान आरोग्य कार्य प्रगति, बुद्धि में चमत्कार, अनेक सुखों का भोग तथा विवाहादि कार्यों में आनन्द प्राप्त होता है। (८) अष्टम स्थान में बृहस्पति के जाने से बन्धन, दुख, चोर, रोग, अग्नि एवं राजभय, क्रोध की वृद्धि, वाणी में कटुता, स्थानान्तरण कांति की हानि, स्वास्थ्य परेशानी होती है। (९) नवम में बृहस्पति के जाने से धनगाम, उत्तम भोजन, सुख, स्त्री सहवास, पुत्र से सुख, वैचारिक विकास तथा मकान की प्राप्ति होती है। (१०) दशम स्थान में जब बृहस्पति होता है तब धनाभाव, अन्न व धन की हानि, स्वजनों से झगड़ा, निरुधनता भ्रमण होता है। (११) एकादश स्थान में बृहस्पति के जाने से धन एवं प्रतिष्ठा की वृद्धि कांति, बल, सुख और शत्रु पराजित तथा सारे कार्य सफल होते हैं। (१२) द्वादश स्थान में बृहस्पति के जाने से गरीबी का संताप विश्वासी जनों से कंलक, स्थानान्तरण, शुभ कार्यों में धन का व्यय और मुकदमें बाजी होती है।

शुक्र–(१) चन्द्र लग्न में जब गोचर का शुक्र आता है तब शत्रु दमन सुख तथा धन की प्राप्ति परन्तु जातक दुराचारी होता है। (२) द्वितीय स्थान में शुक्र जब आता है तब धन की प्राप्ति बारम्बार होती है, स्त्री से सुख सम्मान वृद्धि, स्वास्थ्य तथा वस्त्रादि की प्राप्ति तथा सब प्रकार के सुख होते हैं। (३) तृतीय स्थान में जब शुक्र आता है। तब व्यापार में हानि, धनाभाव, रोजी-रोजगार में अड़चन होती है। मतान्तर से प्रसन्नता तथा पदोन्नति होती है। (४) चतुर्थ स्थान में जब शुक्र जाता है तब धनागम अपने अनुकूल कार्य करना मित्र परिवार व स्त्री से सुख की प्राप्ति होती है। (५) पंचम स्थान में शुक्र के जाने से पुत्र और कुटुम्ब की प्राप्ति, नौकरी की वृद्धि, लाभ, अन्न व धन की प्राप्ति तथा स्वादिष्ट भोजन की प्राप्ति होती है। (६) छठे स्थान में शुक्र जाने से शत्रु की वृद्धि एवं हानि, रिश्तेदारों से अनबन एवं सन्तान से मानसिक परेशानी होती है। (७) छठे स्थान में शुक्र जाता है तब अपमान, दुःख तथा बड़े परिश्रम से जीवन निर्वाह तथा जननेन्द्रिय रोग भय होता है। (८) अष्टम स्थान में जब शुक्र जाता है। तब उत्तम वस्त्रादि से लाभ इच्छित पदार्थों की प्राप्ति तथा स्वास्थ्य अच्छा रहता है। (९) नवम स्थान में जब शुक्र जाता है तब धनागम, सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। (१०) दशम स्थान में जब शुक्र जाता है तब स्त्रियों में दुख, कमजोरी, मानसिक पीड़ा, धन अपव्यय तथा शत्रुभय रहता है। (११) एकादश स्थान में जब शुक्र जाता है तब उत्तम भोजन की प्राप्ति, धन की प्राप्ति, प्रताप कार्य की सफलता की प्राप्ति होती है। (१२) द्वादश स्थान में जब शुक्र जाता है। तब शस्त्र एवं चोर से भय तथा सभी कार्यों में अड़चने उपस्थित रहती है मतान्तर से धनलाभ तथा वस्त्रादि लाभ होता है।

ज्यो.दिव्या त्रिपाठी

सन् २०२७ ई. का वार्षिक राशिफल

चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

मेष–मेष राशि के लिये यह वर्ष शुभाशुभ मिश्रित फलकारक है। द्वादशस्थ शनि मिश्रित फल प्रदान करने वाला है। धनार्जन में बाधायें आयेगी। विद्यार्थियों को शिक्षा व प्रतियोगी परिक्षाओं के क्षेत्र में श्रमानुकूल सफलतायें प्राप्त होगी। राजनीतिक क्षेत्रों में नवीन मार्ग प्रशस्त होगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकते हैं, रोजी रोजगार-नौकरी वाले व्यक्तियों को पदोन्नति के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति होगी, धार्मिक कार्यो में रुचि बढ़ेगी। पिता व उच्चाधिकारियों से लाभ की स्थितियाँ बनेगी। आमदनी के क्षेत्र में अच्छी सफलतायें प्राप्त होगी भाई बहनों से लाभ प्राप्त होगा। साहस पराक्रम की वृद्धि होगी। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करके अपना प्रभाव स्थापित करेगें।

इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

वृष–वृष राशि के जातकों के लिये श्रमसघर्ष के साथ सफलतादायक सिद्ध होगा। पारिवारिक मतभेद व वाद-विवाद की स्थितियाँ बनेगी, आमदनी के मार्ग में कभी-कभी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। पुरातत्व सम्पत्ति का लाभ प्राप्त हो सकता है। राज्य समाज में सम्मान में कमी होगी। उन्नति पानेके लिये अत्यधिक श्रम से लाभ की स्थितियाँ बनेगी। छात्रों को प्रतियोगी परिक्षाओं में अत्यधिक श्रम में अल्पलाभ मन को परेशान करने वाला होगा। क्रोध व वाणी पर नियन्त्रण रखे अन्यथा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। शनि स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं का सामना करायेगा। शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेगे। साहस पराक्रम की वृद्धि होगी। भूमि-भवन, का सुख प्राप्त हो सकता है।

का, की, कू, घ, ड, के, को, ह

मिथुन–अष्टमस्थ राहु होने के कारण निर्णायक क्षमताओं में कमी, धन सम्बन्धी निर्णय सोच समझ के लिये अन्यथा धन की हानि होगी। रोजी-रोजगार के क्षेत्र में आमदनी के नवीन स्रोत बनेगें। पत्नी से कभी-कभी मतभेद की स्थितियाँ बनती नजर आयेगी। भाई-बहनों का सहयोग प्राप्त होगा। साहस पराक्रम की वृद्धि होगी। भाग्योन्नति का कभी-कभी सामना करना पड़ सकता है। माता के सुख व सहयोग में कमी आयेगी। भूमि-भवन मकानादि के सुख में कमी महसूस करेंगे। जीवन की दिनचर्या सुव्यवस्थित रहेगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकते है। जीवन की दिनचर्या सुव्यविस्थत रहेगी।

ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

कर्क–राशि वालों के लिये यह वर्ष मिश्रितफल कारक है। लाभ में कमी, शत्रुओं पर विजय, भाई-बहनों से मतभेद की स्थितियाँ। पैतृक सम्पत्ति का लाभ प्राप्त हो सकता है। व्यापारिक स्थितियाँ सुदृढ़ होगी। नौकरी पेशा वाले व्यक्तियों को पदोन्नति की स्थितियाँ बनेगी। साहस पराक्रम की वृद्दि होगी। भाग्योन्नति का कभी-कभी सामना करना पड़ सकता है। जीवन की दिनचर्या सुव्यवस्थित रहेगी। उच्चाधिकारियों के सहयोग से सफलता प्राप्त होगी। रुके कार्य पूर्ण होंगे। महत्वकांक्षायें बढ़ेगी। नवनिर्माण सम्बन्धी कार्य में बाधाये मानसिक तनाव में वृद्धि।

मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू टे

सिंह–अष्टमस्थ शनि होने के कारण अशुभ फल प्रदान होंगे। व्यापार में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। माता से सुख सहयोग प्राप्ति की स्थितियां बनेगी। रोजी-रोजगार व्यापार में सफलता सामाजिक क्षेत्रों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। पारिवारिक जनों के सहयोग प्राप्त होगे एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों की पूर्ति होगी। प्रतियोगी परिक्षाओं में सफलता का अवसर प्राप्त होगा। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे, मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वर्ष के उत्तरार्ध में कुछ कमी अपिहार्य कारणों से अनेक कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। किसी श्रेष्ठ व्यक्ति के मध्य से समस्याओं के निराकरण में सहायता।

टो, प, पी, पू, व, ण, ड, पे, पो

कन्या–यह वर्ष आपके लिये श्रम संघर्ष से युक्त परेशानियों से परिपूर्ण रहेगा। अत्यधिक श्रम संघर्ष से अल्पलाभ राजनीतिक क्षेत्रों में असफलता सामाजिक क्षेत्रों में मान-सम्मान की प्राप्ति, पिता से वाद-विवाद, मन-मुटाव की स्थितियाँ बनेगी। स्वास्थ्य के प्रति पिता के वाद-विवाद, मन-मुटाव की स्थितियाँ बनेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहे स्वास्थ्य सम्बन्धी अनेक कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। किन्तु व्यापारिक क्षेत्रों में श्रमानुकूल सफलतायें माह के मध्य में स्वास्थ्य कुछ सुधार होगा व्यापार में नवीन योजनाये बन सकती है, रुचिनात्मक कार्यो के प्रति रुझान बढ़ेगा। माह के उत्तरार्ध में व्यय की अधिकता होगी, बौद्धिक क्षमताओं का ह्रास होगा। रुके कार्यों की पूर्ति होगी। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। मानसिक चिन्ताओं की वृद्धि होगी।

रा, री रू रे, रो, ता, तू, ते

तुला–राशिवालों के लिये यह वर्ष आर्थिक लाभ और उन्नति के क्षेत्र में प्रगति कारक होगा, पारिवारिक उत्तरदायित्वों की पूर्ति होगी। धार्मिक कार्यो में रुचि बढ़ेगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी, जनमास्त गुरु कुछ उलझनों व परेशानियों में वृद्धि करेगी, छात्रों का श्रमानुकूल उचित परिणाम प्राप्त होगे, वर्ष के उत्तरार्द्ध में मनोबल की वृद्धि होगी। रोजी-रोजगार में अच्छे लाभ की स्थितियाँ बनेगी। सर्वभौम सफलता, रोग-ऋण शत्रु आदि की वृद्धि होगी, माता पक्ष से सहयोग एव पिता पक्ष से मतभेद की स्थितियाँ बनेगी। पारिवारिक उलझने व मानसिक अशान्ति के कारण निर्णायक क्षमताओं में कमी आयेगी जो कि व्यापारिक क्षेत्र में बाधा उत्पन्न कर सकती है। भूमि-भवन, का सुख प्राप्त हो सकता है।

तो, ना, नी, नू, ने, नो या, यी, यू

वृश्चिक–यह वर्ष आपके लिये श्रम संघर्ष के साथ अल्पलाभ देने वाला होगा, शनि की पैर पर उतरती ढैय्या जातक के लिए अत्यधिक कष्टकारक सिद्ध हो सकती है। साहस, पराक्रम की कमी पारिवारिक वाद-विवाद की स्थितियाँ, मानसिक क्लेश शारीरिक और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आय से अधिक व्यय होगा। अनावश्यक यात्राये करनी पड़ सकती है, बाहरी सम्बन्धों से मनमुटाव या धोखे की स्थितियाँ बनेगी। वर्ष के उत्तरार्द्ध में परेशानियाँ में वृद्धि होगी व्यापारिक क्षेत्रों में नवीन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। शत्रु प्रबल होगे भाग्य कर्म प्रारब्ध में कमी महसूस करेंगे। मान-सम्मान प्रतिष्ठा में कमी सतकर्मों की कमी वाणी और क्रोध पर नियन्त्रण रखें।

ये, यो, म, भी, मू, ध, फ, द, मे

धनु–यह वर्ष नवीन परेशानियों से भरा हुआ रहेगा, हृदय पर बीच की ढैय्या जातक के लिये कष्टकारी होगा। इस समय अत्यधिक जटिल समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। रोजी-रोजगार के क्षेत्र में बाहरी सम्बन्धों से लाभ की स्थितियाँ बनेगी। वर्ष के उत्तरार्ध में गृह-कलह पड़ोसियों से वाद-विवाद, आर्थिक व व्यापारिक हानि सन्तान सम्बन्धी कष्ट। आय से अधिक व्यय, कर्म क्षेत्र में निराश और विफलता के कारण मन अशान्त रहेगा। व्यापारिक आदि मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं, रचनात्मक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा, स्वतन्त्र भावनाओं का विकास होगा, सामाजिक मान-सम्मान पद प्रतिष्ठा सामान्य रहेगा।

भो, ज, जो, खी, खू, खे, खा, ग, गी

मकर–यह वर्ष मकर राशि के जातकों के लिए अशुभ फलकारक सिद्ध होगा। शिर पर चढ़ती शनि की ढैय्या परेशानियों को बढ़ायेगी। व्यय की अधिकता से आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वजनों से क्लेश की स्थितियाँ बनेगी मानसिक परेशानियाँ कष्टकारक होगी, ताम्रपत्र से गुरुदेव का आगमन सुखद सिद्ध होगा। आर्थिक दृष्टिकोण से लाभ की स्थितियाँ बनती रहेगी। व्यापारिक क्षेत्रों में चल रहे प्रयास सफल होगे। सुख-सौभाग्य में वृद्धि, सामाजिक क्षेत्रों में अनुकूल परिस्थितियाँ होगी महत्वपूर्ण व्यक्तियों को विदेश यात्रा के अवसर प्राप्त होंगे, बाहरी सम्बन्धों के कारण सामाजिक मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

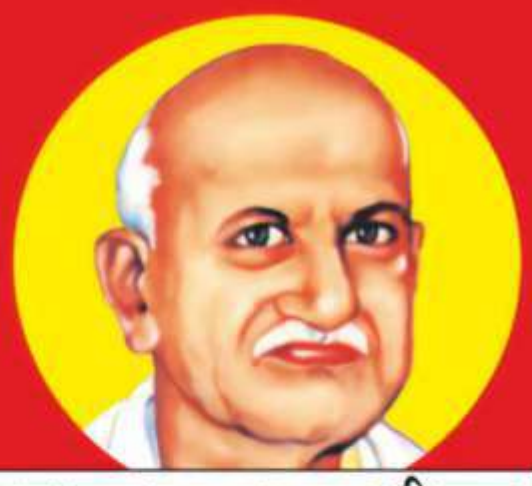
कुम्भ–यह वर्ष आपके लिये शुभाशुभ मिश्रितफल प्रदान करने वाला है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। पारिवारिक उत्तरदायित्वों की पूर्ति होगी। वाद-विवाद की स्थिति बनी रहेगी। श्रेष्ठ लोगों की संगति प्राप्त होगी राजनीतिक क्षेत्र में सफलता मान-सम्मान की वृद्धि होगी रोजगार में बाधाये उत्पन्न होगी। मन कुछ खिन्न रहेगा। प्रियजनों से मनमुटाव की स्थिति बनी रहेगी। आर्थिक दृष्टिकोण से मजबूत होंगे। व्यापारिक क्षेत्रों में चल रहे प्रयास सफल होंगे, शत्रुओं पर विजय प्राप्त करके आप अपना प्रभाव स्थापित करेगे, वाणी और क्रोध पर नियन्त्रण रखे।

दी, दू, ध, झ, ञ, टे, दो, चा, ची

मीन–इस वर्ष जातकों को रोजगार व्यापार में सफलताये प्राप्त होगी। यह वर्ष सुख-समृद्धि प्रदान करने वाला होगा, उन्नति के क्षेत्र में नवीन स्रोत प्राप्त करेंगे भाग्य कर्म से अच्छा प्रस्ताव देखने को मिलेगा। रुके हुए कार्य सफल होंगे। भौतिक सुख-सुविधा की प्राप्त होगी। अत्यधिक श्रम से अल्प लाभ होगा। श्रेष्ठजनों की संगति प्राप्त होगी। राजनीतिक क्षेत्रों सफल सामाजिक मान-सम्मान मतभेद पत्नी से वाद-विवाद की स्थितियाँ बनेगी। मन अशान्त रहेगा निर्णायक क्षमता बढ़ेगी, गुरु का आगमन शुभाशुभ मिश्रित फलकारक होगा। आय मे अधिक व्यय मन को परेशान करने वाला होगा। मानसिक व शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। वाद-विवाद मुकदमे हाथ लग सकते है। ■

www.thakurprasad.in

यश

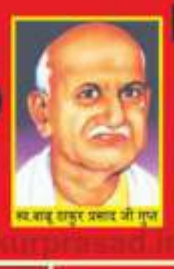


स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

www.thakurprasad.in

यश 

ठाकुर प्रसाद पंचाङ्ग

जुलाई 2027

द्रुध का विवरण

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			31		
16			योग		

कपड़ा धुलाई का विवरण

तारीख	विवरण कपड़ा	संख्या

अख़बार का विवरण

दिनांक	8	16	24
1	9	17	25
2	10	18	26
3	11	19	27
4	12	20	28
5	13	21	29
6	14	22	30
7	15	23	31

आवश्यक कार्यक्रम

आकाशीय लक्षण

मासारम्भ में आसमान साफ रहेगा। राजस्थान पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल में शीतलहर का प्रकोप रहेगा। बूंदा-बांदी तथा हिमपात होगा। ता.4, 5, 13, 14, 15,23,24 को अनेक स्थानों में वर्षा की सम्भावना होगी।

विक्रम संवत् 2084

आषाढ़ कृष्ण 12 से श्रावण कृष्ण 13 तक।
तारीख 19 जुलाई से श्रावण माह प्रारम्भ।।

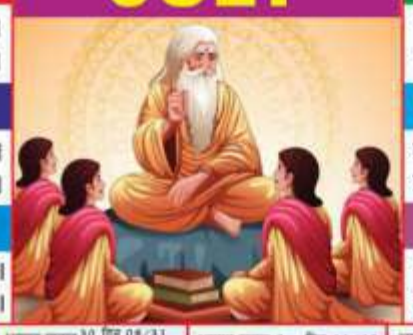
शालिवाहन शाके 1949

राष्ट्रीय आषाढ़ 10 से राष्ट्रीय श्रावण 9 तक।
ता.23 जुलाई से राष्ट्रीय श्रावण माह प्रारम्भ।।

फसली संवत् 1434

फसली श्रावण 12 से फसली भाद्रपद 13 तक।
ता.19 जुलाई से फसली भाद्रपद माह प्रारम्भ।।

JULY



इस्लामी हिजरी 1449

मुहर्रम 25 से सफर 26 तक।
तारीख 6 जुलाई से सफर माह प्रारम्भ।।

बंगला संवत् 1434

बंगला आषाढ़ 15 से बंगला श्रावण 13 तक।
ता.19 जुलाई से बंगला श्रावण माह प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1147

नेपाली आषाढ़ 16 से नेपाली श्रावण 14 तक।
ता.18 जुलाई से नेपाली श्रावण माह प्रारम्भ।

विवाह मुहूर्त

ता.	वार	नक्षत्र
7	बुध.	मघा
8	गुरु.	उ.फा.
9	शुक्र.	उ.फा.

पंचक- ता.२९ को पंचक प्रारम्भ दिन ७।४ से पंचक समाप्त ता.२६ को प्रात: ५।१३ बजे तक।

भद्रा- ता.२ को भद्रा प्रारम्भ दिन ३।२३ से भद्रा समाप्त रात्रि १।४४ तक। ता.७ को भद्रा प्रारम्भ दिन ८।१३ से भद्रा समाप्त सायं ६।४१ तक। ता.१० को भद्रा प्रारम्भ दिन १२।३७ से भद्रा समाप्त रात्रि १२।१३ तक। ता.१३ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १२।३९ से भद्रा समाप्त ता.१४ को दिन ११।० तक। ता.१७ को भद्रा प्रारम्भ सायं६।४८ से भद्रा समाप्त ता.१८ को दिन ८।०० तक। ता.२१ को भद्रा प्रारम्भ दिन ३।२५ से भद्रा समाप्त। ता.२२ को प्रात: ४।४६ तक। ता.२५ को भद्रा प्रारम्भ दिन ९।५२ से भद्रा समाप्त रात्रि १०।१८ तक। ता.२८ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ८।२४ से भद्रा समाप्त ता.२९ को ७।३४ तक। ता.३१ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०।५७ बजे से।

मूल विचार— आश्लेषा–ता.६ को सुबह ६।३३ से ता.७ को प्रात: ४।३ तक। मघा–ता.७ को प्रात: ४।३ से ता.७ को रात १।५५ तक। ज्येष्ठा–ता.१४ को रात्रि ३।१८ से ता.१६ को प्रात: ५।३९ तक। मूल–ता.१६ को प्रात: ५।३९ से ता.१७ को सुबह ८।३१तक। रेवती–ता.२४ को रात्रि ३।५२ से ता.२६ को प्रात:५।१३तक। अश्विनी–ता.२६ को प्रात: ५।१३ से ता.२७ को प्रात:५।५२तक।

व्रत-त्यौहार

1 गुरु. प्रदोष व्रत
2 शुक्र. मास शिवरात्रि व्रत
3 शनि. श्राद्ध की अमावस्या
4 रवि. स्नान-दान की अमावस्या
5 सोम. चन्द्रदर्शन, रथयात्रा
7 बुध. वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
9 शुक्र. स्कन्द षष्ठी, संत टेऊ राम जयंती
12 सोम. भड़ली नवमी
13 मंगल आशादशमी
14 बुध. देवशयनी एकादशी, चतुर्मास प्रा.
15 गुरु. प्रदोष व्रत
16 शुक्र. जया पार्वती व्रत
17 शनि. चौमासी चौदस (जैन)
18 रवि. स्नान-दान व्रत की पूर्णिमा, व्यास पूजा, गुरु पूर्णिमा, आषाढ़ी योग
19 सोम. श्रावण सोमवार, नक्तव्रत आरम्भ
22 गुरु. संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी
23 शुक्र. राष्ट्रीय श्रावण मास प्रारम्भ
24 शनि. चेहल्लुम
26 सोम. श्रावण सोमवार
29 गुरु. कामिका एकादशी व्रत स्मार्तो का
30 शुक्र. कामिका एकादशी व्रत वैष्णव का
31 शनि. शनि प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि

राशि-फल

मेष- मित्रों से सहयोग, कानूनी विवाद में विजय, व्यापार में लाभ, द्रव्यलाभ।
वृष- स्वजनों से वियोग, मान-सम्मान की प्राप्ति, पारिवारिक सुख प्राप्त।
मिथुन- साहस पराक्रम में कमी, परिश्रम से लाभ, शत्रु परास्त कार्यो की सिद्धि
कर्क- साहसिक कार्यों में उपलब्धि, धन लाभ, व्यापार में लाभ, नेत्र विकार।
सिंह- स्वास्थ्य उत्तम, शत्रु विजय, श्रम से लाभ, वाहन सुख, धार्मिक यात्रा।
कन्या- रोजगार में कमी, यात्राओं का योग द्रव्य लाभ, मन अशान्त, पुत्रलाभ।
तुला- धोखाधड़ी से हानि, परिवार में शांति, क्रोध पर नियंत्रण, कार्यपूर्ण
वृश्चिक- मानसिक शांति, शत्रुओं पर विजय लाभ में वृद्धि, धर्म कर्म में रूचि।
धनु- मानसिक परेशानी, रोजगार में उतार-चढ़ाव, बुद्धि भ्रम,द्रव्यलाभ
मकर- इच्छाओं की पूर्ति, धार्मिक कार्य में रूचि, पुत्र सुख, पुरुषार्थ में वृद्धि।
कुम्भ- आत्मबल में वृद्धि, उद्योग धन्धों का विकास, शत्रुओं पर विजय।
मीन- स्वास्थ्य कष्ट, लाभ में कमी, पत्नी पुत्र सुख शमन, विजय प्राप्त।

तेजी-मंदी

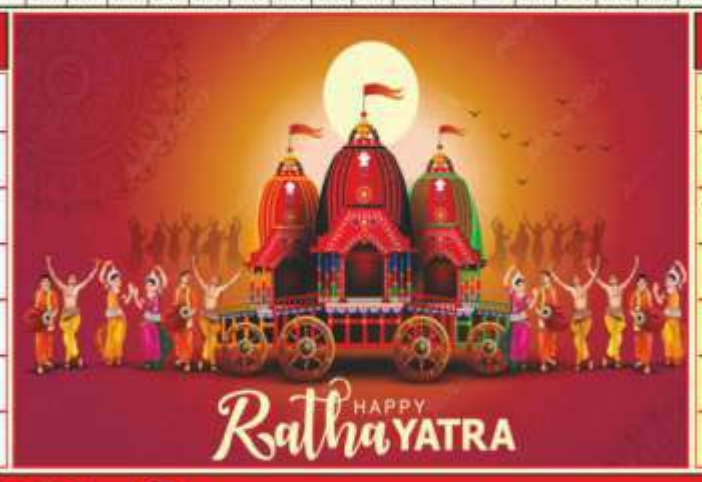
चन्दन, केसर, कपास, ग्वार, खाद्य तेलों के बाजार में तेजी का माहौल रहेगा। अन्नादि पदार्थों में तेजी आयेगी। मूंग, दलहन, सोठ-मोठ, चावल आदि में तेजी देखने को मिलेगी। सोना-चांदी सर्राफा बाजार तेज होगा। सोयाबीन,सरसो, ज्वार, बाजरा, रस-कस, घी, दूध, दही के भावों में तेजी।

	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT
1					1 प्रदोष व्रत कृत्तिका सायं 7/31		
2						2 विशुद्ध चंद्र प्रात:4/13 रोहि.सायं 5/26	
3							3 अमावस्या विशुद्ध चंद्र मृग.दिन 2/55
4	4 कर्क चंद्र प्रात: 4/01 आर्द्रा दिन 12/04						
5		5 रथयात्रा चन्द्रदर्शन कर्क का चंद्र पुनर्वसु दिन 09/19					
6			6 सिंह चंद्र प्रात: 4/03 पूर्व फा.दिन 04/33 आश्ले. प्रात: 04/33				
7				7 सिंह का चंद्र मघा रात 1/55			
8					8 सिंह का चंद्र पूर्वा. रात 12/16		
9						9 विशुद्ध चंद्र प्रात:5/26 उ.फा.रात 11/15	
10							10 कन्या चंद्र हस्त रात 10/51
11	11 तुला चंद्र स्वाति रात दिन 11/56						
12		12 धनु चंद्र मूल दिन 08/21					
13			13 धनु चंद्र प्रात: 05/39 ज्ये.प्रात: 5/39				
14				14 राजा संक्रांती वृश्चि.का चंद्र अनु.रात 3/18			
15					15 प्रदोष व्रत वृश्चि.का चंद्र ज्येष्ठा प्रात: 6/00		
16						16 धनु चंद्र मूल सायं 5/39 उ.षा.रात 11/15	
17							17 मकर चंद्र उ.षा. दिन 11/23
18	18 पूर्णिमा व्रत मकर चंद्र सायं 6/3 पू.फा.दिन 11/15						
19		19 मकर का चंद्र उ.षा. दिन 11/23					
20			20 कुंभ चंद्र दिन 7/4 धनि.रात 8/34				
21				21 कुंभ चंद्र दिन 7/4 धनि.रात 8/34			
22					22 कुंभ चंद्र प्रात: 6/00		
23						23 मीन चंद्र सायं 7/18 पू.भा. रात 1/53	
24							24 मीन का चंद्र उ.भा. रात 3/52
25	25 मेष चंद्र प्रात: 5/13 रेव.रात 5/13						
26		26 मेष का चंद्र अश्विनी दिन 6/00					
27			27 मेष का चंद्र प्रात:5/52				
28				28 वृष चंद्र दिन 11/39 कृत्ति.प्रात: 04/47 रोहि. प्रात: 04/37			
29					29 एकादशी व्रत मृग.दिन 3/27		
30						30 विशुद्ध चंद्र दिन 2/29 मृग.रात 01/23	
31							31 प्रदोष व्रत विशुद्ध चंद्र आर्द्रा रात 20/52

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	5/16	5/16	5/16	5/17	5/17	5/17	5/18	5/18	5/19	5/19	5/19	5/20	5/20	5/21	5/21	5/21	5/22	5/22	5/23	5/24	5/24	5/24	5/25	5/25	5/26	5/26	5/27	5/27	5/28	5/28	5/29
सूर्यास्त	6/48	6/48	6/48	6/48	6/48	6/48	6/48	6/48	6/48	6/47	6/47	6/47	6/47	6/47	6/47	6/46	6/46	6/46	6/45	6/45	6/45	6/44	6/44	6/43	6/43	6/42	6/42	6/41	6/41	6/40	6/40

जून 2027

रवि		6	13	20	27
सोम		7	14	21	28
मंगल	1	8	15	22	29
बुध	2	9		23	30
गुरु	3	10	17	24	
शुक्र		11	18	25	
शनि	5	12	19	26	



अगस्त 2027

रवि	1	8		22	29
सोम	2	9	16	23	30
मंगल	3	10			31
बुध	4	11	18		
गुरु	5	12	19	26	
शुक्र	6	13	20	27	
शनि	7	14	21	28	

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

नाटीइमली, वाराणसी।
Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

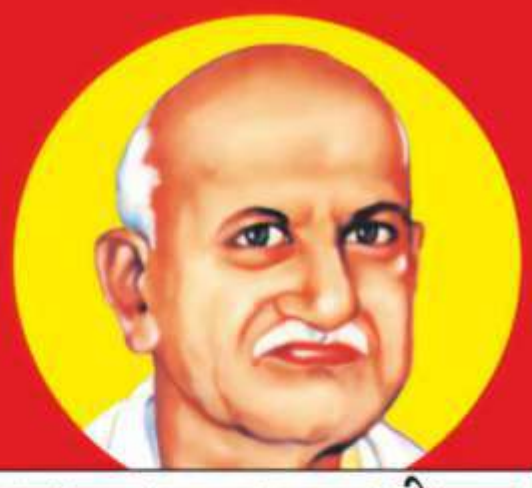
अधिकृत विक्रेता-ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक्सेलर, राजादरवाजा, वाराणसी। फोन-0542-2413650

Email- info@savitrithakur.com

web - www.thakurprasad.in

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

सन् २०२७ के विविध मुहूर्त्त

विवाह मुहूर्त्त

२४ जनवरी रवि. मघा में
२६ ,, मंगल. उ.फा.में
३० ,, शनि. अनुराधा में
३१ ,, रवि. अनुराधा में
९ फरवरी मंगल. उ.भा. में
१० ,, बुध. उ.भा. में
११ ,, गुरु. रेवती में
१४ ,, रवि. रोहिणी में
१५ ,, सोम. रोहिणी में
१६ ,, मंगल. मृगशिरा में
२१ ,, रवि. मघा में
२२ ,, सोम. उ.फा. में
२५ ,, गुरु. स्वाती में
२६ ,, शुक्र. स्वाती में
२ मार्च मंगल. अनुराधा में
३ ,, बुध. उ.षा. में
४ ,, शुक्र. उ.षा. में
६ ,, मंगल. उ.भा. में
१८ अप्रैल रवि. उ.फा. में
१९ ,, सोम. हस्त में
२१ ,, बुध. स्वाति में
२३ ,, शुक्र. स्वाति में
२४ ,, शनि. अनुराधा में
२५ ,, रवि. मूल में
२६ ,, सोम. मूल में
२७ ,, मंगल. उ.षा.
२८ ,, बुध. उ.षा.
४ मई मंगल. उ.षा.
७ ,, शुक्र. रोहिणी
९ ,, रवि. मृगशिरा
१० ,, गुरु. मघा
१४ ,, शुक्र. मघा
१६ ,, रवि. हस्त
१७ ,, सोम. हस्त
१८ ,, मंगल. स्वाति
१९ ,, बुध. स्वाति
२० ,, गुरु. अनुराधा
२१ ,, शुक्र. अनुराधा
२२ ,, शनि. मूल
२४ ,, सोम. उ.षा.
२५ ,, मंगल. उ.षा.
३० ,, रवि. उ.भा. में
९ जून बुध. मघा में
१० ,, गुरु. मघा में
१२ ,, शनि. उ.फा.
१३ ,, रवि. हस्त
१५ ,, मंगल. स्वाति
१६ ,, बुध. अनुराधा
१९ ,, शनि. मूल
२६ ,, शनि. उ.भा.
२८ ,, सोम. रेवती
७ जुलाई बुध. मघा
८ ,, गुरु. उ.फा.
९ ,, शुक्र. उ.फा.
१५ नवम्बर सोम. रोहिणी
१६ ,, मंगल. मृगशिरा
२० ,, शनि. मघा
२१ ,, रवि. मघा
२३ ,, मंगल. उ.फा.
२४ ,, बुध. हस्त
२ दिसम्बर गुरु. उ.षा.
७ ,, मंगल. उ.भा.
८ ,, बुध. रेवती
९ ,, गुरु. रेवती
१२ ,, रवि. रोहिणी
१३ ,, सोम. रोहिणी/मृगशिरा
१४ ,, मंगल. मृगशिरा

वर-वरण (वरीछा) एवं वाग्दान (फलदान) मुहूर्त्त

१५ जन. शुक्र. रेवती में सूर्योदय से रात्रि घं.११ मि.५० बजे।
१८ ,, सोम. कृतिका में सूर्योदय से रात्रि घं.९ मि.५ बजे तक।
१९ ,, मंगल.भद्राके बाद प्रातः घं.७मि.४९ बजे से सायं घं.६ मि.५४ बजे तक, रोहिणी में तत्पश्चात मृगशिरा में ।
२० ,, बुध. मृगशिरा में सूर्योदय से घं.४ मि.७ बजे दिन।
२४ ,, रवि. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से घं.९ मि.३३ बजे (रात्रि)।
२५ ,, सोम. भद्रा के बाद दिन घं.८ मि.१० बजे से रा.१२ बजकर ५० मि.
२६ ,, मंगल.उ.फा.में सूर्योदय से रात्रि घं.१२ मि.६ बजे।
२७ ,, बुध. हस्त में सूर्योदय से रात्रि घं.११ मि.५६ बजे तक।
२९ ,, शुक्र. स्वाती में सूर्योदय से रात्रि १ बज कर ३४ मिनट तक।
३१ ,, रवि. भद्राके पूर्व अनुराधा में सूर्योदय से शाम ७ बजकर ३४ मिनट
३ फर. बुध. अहोरात्रि सूर्योदय से दिन १२ बजे के २६ मिनट मूल में तत्पश्चात पू.षा.में ।
४ ,, गुरु. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से ४ बजकर ३१ मि. दिन।
५ ,, शुक्र.श्रवण में घं.६ मि.३२ बजे सायं से।
७ ,, रवि. धनिष्ठा में सूर्योदय से रात्रि ११ बजकर १८ मिनट।
९ ,, मंगल.पू.भा. में सूर्योदय से रात्रि ३ बजकर ४० मिनट।
१० ,, बुध. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन का २ बजकर ४६ मिनट।
११ ,, गुरु. रेवती में रात्रि १२ बजे।
१४ ,, रवि. भद्रा के बाद दिन १ बजकर २८ मिनट से पूरे दिन।
१५ ,, सोम.रोहिणी में सूर्योदय से रात्रि घं.३ मि.३२ बजे।
१६ ,, मंगल.मृगशिरा में सूर्योदय से रात्रि १ बजकर ३७ मि.।
२१ ,, रवि. मघा में सूर्योदय से दिन का १ बजकर ५० मिनट।
२२ ,, सोम. अहोरात्रि।
२३ ,, मंगल.भद्रा के पूर्व उ.फा.में सूर्योदय से दिन का घं.१०मि.२८ बजे।
२४ ,, बुध. हस्त में सूर्योदय से दिन का घं.९ मि.३८ बजे।
२५ ,, गुरु. स्वाती में दिन का घं.९ मि.३२
२६ ,, शुक्र. स्वाती सूर्योदय से दिन घं.१० मि.१३ बजे तक।
२७ ,, शनि. अनुराधा में घं.११मि.४९बजे।
२८ ,, रवि. अनुराधा में सूर्योदय से दिन १ बजकर ४७ बजे।
१ मार्च सोम. मूल में दिन घं.४ मि.२६बजे।
२ ,, मंगल.भद्रा के पूर्व सूर्योदय से घं.३ मि.२४ बजे तक।
३ ,, बुध. पू.षा. में सूर्योदय से रात्रि घं.१० मि.२४ बजे।
४ ,, गुरु. उ.षा. में सूर्योदय से रात्रि १ बजकर ३५ मिनट।
५ ,, शुक्र. श्रवण में।
६ ,, शनि. भद्राके पूर्व धनिष्ठा में सूर्योदय से दिन १२ बजकर ३मिनट।
९ ,, मंगल.अहोरात्रि में सूर्योदय तक।
१० ,, बुध. अहोरात्रि में सूर्योदय तक।
११ ,, गुरु. रेवती में सूर्योदय से दिन का घं.११ मि.१९ बजे।
१३ ,, शनि. कृतिकामें दिन का घं.११मि.२
१६ अप्रैल शुक्र.मघा में दिन घं.८ मि.२८ बजे से रात्रि घं.१० मि.२३तक।
१७ ,, शनि. भद्रा के बाद दिन घं.९ मि.२७
१८ ,, रवि. सूर्योदय से।
१९ ,, सोम. हस्तमें सूर्योदय से रात्रि घं.३ मि.० बजे तक।
२१ ,, बुध. स्वाती में सूर्योदयसे पूरे दिन।
२३ ,, शुक्र.भद्रा के पूर्व अनुराधा में प्रातः घं.५ मि.३२ से दिन का घं.३ मि.५४ बजे।
२६ ,, सोम. पू.षा. में दिन घं.११मि.२९से।
२७ ,, मंगल.भद्रा के पूर्वा सूर्योदय से दिन घं.९ मि.५७ बजे।
२८ ,, बुध. अहोरात्रि सूर्योदय तक।
२९ ,, गुरु. श्रवण में सूर्योदय से रात्रि घं.८ मि.३०तक तत्पश्चात धनिष्ठा
३० ,, शुक्र. धनिष्ठा सूर्योदय से रात्रि घं.९ मि.११ बजे तक।
२ मई रवि. पू.भा.प्रातः घं.५ मि.२५ से रात्रि घं.२ मि.४० बजे तक।
३ ,, सोम. उ.भा. में सूर्योदय से रात्रि घं.३ मि.१९ बजे तक।
४ ,, मंगल.भद्रा के पूर्व रेवती में सूर्योदय रात्रि ३ मि.३१ बजे तक।
७ ,, शुक्र. कृत्तिका में सूर्योदय से रात्रि घं.११ मि.४१ बजे तक।
८ ,, शनि. रोहिणी में सूर्योदय से रात्रि घं.९ मि.२२ बजे तक
९ ,, रवि. मृगशिरा में भद्रा के पूर्व सूर्योदयसे घं.७ मि.४३ बजे।
१३ ,, गुरु. मघा में घं.१ मि.४० बजे से।
१४ ,, शुक्र. मघा में सूर्योदय से दिन घं.१२ मि.४२बजे तक। पू.फा. में।
१५ ,, शनि. अहोरात्रि।
१७ ,, सोम. हस्त में प्रातः घं.५ मि.१६से दिन का घं.११ मि.२८ बजे।
१८ ,, मंगल.स्वाती में दिन घं.११ मि.४२से
१९ ,, बुध. स्वाती में सूर्योदय से दिन घं.१२ मि.१९ बजे तक।
२० ,, गुरु. अनुरा.में दिन घं.१मि.२०बजे।
२१ ,, शुक्र. सूर्योदय से दिन घं.२मि.५०
२४ ,, सोम. पू.षा. में सूर्योदय से रात्रि घं.१० मि.७ बजे तक।
२५ ,, मंगल.उ.षा. में सूर्योदय से रात्रि घं.१ मि.१२ बजे।
२६ ,, बुध. श्रवण में।
२७ ,, गुरु. भद्रा के बाद दिन घं.५मि.१८
३० ,, रवि. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से रात्रि घं.९ मि.४८ बजे।
३१ ,, सोम. भद्रा के बाद। उ.भा.से दिन का घं.१० मि.२ बजे से दिन घं.१२ मि.३५ बजे तक, तत्पश्चात रेवती में।
१ जून मंगल.रेवती मेंसूर्योदय से दिन घं.१२ मि.४९ बजे तक।
३ ,, गुरु. कृत्तिका में। भद्रा के बाद दिन घं.५ मि.१९ बजे से।
४ ,, शुक्र. कृत्तिका में । सूर्योदय से घं.९ मि.१३ बजे। रोहिणी में।
५ ,, शनि. प्रतिपदा में सूर्योदय से घं.९ मि.५८ बजे।
९ ,, बुध. मघा में रात्रि का घं.७मि.४७
१० ,, गुरु. मघा में सूर्योदय से सायं घं.६ मि.२३ बजे।
११ ,, शुक्र. भद्रा के बाद। दिन घं.४ मि.२९ बजे।
१२ ,, शनि. उ.फा. में । सूर्योदय से दिन घं.४ मि.५९ बजे तत्पश्चात हस्त में।
१३ ,, रवि. सूर्योदय से घं.४ मि.५९ बजे।
१५ ,, मंगल.स्वाती में सूर्योदय से रात्रि घं.६ मि.२३ बजे।
१६ ,, बुध. अनुराधा में रात्रि घं.७ मि.४४ बजे से।
१७ ,, गुरु. अनुराधा में। सूर्योदय से रात्रि घं.९ मि.३० बजे।
२० ,, रवि. पू.षा. में सूर्योदय तक।
२१ ,, सोम. सूर्योदय से रात्रि का घं.११ मि.५१, भद्रा के पूर्व।
२२ ,, मंगल.भद्रा के बाद श्रवण में। दिन का घं.१ मि.७ बजे।
२३ ,, बुध. श्रवण में सूर्योदय से घं.११ मि.१७ बजे,तत्पश्चात् धनिष्ठा
२७ ,, रवि. उ.भा.में सूर्योदय से रात्रि घं.८ मि.५८ बजे तत्पश्चा.रेवतीमें।
२८ ,, सोम. रेवती में। सूर्योदय से रात्रि का घं.९ मि.४८ बजे।
१ जुलाई गुरु. कृतिका में। सूर्योदय से रात्रि घं.७ मि.३१ तक तत्पश्चात् रोहिणी में।
२ ,, शुक्र. भद्रा के पूर्व। सूर्योदय से दिन घं.३ मि.२३ बजे।
३ ,, शनि. मृगशिरा में सूर्योदय से घं.२ मि.५५ बजे।
८ ,, गुरु. पू.फा. में प्रातः घं.५ मि.१८ से रात्रिका घं.१२ मि.१८ बजे।
९ ,, शुक्र. सूर्योदय से रात्रि घं.११मि.१५
१० ,, शनि. हस्त में प्रातः घं.५ मि.१९से दिन का घं.१२ मि.३७ बजे।
१२ ,, सोम. स्वाती में सूर्योदय से रात्रि घं.२३ मि.५६ बजे।
१० नव. बुध. भद्रा के बाद उ.भा.में। दिन का घं.९ मि.११ से।
११ ,, गुरु. अहोरात्रि में सूर्योदय तक।
१५ ,, सोम. रोहिणी में प्रातः घं.७ मि.५ बजे से पूरे दिन।
१६ ,, मंगल.भद्रा के पूर्व सूर्यो दय से घं.४ मि.४७ बजे।
२१ ,, रवि. मघा में प्रातः घं.६ मि.२३से रात्रि घं.९ मि.५१ बजे।
२२ ,, सोम. सूर्योदयसे रात्रि घं.८मि.४३ तक पू.फा. में तत्प.उ.फा.में।
२३ नव. मंगल.भद्रा के बाद दिन घं.१मि.४५
२४ ,, बुध. हस्त में प्रातः घं.६ मि.२५से सायं घं.६ मि.५२ बजे तक।
२५ ,, गुरु. स्वाती में सायं घं.६मि.१६से।
२७ ,, शनि. अनुराधा में। सायं घं.६ मि.५
२८ ,, रवि. अनुराधा में। सूर्योदय से सायं घं.६ मि.३९ बजे।
२९ ,, सोम. मूल में रात्रि घं.७मि.४७बजे
३० ,, मंगल.सूर्योदय से रात्रि घं.८मि.२९
१ दिस. बुध. पू.षा.में सूर्योदय से रात्रि घं.१० मि.५३ बजे।
२ ,, गुरु. भद्रा के बाद उ.षा.में दिन का घं.१ मि.४३ से।
३ ,, शुक्र. श्रवण में अहोरात्रि।
४ ,, शनि. अहोरात्रि सूर्योदय तक।
७ ,, मंगल.पू.भा.में सूर्यो दय से दिन घं.२ मि.२ बजे, उ.भा. में।
८ ,, बुध. उ.भा. में। प्रातः घं.६मि.३६ बजे से दिन घं.४मि.१२बजे। तत्पश्चात रेवती में।
९ ,, गुरु. भद्रा के पूर्व रेवतीमें। सूर्योदय से दिन का घं.३ मि.३ बजे।
११ ,, शनि. कृतिका में दिन घं.५मि.३७से
१२ ,, रवि. कृत्तिका में सूर्योदय से दिन का घं.४ मि.४१ बजे, तत्पश्चात रोहिणी में।
१३ ,, सोम. भद्रा के बादमें रोहिणी में। दिन घं.९ मि.४९ से दिन घं.३ मि.१४तक, मृगशिरा में।
१४ ,, मंगल.मृगशिरा में सूर्योदय से दिन का घं.१ मि.२४ बजे।

वधू प्रवेश मुहूर्त्त

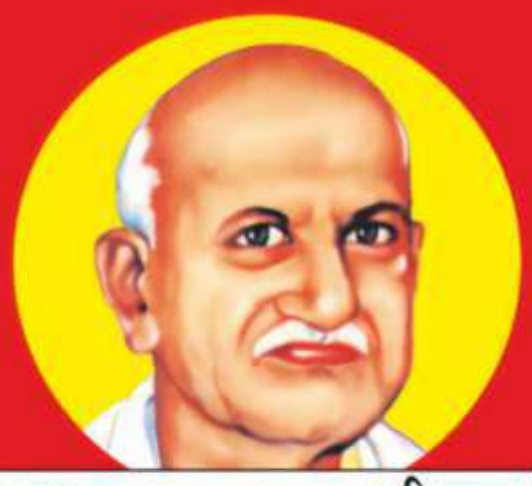
१५ जन. शुक्र. भद्रा के पूर्व रेवतीमें। सूर्योदय से दिन का घं.२ मि.१३ बजे।
१६ ,, शनि. अष्टमी में सूर्योदय से दिन घं.१ मि.४३ बजे।
२२ ,, शुक्र. पुष्य में दिन का घं.१० मि.२५ बजे से पूरे दिन।
२८ ,, गुरु. भद्रा के बाद दिन का घं.३ मि.५२ बजे से।
२९ ,, शुक्र. स्वाती में सूर्योदय रात्रि घं.१ बजकर मि.३४ तक।
४ फर. गुरु. भद्राके पूर्व उ.षा.में। दिन घं.३ मि.३२ से घं.४ मि.३१ बजे।
५ ,, शुक्र. श्रवण में सायं घं.७मि.५बजे।
११ ,, गुरु. रेवती में सूर्योदय से पूरे दिन।
१२ ,, शुक्र. अश्विनीमें दिन घं.६ मि.४०से रात्रि का घं.३ मि.५५ बजे।
१८ ,, गुरु. पुष्य में रात्रि घं.९ मि.५ बजे।
१९ ,, शुक्र. त्रयोदशीमें सूर्योदय से दिन घं.११ मि.१४ बजे तक।
२२ ,, सोम. उ.फा.में दिन घं.११ मि.४५बजे
२५ ,, गुरु. पंचमी में सूर्योदय से रात्रि घं.२० मि.१७ बजे।
२६ ,, शुक्र. सूर्योदयसे दिन घं.१०मि.१३बजे
२७ ,, शनि. अनुराधा में दिन घं.११ मि.३९ से रात्रि घं.९ मि.५४बजे तक।
४ मार्च गुरु. उ.षा.में प्रातः घं.६ मि.२३से रात्रि घं.१ मि.३५ बजे।
५ ,, शुक्र. श्रवण में सूर्योदय से पूरे दिन।
६ ,, शनि. भद्राके पूर्व त्रयोदशी में। सूर्योदय से दिन घं.१२ मि.३बजे।
११ ,, गुरु. भद्रा के पूर्व तृतीया में। सूर्योदय से दिन घं.३ मि.३७ बजे।
१६ अप्रैल शुक्र.मघा में दिन घं.८मि.१८से रात्रि का घं.१० मि.२४ बजे।
१८ ,, रवि. उ.फा.प्रातः घं.६मि.५पूरे दिन।
२१ ,, बुध. स्वाती में सूर्योदय से पूरे दिन।
२५ ,, रवि. पंचमी युता मूल में दिन घं.८ मि.५७ से पूरे दिन।
२६ ,, सोम. मूल में सूर्योदय से दिन घं.११ मि.२९ बजे।
२८ ,, बुध. उ.षा.में सूर्योदय से सायं घं.५ मि.३० तक, तत्पश्चात श्रवण में। पूरे दिन।
३ मई सोम. उ.भा.में सूर्योदय से रात्रि घं.३ मि.१९ बजे तक।
७ ,, शुक्र. कृत्तिका में। प्रातः घं.५ मि.२२ से रात्रि घं.११ मि.४१ बजे।
८ ,, शनि. रोहिणी में। सूर्यो दय से रात्रि का घं.९ मि.५२ बजे।
१३ ,, गुरु. युता मघा में। दिन का घं.१ मि.४० बजे से, रात्रि का घं.९ मि.१८ बजे।
१५ ,, शनि. उ.फा.में दिन का घं.१२ मि.०
१७ ,, सोम. सूर्योदयसे रात्रि घं.१२ मि.०बजे
२० ,, गुरु. अनुराधा में दिन का घं.१मि.२०
२१ ,, शुक्र. अनुराधा में सूर्योदय से दिन का घं.२ मि.५० बजे।
२२ ,, शनि. मूल में दिन घं.४ मि.५०बजे।
२७ ,, गुरु. भद्राके बाद दिन घं.५मि.१८बजे
२८ ,, शुक्र. धनि.में सूर्योदय से घं.७मि.१४

द्विरागमन मुहूर्त्त

१८ फर. शुक्र. पुनर्वसु में सूर्योदय से रात्रि घं.९ मि.५ लग्न २,३
१९ ,, शुक्र. पुष्य में सूर्योदय से सायं घं.६ मि.३५ लग्न ३, ६ (कन्या में गुरु की स्थिति शुभ है।)
२५ ,, गुरु. चित्रा में सूर्यो दय से दिन घं.९ मि.३२ बजे लग्न १२
५ मार्च शुक्र. श्रवण में (लग्न २ अभिजित नक्षत्र लग्न ३)
१० ,, बुध. उ.भा.में सूर्यो दय से दिन का घं.१० मि.५२ लग्न १२,२
११ ,, गुरु. रेवती अश्विनी में लग्न २ अभिजित ३
२१ अप्रैल बुध. स्वाती में लग्न २,३,६,७ गुरु लग्न २,३,७
२६ ,, सोम. मूल में लग्न २ (गुरु शुभ)
२८ ,, बुध. उ.षा.में (लग्न २,३) वृष में शुभ, मिथुन में शुक्र शुभ।
३० ,, शुक्र. धनिष्ठा में (ल.७)(गुरु शुभ)
१० मई सोम. पुनर्वसु में (ल.७) (गुरुशुभ)
१२ ,, बुध. पुष्य में लग्न २,३(वृष गुरु)
२५ नव. गुरु. चित्रा में (अभिजित,मीन,वृष)
२ दिस. गुरु. उ.षा. में (लग्न-मीन, वृष) मीन में शुक्र शुभ
१५ ,, बुध. पुनर्वसु में (लग्न-मीन)

www.thakurprasad.in

यश

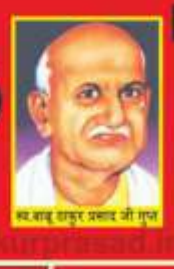


स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

www.thakurprasad.in

यश 
स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

ठाकुर प्रसाद पंचाङ्ग अगस्त 2027

द्रव का विवरण

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			31		
16			योग		

कपड़ा धुलाई का विवरण

तारीख	विवरण कपड़ा	संख्या

अख़बार का विवरण

दिनांक	8	16	24
1	9	17	25
2	10	18	26
3	11	19	27
4	12	20	28
5	13	21	29
6	14	22	30
7	15	23	31

आवश्यक कार्यक्रम

आकाशीय लक्षण

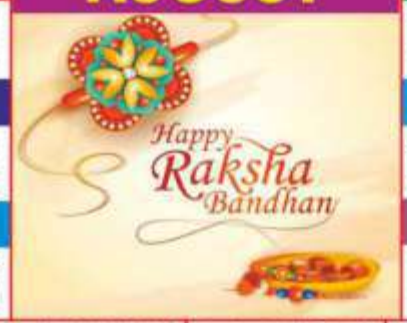
माह के पूर्वार्ध में पश्चिम भारत के अधिकांश प्रदेशों में वर्षा व्यतिक्रम बना रहेगा। पूर्व के क्षेत्रों में वर्षा वायुवेग की स्थितियाँ बनेगी। विस्तृत भू-भागों में वर्षा होगी। वर्षा से जन जीवन अस्त-व्यस्त होगा। ता.1,2,3,10, 11, 28, 29 को अधिकांश हिस्सो में मौसम शुष्क रहेगा।

विक्रम संवत् 2084
श्रावण कृष्ण 14 से भाद्रपद कृष्ण 15 तक।
तारीख 18 अगस्त से भाद्रपद माह प्रारम्भ।।

शालिवाहन शाके 1949
राष्ट्रीय श्रावण 10 से राष्ट्रीय भाद्रपद 9 तक।
ता.23 अगस्त से राष्ट्रीय भाद्रपद माह प्रारम्भ।।

फसली संवत् 1434
फसली भाद्रपद 14 से फसली आश्विन 14 तक।
ता.18 अगस्त से फसली आश्विन माह प्रारम्भ।।

AUGUST



इस्लामी हिजरी 1449
सफर 27 से रवि-उल-अव्वल 27 तक।
तारीख 5 से रवि-उल-अव्वल माह प्रारम्भ।।

बंगला संवत् 1434
बंगला श्रावण 14 से बंगला भाद्रपद 13 तक।
ता.19 अगस्त से बंगला भाद्रपद माह प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1147
नेपाली श्रावण 15 से नेपाली भाद्रपद 14 तक।
ता.18 अगस्त से नेपाली भाद्रपद माह प्रारम्भ।

रवि SUN	1	8	15 स्वतन्त्रता दिवस	22	29 प्रदोष व्रत
सोम MON	2 अमावस्या	9	16	23	30
मंगल TUE	3	10	17 रक्षाबन्धन पूर्णिमा व्रत	24 कृष्णजन्माष्टमी	31
बुध WED	4 चन्द्रदर्शन	11	18	25 कृष्णजन्माष्टमी	
गुरु THU	5	12 एकादशी व्रत	19	26	
शुक्र FRI	6	13	20	27	
शनि SAT	7	14 प्रदोष व्रत	21	28 एकादशी व्रत	

व्रत-त्यौहार

1 रवि. लोकमान्य तिलक पुण्य तिथि
2 सोम. स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या सूर्य ग्रहण, हरियाली अमावस्या श्रावण सोमवार, सोमवती अमा. शहादते-इमाम हसन
3 मंगल. शृगांर सिंधारा, ग्रहण करीदिन
4 बुध. चन्द्रदर्शन, हरियाली तीज, स्वर्ण गौरी व्रत, आखिरी चहार शम्बा
5 गुरु. वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत
6 शुक्र. नागपंचमी
7 शनि. कलकी जयंती, वर्ण षष्ठी
8 रवि. गोस्वामी तुलसीदास जयंती
9 सोम. दुर्गाष्टमी, सोमेश्वर पूजन, श्रावण सोमवार व्रत
12 गुरु. पुत्रदा एकादशी व्रत
13 शुक्र. श्री विष्णु पवित्रा रोपण
14 शनि. शनि प्रदोष व्रत
15 रवि. भारतीय स्वतंत्रता दिवस
16 सोम. हयग्रीव जयंती, नारियल पूर्णिमा श्रावण सोमवार, बारावफात
17 मंगल. रक्षा बन्धन, श्रावणी पूर्णिमा स्नान-दान की पूर्णिमा
19 गुरु. वृहद् गौरी व्रत
20 शुक्र. संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी, कजली
21 शनि. बहुला चतुर्थी, ईद-ए-मौलाद
22 रवि. चन्द्रषष्ठी
23 सोम. हलषष्ठी (ललही छठ), राष्ट्रीय भाद्रपद मास प्रारम्भ
24 मंगल. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी स्मार्तो का
25 बुध. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी वैष्णवों का
26 गुरु. गोगानवमी
28 शनि. जया एकादशी, वत्सपूजा
29 रवि. रवि प्रदोष व्रत
30 सोम. मास शिवरात्रि व्रत
31 मंगल. स्नान-दान-श्राद्ध की अमावस्या श्री शक्ति पूजा, पिठौरी अमावस्या

राशि-फल

मेष- स्त्री-पुत्र का सुख, धनलाभ, मन शांत, रोजगार में लाभ, धर्म-कर्म।
वृष- शत्रुओं की पराजय, धनागम से लाभ, मान-सम्मान, क्रोध न करें।
मिथुन- पारिवारिक क्लेश, बुद्धि भ्रम, मित्रों से लाभ, व्यर्थ के खर्च।
कर्क- रोजगार मन्दा, धनाभाव से मन खिन्न, स्वास्थ्य उत्तम, धर्म में रुचि।
सिंह- व्यापार में उन्नति, मन प्रसन्न, क्रोध पर नियन्त्रण, कार्यों की संभावना।
कन्या- वाणी में कठोरता, रोग शोक व क्रोध, मनोरंजन व भ्रमण के योग।
तुला- स्वास्थ्य लाभ, अनावश्यकताओं में बाधा, सुख साधन, धर्म में रुचि।
वृश्चिक- प्रियजनों का स्नेह, बिगड़े कार्य पूर्ण, मन अशान्त, रोजगार सृजन।
धनु- बुद्धिभ्रम, कार्यों में असफलता, मन अशांत, अल्प श्रम से सफलता
मकर- पारिवारिक सुख शान्ति, शयनादि में सुख, उत्तम भोजन, ऋण से बचें।
कुम्भ- बौद्धिक विकास, शत्रु पर विजय, रोगो से मुक्ति, परिवार से सहयोग।
मीन- साहस में कमी, पत्नी से सुख, शुभ समाचार, बौद्धिक विकास से लाभ

पंचक—ता.१७ को पंचक प्रारम्भ दिन १।४ बजे से पंचक समाप्त ता.२२ को दिन ११।१० बजे तक।
भद्रा—ता.१ को भद्रा समाप्त दिन ९।१० बजे तक। ता.५ को भद्रा प्रारम्भ दिन ३मि.४४ बजे से भद्रा समाप्त रात्रि २ मि.२७ तक। ता.८ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि २०।२४ से भद्रा समाप्त ता.९ को १०।२३ तक। ता.१२ को भद्रा प्रारम्भ दिन १।५६ से भद्रा समाप्त रात्रि २।५९ तक। ता.१६ को भद्रा प्रारम्भ दिन १०मि.२८ से भद्रा समाप्त रात्रि ११।४३ तक। ता.२० को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ६।७ से भद्रा समाप्त सायं ६।५३ तक। ता.२३ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०मि.५३ से भद्रा समाप्त ता.२४ को दिन ८।४३ तक। ता.२६ को भद्रा प्रारम्भ सायं ५।३९ से भद्रा समाप्त ता.२७ को दिन ३।२५ तक ता.३० को भद्रा प्रारम्भ दिन ६।१२ से भद्रा समाप्त दिन ४।२६ बजे तक।
मूल विचार-आश्लेषा- ता.२ को दिन ५।१९ से ता.३ को दिन २।१६ तक। मघा- ता.३ को दिन २।१६ से ता.४ को दिन ९।१९ तक। ज्येष्ठा- ता.११ को दिन ९।१३ से ता.१२ को दिन ११।३३ तक। मूल- ता.१२ को दिन ११।३३ से ता.१३ को दिन २।१९ तक। रेवती- ता.२१ को दिन ९।३८ से ता.२२ को दिन ११।१० तक। अश्विनी- ता.२२ को दिन ११।१० से ता.२३ को दिन १२।१९ तक। आश्ले.- ता.२९ को रात ३।४४ से ता.३० को रात १।२ तक। मघा- ता.३० को रात १।२ से ता.३१ को रात १०।३० तक।

तेजी-मंदी

इस माह बाजार सामान्य रहेगा। सोने-चांदी के भावों में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। गेहूँ,जौ,चना, अरहर आदि के भावों में कुछ गिरावट नजर आयेगी।

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	5/29	5/30	5/30	5/31	5/31	5/31	5/32	5/32	5/33	5/33	5/34	5/34	5/35	5/35	5/36	5/36	5/36	5/37	5/37	5/38	5/38	5/38	5/39	5/39	5/40	5/40	5/40	5/41	5/41	5/42	5/42
सूर्यास्त	6/39	6/39	6/38	6/37	6/37	6/36	6/36	6/35	6/34	6/33	6/32	6/32	6/31	6/30	6/29	6/28	6/28	6/27	6/26	6/25	6/24	6/23	6/22	6/21	6/20	6/19	6/18	6/17	6/16	6/15	6/14

जुलाई 2027

रवि		4	11	18	25
सोम			12	19	26
मंगल		6	13	20	27
बुध		7	14	21	28
गुरु	1	8	15	22	29
शुक्र	2	9	16	23	30
शनि	3	10	17	24	31



सितम्बर 2027

रवि		5	12	19	26
सोम		6	13	20	27
मंगल		7	14	21	28
बुध	1	8	15	22	29
गुरु	2	9	16	23	
शुक्र	3	10		24	
शनि	4	11	18	25	

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

नाटीइमली, वाराणसी।
Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

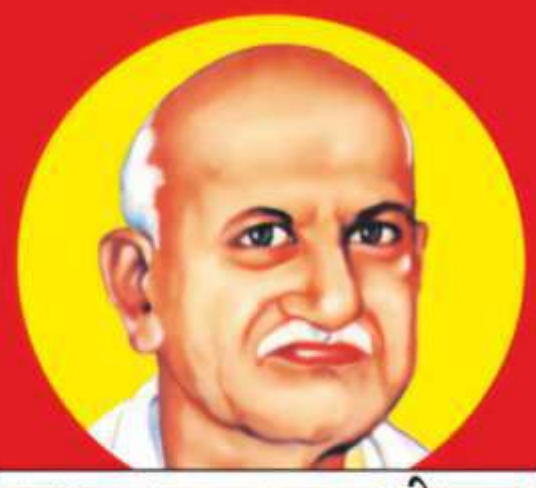
अधिकृत विक्रेता-ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक्सेलर, राजादरवाजा, वाराणसी। फोन-0542-2413650

Email- info@savitrithakur.com

web - www.thakurprasad.in

www.thakurprasad.in





स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त



सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

प्रसूतिका स्नान मुहूर्त्त

१४ जन. गुरु. सप्तमी युता उ.भा.दिन के घं.१ मि.५८ बजे से।
२६ ,, मंगल.उ.फा.में सूर्योदय से रात्रि का घं.१२ मि.६ बजे।
३१ ,, रवि. भद्रा के पूर्व अनुराधा में सायं घं.१० मि.३४ बजे।
४ ,, गुरु. भद्रा के पूर्व उ.षा.में दिन का घं.३ मि.३२ से दिन घं.४मि.३१
११ ,, गुरु. पंचमी युता रेवती में पूरे दिन
१६ ,, मंगल.मृगशिरा में सूर्योदय से रात्रि का घं.१ मि.३७ बजे।
२३ ,, मंगल.भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन घं.१० मि.३९ बजे।
२५ ,, गुरु. स्वाती में दिन का घं.९मि.३२
४ मार्च गुरु. उ.षा. सूर्योदयसे घं.७मि.२४
९ ,, मंगल.उ.भा.में दिनके घं.९मि.५८बजे
११ ,, गुरु. रेवती में अश्विनी में, सूर्योदय से दिन घं.११ मि.१९ तक, रेवती तत्पश्चात दिन घं.११ मि.१९ से दिन घं.३ मि.३७ तक, अश्विनी में।
१४ ,, रवि. सप्तमी रोहिणीमें घं.१२मि.३२
२३ ,, मंगल.हस्त में सूर्योदय से रात्रि घं.७ मि.४९ बजे तक।
१ अप्रैल गुरु. भद्रा के पूर्व, उ.षा.में सूर्योदय से दिन घं.९ मि.२५ बजे।
६ ,, मंगल.उ.भा.में प्रातः घं.५ मि.४९से सायं घं.६ मि.२५ बजे।
८ ,, गुरु. अश्विनी में सूर्योदय से दिन का घं.५ मि.५९ बजे।
४ मई मंगल.त्रयोदशी में सूर्योदय से सायं घं.७ मि.३१ बजे।
९ ,, रवि. तृतीया में सूर्योदय से दिन का घं.९ मि.३ बजे।
१६ ,, रवि. भद्राके पूर्व। सूर्योदय से सायं घं.५ मि.१३ बजे।
१८ ,, मंगल.स्वाती में दिन घं.११ मि.४२से दिन घं.४ मि.३ बजे।
२० ,, गुरु. अनुरा.में दिन का घं.१मि.२०
२५ ,, मंगल.उ.षा. में सूर्योदय से पूरे दिन।
३० ,, रवि. दशमी युता उ.भा. में दिन घं.११ मि.३२ बजे।
१ जून मंगल.एकादशी में प्रातः घं.५ मि.१२ से दिन का घं.९ मि.३९ बजे।
१३ ,, रवि. हस्त में सूर्योदय से दिन घं.४ मि.५९ बजे तक।
२९ ,, मंगल.भद्रा के पूर्व सूर्योदय से घं.१० मि.३३ बजे।
१ जुलाई गुरु. रोहिणी में सायं घं.७मि.३१बजे
१८ ,, रवि. उ.षा. में दिन घं.११ मि.१७से रात्रि घं.९ मि.१४ बजे तक।
२९ ,, गुरु. भद्राके बाद रोहिणी में सूर्योदय से पूरे दिन।
८ अग. रवि. स्वाती में प्रातः घं.६मि.०से रात्रि घं.१० मि.२४ बजे तक।
१५ ,, रवि. त्रयोदशी में सूर्योदय से प्रातः घं.७ मि.५३ बजे तक।
२२ ,, रवि. पंचमी में सूर्योदय से रात्रि का घं.८ मि.४५ बजे तक।
२६ ,, गुरु. दशमी में दिन का घं.५मि.३९
२ सित. गुरु. उ.फा.में सूर्योदय से घं.५ मि.३६ तत्पश्चात् हस्त में।
५ ,, रवि. पंचमीमें दिन का घं.११मि.१७
७ ,, मंगल.भद्राके पूर्व सप्तमी में सूर्योदय से दिन घं.११ मि.२८ बजे।
१६ ,, गुरु. उ.भा.में दिन घं.१ मि.४३बजे
३० ,, गुरु. हस्त में सूर्योदय से पूरे दिन।
१९ अक्टू.मंगल.पंचमीमें दिन का घं.४मि.४२
३१ ,, रवि. अनुराधा में दिन का घं.९मि.३१
११ नव. गुरु. त्रयोदशीमें दिनका घं.१०मि.७
१६ ,, मंगल.भद्रा के पूर्व सूर्योदय से घं.४ मि.४३ दिन।
२३ ,, मंगल.भद्रा के बाद दिन का घं.१मि. ३५ से रात्रि घं.७मि.४२ बजे
२८ ,, रवि. अनुराधा में सूर्योदय से सायं घं.६ मि.३९ बजे।
९ दिस. गुरु. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से घं.३ मि.१५ बजे (दिन)।
१४ ,, मंगल.मृग.में सूर्योदय से घं.१मि.२४
२३ ,, गुरु. सूर्योदय से पूरे दिन।
३० ,, गुरु. उ.षा.में सूर्योदय से दिन का घं.१० मि.६ बजे।

जातकर्म और नामकरण मुहूर्त्त

१ जन. शुक्र. दशमी युता चित्रा में दिनके घं.१ मि.१० से सायं घं.५ मि.२९ बजे तक।
४ ,, सोम. अनुराधा में सूर्योदय से रात्रि घं.१२ मि.१४ बजे तक।
८ ,, शुक्र. उ.षा.में घं.९ मि.१२ बजे दिन
११ ,, सोम. तृतीया में सूर्यो दय से दिन घं.९ मि.२८ बजे।
१४ ,, गुरु. उ.भा. में सूर्योदय से रात्रि घं.९ मि.९ बजे तक।
१५ ,, शुक्र. भद्रा के पूर्व सूर्यो दय से दिन का घं.९ मि.१३ बजे।
२० ,, बुध. मृगशिरा में प्रातः घं.६ मि.४९ से घं.४ मि.१७ बजे।
२८ ,, गुरु. भद्रा के बाद दिन के घं.३ मि.५२ बजे से।
८ फर. सोम. शतभिषा सूर्योदय से पूरे दिन।
११ ,, गुरु. रेवती में प्रातः घं.६ मि.४० बजे से पूरे दिन।
२२ ,, सोम. उ.फा.में दिन का घं.११ मि.५४ से रात्रि का घं.११ मि.३९बजे।
२५ ,, गुरु. चित्रा में सूर्योदय से दिन का घं.९ मि.३२ बजे।
४ मार्च गुरु. उ.षा. में सूर्योदय से पूरे दिन।
५ ,, शुक्र. श्रवण में सूर्योदय से पूरे दिन।
१० ,, बुध. उ.भा.में सूर्योदय से दिन घं.९ मि.५२ तत्पश्चात रेवती में।
११ ,, गुरु. रेवती में से दिन घं.११मि.१९
१५ ,, सोम. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन घं.१० मि.५१ बजे।
२२ ,, सोम. प्रतिपदा युता उ.फा.में दिनका घं.४ मि.१३ से रात्रि घं.८ मि.४५ बजे तक।
२४ ,, बुध. चित्रा में सूर्योदय से सायं घं.७ मि.२५ बजे तक।
२ अप्रैल बुध. श्रवण में सूर्योदय से घं.१२ मि.१६ दिन का तत्पश्चात् धनिष्ठा में।
३ ,, गुरु. धनिष्ठा में सूर्योदय घं.२मि.४१
४ ,, रवि. शतभिषा में प्रातः घं.५मि.५१ से दिन का घं.४ मि.३३बजे।
७ ,, बुध रेवती में सूर्योदय से सायं घं.६ मि.२५ बजे।
११ ,, रवि. रोहिणी में सूर्योदय दिन घं.९ मि.५३ बजे।
१८ ,, रवि. उ.फा. में प्रातः घं.६ मि.५बजे से पूरेदिन।
२३ ,, शुक्र. अनुराधा में प्रातः घं.५ मि.३२ से दिन का घं.३ मि.५४बजे।
२८ ,, बुध. सप्तमी में सूर्योदय से दिन घं.१२ मि.३० बजे।
३० ,, शुक्र. दशमी में सायं घं.५ मि.१३से रात्रि घं.११ मि.९ बजे तक।
३ मई सोम. उ.भा.में सूर्योदय से पूरे दिन।
१७ ,, सोम. चित्रा में दिन घं.११ मि.२८ से पूरे दिन।
२० ,, गुरु. अनुराधा में प्रतिपदा युता दिन घं.४ मि.२८ बजे से।
२१ ,, शुक्र. अनुराधा में सूर्यो दय से घं.२ मि.५० बजे।
२६ ,, बुध. श्रवण में सूर्योदय से पूरे दिन।
२७ ,, गुरु. भद्रा के बाद दिन घं.५ मि.१८ बजे से।
२८ ,, शुक्र. सप्तमी में घं.६ मि.२६ बजे।
३१ ,, सोम. भद्रा के बाद दिन घं.१० मि.२ से दिन घं.१२ मि.३५ बजे।
१४ जून सोम. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन घं.२ मि.६ बजे।
१६ ,, बुध. अनु.में सायं घं.७मि.४४बजे
२१ ,, सोम. भद्राके पूर्व सूर्योदय से रात्रि का घं.११ मि.५१ बजे तक।
२४ ,, गुरु. धनिष्ठा में सूर्योदय से घं.२मि. २१ दिन तत्पश्चा.शतभिषा में।
२५ ,, शुक्र. शतभिषा में सूर्योदय से दिन घं.५ मि.६ बजे तक।
१ जुला गुरु. रोहिणी में सायं घं.७ मि.३१से।
२ ,, शुक्र. रोहिणी में भद्रा के पूर्व। सूर्योदय से दिन घं.५ मि.२३बजे।
९ ,, शुक्र. उ.फा.में सूर्योदय से रात्रि घं.११ मि.१५ बजे।
१४ ,, बुध. भद्रा के बाद अनुराधा में दिन घं.१ मि.१० बजे से।
१९ ,, सोम. प्रतिपदा में प्रातः घं.५ मि.२३से रात्रि घं.११ मि.४७ तक।
२१ ,, बुध. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन का घं.३ मि.३५ बजे।
२९ ,, गुरु. भद्रा के बाद प्रातः घं.७ मि.३४ से पूरे दिन।
३० ,, शुक्र. मृगशिरा में पूरे दिन।
६ अग. शुक्र. उ.फा.में सूर्योदय से घं.७ मि.३३ (प्रातः)
११ ,, बुध. अनुराधा में सूर्योदय से दिन का घं.९ मि.१३ बजे।
१८ ,, बुध. शतभिषा में पूरे दिन।
१ सित. बुध. उ.फा.में सायं घं.७मि.४५से।
२ ,, शुक्र. उ.फा.में दिन घं.५ मि.३६बजे
६ ,, सोम. अनुराधा में दिन घं.२ मि.४९ से पूरे दिन।
१३ ,, सोम. त्रयोदशी में सूर्योदय से रात्रि घं.१२ मि.० बजे।
१६ ,, गुरु. उ.भा. में दिन घं.१ मि.४३से।
१७ ,, शुक्र. उ.भा.में सूर्योदय से दिन घं.३ मि.२८ तत्पश्चात रेवती में।
२२ ,, बुध. भद्राके बाद दिन घं.५ मि.१४से
१ अक्टू. शुक्र. चित्रा में सूर्योदय से रात्रि घं.१२ मि.४९ बजे।
४ ,, सोम. अनुराधा में पूरे दिन।
११ ,, सोम. भद्राके बाद दिन घं.२ मि.८से।
१५ ,, शुक्र. प्रतिपदा सायं घं.७मि.१६से।
२० ,, बुध. मृगशिरा में सूर्योदय से रात्रि घं.१० मि.२९ बजे।
२७ ,, बुध. उ.फा. में सूर्योदय से रात्रि घं.१ मि.० बजे।
१ नव. सोम. अनुराधा में सूर्यो दय से दिन घं.९ मि.५७ बजे।
५ ,, शुक्र. भद्राके पूर्व उ.षा.में सूर्योदय से दिन घं.६ मि.१९ तत्पश्चात श्रवण में।
८ ,, सोम. शतभिषा में प्रातः घं.६ मि.१३ से पूरे दिन।
१० ,, बुध. भद्रा के बाद दिन घं.९मि.११से
११ ,, गुरु. उ.भा.में सूर्यो दय से प्रातः घं.७ मि.१ तत्पश्चात रेव.में पूरे दिन
१५ ,, सोम. रोहिणी में प्रातः घं.७ मि.५से।
२४ ,, बुध. चित्रा में सायं घं.६मि.५२बजे।
२५ ,, गुरु. चित्रा में सूर्योदय से सायं घं.६ मि.१६ बजे तक।
२ दिस. गुरु. भद्रा के बाद उ.षा.में दिन का घं.१ मि.४३ से।
३ ,, शुक्र. श्रवण में पूरे दिन।
८ ,, बुध. उ.भा. में प्रातः घं.६मि.३५से दिन का घं.४ मि.१२ तक तत्पश्चात् रेवती में।
९ ,, गुरु. भद्राके पूर्व प्रातः घं.६मि.३६ से दिन.घं.३ मि.१५ बजे तक।
२२ ,, बुध. भद्राके पूर्व सूर्योदय से दिन घं.१२ मि.४ बजे।
२९ ,, बुध. उ.षा.में प्रातः घं.५ मि.२५बजे
३० ,, गुरु. उ.भा.में सूर्योदय से दिन घं.१० मि.६तक, तत्पश्चात श्रवणमें
३१ ,, शुक्र. तृतीया में सूर्यो दय से दिन घं.८ मि.११ बजे।

अन्नप्राशन मुहूर्त्त

९ जन. शुक्र. स्वाती में सायं घं.५ मि.२९बजे
४ ,, सोम. त्रयोदशी युता अनुराधामें सायं घं.६ मि.१५ से।
११ ,, सोम. तृतीया में सूर्योदय से दिन घं.९ मि.२८ बजे।
१४ ,, गुरु. सप्तमी में दिन घं.१ मि.५८से।
१५ ,, शुक्र. भद्राके पूर्व सूर्योदय घं.२ मि.१३ बजे।
२० ,, बुध. मृगशिरा में सूर्योदय से घं.४ मि.१७ बजे।
२२ ,, शुक्र. भद्रा के बाद पुनर्वसु में प्रातः घं.७ मि.३८ से सायं घं.५ मि.४७ बजे।
५ फर. शुक्र. पूर्णिमामें सायं घं.७ मि.५बजे।
८ ,, सोम. शतभि.में सूर्योदय से पूरे दिन।
११ ,, गुरु. रेवतीमें प्रातः घं.६मि.४०बजे
१८ ,, गुरु. त्रयोदशीमेंदिन घं.२ मि.२७बजे
१९ ,, शुक्र. युता पुष्य में सूर्योदय से दिन घं.११ मि.१४ बजे।
२५ ,, गुरु. स्वाती में दिन का घं.९ मि.३२ से रात्रि घं.८ मि.१७ तक।
५ मार्च शुक्र. त्रयोदशी युता श्रवण में दिन घं.९ मि.५४ बजे से।
१० ,, बुध. तृतीया में दिन घं.९ मि.५३बजे
११ ,, गुरु. तृतीया में सूर्योदय से घं.३ मि.३७ बजे।
१५ ,, सोम. भद्रा के पूर्व सूर्यो दय से घं.१० मि.५१ बजे।
१७ ,, बुध. दशमी में प्रातः घं.६ मि.४५से
१८ ,, गुरु. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन घं.३ मि.७ बजे।
२२ ,, सोम. उ.फा.में सूर्यो दय से दिन घं.४ मि.१३ बजे।
२४ ,, बुध. भद्राके पूर्व सूर्योदय से रात्रि घं.११ मि.५५ बजे।
४ अप्रैल रवि. शतभिषा में सूर्योदय से घं.४ मि.३३ दिन का।
११ ,, रवि. पंचमी में सूर्योदय रात्रि घं.९ मि.३९ बजे।
१८ ,, रवि. त्रयोदशी युता उ.फा.में दिन घं.७ मि.४२ से पूरे दिन।
२३ ,, शुक्र. भद्राके पूर्व अनुराधा में प्रातः घं.५मि.३२से दिन घं.३ मि.५४
२८ ,, बुध. सप्तमी में सूर्योदय दिन का घं.१२ मि.३० बजे।
३० ,, शुक्र. दशमी युता धनिष्ठा में दिन घं.५ मि.१३ से रात्रि घं.११ मि.९ बजे।
३ मई सोम. त्रयोदशी में।
५ ,, बुध. पूर्णिमा में सायं घं.६ मि.१६से।
१० ,, सोम. पुनर्वसु में सायं घं.६ मि.८से।
१२ ,, बुध. पुष्य में सूर्यो दय से दिन का घं.२ मि.५५ बजे।
१७ ,, सोम. त्रयोदशी में दिन घं.४ मि.२८
२० ,, गुरु. अनुराधा में दिन का घं.१मि. २० से दिन घं.४ मि.२८ बजे।
२७ ,, गुरु. भद्राके बाद दिन घं.५ मि.१८से
२८ ,, शुक्र. सप्तमी में प्रातः घं.५ मि.१३से दिन घं.६ मि.२६ बजे।
२ जून बुध. त्रयोदशी युता अश्विनी में दिन घं.८ मि.२८ से दिन का घं.१२ मि.१६ बजे।
४ ,, शुक्र. रोहिणी में दिन घं.९मि.१३से।
७ ,, सोम. तृतीया में सूर्योदय से घं.३ मि.२६ बजे।
१६ ,, बुध. अनुरा.में सायं घं.७मि.४४से
२१ ,, सोम. उ.षा.में सूर्यो दय से रात्रि घं.११ मि.५१ बजे।
२३ ,, बुध. पंचमी में दिन घं.३मि.४२से।
२४ ,, गुरु. पंचमी में सूर्योदय घं.६मि.१० बजे (सायं)।
२ जुला शुक्र. भद्रा के पूर्व सूर्यो दय से दिन घं.३ मि.२३ बजे।
५ ,, सोम. पुनर्वसु में सूर्योदय से दिन घं.९ मि.१९ तत्पश्चात् पुष्य में।
९ ,, शुक्र. सप्तमीमें दिन घं.२ मि.३ बजे रात्रि में घं.११ मि.१५ बजे।
१२ ,, सोम. दशमीमें दिन घं.११ मि.४०बजे
२१ ,, बुध. भद्राके पूर्व सूर्योदय से दिन घं.३ मि.३५ बजे।
२६ ,, सोम. सप्तमी में सूर्योदय से दिन घं.१० मि.२४ बजे।
२ अग. सोम. पुष्य में सूर्यो दय से दिन घं.३ मि.३४ बजे।
६ ,, शुक्र. पंचमी में सूर्यो दय से रात्रि घं.१२ मि.२३ बजे।
११ ,, बुध. अनुराधा में सूर्योदय से घं.९ मि.१३ (दिन) का।
१८ ,, बुध. द्वितीया में दिन घं.३ मि.१५से।
२६ ,, गुरु. दशमी में सायं घं.५ मि.३९से।
१ सित. बुध. द्वितीया में सायं घं.७मि.५०से।
२ ,, गुरु. उ.फा. में सूर्योदय से पूरे दिन।
३ ,, शुक्र. तृतीया में सूर्योदय से दिन घं.२ मि.१९ बजे।
६ ,, सोम. अनुरा.में दिन घं.२ मि.५९बजे
१३ ,, सोम. त्रयोदशी में सूर्योदय से रात्रि का घं.१२ मि.० बजे।
१५ ,, बुध. भद्राके बाद दिन घं.३ मि.४३से
१७ ,, शुक्र. द्वितीया में प्रातः घं.५ मि.५२से
२९ ,, बुध. पूर्णिमा में दिन घं.१०मि.५५से
३० ,, गुरु. सूर्योदय से दिन घं.८ मि.५।
१ अक्टू. शुक्र. चित्रा में पूरे दिन।
४ ,, सोम. अनुराधा में सूर्योदयसे रात्रि घं.१२ मि.० बजे तक।
१५ ,, शुक्र. भद्रा के बाद। प्रातः घं.७मि.७ बजे से रात्रि घं.७मि.१६बजे।
२० ,, बुध. पंचमी में सूर्योदय से दिन घं.३ मि.१८ बजे।
२२ ,, शुक्र. सप्तमी में सूर्योदय से दिन घं.११ मि.५६ बजे।
२७ ,, बुध. त्रयोदशी में रात्रि घं.१० मि.५०
२९ ,, शुक्र. पूर्णिमा में प्रातः घं.५ मि.७से सायं घं.७ मि.६ बजे तक।
१ नव. सोम. अनुराधा में दिन घं.९मि.५७
५ ,, गुरु. सूर्योदय से पूरे दिन।
११ ,, गुरु. त्रयोदशी में दिन का घं.१०मि.७
१२ ,, शुक्र. त्रयोदशी में सूर्योदय से दिन का घं.१० मि.२१ बजे।
१५ ,, सोम. द्वितीयामें प्रातः घं.७मि.२८बजे
१८ ,, गुरु. पंचमी में सूर्योदय से रात्रि घं.११ मि.२७ बजे।
२५ ,, गुरु. त्रयोदशी में दिन का घं.१० मि.५१ बजे से।
२६ ,, शुक्र. त्रयोदशी में सूर्योदय से दिन घं.९ मि.४८ बजे।
३ दिस. शुक्र. पंचमी में सूर्योदय से दिन घं.४ मि.१३ बजे।
८ ,, बुध. दशमी में सूर्यो दय से पूरे दिन।
१३ ,, सोम. रोहिणी में भद्रा के बाद। सूर्यो-दय से रात्रि घं.९ मि.३८ बजे।
१५ ,, बुध. पुनर्वसु में दिन घं.११मि.२१बजे
२२ ,, बुध. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से घं.१२ मि.४ बजे तक।
२९ ,, बुध. उ.षा.में दिन घं.७ मि.२५बजे।
३० ,, गुरु. तृतीया में सूर्यो दय से पूरे दिन।
३१ ,, शुक्र. तृतीया में सूर्योदय से दिन घं.८ मि.११।

कर्णवेध (कनछेदन) मुहूर्त्त

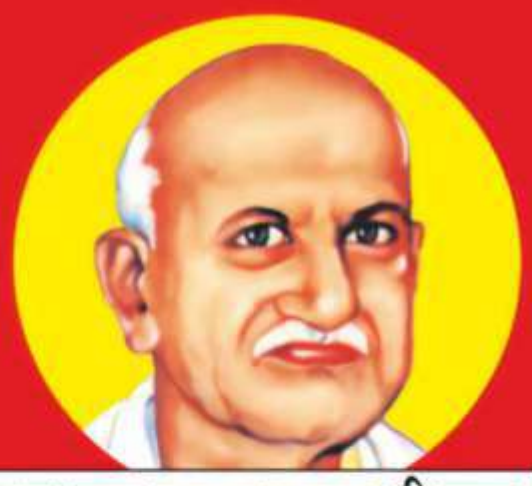
१७ जन. शुक्र. भद्रा के पूर्व (ल.९,१२,१,२)
२० ,, बुध. मृगशिरा में (ल.९,१२,२,३)
२२ ,, शुक्र. भद्रा के बाद (ल.१२,२,३,४)
२७ ,, बुध. हस्त में (लग्न १२,२,३,४)
२८ ,, गुरु. भद्राके बाद (लग्न ३,४)
११ फर. गुरु. पंचमी में (लग्न १२,२,३,४)
१२ ,, शुक्र. अश्विनी में (ल.१२,३,४,६)
१८ ,, गुरु. पुनर्वसु में (ल.१२,२,३,४)
१९ ,, शुक्र. त्रयोदशी में (लग्न १२)
२२ ,, सोम. उ.फा. में (लग्न २,३,४)
२५ ,, गुरु. चित्रा में (लग्न १२)
५ मार्च शुक्र. श्रवण में (ल.१२,२,३,४,६)
१० ,, बुध. रेवती में (ल.१२,२,३,४,६)
११ ,, गुरु. तृतीया में (लग्न १२,२,३,४)
२३ अप्रैल शुक्र.भद्राके पूर्व अनु.(ल.२,३,४)
३० ,, शुक्र. दशमी में (लग्न ७)
१२ मई बुध. पुष्य में (लग्न २,३,४,६)
१७ ,, सोम. हस्त, चित्रा में (लग्न २,३, ४,६,७)
२० ,, गुरु. अनुराधा में (लग्न ६,७)
२१ ,, शुक्र.अनुराधा में (लग्न २,३,४,६)
२६ ,, बुध. श्रवण में (लग्न ३,४,६,७,९)
२७ ,, गुरु. भद्रा के बाद (लग्न ९)
३१ ,, सोम. रेवती में (लग्न ६,७,९)
२ जून बुध. अश्विनी में (लग्न ३,४)
७ ,, सोम. तृतीया में (लग्न ३,४,६,७)
१४ ,, सोम. भद्राके पूर्व (लग्न ३,४,६)
२३ ,, बुध. पंचमी में (लग्न ९)
२४ ,, गुरु. धनिष्ठा में (लग्न ३,४,६,७)
५ जुलाई सोम.द्वितीया में (लग्न ४,६,७,९)
११ नव. गुरु. रेवती (लग्न ९,१२,२)
१२ ,, शुक्र. त्रयोदशी में (लग्न ९)
१८ ,, गुरु. पुनर्वसु में (ल.९,१२,२,३)
१९ ,, शुक्र. पुष्य में (ल. ९,१२,२,३)
२४ ,, बुध. हस्त,चित्रा में (ल.९,१२,२,३)
२५ ,, गुरु. चित्रा में (ल.९,१२,२)
३ दिस. शुक्र. श्रवण में (ल. ९,१२,२,३)
८ ,, बुध. रेवती में (लग्न २,३)
१० ,, शुक्र. अश्विनी में (ल.९,१२,२)
१३ ,, सोम. भद्रा के बाद (ल.२,३,४)
१४ ,, बुध. पुनर्वसु में (ल. १२,२,३,४)

चौल-मुण्डन-चूड़ा करण मुहूर्त्त

१५ जन. शुक्र.भद्राके पू.सप्तमी में (ल.१२,२)
२० ,, बुध. मृगशिरा में (लग्न १२,२,३)
२८ ,, गुरु. भद्रा के बाद (लग्न४) लग्न३ घं.३ मि.५२बजे(दिन)के बाद।
८ फर. सोम. शतभिषा में (ल.१२,२,३,४)
११ ,, गुरु. रेवती में (ल.१२,२,३,४)
१८ ,, गुरु. त्रयोदशी में(ल.३)घं.२ मि.२७ बजे (दिन) के बाद ल.४
१९ ,, शुक्र. त्रयोदशी में (लग्न १२)
२५ ,, गुरु. पंचमी में (ल.१२,२,३,४)
५ मार्च शुक्र. त्रयोदशी में (ल.२,४,३)
१० ,, बुध. रेवती में(ल.२, दिन घं.१० मि.५२ के बाद ल.३,४,६)
११ ,, गुरु. तृतीया में (लग्न १२,२,३,४)
२३ अप्रैल शुक्र.भद्रा के पूर्व अनु.(लग्न ६)
१२ मई बुध. पुष्य में (लग्न २,३,४)
२८ ,, शुक्र. सप्तमी में (लग्न २,३)
३१ ,, सोम. भद्रा के बाद रेवती में (ल.६)
२ जून बुध. त्रयोदशी अश्विनीमें (ल.४)
७ ,, सोम. तृतीया में (ल.२,३,४,६)
१४ ,, सोम. भद्राके पूर्व (ल.३,४,६)
२३ ,, बुध. पंचमी में (लग्न ९)
२४ ,, गुरु. पंचमी में (ल.३,४,६)
५ जुलाई सोम. द्वितीया में (ल.३,४,६,९)
१२ ,, सोम. दशमी में (लग्न ६ दिन घं.११ मि.४० बजे से लग्न ९)।
११ नव. गुरु. त्रयोदशी में (लग्न ९,१२)
१२ ,, शुक्र. त्रयोदशी में (लग्न ९)
१८ ,, गुरु. पंचमी में (लग्न ९,१२,२)
२४ ,, बुध. एकादशी में (लग्न ९)

www.thakurprasad.in

यश



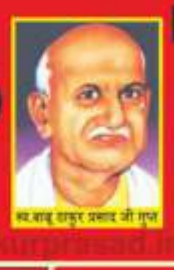
स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

ठाकुर प्रसाद पंचाङ्ग

सितम्बर 2027

द्रुध का विवरण

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15					
16			योग		

कपड़ा धुलाई का विवरण

तारीख	विवरण कपड़ा	संख्या

अखबार का विवरण

दिनांक	8	16	24
1	9	17	25
2	10	18	26
3	11	19	27
4	12	20	28
5	13	21	29
6	14	22	30
7	15	23	

आवश्यक कार्यक्रम

आकाशीय लक्षण

वर्षा का अभाव देखने को मिलेगा। पहाड़ी क्षेत्रों में वर्षा के साथ-साथ हिमपात होने की सम्भावना है। वायु के साथ कभी-कभी छिटपुट बूंदा-बांदी हो सकती है। पंजाब, मध्य प्रदेश में विशेष वर्षा से जनता को कष्ट होगा।

विक्रम संवत् 2084

भाद्रपद शुक्ल 1 से आश्विन कृष्ण 1 तक।
तारीख 16 सितम्बर से आश्विन माह प्रारम्भ।।

शालिवाहन शाके 1946

राष्ट्रीय भाद्रपद 10 से राष्ट्रीय आश्विन 8 तक।
ता.23 सितम्बर से राष्ट्रीय आश्विन माह प्रारम्भ।।

फसली संवत् 1434-35

फसली आश्विन 15 से फसली कार्तिक 15 तक।
ता.16 सितम्बर से फसली कार्तिक माह प्रारम्भ।।

SEPTEMBER



इस्लामी हिजरी 1449

रवि-उल-अव्वल 28 से रवि उस्सानी 28 तक।
ता.3 सितम्बर से रवि उस्सानी माह प्रारम्भ।।

बंगला संवत् 1434

बंगला भाद्रपद 14 से बंगला आश्विन 12 तक।
ता.19 सितम्बर से बंगला आश्विन माह प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1147

नेपाली भाद्रपद 15 से नेपाली आश्विन 13 तक।
ता.18 सित. से नेपाली आश्विन माह प्रारम्भ।

रवि SUN | सोम MON | मंगल TUE | बुध WED | गुरु THU | शुक्र FRI | शनि SAT

पंचक- ता.१३ को पंचक प्रारम्भ सायं ७।३३ से पंचक समाप्त ता.१८ को दिन ४।४७ बजे तक।
भद्रा- ता.३ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १।२१ से भद्रा समाप्त ता.४ को दिन १२।२६ तक। ता.७ को भद्रा प्रारम्भ दिन११।२८ से भद्रा समाप्त रात्रि ११।३६ तक। ता.११ को भद्रा प्रारम्भ दिन६।१७ से भद्रा समाप्त सायं ७।३६ तक। ता.१४ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि २।४८ से भद्रा समाप्त ता.१५को दिन ३।४३ तक। ता.१८ को भद्रा प्रारम्भ साय ६।५६ से भद्रा समाप्त ता.१९ को दिन ७।९ तक। ता.२२ को भद्रा प्रारम्भ दिन ५।५२ से भद्रा समाप्त सायं ५मि.१४ तक। ता.२५ को भद्रा प्रारम्भ दिन ११।४५ से भद्रा समाप्त रात्रि १०।३० तक। ता.२८ को भद्रा प्रारम्भ दिन १।५४ से भद्रा समाप्त रात्रि १२।२४ तक।

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
भाद्रपद शुक्ल 5 दिन 11/17	भाद्रपद शुक्ल 12 रात 10/13	आश्विन कृष्ण 3 दिन 7/09	आश्विन कृष्ण 11 सायं 7/48
5	**12**	**19**	**26**
तुला का चंद्र स्वाति दिन 2/30	मकर का चंद्र श्रवण दिन 6/00	मेष का चंद्र अश्विनी दिन 5/40	एकादशी व्रत वृश्चि का चंद्र मूल दिन 12/37
भाद्रपद शुक्ल 6 दिन 10/58	भाद्रपद शुक्ल 13 रात 12/39	आश्विन कृष्ण 4 दिन 01/09	आश्विन कृष्ण 12 दिन 4/55
6	**13**	**20**	**27**
वृश्चि.चंद्र दिन 8/47 विशा.दिन 2/59	कुंभ चंद्र सायं7/33 श्रवण दिन 6/24	वृष चंद्र रात 12/34 मृगशी सायं 8/9	प्रदोष व्रत सिंह चंद्र दिन 10/33 आर्द्रा 10/33
भाद्रपद शुक्ल 7 दिन 11/28	भाद्रपद शुक्ल 14 रात 2/48	आश्विन कृष्ण 5 दिन 04/42	आश्विन कृष्ण 13 दिन 1/55
7	**14**	**21**	**28**
वृश्चि.का चंद्र अनुराधा दिन 4/16	कुंभ का चंद्र धनिष्ठा दिन 8/58	वृष का चंद्र कृत्तिका सायं 6/12	सिंह का चंद्र मघा दिन 08/20
भाद्रपद शुक्ल 1 सायं 7/50	भाद्रपद शुक्ल 8 दिन 12/44	भाद्रपद शुक्ल 15 प्रात: 4/37	आश्विन कृष्ण 6 प्रात: 05/52 7 प्रात: 06/36	आश्विन कृष्ण 14 दिन 10/55
1	**8**	**15**	**22**	**29**
कन्या चंद्र रात 1/12 पू.फा. सायं 7/45	धनु चंद्र सायं 6/16 ज्ये.सायं 6/16	पूर्णिमा व्रत कुंभ का चंद्र शतभिषा दिन 11/33	मिथुन चंद्र प्रात: 5/32 रोहि.दिन 5/51	अमावस्या कन्या चंद्र दिन 11/33 पू.फा.दिन 04/14 उ.फा.प्रात: 04/15
भाद्रपद शुक्ल 2 दिन 4/50	भाद्रपद शुक्ल 9 दिन 2/39	आश्विन कृष्ण 1 दिन: 6/00	आश्विन कृष्ण 8 रात 02/57	आश्विन शुक्ल 30 दिन 08/05 1 प्रात: 05/38
2	**9**	**16**	**23**	**30**
चन्द्रदर्शन कन्या का चंद्र उ.फा. दिन 5/36	धनु का चंद्र मूल दिन 4/52	मीन चंद्र दिन 7/13 पू.भा.दिन 1/43	मिथुन का चंद्र पुनर्वसु दिन 5/06	कन्या का चंद्र हस्त रात 2/11
भाद्रपद शुक्ल 3 दिन 2/19	भाद्रपद शुक्ल 10 दिन 4/30	आश्विन कृष्ण 1 प्रात: 5/52	आश्विन कृष्ण 9 रात 12/54
3	**10**	**17**	**24**
तुला चंद्र रात 3/16 हस्त दिन 3/53	धनु का चंद्र पू.षा. दिन 11/50	विश्वकर्मा पूजा मीन का चंद्र उ.भा. दिन 3/28	मिथुन का चंद्र आर्द्रा दिन 3/58
भाद्रपद शुक्ल 4 दिन 12/28	भाद्रपद शुक्ल 11 सायं 7/36	आश्विन कृष्ण 2 दिन 6/43	आश्विन कृष्ण 10 रात 10/30
4	**11**	**18**	**25**
तुला का चंद्र चित्रा दिन 2/49	मकर चंद्र दिन 6/36 उ.षा. रात 2/58	मेष चंद्र दिन 4/47 रेव.दिन 4/47	कर्क चंद्र दिन 8/52 पुन.दिन 2/27

मूल विचार– ज्येष्ठा– ता.७ को दिन ४।४ से ता.८ को सायं ६।१६ तक। मूल– ता.८ को सायं ६।१६ से ता.९ को रात ८।५२ तक। रेवती– ता.१७ को दिन ३।२८ से ता.१८ को दिन ४।४७ तक। अश्विनी– ता.१८ को दिन ४।४७ से ता.१९ को सायं ५।४० तक। आश्लेषा– ता.२६ को दिन १२।३७ से ता.२७ को दिन १०।३२ तक। मघा– ता.२७ को दिन १०।३३ से ता.२८ को सुबह ८।२० तक।

व्रत-त्यौहार

2 गुरु. चन्द्रदर्शन, हरितालिका तीज
3 शुक्र. वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
वराह जयंती, चन्द्रदर्शन निषेध
4 शनि. ऋषि पंचमी
5 रवि. ललिता षष्ठी, शिक्षक दिवस
6 सोम. सूर्यषष्ठी, उमा महेश्वर पूजन
7 मंगल. गौरी आवाहन
8 बुध. दधीची जयंती, राधाष्टमी, गौरी पू.
9 गुरु. अदुख नवमी, गौरी विसर्जन
10 शुक्र. दशावतार, श्रीरामदेव जी का मेला
11 शनि. जलझूलनी एकादशी व्रत
12 रवि. वामन जयंती
13 सोम. सोम प्रदोष व्रत, फातिहा यजदहूम
14 मंगल. अनन्त चतुर्दशी, कदली व्रत
15 बुध. स्नान-दान की पूर्णिमा, महालया श्राद्ध आरम्भ, पितृ पक्षारम्भ
17 शुक्र. विश्वकर्मा पूजा
19 रवि. संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी
20 सोम. भरणी श्राद्ध
23 गुरु. श्रीमहालक्ष्मी व्रत, अशोकाष्टमी जिवित्पुत्रिका व्रत, जिउतिया राष्ट्रीय आश्विन मास प्रारम्भ
24 शुक्र. नवमी श्राद्ध, मातृ नवमी
26 रवि. इन्दिरा एकादशी व्रत
27 सोम. सोम प्रदोष व्रत, सन्यासी श्राद्ध
28 मंगल. मास शिवरात्रि व्रत, चतुर्दशी श्राद्ध
29 बुध. पितृ-विसर्जन, सर्वपितृ श्राद्ध, श्राद्ध की अमावस्या
30 गुरु. अमावस्या युक्त प्रतिपदा में नवरात्र को निषेध माना गया है।

राशि-फल

मेष- मित्रों से सहयोग, कानूनी विवाद मे विजय, व्यापार में लाभ, धन वृद्धि।
वृष- स्वजनों से वियोग, मान-सम्मान में वृद्धि, पारिवारिक सुख, कार्यपूर्ण।
मिथुन- साहस पराक्रम में कमी, परिश्रम से लाभ, शत्रु परास्त, धर्म में रूचि।
कर्क- साहसिक कार्यों में उपलब्धि, नेत्र विकार, पुत्रलाभ, व्यापार में लाभ।
सिंह- स्वास्थ्य उत्तम, श्रम से लाभ, शत्रु पर विजय, अनावश्यक खर्च।
कन्या- रोजगार में कमी, यात्राओं का योग द्रव्य लाभ, मन शांत, वाहन सुख।
तुला- धोखाधड़ी से बचे, क्रोध ना करें, पारिवारिक क्लेश, पुत्र से लाभ।
वृश्चिक- मानसिक शांति, लाभ में वृद्धि, शत्रुओं पर नियत्रंण, भौतिक सुख।
धनु- बुद्धि भ्रम, मानसिक परेशानी, भूमि भवन संबधी विवाद, श्रम से लाभ।
मकर- इच्छाओं की पूर्ति, धार्मिक कार्य, पुरुषार्थ में वृद्धि, पत्नी-पुत्र सुख।
कुम्भ- उद्योग धन्धों का विकास, शत्रुओं पर विजय, आत्मबल में वृद्धि।
मीन- स्वास्थ्य कष्ट, लाभ में कमी, पत्नी से लाभ, विजय प्राप्त, कार्यसिद्ध।

तेजी-मंदी

बाजार में सभी जिन्सों में मन्दी बरकरार रहेगी बाजार में दुतरफा रुख देखने को मिलेगा। अनाज दलहन व तिलहन के भावों व सोना-चांदी में काफी घटा-बढ़ी देखनें को मिलेगी।

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सूर्योदय	5/42	5/43	5/43	5/44	5/44	5/44	5/45	5/45	5/45	5/46	5/46	5/47	5/47	5/47	5/48	5/48	5/48	5/49	5/49	5/49	5/50	5/50	5/51	5/51	5/51	5/52	5/52	5/53	5/53	5/53
सूर्यास्त	6/13	6/12	6/11	6/10	6/9	6/8	6/7	6/6	6/5	6/4	6/3	6/2	6/1	6/0	5/59	5/58	5/57	5/55	5/54	5/53	5/52	5/51	5/50	5/49	5/48	5/47	5/46	5/45	5/44	5/42

अगस्त 2027

रवि	1	8	15	22	29
सोम	2	9	16	23	30
मंगल	3	10			31
बुध	4	11	18		
गुरु	5	12	19	26	
शुक्र	6	13	20	27	
शनि	7	14	21	28	



अक्टूबर 2027

रवि	31	3	10	17	24
सोम		4	11		25
मंगल		5	12	19	26
बुध		6	13	20	27
गुरु		7	14	21	28
शुक्र	1	8	15	22	
शनि			16	23	30

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

नाटीइमली, वाराणसी।
Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

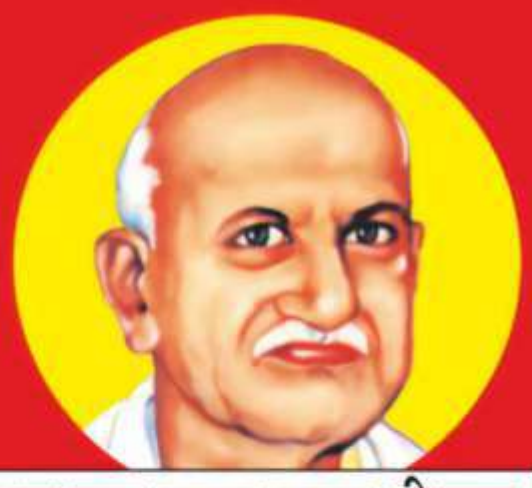
अधिकृत विक्रेता–ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक्सेलर, राजादरवाजा, वाराणसी। फोन–0542–2413650

Email- info@savitrithakur.com

web - www.thakurprasad.in

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ® ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

सितम्बर

२५ ,, गुरु. त्रयोदशी में (लग्न १२,२)
२६ ,, शुक्र. भद्राके पूर्व (लग्न ९)
३ दिस. शुक्र. पंचमी में (लग्न ९,१२)
८ ,, बुध. रेवती में (लग्न २)
९ ,, गुरु. भद्रा के पूर्व (लग्न ९,१२)
१५ ,, बुध. पुनर्वसु (लग्न १२,२,३)

अक्षरारम्भ मुहूर्त्त

२७ जन. बुध. हस्त में।
११ फर. गुरु. पंचमी में।
१२ ,, शुक्र. अश्विनी में।
२४ ,, बुध. पंचमी में।
२६ ,, शुक्र. स्वाती में।
५ मार्च शुक्र. द्वादशी में।
१० ,, बुध. रेवती में।
१७ मई सोम. द्वादशी में।
२६ ,, बुध. श्रवण में।
३१ ,, सोम. रेवती में।
२ जून बुध. अश्विनी, द्वादश में।
७ ,, सोम. तृतीया में।
१४ ,, सोम. भद्राके पूर्व।
५ जुलाई सोम. द्वितीया में।
१२ ,, सोम. दशमी में।
१९ नव. शुक्र. भद्रा के पूर्व।
२४ ,, बुध. अहोरात्रि।
३ दिस. शुक्र. श्रवण में।
८ ,, बुध. रेवती में।
१० ,, शुक्र. अश्विनी में।

विद्यारम्भ मुहूर्त्त

१२ जन. शुक्र. षष्ठी में सूर्योदय से पूरे दिन।
१८ ,, गुरु. द्वादशी में सूर्योदय से दिन घं.२ मि.२७ बजे।
२५ ,, शुक्र. पंचमी में सूर्योदय से घं.९ मि.३२ तक,चित्रा में तत्पश्चात् स्वाती में।
५ मार्च शुक्र. द्वादशी में सूर्योदय से दिन घं.९ मि.५२ बजे।
११ ,, गुरु. तृतीया युता अश्विनी में दिन घं.११ मि.२९ बजे से घं.३ मि.३७ बजे तक।
१५ अप्रैल गुरु. दशमी में दिन घं.१ मि.२१से।
१६ ,, शुक्र. आश्लेषा में सूर्यो दय से घं.८ मि.१८ बजे।
३० ,, गुरु. दशमी में दिन घं.५ मि.१३से।
२ मई रवि. पूर्वाभाद्रपद में पूरे दिन।
९ ,, रवि. तृतीया में प्रातः घं.५ मि.२१से दिन घं.९ मि.३ बजे तक।
१४ ,, शुक्र. दशमी में रात्रि घं.७मि.३९बजे।
२३ ,, रवि. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन घं.७ मि.४१ बजे।
३० ,, रवि. दशमी में दिन घं.९ मि.३५से दिन घं.११मि.३५ बजे तक।
६ जून रवि. आर्द्रा में पूरे दिन।
१३ ,, रवि. दशमी में सूर्योदयसे पूरे दिन।
२० ,, रवि. द्वितीया में।
२४ ,, गुरु. अहोरात्रि सूर्योदय तक।
२५ ,, शुक्र. षष्ठी में भद्रा के पूर्व सूर्योदय से रात्रि घं.८ मि.१७ बजे।
८ जुलाई गुरु. पूरे दिन (पू.फा.) में।
१८ नव. गुरु. पूरे दिन पुनर्वसु में।
१९ ,, शुक्र. भद्रा के पूर्व षष्ठी में सूर्योदय से रात्रि घं.९ मि.२० बजे तक।
२५ ,, गुरु. चित्रा में सूर्योदय से दिन घं.६ मि.१६ तत्पश्चात स्वाती में।
२६ ,, शुक्र. त्रयोदशी में सूर्योदय से दिन घं.९ मि.१३ बजे तक।
३ दिस. शुक्र. श्रवण में।
१० ,, शुक्र. अश्विनी में प्रातः घं.६मि.३६ से दिन घं.५ मि.५४ बजे।

गृहारम्भ (नींव उत्खनन) मुहूर्त्त

२२ जन. शुक्र. भद्रा के बाद पुष्य में(ल.२,३)
२८ ,, गुरु. भद्रा के बाद (लग्न ५,६)
८ फर. सोम. शतभिषा (ल.१२,२,३,५,६)
११ ,, गुरु. पंचमी में (ल.१२,१,२,३,५)
१९ ,, शुक्र. त्रयोदशी में (लग्न १२,१२)
२२ ,, सोम. उ.फा. में (लग्न १२ बजे दिन से लग्न २,३,५,६)
२५ ,, गुरु. पंचमी में षष्ठी में (ल.११,१२, २,३,५,६)
२६ ,, शुक्र. स्वाती में (लग्न ११,१२)
२७ ,, शनि. अनुराधा में (लग्न ३,५)
४ मार्च गुरु. एकादशी में (लग्न १२, प्रातः घं.७ मि.२४ बजे तक)
६ ,, शनि. भद्रा के पूर्व (लग्न २)
१० ,, बुध. द्वितीया, तृतीया में (ल.१२,२, ३,५,६)
११ ,, गुरु. रेवती में (लग्न १२,२,३)
२३ अप्रैल शुक्र. भद्रा के पूर्व अनुराधा में (लग्न २,३,५)
२८ ,, बुध. सप्तमी में (लग्न २,३)
३० ,, शुक्र. दशमी में (लग्न ८)
८ मई शनि. रोहिणी में (ल.२,३,५,६,८)
१२ ,, बुध. पुष्य में (लग्न २,३,५,६)
१५ ,, शनि. उ.फा. में (लग्न ५,६,८)
१७ ,, सोम. त्रयोदशी में (लग्न ८)
२० ,, गुरु. अनुराधा में (लग्न ६)
२७ ,, गुरु. भद्राके बाद (लग्न ८,९)
३१ ,, सोम. भद्रा के बाद (ल.५,६,८)
१४ जून सोम. भद्रा के पूर्व (ल.३,५,६)
२१ ,, सोम. भद्रा के पूर्व उ.षा.में (ल.३ ५,६,८,९)
२३ ,, बुध. पंचमी में घं.३ मि.४२से लग्न ७ तत्पश्चात लग्न ८,९
२४ ,, गुरु. पंचमी में (ल.३,५,६,७,८)
२ जुलाई शुक्र. त्रयोदशी में (ल.३,५,६)
१२ ,, सोम. दशमी में (लग्न ८,९)
११ नव. गुरु. त्रयोदशी में (लग्न ११,१२,३)
१५ ,, सोम. द्वितीया में (ल.८,९,११,१२,२)
२४ ,, बुध. एकादशी में (लग्न ८,९)
२५ ,, गुरु. त्रयोदशी में (ल.२,३,१२,११)
२६ ,, शुक्र. भद्राके पूर्व (ल.८,९)
२ दिस. गुरु. पंचमी में (ल.१२,२,३)
४ ,, शनि. सप्तमी में (लग्न ३)
८ ,, बुध. दशमी में (ल.८,९,११,१२,२)
९ ,, गुरु. भद्राके पूर्व (ल.८,९,११,१२)
१३ ,, सोम. भद्राके बाद (ल.११,१२,२,३)

नूतन गृहप्रवेश मुहूर्त्त

१५ जन. शुक्र. सप्तमी में (लग्न ११,१२)
२० ,, बुध. मृगशिरा में (ल.११,१२,२,३)
२८ ,, गुरु. भद्रा के बाद (ल.५,३)
११ फर. गुरु. पंचमी में (ल.११,१२,२,३,५)
२२ ,, सोम. उ.फा.में दिन घं.११ मि.५४बजे से ल.२ में तत्पश्चात ल.३,५
२५ ,, गुरु. चित्रा में (लग्न ११,१२)
२७ ,, शनि. भद्रा के बाद (लग्न ३,५)
४ मार्च गुरु. उ.षा.में (ल.११,१२,२,३,५)
१० ,, बुध. उ.भा. रेवतीमें (ल.१२,२,३, ५,६)
११ ,, गुरु. रेवती में (लग्न १२,२)
२८ अप्रैल बुध. सप्तमी में (ल.२,३)
३ मई सोम. उ.भा. में (ल.२,३,५,६)
८ ,, शनि. रोहिणी, मृगशिरा में (लग्न २, ३,५,६,८)
१५ ,, शनि. उ.फा. में (लग्न ५,६,८)
१७ ,, सोम. चित्रा में (लग्न ५,६,८)
३१ ,, सोम. भद्रा के बाद (ल.५,६,८)
१४ जून सोम. भद्राके पूर्व (ल.३,५,६)
२१ ,, सोम. भद्राके पूर्व उ.भा. (ल.३,५, ६,८,९)
२ जुलाई शुक्र. भद्रा के पूर्व (लग्न ३,५,६)
९ ,, शुक्र. उ.फा.में (लग्न ५,६,८,९)
१० नव. बुध. भद्रा के बाद (ल.९,११,१२)
११ ,, गुरु. उ.भा.रेवतीमें(ल.८,९,११,१२)
२५ ,, गुरु. चित्रा में (ल.८,९,११,१२,२)
२ दिस. गुरु. भद्रा के बाद (लग्न १२,२)
८ ,, बुध. उ.भा.रेवती में (ल.८,९,११, १२,२)
९ ,, गुरु. भद्राके पूर्व (ल.८,९,११,१२)

जीर्णादि गृह-प्रवेश मुहूर्त्त

१५ जन. शुक्र. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से घं.२ मि.१३ बजे।
२० ,, बुध. मृगशिरा में सूर्योदय से दिन घं.४ मि.१७ बजे।
२८ ,, गुरु. भद्रा के बाद दिन घं.३ मि.५२ बजे से पूरे दिन।
८ फर. सोम. द्वितीया में सूर्योदयसे पूरे दिन।
११ ,, गुरु. पंचमी में सूर्योदय से पूरे दिन।
१९ ,, शुक्र. त्रयोदशी में सूर्योदय से दिन घं.११ मि.१४ बजे।
२२ ,, सोम. उ.फा.में दिन के घं.११ मि.५४ बजे रात्रि घं.११ मि.४९ तक।
२५ ,, गुरु. पंचमी में सूर्योदय से पूरे दिन।
२६ ,, शुक्र. स्वाती में सूर्योदय से घं.१० मि.१३ बजे।
४ मार्च गुरु. उ.षा. में सूर्योदय से पूरे दिन।
६ ,, शनि. भद्रा के पूर्व त्रयोदशी में।
१० ,, बुध. अहोरात्रि सूर्योदय तक।
११ ,, गुरु. रेवती में सूर्योदय से घं.११ मि.१९ बजे।
२३ अप्रैल शुक्र. भद्राके पूर्व अनुराधा में प्रातः घं.५ मि.३२से दिन घं.३मि.५४
२८ ,, बुध. सप्तमी में सूर्योदय से दिन घं.१२ मि.३० बजे।
१ मई शनि. भद्रा के बाद सायं घं.६मि.५३
३ ,, सोम. उ.भा.में सूर्योदय से पूरे दिन।
८ ,, शनि. अहोरात्रि।
१२ ,, बुध. पुष्य में सूर्योदय से दिन घं.२ मि.५५ बजे।
१५ ,, शनि. उ.षा.में दिन घं.१२ बजे से सायं घं.६ मि.१७ बजे।
१७ ,, सोम. चित्रा में दिन घं.११मि.२८बजे।
२७ ,, गुरु. भद्राके बाद दिन घं.५मि.१८से।
३१ ,, सोम. भद्रा के बाद उ.भा. रेवती में दिन घं.१० मि.२ से दिन घं.१२ मि.३५ तक, उ.भा.में रेवतीमें
१४ जून सोम. भद्रा के पूर्व सूर्यो दय से दिन घं.२ मि.६ बजे।
१६ ,, बुध. अनुराधा में रात्रि घं.७ मि.४४
१७ ,, गुरु. अनुराधा में सूर्योदय से रात्रि घं.९ मि.३० बजे।
२१ ,, सोम. भद्रा के पूर्व सूर्यो दय से रात्रि घं.११ मि.५१ बजे।
२३ ,, बुध. पंचमी में दिन घं.३ मि.४२से।
२४ ,, गुरु. अहोरात्रि सूर्योदय तक।
२५ ,, शुक्र. शतभिषा में सूर्यो दय से दिन घं.५ मि.६ बजे।
२ जुलाई शुक्र. भद्रा के पूर्व सूर्यो दय से दिन घं.३ मि.२३ बजे।
५ ,, सोम. पुष्य से दिन घं.९ मि.१९से।
९ ,, शुक्र. उ.फा. में सूर्यो दय से रात्रि घं.११ मि.१५ बजे।
१२ ,, सोम. दशमी युता स्वाती में दिन घं.११ मि.४० से रात्रि घं.११ मि.५६
१० नव. बुध. भद्राके बाद दिन घं.९मि.११बजे
११ ,, गुरु. अहोरात्रि।
१२ ,, शुक्र. रेवती में सूर्योदय से प्रातः घं.७ मि.५५ बजे।
१५ ,, सोम. द्वितीया में प्रातः घं.७मि.२८से
१९ ,, शुक्र. भद्रा के पूर्व सूर्यो दय से रात्रि घं.९ मि.२० बजे।
२४ ,, बुध. चित्रा में सायं घं.६ मि.५२ से।
२५ ,, गुरु. चित्रा में सूर्योदय से सायं घं.६ मि.१६ बजे।
२६ ,, शुक्र. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से घं.९ मि.४८ बजे।
२ दिस. गुरु. भद्रा के बाद दिन घं.१ मि.४३ बजे से।
४ ,, शनि. धनिष्ठा में।
८ ,, बुध. उ.भा., रेवती में।
९ ,, गुरु. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन घं.३ मि.१५ बजे।

जलाशयारामादि सुर-प्रतिष्ठा मुहूर्त्त

१५ जन. शुक्र. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन घं.२ मि.१३ बजे।
१६ ,, शनि. अष्टमी में सूर्योदय दिन घं.१ मि.४३ बजे।
२० ,, बुध. मृगशिरा में सूर्योदय दिन घं.४ मि.१७ बजे।
२२ ,, शुक्र. भद्रा के बाद प्रातः घं.७मि.३८
२८ ,, गुरु. भद्रा के बाद दिन घं.३मि.५२
२९ ,, शुक्र. स्वाती में सूर्योदय से पूरे दिन।
३१ ,, रवि. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से रात्रि घं.७ मि.३४ बजे।
७ फर. रवि. धनिष्ठामें सूर्योदय से पूरे दिन।
८ ,, सोम. शतभिषा में प्रातः घं.६ मि.४२ से पूरे दिन।
११ ,, गुरु. रेवती में सूर्योदय से पूरे दिन।
१८ ,, गुरु. अहोरात्रि सूर्योदय तक।
१९ ,, शुक्र. त्रयोदशी में सूर्यो दय से दिन घं.११ मि.१४ बजे।
२२ ,, सोम. उ.फा. में दिन घं.११मि.५४से
२५ ,, गुरु. पंचमी में सूर्यो दय से रात्रि घं.८ मि.१७ बजे।
२७ ,, शनि. भद्रा के बाद अनुराधा में दिन घं.११ मि.३९ बजे से।
२८ ,, रवि. अनुराधा में सूर्योदय से घं.१३ मि.४७ बजे।
४ मार्च गुरु. अहोरात्रि।
६ ,, शनि. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन घं.१२ मि.३ बजे।
१० ,, बुध. अहोरात्रि।
११ ,, गुरु. तृतीया में सूर्यो दय से दिन घं.३ मि.३७ बजे।
१४ मार्च रवि. सप्तमी दिन घं.१२ मि.३२बजे
१८ अप्रैल रवि. उ.फा.में प्रातःघं.६ मि.५दिन।
२१ ,, बुध. स्वाती में।
२३ ,, शुक्र. भद्रा के पूर्व अनुराधा में प्रातः घं.५ मि.३२से दिन घं.३मि.५४
२८ ,, बुध. उ.षा. में सूर्योदय से दिन घं.५ मि.३० बजे।
२९ मई शनि. अष्टमी में सूर्यो दय से दिन का घं.८ मि.२० बजे तक।
३० ,, रवि. उत्तराभा. में दिन घं.११ मि.३२ से रात्रि घं.९ मि.४८ तक।
३१ ,, सोम. भद्राके बाद दिन घं.१०मि.२बजे
२ जून बुध. अश्विनी में दिन के घं.१२ मि.१६ बजे तक।
५ ,, शनि. अहोरात्रि।
७ ,, सोम. तृतीया में सूर्योदय से दिन घं.३ मि.२६ बजे तक।
१३ ,, रवि. हस्त, चित्रा में
१४ ,, सोम. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन घं.२ मि.६ बजे।
२१ ,, सोम. भद्राके पूर्व सूर्योदय से रात्रि घं.११ मि.५१ बजे तक।
२३ ,, बुध. पंचमीमें दिन घं.३ मि.४२बजे।
२४ ,, गुरु. पंचमी में सूर्योदय से सायं घं.६ मि.१० बजे।
२ जुलाई शुक्र. भद्रा के पूर्व में दिन घं.३ मि.२३ बजे।
५ ,, सोम. पुष्य में दिन घं.९ मि.१९बजे।
९ ,, शुक्र. सप्तमी में दिन घं.२ मि.३ बजे।
१० ,, शनि. भद्राके पूर्व सूर्योदय से दिन घं.१२ मि.३७ बजे।
११ ,, रवि. अष्टमी में दिन घं.११ मि.४९
१२ ,, सोम. दशमी में दिन घं.१२ मि.४०से।
१० नव. बुध. भद्राके बाद घं.१ मि.११ दिन।
११ ,, गुरु. अहोरात्रि।
१२ ,, शुक्र. त्रयोदशी में सूर्योदय से घं.१० मि.२१ बजे से।
१५ ,, सोम. रोहिणी में घं.७ मि.५पूरे दिन।
१८ ,, गुरु. पंचमी में सूर्योदय से रात्रि घं.११ मि.२७ बजे तक।
२४ ,, बुध. अहोरात्रि।
२५ ,, गुरु. अहोरात्रि।
२६ ,, शुक्र. भद्राके पूर्व सूर्योदय से दिन घं.९ मि.४८ बजे।
२८ ,, रवि. अनुराधा में रात्रि घं.६मि.३९
२ दिस. गुरु. भद्रा के बाद दिन घं.१ मि.४३
५ ,, रवि. सप्तमी में सूर्योदय से रात्रि घं.९ मि.३७ बजे।
८ ,, बुध. अहोरात्रि में सूर्योदय तक।
९ ,, गुरु. भद्रा के पूर्व में दिन घं.३ मि.३
१० ,, शुक्र. अश्विनी में सूर्योदय से दिन का घं.५ मि.५४ बजे।
१३ ,, सोम. भद्राके बाद दिन घं.१०मि.४९
१५ ,, बुध. पुनर्व.में दिन घं.११ मि.२१बजे।

हलप्रवहण-बीजोप्ति मुहूर्त्त

१ जन. शुक्र. दशमी में दिन घं.१ मि.१०बजे के बाद।
४ ,, सोम. अनुराधा में सूर्योदय से रात्रि घं.१२ मि.१४ बजे तक।
८ ,, शुक्र. उ.षा.में दिन घं.९ मि.१२से।
११ ,, सोम. तृतीया में सूर्योदय से दिन घं.९ मि.२८।
१२ ,, मंगल. भद्रा के बाद पंचमी में दिनका घं.११ मि.२९ से रात्रि घं.८ मि.१३ तक।
१४ ,, गुरु. उ.भा.में अहोरात्रि सूर्योदय से सूर्योदय तक।
१९ ,, मंगल. भद्रा के बाद प्रातः घं.७ मि.४९ के बाद।
२० ,, बुध. मृगशिरा में सूर्योदय दिन घं.४ मि.१७ बजे।
२२ ,, शुक्र. भद्रा के बाद।
२६ ,, मंगल. उ.फा.में सूर्यो दय से रात्रि घं.१२ मि.६ बजे तक।
२७ ,, बुध. भद्रा के पूर्व पूरे दिन।
२८ ,, गुरु. भद्रा के बाद दिन घं.३ मि.५२
२९ ,, शुक्र. स्वाती अष्टमी में।
२ फर. मंगल. मूल में दिन घं.९ मि.२१बजे।
३ ,, बुध. मूल में दिन घं.१२ मि.२६बजे।
८ ,, सोम. शतभिषा में सूर्योदय से रात्रि घं.१ मि.५६ बजे तक।
११ ,, गुरु. रेवती में अहोरात्रि।
१२ ,, शुक्र. अश्विनीमें सूर्योदय से पूरे दिन
१६ ,, मंगल. मृगशिरा में सूर्योदय से पूरे दिन
१८ ,, गुरु. पुनर्वसु में रात्रि घं.९मि.५तक तत्पश्चात पुष्य में।
१९ ,, शुक्र. त्रयोदशी में दिन का घं.११ मि.१४ बजे तक।
२२ ,, सोम. उ.फा.में दिन घं.११मि.५४से।
२३ ,, मंगल. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन घं.१० मि.३९ तक।
२५ ,, गुरु. अहोरात्रि।
२६ ,, शुक्र. भद्रा के पूर्व सूर्यो दय से रात्रि घं.८ मि.४३ तक।
२ मार्च मंगल. भद्राके पूर्व सूर्योदय से दिन घं.३ मि.२४ बजे।
४ ,, गुरु. उ.षा.में सूर्योदय से रात्रि घं.१ मि.३५ बजे।

मई

१ मई शनि. भद्रा के बाद सायं घं.६मि.५३
३ ,, सोम. उ.भा. में पूरे दिन।
४ ,, मंगल त्रयोदशी में सूर्योदय से रात्रि घं.७ मि.३१ बजे तक।
११ ,, मंगल. पुनर्वसु,पुष्यमें दिन घं.४मि.२५ पुनर्वसु में तत्पश्चात पुष्यमें।
१२ ,, बुध. पुष्य में सूर्योदय से दिन घं.२ मि.५५ बजे।
१७ ,, सोम. अहोरात्रि।
१८ ,, मंगल. त्रयोदशी मेंसूर्योदय से दिन घं.४ मि.३ बजे तक।
२० ,, गुरु. अहोरात्रि।
२१ ,, शुक्र. अनुराधा में सूर्योदय से दिन घं.२ मि.५० बजे।
२५ ,, मंगल. उ.षा.में सूर्यो दय से रात्रि घं.१ मि.१२ तक।
२६ ,, बुध. सूर्योदय से पूरे दिन।
२७ ,, गुरु. भद्राके बाद दिन घं.५मि.१८से
२८ ,, शुक्र. अहोरात्रि।
३१ ,, सोम. भद्रा के बाद दिन का घं.१० मि.२ बजे।

जून

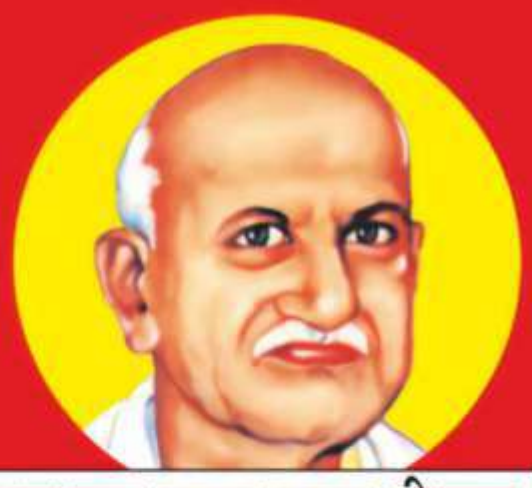
१ जून मंगल. अहोरात्रि।
२ ,, बुध. अश्विनी में सूर्यो दय से दिन घं.१२ मि.१६ बजे।
४ ,, शुक्र. रोहिणी में दिन घं.९ मि.१३से।
७ ,, सोम. तृतीया में सूर्यो दय से दिन घं.३ मि.२६।
८ ,, मंगल. पंचमी में दिन का घं.१२ मि.२२ से रात्रि घं.९ मि.३६ तक।
१० ,, गुरु. मघा में सूर्यो दय से दिन का घं.६ मि.२३।
१४ ,, सोम. भद्राके पूर्व दिन घं.२मि.६तक
१५ ,, मंगल. अहोरात्रि।
१६ ,, बुध. त्रयोदशी में सूर्योदय से पूरे दिन।
२१ ,, सोम. भद्रा के पूर्व रात्रि घं.११मि.५१
२३ ,, बुध. पंचमी में दिन घं.३ मि.४२।
२४ ,, गुरु. अहोरात्रि।
२५ ,, शुक्र. शतभिषा में सूर्यो दय से दिन घं.५ मि.६ बजे।
२९ ,, मंगल. भद्रा के पूर्व सूर्योदय दिन घं.१० मि.३३ बजे।

जुलाई

२ जुलाई शुक्र. भद्राके पूर्व सूर्योदय घं.३मि.२३
५ ,, सोम. अहोरात्रि।
९ ,, शुक्र. उ.फा. में सूर्योदय रात्रि घं.११ मि.१५।
१२ ,, सोम. दशमी में दिन घं.११मि.४०बजे
१३ ,, मंगल. भद्रा के पूर्व सूर्योदय रात्रि घं.१२ मि.३९ तक।
१४ ,, बुध. भद्रा के बाद दिन घं.१मि.१०से
१६ ,, शुक्र. त्रयोदशी युता मूल में प्रातः घं.५ मि.३९ से दिन घं.४ मि.३५ तक।
१९ ,, सोम. अहोरात्रि।
२१ ,, बुध. भद्रा के पूर्व।

www.thakurprasad.in

यश



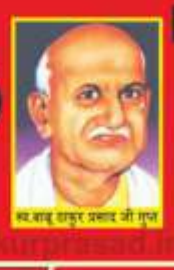
स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

ठाकुर प्रसाद पंचाङ्ग

अक्टूबर 2027

दूध का विवरण

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			31		
16			योग		

कपड़ा धुलाई का विवरण

तारीख	विवरण कपड़ा	संख्या

अख़बार का विवरण

दिनांक	8	16	24
1	9	17	25
2	10	18	26
3	11	19	27
4	12	20	28
5	13	21	29
6	14	22	30
7	15	23	31

आवश्यक कार्यक्रम

आकाशीय लक्षण

मासारम्भ में मौसम सामान्य रहेगा। इस माह तुला संक्रान्ति वरुण मण्डल में पड़ रही है। अतः भयकर कोहरे के साथ मौसम में शीत व्याप्त होगी। पर्वतीय क्षेत्रों में तेज हवा के साथ वर्षा का योग बनता है। ता.3, 4, 13, 14, 22, 23, 30,31 को कुछ प्रदेशों में वायुवेग के साथ वर्षा एवं तूफान की सम्भावना है।

विक्रम संवत् 2084

आश्विन शुक्ल 2 से कार्तिक शुक्ल 2 तक।
तारीख 16 अक्टूबर से कार्तिक माह प्रारम्भ।।

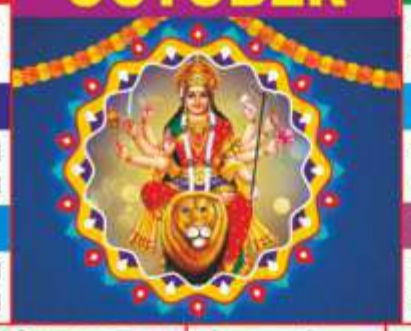
शालिवाहन शाके 1949

राष्ट्रीय आश्विन 9 से राष्ट्रीय कार्तिक 9 तक।
ता.23 अक्टूबर से राष्ट्रीय कार्तिक माह प्रारम्भ।।

फसली संवत् 1435

फसली कार्तिक 16 से फसली मार्गशीर्ष 16 तक।
ता.16 अक्टूबर से फसली मार्गशीर्ष माह प्रारम्भ।।

OCTOBER



इस्लामी हिजरी 1449

रवि उस्सानी 29 से जमादि उल अव्वल 30 तक।
ता.2 अक्टूबर से जमादि उल अव्वल माह प्रारम्भ।।

बंगला संवत् 1434

बंगला आश्विन 13 से बंगला कार्तिक 14 तक।
ता.18 अक्टूबर से बंगला कार्तिक माह प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1147-48

नेपाली आश्विन 14 से नेपाली कार्तिक 15 तक।
ता.17 अक्टूबर से नेपाली कार्तिक माह प्रारम्भ।

व्रत-त्यौहार

1 शुक्र. शारदीय नवरात्रारम्भ, महाराजा अग्रसेन जयंती, चन्द्र दर्शन
2 शनि. गांधीजी एवं शास्त्री जी जयंती
3 रवि. वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
4 सोम. उमांग ललिता व्रत
5 मंगल. स्कन्द षष्ठी
6 बुध. सरस्वती आवाहन मूल में
7 गुरु. महाष्टमी, भद्रकाली अवतार, सरस्वती पूजन पू.षा. में
9 शनि. विजयादशमी, दशहरा, शमी पूजा शस्त्रादि पूजा, बौद्धावतार
11 सोम. पांपाकुशा एकादशी, भरत मिलाप
12 मंगल. भौम प्रदोष व्रत
14 गुरु. कोजागिरी व्रत, शरद पूर्णिमा, श्रीकृपालु जगद्गुरुत्तम दिवस
15 शुक्र. स्नान-दान की पूर्णिमा, वाल्मीकि जयंती
18 सोम. करक चतुर्थी, करवा चौथ संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत
21 गुरु. स्कन्द षष्ठी
22 शुक्र. अहोई अष्टमी, कालाष्टमी
23 शनि. राष्ट्रीय कार्तिक मास प्रारम्भ
25 सोम. रम्भा एकादशी व्रत स्मार्तो का
26 मंगल. रम्भा एकादशी व्रत वैष्णवों का गोवत्स द्वादशी
27 बुध. धनतेरस, प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि व्रत
28 गुरु. नरक चतुर्दशी, हनुमान जयंती
29 शुक्र. दीपावली, महालक्ष्मी पूजा, स्नान दान की अमावस्या
30 शनि. गोवर्धन पूजा, अन्नकूट
31 रवि. भाई दूज, दवात पूजा, चन्द्र दर्शन

राशि-फल

मेष- व्यापार में लाभ, बिगड़े कार्य पूर्ण, कार्यसिद्धि, बुद्धि का विकास।
वृष- स्वजनों से वियोग, संतान से सुख, मान-सम्मान पद प्रतिष्ठा की वृद्धि।
मिथुन- मित्रों से सहयोग, वाद-विवाद, पारिवारिक क्लेश, शत्रु पर विजय।
कर्क- कुसंगति से बचे, धनाभाव से मन खिन्न, शारीरिक कष्ट, मान-प्रतिष्ठा
सिंह- मन प्रसन्न, आर्थिक स्थिति में सुधार, शत्रुओं से बचे, ऋणमुक्ति।
कन्या- रोजगार में कमी, श्रम से लाभ, गृहस्थ जीवन में व्यवधान,पुत्रलाभ
तुला- वाद-विवाद से बचे, धनाभाव, भाग्योन्नति में बाधा, श्रम से लाभ।
वृश्चिक- स्वास्थ्य सुधार, रोजगार सफल, कार्य पूर्ण, पुत्र लाभ, धर्म में रुचि।
धनु- परिश्रम से लाभ, बुद्धि विकास, पैतृक सम्पत्ति का लाभ, वाहनसुख
मकर- रोजी-रोजगार में वृद्धि, मानसिक शांति, पुत्र सुख, यात्रा सफल।
कुम्भ- नवीन कार्य की योजना, शत्रु दमन आर्थिक स्थिति सुदृढ़, रोग शोक।
मीन- शारीरिक विकारों से कष्ट, मित्रों से लाभ, धार्मिक यात्रा, सम्पत्ति लाभ

तेजी-मंदी

गुड़, खांड, तिल, तेल, सोना-चांदी में तेजी आयेगी। खाद्यान में विशेषकर गेहूं, दलहन में तेजी, गुगुल, पारा, गुड़, खांड में तेजी। तिल- तेल, सोना-चांदी में तेजी।

	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
	SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT

पंचक- ता.१० को पंचक प्रारम्भ रात्रि २।५५ तक पंचक समाप्त ता.१५ को रात्रि ११।२९ तक।
भद्रा- ता.३ को भद्रा प्रारम्भ दिन १।४२ से भद्रा समाप्त रात्रि १।२८ तक। ता.६को भद्रा प्रारम्भ प्रात: ४।१३ से भद्रा समाप्त ता.७ को सायं ५।१७ से तक। ता.१० को रात्रि १२।५४ से भद्रा समाप्त ता.११ को दिन २।८ तक। ता.१४ को भद्रा प्रारम्भ सायं ६।४९ से भद्रा समाप्त ता.१५ को ७।७ तक। ता.१८ को भद्रा प्रारम्भ दिन ६।२० से भद्रा समाप्त सायं ५।५१ तक। ता.२१ को भद्रा प्रारम्भ दिन १।४२ से भद्रा समाप्त रात १२।४८ बजे तक। ता.२४ को भद्रा प्रारम्भ सायं ६।५० से भद्रा समाप्त ता.२५ को प्रात: ५।४० तक। ता.२७ कोभद्रा प्रारम्भ रात्रि १०।५० बजे से भद्रा समाप्त ता.२८ को ९।४७ बजे तक।
मूल विचार- ज्येष्ठा- ता.४ को रात १३।४३ से ता.५ को रात २।१४ तक। मूल- ता.५ को रात २।१४ से ता.६ रात ४।२८ तक। रेवती- ता.१४ को रात १०।३० से ता.१५ को रात ११।२९ तक। अश्विनी- ता.१५ को रात११।२९ से ता.१६ रात ११।५८ तक। आश्लेषा- ता.२३ को सायं ७।७ से ता.२४ को सायं ५।४१ तक। मघा- ता.२४ को सायं ५।४१ से ता.२५ को सायं ४।९ तक।

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	5/54	5/54	5/55	5/55	5/55	5/56	5/56	5/57	5/57	5/58	5/58	5/59	5/59	6/0	6/0	6/1	6/1	6/2	6/2	6/3	6/3	6/4	6/4	6/5	6/5	6/6	6/6	6/7	6/8	6/8	6/9
सूर्यास्त	5/41	5/40	5/39	5/38	5/37	5/36	5/35	5/34	5/33	5/32	5/31	5/30	5/29	5/28	5/27	5/26	5/26	5/25	5/24	5/23	5/22	5/21	5/20	5/20	5/19	5/18	5/17	5/16	5/16	5/15	5/14

सितम्बर 2027

रवि		5	12	19	26
सोम		6	13	20	27
मंगल		7	14	21	28
बुध	1	8	15	22	29
गुरु	2	9	16	23	
शुक्र	3	10		24	
शनि	4	11	18	25	



नवम्बर 2027

रवि		7		21	28
सोम	1	8	15	22	29
मंगल	2	9	16	23	30
बुध	3	10	17	24	
गुरु		11	18	25	
शुक्र	5	12	19	26	
शनि	6	13	20	27	

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

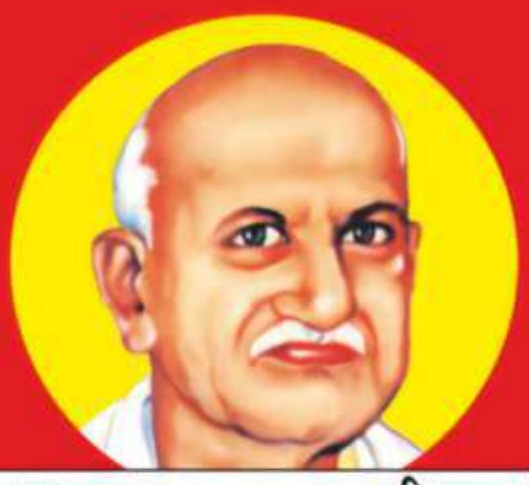
नाटीइमली, वाराणसी।
Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

अधिकृत विक्रेता-ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक्सेलर, राजादरवाजा, वाराणसी। फोन-0542-2413650

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

२६ ,, सोम. अहोरात्रि।
२९ ,, गुरु. भद्राके बाद दिन घं.७मि.३४से
३० ,, शुक्र. मृगशिरा में सूर्यो दय से रात्रि घं.१ मि.२३।
२ अगस्त सोम.पुष्य में सूर्योदय से घं.५मि.९
३ ,, मंगल.मघा में दिन घं.२ मि.१६ से।
४ ,, बुध. मघा में दिन घं.११ मि.३६तक।
६ ,, शुक्र. अहोरात्रि।
९ ,, सोम. भद्राके बाद दिन का घं.१० मि.२३ बजे से।
११ ,, बुध. अनुराधा में सूर्योदय दिन घं.९ मि.१३।
१३ ,, शुक्र. मूलमें सूर्योदय दिन घं.२मि.१९
१७ ,, मंगल धनिष्ठामें सूर्योदय से पूरे दिन।
१८ ,, बुध. शतभिषा में।
२३ ,, सोम. अश्विनी में सूर्यो दय से दिन घं.१२ मि.११
२५ ,, बुध. रोहिणी में दिन घं.१२मि.२७से रात्रि घं.७ मि.२० बजे तक।
३१ ,, मंगल मघा में सूर्योदय से रात्रि घं.१० मि.३०।
२ सित. गुरु. अहोरात्रि।
३ ,, शुक्र. त्रयोदशी में।
६ ,, सोम. अहोरात्रि।
७ ,, मंगल.भद्रा के पूर्व सूर्यो दय से दिन घं.११ मि.२७।
९ ,, गुरु. दशमी में दिन घं.२ मि.३९से रात्रि घं.८ मि.५२ बजे।
१३ ,, सोम. त्रयोदशी में सूर्योदय रात्रि घं.१२ मि.३९।
१५ ,, बुध. भद्रा के बाद दिन घं.३ मि.४३
१६ ,, गुरु. उ.भा.में दिन घं.१३मि.४३बजे
१७ ,, शुक्र. अहोरात्रि।
२३ ,, गुरु. मृगशिरा में।
२८ ,, मंगल.भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन घं.१ मि.५४ बजे।
३० ,, गुरु. हस्त में सूर्योदय से पूरे दिन।
१ अक्टू. गुरु. चित्रामें सूर्योदय से पूरे दिन।
४ ,, सोम. अनुराधा में।
६ ,, बुध. मूल में।
११ ,, सोम. भद्राके बाद दिन घं.२ मि.८बजे
१२ ,, मंगल.शतभिषा में सायं घं.६मि.५५
१५ ,, शुक्र. भद्रा के बाद प्रातः घं.७मि.७ से पूरे दिन।
१९ ,, मंगल.पंचमीमें दिन घं.४मि.४२से।
२० ,, बुध. मृगशिरा में सूर्योदय रात्रि घं.१० मि.२९ बजे।
२२ ,, शुक्र. अहोरात्रि।
२५ ,, सोम. मघा में सूर्यो दय से दिन का घं.४ मि.९ बजे।
२७ ,, बुध. त्रयोदशी में सूर्यो दय से रात्रि घं.१० मि.५० बजे।
२९ ,, शुक्र. अहोरात्रि।
१ नव. सोम. अनुराधा में सूर्योदय से दिन का घं.९ मि.५७ बजे।
३ ,, बुध. मूलमें दिन घं.१२ मि.५७बजे।
४ ,, गुरु. उ.षा. में दिन घं.३ मि.२५से।
५ ,, शुक्र. सप्तमी में सूर्योदय रात्रि घं.१२ मि.९ बजे।
८ ,, सोम. शतभिषा में।
१० ,, बुध. भद्राके बाद दिन घं.९मि.११से।
११ ,, गुरु. अहोरात्रि।
१२ ,, शुक्र. त्रयोदशी सूर्योदय से दिन घं.१० मि.२१ बजे।
१५ ,, सोम. रोहिणीमें प्रातः घं.७मि.२८से।
१६ ,, मंगल.सूर्योदय से दिन घं.४ मि.४३।
१८ ,, गुरु. पंचमीमें सूर्योदय से घं.११ मि.२७।
१९ ,, शुक्र. भद्राके पूर्व से घं.९मि.३०बजे।
२३ ,, मंगल.भद्रा के बाद दिन घं.१ मि.४५ से रात्रि घं.७ मि.४२ तक।
२४ ,, बुध. अहोरात्रि।
२५ ,, गुरु. अहोरात्रि।
२६ ,, शुक्र. भद्रा के पूर्व सूर्योदय से दिन घं.१ मि.४८ बजे तक।
३० ,, मंगल.मूल में सूर्योदय से रात्रि घं.९ मि.२९ बजे।
२ दिस. गुरु. भद्राके बाद, पंचमी में दिन घं.१ मि.४३ बजे।
३ ,, शुक्र. अहोरात्रि।
८ ,, बुध. दशमी में।
९ ,, गुरु. भद्राके पूर्व सूर्योदय से घं.३ मि.१५ बजे।
१० ,, शुक्र. अश्विनी में सूर्योदय से दिन घं.५ मि.५४ बजे।
१३ ,, सोम. भद्राके बाद दिन घं.१०मि.४९
१४ ,, मंगल.मृगशिरामें दिन घं.१ मि.२४बजे
२० ,, सोम. उ.फा. में पूरे दिन।
२२ ,, बुध. भद्राके पूर्व सूर्योदय से दिन घं.१२ मि.४ बजे तक।
२३ ,, गुरु. अहोरात्रि।
२७ ,, सोम. मूल में।

२९ ,, बुध. उ.फा.में दिन घं.७मि.२५से।
३० ,, गुरु. तृतीया में।
३१ ,, शुक्र. तृतीयामें दिन घं.८मि.११ बजे।

विपणि (व्यापार) मुहूर्त्त

निम्नलिखित मुहूर्त्तों से कुछ मुहूर्त्त बड़े व्यापार औद्योगिक फैक्ट्री, राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय स्तर के व्यापारिक लाभ के लिए विशेष लाभदायक एवं शुभ है। ऐसे मुहूर्त्तो को तारांकित (*) किया गया है, कृपया इन मुहूर्त्तों का लाभ उठायें।

४ जन. सोम. अनुराधा में सूर्योदय से रात्रि घं.१२ मि.१४ बजे तक।
*१४ ,, गुरु. सप्तमीमें दिन घं.१मि.५८बजे।
१५ ,, शुक्र. भद्राके पूर्व सूर्योदय से दिन घं.२ मि.१३ बजे।
२० ,, बुध. मृगशिरा में सूर्यो दय से दिन घं.४ मि.१७ तक।
*२८ ,, गुरु. भद्राके बाद दिन घं.३मि.५२से।
११ फर. गुरु. पंचमी में सूर्योदय से पूरे दिन।
*१९ ,, शुक्र. पुष्य में सूर्योदय से दिन घं.११ मि.१४ से।
२२ ,, सोम. उ.फा.में दिन घं.११ मि.५४से।
*२५ ,, गुरु. चित्रा में सूर्योदय से घं.९मि.३२
*४मार्च गुरु. एकादशी में सूर्योदय से दिन घं.७ मि.२४ बजे, उ.षा.में पूरे दिन।
१० ,, बुध. अहोरात्रि दिन घं.३ मि.५३तक द्वितीया में तत्पश्चात घं.३ मि.५३ से तृतीया में।
११ ,, गुरु. रेवती मेंसूर्योदय से दिन का घं.११ मि.२९ में।
१५ ,, सोम. भद्रा के पूर्व दिन घं.१०मि.५१
१८ ,, गुरु. भद्राके पूर्व दिन घं.३मि.७बजे।
२४ ,, बुध. चित्रामें रात्रि घं.७मि.२५ बजे।
१ अप्रैल गुरु. भद्रा के पूर्व उ.षा.में दिन घं.९ मि.२५ बजे।
२३ ,, शुक्र. भद्राके पूर्व अनुराधा में प्रातः घं.५ मि.३२ से दिन का घं.३ मि.५४।
२८ ,, बुध. सप्तमीमें दिन घं.१२मि.३०बजे
३ मई सोम. उ.भा.में सूर्योदयसे पूरे दिन।
१२ ,, बुध. पुष्य में दिन घं.२मि.५५तक।
१७ ,, सोम. अहोरात्रि में सूर्योदय तक।
*३१ ,, सोम. भद्राके बाद उ.भा.में दिन घं.१० मि.२से दिन घं.१२मि.३५ बजे।
१४ जून सोम. भद्रा के पूर्व दिन घं.६मि.६।
१६ ,, बुध. अनुरा.में रात्रि घं.७मि.४४से
२१ ,, सोम. उ.षा.में रात्रि घं.११मि.५१बजे।
१ जुलाई गुरु. रोहिणी में रात्रि घं.७मि.३१से।
२ ,, शुक्र. भद्रा के पूर्व दिन घं.३मि.२३
५ ,, सोम. पुष्य में दिन घं.९ मि.२९ से।
*९ ,, शुक्र. सप्तमीमें दिन घं.२ मि.३बजे।
१४ ,, बुध. भद्राके बाद दिन घं.१मि.१०से।
१९ ,, गुरु. भद्रा के बाद दिन घं.७मि.३४
३० ,, शुक्र. मृगशिरा में पूरे दिन।
*६ अग. शुक्र. पंचमी में पूरे दिन।
२ सित. गुरु. अहोरात्रि।
३ ,, शुक्र. तृतीया में दिन घं.२ मि.१९बजे
६ ,, सोम. अनुराधा में दिन घं.२मि.५१से।
१७ ,, शुक्र. द्वितीया में प्रातः घं.५मि.५२से
२२ ,, बुध. भद्राके बाद दिन घं.५मि.१४से
१ अक्टू. शुक्र. चित्रा में पूरे दिन।
४ ,, सोम. अनुराधा में रात्रि घं.१२मि.४३
२० ,, बुध. पंचमी में दिन घं.९ मि.१८बजे।
*२७ ,, बुध. त्रयोदशी में रात्रि घं.१०मि.५बजे
१ नव. सोम. अनुराधा में दिन घं.९मि.५७से
५ ,, शुक्र. उ.षा.में सायं घं.६मि.१९बजे।
१० ,, बुध. भद्रा के बाद दिन घं.९मि.११से
११ ,, गुरु. अहोरात्रि।
१२ ,, शुक्र. त्रयोदशी में सूर्योदय से दिन घं.१० मि.२१ बजे।
१५ ,, सोम. द्वितीया में प्रातः घं.७ मि.२८ से पूरे दिन।
२४ ,, बुध. अहोरात्रि।
२५ ,, गुरु. चित्रा में सायं घं.६मि.१६बजे।
२ दिस. गुरु. भद्राके बाद दिन घं.१मि.४३से।
९ ,, गुरु. भद्राके पूर्व दिन घं.३ मि.१५।
१० ,, शुक्र. अश्विनी में दिन घं.५मि.५४
२९ ,, बुध. उ.षा.में दिन घं.७ मि.२५बजे।
*३० ,, गुरु. उ.षा.में दिन घं.१० मि.६बजे।

वाहनादि खरीदने का मुहूर्त्त

१ जन. शुक्र. दशमी में दिन घं.१ मि.१०से।
१० ,, रवि. तृतीयामें प्रातः घं.७मि.७से।
११ ,, सोम. तृतीया में घं.९ मि.२८बजे।
२० ,, बुध. मृगशि.में दिन घं.४ मि.१७बजे
२२ ,, शुक्र. भद्रा के बाद प्रातः घं.७मि.३८
२७ ,, बुध. हस्त में सूर्योदय से पूरे दिन।
२९ ,, शुक्र. स्वाती में।
७ फर. रवि. प्रतिपदा में रात्रि घं.११मि.२७
११ ,, गुरु. रेवती में सूर्योदय से पूरे दिन।
१२ ,, शुक्र. अश्विनी में।

१६ ,, मंगल.मृगशिरामें सूर्योदय से पूरे दिन।
१८ ,, गुरु. त्रयोदशी में दिन घं.२ मि.२७ के बाद।
१९ ,, शुक्र. त्रयोदशीमें दिन घं.११ मि.१४।
२३ ,, मंगल.भद्रा के पूर्व दिन घं.१०मि.२८
२५ ,, गुरु. पंचमीमें रात्रि घं.८ मि.१७बजे।
२६ ,, शुक्र. स्वाती में दिन घं.६मि.१३बजे।
५ मार्च शुक्र. त्रयोदशी में दिन घं.९मि.५४से
१० ,, बुध. तृतया में दिन घं.३ मि.५३ से।
११ ,, गुरु. तृतीयामें दिन घं.३ मि.३७तक
१६ ,, मंगल.मृगशिरा में घं.८ मि.१२ तक।
१७ ,, बुध. दशमी में प्रातः घं.६ मि.४५से
१८ ,, गुरु. भद्रा के पूर्व दिन घं.३मि.७बजे
२३ ,, मंगल.प्रतिपदा में दिन घं.२मि.२८
२४ ,, बुध. तृतीया में दिन घं.१ मि.१४से।
२ अप्रैल शुक्र. एकादशीमें सूर्योदयसे पूरे दिन।
४ ,, रवि. शतभिषामें घं.४ मि.३३ बजे।
७ ,, बुध. प्रतिपदा में।
११ ,, रवि. मृगशिरामें दिन घं.२मि.५३से।
१२ ,, सोम. मृगशिरा में घं.१ मि.४बजे।
१४ ,, बुध. अष्टमी में दिन घं.३मि.५३बजे
१८ ,, रवि. त्रयोदशी में।
२० ,, मंगल.भद्राके बाद दिन घं.४मि.२१बजे
२१ ,, बुध. स्वाती में।
२८ ,, बुध. श्रवण में सायं घं.५मि.३०बजे।
२९ ,, गुरु. अष्टमी में दिन घं.३ मि.१से।
३० ,, शुक्र. दशमीमें सायं घं.५ मि.१३बजे।
४ मई मंगल.त्रयोदशीमें रात्रि घं.७मि.३१बजे
९ ,, रवि. तृतीया में दिन घं.९मि.३बजे।
१० ,, सोम. पुनर्वसु में सायं घं.६मि.८बाद।
११ ,, मंगल.षष्ठी में सूर्यो दय से पूरे दिन।
१७ ,, सोम. त्रयोद.में दिन घं.४मि.२८बजे
१८ ,, मंगल.त्रयोदशीमें दिन घं.४मि.३बजे।
२६ ,, बुध. श्रवण में।
२८ ,, शुक्र. अष्टमीमें प्रातः घं.६मि.२६बजे
३१ ,, सोम. रेवतीमें दिन घं.१२मि.३५बजे।
१ जून मंगल.एकादशी में।
७ ,, सोम. तृतीयामें दिन घं.३ मि.२६बजे
८ ,, मंगल.भद्राके बाद दिन घं.१२ मि.२२
१३ ,, रवि. दशमी में।
१४ ,, सोम. भद्राके पूर्व दिन घं.२मि.६बजे।
२३ ,, बुध. पंचमीमें दिन घं.३ मि.४२ से।
२४ ,, शुक्र. अहोरात्रि।
२५ ,, शुक्र. शतभिषा में दिन घं.५मि.६बजे
२९ ,, मंगल.भद्राके पूर्व दिन घं.१०मि.३३
४ जुलाई रवि. पुनर्वसु दिन घं.२२ मि.९बजे।
११ ,, रवि. अष्टमी में दिन घं.११मि.४९
१२ ,, सोम. दशमीमें दिन का घं.११मि.४०
१६ ,, सोम. श्रवण में दिन घं.२मि.२३बजे।
२१ ,, बुध. भद्राके पूर्व दिन घं.१५मि.३५
२५ ,, रवि. भद्राके पूर्व दिन घं.९ मि.५२से
२६ ,, सोम. अष्टमी में दिन घं.१०मि.२४से
२ अग. सोम. प्रतिपदा युता पुष्य में दिन घं.३ मि.३४ से दिन घं.५मि.९बजे।
६ ,, शुक्र. हस्त में दिन घं.७मि.३७बजे।
१७ ,, मंगल.धनिष्ठा में।
१८ ,, बुध. प्रतिपदामें दिन घं.३मि.१५बजे।
२२ ,, रवि. पंचमीमें रात्रि घं.८मि.४५बजे।
२३ ,, सोम. अश्विनीमें दिन घं.१२ मि.११
२६ ,, गुरु. दशमी में सायं घं.५मि.३९बजे।
२९ ,, रवि. त्रयोदशी में दिन घं.९मि.३५बजे
३ सित. शुक्र. तृतीयामें घं.२ मि.१९बजे।
५ ,, रवि. स्वाती में घं.२ मि.३०बजे।
१३ ,, सोम. त्रयोदशी में पूरे दिन।
२३ ,, गुरु. मृगशिरा में दिन घं.५ मि.६
२६ ,, रवि. पुष्य में दिन घं.१२ मि.३७बजे।
३० ,, गुरु. प्रतिपदामें प्रातः घं.८मि.५बजे।
१० अक्टू. रवि. भद्रा के पूर्व।
१२ ,, मंगल त्रयोदशी शतभिषामें दिन घं.४ मि.१३से घं.६ मि.५५ तक।
१५ ,, शुक्र. भद्रा के बाद प्रातः घं.७मि.७
२० ,, बुध. मृगशिरामें रात्रि घं.१०मि.२९बजे
२२ ,, शुक्र. अष्टमीमें दिन घं.११मि.५६बजे
२७ ,, बुध. हस्त में दिन घं.१ मि.०से रात्रि घं.१० मि.५० बजे।
८ नव. सोम. शतभिषा में।
११ ,, गुरु. त्रयोदशी में दिन घं.१०मि.७
१२ ,, शुक्र. त्रयोदशी में दिन घं.१०मि.२१
१६ ,, मंगल भद्रा के पूर्व घं.४ मि.४३।
१८ ,, गुरु. पंचमी में।
१९ ,, शुक्र. षष्ठी में।
२४ ,, बुध. एकादशी में दिन घं.१२मि.११
२५ ,, गुरु. त्रयोदशीमें दिन घं.१०मि.५१से।
२६ ,, शुक्र. त्रयोदशीमें दिन घं.९ मि.४८से।
३ दिस. शुक्र. श्रवण में पूरे दिन।
८ ,, बुध. रेवती मेंदिन घं.४ मि.१२से।
१३ ,, सोम. मृगशिरामें दिन घं.३ मि.१४से
१४ ,, मंगल मृगशिरामें दिन घं.१ मि.२४बजे
२२ ,, बुध. भद्रा के पूर्व दिन घं.१२मि.४
२३ ,, गुरु. एकादशी में।
३० ,, गुरु. श्रवण में दिन घं.१० मि.६से।
३१ ,, शुक्र. तृतीया में दिन घं.८ मि.११से।

सन् २०२७ ई. का ग्रहण विवरण

सन् २०२७ में दो सूर्यग्रहण लग रहा है।

१.सूर्यग्रहण–माघ कृष्ण ३० शनिवार दिनांक ६ फरवरी २०२७ ई. को लगने वाला कंकणाकृति सूर्यग्रहण भारत में नहीं दिखाई देगा। यह ग्रहण दक्षिण अमेरिका, अन्टार्कटिका पश्चिम और दक्षिण अफ्रीका, अटलांटिक महासागर और प्रशान्त महासागर में दिखाई देगा। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का प्रारम्भ सायं ६ बजकर २८ मिनट पर तथा मोक्ष रात्रि में १२ बजकर ३२ मिनट पर होगा।

२.खग्रास सूर्यग्रहण–श्रावण कृष्ण ३० सोमवार दिनांक २ अगस्त २०२७ ई. को लग रहा खण्डग्रास सूर्यग्रहण भारत में खण्ड सूर्य ग्रहण के रूप में अरुणाचल प्रदेश के सुदुर पूर्वोत्तर क्षेत्र को छोड़कर दृश्य होगा। यह सूर्यग्रहण यूरोप, दक्षिण पश्चिम तथा अफ्रिका, उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भाग, हिन्द महासागर क्षेत्र में दृश्य होगा। भारत में यह खण्ड सूर्यग्रहण के रूप में पश्चिमी भाग से भारतीय समयानुसार इसका प्रारम्भ घं.१५ मि.३४ पर होगा तथा मोक्ष घं.१७ मि.५३ पर दक्षिणी क्षेत्र के हिन्द महासागर में होगा। इस ग्रहण का मध्य घं.१५ मि.३९ होगा।

श्रीरामशलाका प्रश्नावली



यहां नीचे श्रीरामशलाका का प्रश्नोत्तर विधि दी जा रही है। अभीष्ट प्रश्न का उत्तर चाहने वाले सज्जन पहले, भगवान् श्रीरामचन्द्री का ध्यान करें, फिर श्रद्धापूर्वक किसी भी कोष्ठक में उंगली या शलाका रखें और उस अक्षर को कोरे कागज या स्लेट पर लिख लें। अब इसके आगे पढ़ें और नवें कोष्ठक में जो अक्षर पड़े, उसे भी लिख लें। इस प्रकार प्रत्येक नवें अक्षर को गिनकर लिखते जाने से चौपाई तैयार होगी, जो आपके अभीष्ट प्रश्न का उत्तर होगा।

सु	प	उ	वि	हो	मु	ग	व	सु	नु	त्रि	ध	धि	इ	द
र	रू	फ	सि	सि	रे	बस	है	में	ल	ण	ल	य	न	अ
सुअ	सो	ग	सु	कु	म	स	ग	त	न	इ	ल	धा	बे	नी
त्य	र	न	कु	जो	म	रि	र	र	अ	की	हो	सं	र	य
सु	मु	ध	सी	जे	इ	ग	म	सं	क	रे	हौ	स	स	नि
ति	र	त	र	श	ई	ह	ब	ब	प	चि	स	इ	स	तु
स	का	ा	र	र	मा	मि	मी	ह्मा	ा	जा	हू	ही	ा	जू
ता	रा	रे	री	ह	का	फ	ख	जि	ई	र	रा	पू	द	ल
णि	को	मि	गो	ण	म	ज	य	ने	गणि	क	ज	ष	स	ल
हि	रा	मि	स	रि	ग	द	न्	ष	भ	खि	जि	मनि	त	जं
सिं	मु	ण	न	को	मि	ज	र	ग	धु	ख	सु	का	स	र
गु	क	म	अ	ध	नि	म	ल	ा	ण	ब	ती	न	रि	भ
ना	पु	व	अ	ख	र	ल	का	ए	तु	र	न	नु	ब	थ
सि	हु	सु	ह	रा	र	स	हि	र	त	न	ख	ा	जा	ा
र	सा	ा	ला	धी	ा	री	ज	हू	ही	खा	जू	ई	रा	र

उदाहरण–पहले कोष्ठक पर उंगली या शलाका रखने से अक्षर 'सु' आया 'सु' के बाद नवां अक्षर गिनकर लिखते गये, तो चौपाई बनी।

१. सुनु सिय सत्य असीस हमारी। पूजिहि मन कामना तुम्हारी।।
फल–प्रश्न उत्तम है, कार्य की सिद्धि होगी।

इसीप्रकार बनने वाली आठ अन्य चौपाइयां और उनका फल इस प्रकार है-

२. होईहैं सोई जो राम रचि राखा। को करि तरक बढ़ावहि साखा।।
फल–कार्य होने में सन्देह है। अत: उसे भगवान् पर छोड़ देना श्रेयस्कर है।

३. प्रबिसि नगर कीजै सब काजा। हृदय राखि कोसलपुर राजा।।
फल–भगवान् का स्मरण करके कार्य आरम्भ करो, सफलता मिलेगी।

४. उधरें अन्त न होई निबाहु। कालनेमि जिमि रावन राहु।।
फल–इस कार्य में भलाई नहीं है। कार्य पूरा होने में सन्देह है।

५. विधि बस सुजन कुसंगत पर हीं। फनि मनि सम निज गुन अनुसरहीं।।
फल–खोटे मनुष्यों का संग छोड़ दो। कार्य पूरा होने में विलम्ब है।

६. मुद मंगलमय सन्त समाजू। जिमि जग जंगम तीरथराजू।
फल–प्रश्न बहुत श्रेष्ठ है। कार्य सफल होगा।

७. गरल सुधा रिपु करिय मिताई। गोपद सिन्धु अनल सितलाई।।
फल–प्रश्न बहुत श्रेष्ठ है। कार्य सफल होगा।

८.बरुन कुबेर सुरेस समीरा। रन सनमुख धनि काहु न धीरा।।
फल–कार्य पूरा होनें सन्देह हैं।

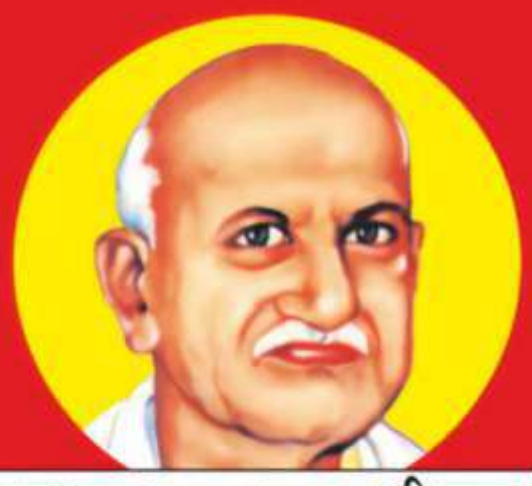
९. सुफल मनोरथ होहु तुम्हारे। राम लखन सुनि भए सुखारे।।
फल–प्रश्न उत्तम है, कार्य सिद्ध होगा।

भारतीय ज्योतिष के वर्षा विज्ञान के अनुसार वर्षा के नक्षत्र व उनका फल

सूर्य का नक्षत्र	प्रवेश	समय	फल
आर्द्रा	२२ जून	१८.२५ मि.	स्त्री-पुरुष, चन्द्र-चन्द्र, खर वाहन, अमृत नाड़ी तदीश चन्द्र, वर्षा वृष्टि होगी।
पुनर्वसु	६ जुलाई	१८.०६ मि.	स्त्री-स्त्री, चन्द्र-चन्द्र मण्डूक वाहन, अमृत नाड़ी तदीश चन्द्र अल्प वृष्टि हो।
पुष्य	२० जुलाई	१७.४० मि.	स्त्री-पुरुष, चन्द्र-चन्द्र, मूषक वाहन, अमृतनाड़ी तदीश चन्द्र, वर्षा श्रेष्ठ हो।
आश्लेषा	३ अगस्त	१६.३२ मि.	स्त्री-स्त्री, चन्द्र-चन्द्र, जम्बूक वाहन, अमृतनाड़ी तदीश, चन्द्र, अल्प वृष्टि।
पू.फा.	३१ अगस्त	१०.११ मि.	स्त्री-पुरुष, चन्द्र-चन्द्र, जातक वाहन, अमृतनाड़ी तदीश चन्द्र , वर्षा श्रेष्ठ हो।
उ.फा.	१३ सितम्बर	२८.०१ मि.	स्त्री-पुरुष, सूर्य-चन्द्र, मण्डूक वाहन, अमृतनाड़ी तदीश चन्द्र , वर्षा श्रेष्ठ हो।
हस्त	२७ सितम्बर	१९.२४ मि.	स्त्री-स्त्री, सूर्य-चन्द्र, महिष वाहन, अमृतनाड़ी तदीश चन्द्र, अल्पवृष्टि हो।
चित्रा	११ अक्टूबर	०८.३१ मि.	स्त्री-पुरुष, सूर्य-चन्द्र, अश्ववाहन, अमृत नाड़ी तदीश बुध, वर्षा श्रेष्ठ हो।
स्वाती	२४ अक्टूबर	१९.०९ मि.	स्त्री-स्त्री, सूर्य चन्द्र, जातक वाहन, अमृत नाड़ी तदीश चन्द्र, अल्प वृष्टि हो।
विशाखा	६ नवम्बर	२७.१० मि.	पुरुष-पुरुष, सूर्य-सूर्य, मेष वाहन, दहन नाड़ी तदीश भौम, अनावृष्टि हो।

www.thakurprasad.in

यश



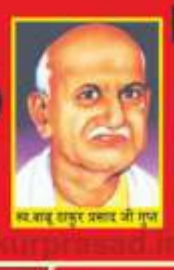
स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

ठाकुर प्रसाद पंचाङ्ग

नवम्बर 2027

दूध का विवरण

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15					
16			योग		

कपड़ा धुलाई का विवरण

तारीख	विवरण कपड़ा	संख्या

अख़बार का विवरण

दिनांक	8	16	24
1	9	17	25
2	10	18	26
3	11	19	27
4	12	20	28
5	13	21	29
6	14	22	30
7	15	23	

आवश्यक कार्यक्रम

आकाशीय लक्षण

मैदानी भागों में मौसम में शीत लहर युक्त नमी देखनें को मिलेगी। दक्षिण क्षेत्रों में वर्षा का योग बन रहा है। ता.9,10,11,18,19, 27, 28 को कहीं-कहीं छुट-पुट वर्षा देखनों को मिलेगी। पूर्वी क्षेत्रों में बिजली और भारी वर्षा, तूफान आदि से जन-जीवन प्रभावित रहेगा।

विक्रम संवत् 2084

कार्तिक शुक्ल 3 से मार्गशीर्ष शुक्ल 2 तक।
तारीख 15 नवम्बर से मार्गशीर्ष माह प्रारम्भ।।

शालिवाहन शाके 1949

राष्ट्रीय कार्तिक 10 से राष्ट्रीय मार्गशीर्ष 9 तक।
ता.22 नवम्बर से राष्ट्रीय मार्गशीर्ष माह प्रारम्भ।।

फसली संवत् 1435

फसली मार्गशीर्ष 17 से फसली पौष 16 तक।
ता.15 नवम्बर से फसली पौष माह प्रारम्भ।।

NOVEMBER



इस्लामी हिजरी 1449

जमादि उस्सानी 1 से जमादि उस्सानी 30 तक।
ता.1 नवम्बर से जमादि उस्सानी माह प्रारम्भ।।

बंगला संवत् 1434

बंगला कार्तिक 15 से बंगला मार्गशीर्ष 14 तक।
ता.17 नवम्बर से बंगला मार्गशीर्ष माह प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1147-48

नेपाली कार्तिक 16 से नेपाली मार्गशीर्ष 15 तक।
ता.16 नवम्बर से नेपाली मार्गशीर्ष माह प्रारम्भ।

विवाह मुहूर्त

ता.	वार	नक्षत्र
15	सोम.	रोहिणी
16	मंगल.	मृगशिरा
20	शनि.	मघा
21	रवि.	मघा
23	मंगल.	उ.फा.
24	बुध.	हस्त

व्रत-त्यौहार

2 मंगल. वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, दूर्वा गणपति व्रत
3 बुध. सौभाग्य पंचमी, पाण्डव पंचमी
4 गुरु. सूर्य षष्ठी (डाला छठ)
5 शुक्र. कल्पादि
6 शनि. गोपाष्टमी
7 रवि. अक्षय नवमी, कुष्मान्ड नवमी
10 बुध. देव उत्थानी, तुलसी विवाह प्रबोधिनी एकादशी व्रत
11 गुरु. प्रदोष व्रत, वैकुण्ठ चतुर्दशी
13 शनि. व्रत की पूर्णिमा, पुष्कर यात्रा
14 रवि. स्नान-दानकी पूर्णिमा, कार्तिक-पूर्णिमा, देव दीपावली, बाल दिवस नेहरु जयंती, गुरुनानक जयंती
16 मंगल. सौभाग्य सुन्दरी व्रत
17 बुध. संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत
20 शनि. कालभैरव अष्टमी
22 सोम. राष्ट्रीय मार्गशीर्ष माह आरम्भ
24 बुध. उत्पन्ना एकादशी व्रत, वैतरणी व्रत
25 गुरु. प्रदोष व्रत
26 शुक्र. मास शिवरात्रि व्रत
27 शनि. श्राद्ध की अमावस्या, गौरी तपोव्रत
28 रवि. स्नान-दान की अमावस्या
30 मंगल. चन्द्र दर्शन

रवि SUN

कार्तिक शुक्ल 9 प्रात: 5/23 — 7 — कृष्ण षष्ठी दिन 10/59 परि.रात्र 12/29
कार्तिक शुक्ल 15 दिन 08/55 — 14 — गुरुनानक जयन्ती, कार्तिक पूर्णिमा — कृष्ण षष्ठी दिन 1/42 भाणी दिन 07/51
मार्गशीर्ष कृष्ण 8 दिन 05/19 — 21 — सिंह का चंद्र
मार्गशीर्ष कृष्ण 30 दिन 08/56 — 28 — अमावस्या — वृश्चिक का चंद्र अनुराधा सायं 6/39

सोम MON

कार्तिक शुक्ल 3 दिन 5/15 — 1 — वृश्चिक का चंद्र अनुराधा दिन 9/57
कार्तिक शुक्ल 10 दिन 6/00 — 8 — कुंभ का चंद्र शतभिषा रात 3/13
मार्गशीर्ष कृष्ण 1 दिन 07/28 — 15 — वृष का चंद्र कृत्तिका दिन 07/08
मार्गशीर्ष कृष्ण 8 दिन 5/28 — 22 — कन्या चंद्र उ.फा. रात 2/43
मार्गशीर्ष शुक्ल 1 दिन 09/13 — 29 — धनु चंद्र सायं 7/47 ज्ये.सायं 7/47

मंगल TUE

कार्तिक शुक्ल 4 सायं 6/02 — 2 — धनु चंद्र दिन 11/06 ज्ये.दिन 11/06
कार्तिक शुक्ल 10 दिन 7/34 — 9 — मीन चंद्र रात 10/57 पू.भा.प्रात: 5/26
मार्गशीर्ष कृष्ण 3 रात 03/41 — 16 — मिथुन चंद्र दिन 5/32 पुन.प्रात: 4/42
मार्गशीर्ष कृष्ण 10 दिन 8/45 — 23 — कन्या चंद्र उ.फा.सायं 7/42
मार्गशीर्ष शुक्ल 2 दिन 10/08 — 30 — चन्द्रदर्शन — धनु का चंद्र मूल रात 9/29

बुध WED

कार्तिक शुक्ल 5 सायं 7/31 — 3 — धनु का चंद्र मूल दिन 12/57
कार्तिक शुक्ल 11 दिन 9/11 — 10 — एकादशी व्रत — मीन का चंद्र उ.भा. दिन 6/09
मार्गशीर्ष कृष्ण 4 रात 01/35 — 17 — मिथुन का चंद्र आर्द्रा रात 3/17
मार्गशीर्ष कृष्ण 11 दिन 12/11 — 24 — एकादशी व्रत — कन्या का चंद्र हस्त सायं 6/52

गुरु THU

कार्तिक शुक्ल 6 रात 9/38 — 4 — डाला छठ — मकर चंद्र रात 10/06 पू.फा. दिन 3/25
कार्तिक शुक्ल 12 दिन 10/07 — 11 — प्रदोष व्रत — मीन का चंद्र उ.भा. दिन 7/01
मार्गशीर्ष कृष्ण 5 रात 16/27 — 18 — कर्क चंद्र रात 8/13 पुन.रात 1/51
मार्गशीर्ष कृष्ण 12 दिन 10/51 — 25 — प्रदोष व्रत — तुला चंद्र दिन 6/32 चित्रा सायं 6/16

शुक्र FRI

कार्तिक शुक्ल 7 रात 12/09 — 5 — मकर का चंद्र उ.फा. सायं 6/19
कार्तिक शुक्ल 13 दिन 10/21 — 12 — मेष चंद्र दिन 7/55 रेवती दिन 7/55
मार्गशीर्ष कृष्ण 6 रात 09/20 — 19 — कर्क का चंद्र पुष्य रात 12/27
मार्गशीर्ष कृष्ण 13 दिन 09/48 — 26 — सुला का चंद्र स्वाति दिन 5/59

शनि SAT

कार्तिक शुक्ल 8 रात 2/50 — 6 — कुंभ चंद्र रात 2/50 पू.भा. दिन 1/15 — मकर का चंद्र श्रवण रात 9/26
कार्तिक शुक्ल 14 दिन 09/55 — 13 — मेष का चंद्र अश्विनी दिन 8/10
मार्गशीर्ष कृष्ण 7 सायं 07/17 — 20 — सिंह चंद्र रात 11/6 आश्ले.रात 11/6
मार्गशीर्ष कृष्ण 14 दिन 09/07 — 27 — वृश्चि.चंद्र दिन 12/1 विशा. सायं 8/5

पंचक

ता.७ को पंचक प्रारम्भ दिन ३०।५९ से पंचक समाप्त ता.१२ को दिन ७।५५ तक।

भद्रा- ता.१ को भद्रा प्रारम्भ प्रात: ५।४३ से भद्रा समाप्त ता.२ को दिन ६।२ तक। ता.५ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १२।१९ से भद्रा समाप्त ता.६ को दिन १।२९ बजे तक। ता.९ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०।२२ से भद्रा समाप्त ता.१० को दिन ९।११ तक। ता.१३ को भद्रा प्रारम्भ दिन ९।५५ बजे से भद्रा समाप्त रात्रि ९।२५ तक। ता.१६ को भद्रा प्रारम्भ दिन ४।४३ बजे से भद्रा समाप्त रात्रि ३।४१ बजे तक। ता.१९ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ९।२० बजे से भद्रा समाप्त ता.२० को दिन ८।१८ बजे तक। ता.२२ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि २।३६ से भद्रा समाप्त ता.२३ को दिन १।४५ बजे तक। ता.२६ को भद्रा प्रारम्भ दिन ९।७ बजे से भद्रा समाप्त रात्रि ९।२७ तक।

मूल विचार- ज्येष्ठा- ता.१ को सुबह ९।५७ से ता.२ को दिन ११।६ तक। मूल- ता.२ को दिन ११।६ से ता.३ को दिन १२।५७ तक। रेवती- ता.११ को सुबह ७।१ से ता.१२ को सुबह ७।५५ तक। अश्विनी- ता.१२ को सुबह ७।५५ से ता.१३ को सुबह ८।१० तक। आश्लेषा- ता.१९ को रात१२।२७ से ता.२० को रात ११।६ तक। मघा- ता.२० को रात ११।६ से ता.२१ को रात ९।५१ तक। ज्येष्ठा- ता.२८ को सायं ७।३९ से ता.२९ को सायं ७।४७ तक। मूल- ता.२९ को सायं ७।४७ से ता.३० को रात ९।२९ तक।

राशि-फल

मेष- सफलता की प्राप्ति, शारीरिक निरोगता, नूतन वस्त्रादि का लाभ।
वृष- कार्यक्षेत्र में प्रगति, यश की वृद्धि, आय के साधन, कार्यों में सफलता।
मिथुन- विचारों में अस्थिरता, मन खिन्न, मित्रों से सहायता, परिश्रम से लाभ।
कर्क- धार्मिक कार्यों में रूचि, आकस्मिक यात्राएं, धन की कमी से मन खिन्न।
सिंह- भाग्योन्नति, व्यापार के नये साधन क्रोध हानिकारक, ऋण से बचे।
कन्या- वाणी में कठोरता, आलस्य वृद्धि शारीरिक सुख, धार्मिक यात्रा योग
तुला- मन अशान्त, व्यवसाय में उतार-चढ़ाव, स्वास्थ्य सुधार, धर्मरुचि।
वृश्चिक- मित्रों से लाभ, शत्रुओं का दमन, रोजगार में वृद्धि, व्यापार में उन्नति।
धनु- धन यश की वृद्धि, उच्चाधिकारियो से सम्पर्क, रोजगार सामान्य रहेगा।
मकर- वाद-विवाद की आशंका, पत्नी व पुत्र से सहयोग, मांगलिक कार्य।
कुम्भ- पद परिवर्तन, भौतिक सुख, शत्रु से बचें, वाणी पर नियंत्रण, यश-मान
मीन- बौद्धिक विकास, व्यापार में लाभ मानसिक शांति, पारिवारिक सुख।

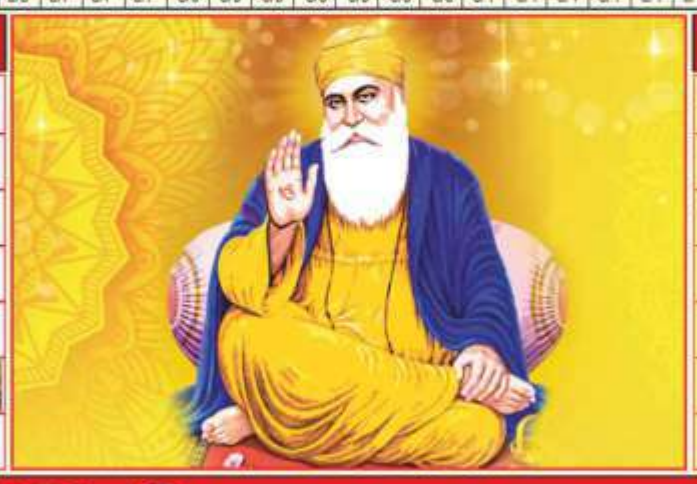
तेजी-मंदी

गुड़, खाण्ड, रस कस में तेजी देखने को मिलेगी। चांदी, वस्त्र और रुई में अच्छी तेजी होगी। तिल-तेल में तिलहन का भाव सम रहेगा, शेयर बाजार में तेजी का दौर देखने को मिलेगा। बाजार दुतरफा रुख के साथ चलता दिखेगा। तिलहन, दालें तेज रहेगी। लहसुन, प्याज, जीरा आदि किराना सामान में घटबढ़ से अच्छी तेजी आयेगी।

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
सूर्योदय	6/9	6/10	6/11	6/11	6/12	6/13	6/13	6/14	6/15	6/15	6/16	6/17	6/17	6/18	6/19	6/20	6/20	6/21	6/22	6/22	6/23	6/24	6/25	6/25	6/26	6/27	6/28	6/28	6/29	6/30
सूर्यास्त	5/14	5/13	5/12	5/12	5/11	5/10	5/10	5/9	5/9	5/8	5/8	5/7	5/7	5/7	5/6	5/6	5/6	5/5	5/5	5/5	5/5	5/4	5/4	5/4	5/4	5/4	5/4	5/4	5/4	5/4

अक्टूबर 2027

रवि	31	3	10	17	24
सोम		4	11		25
मंगल		5	12	19	26
बुध		6	13	20	27
गुरु		7	14	21	28
शुक्र	1	8	15	22	
शनि			16	23	30



दिसम्बर 2027

रवि		5	12	19	26
सोम		6	13	20	27
मंगल		7	14	21	28
बुध	1	8	15	22	29
गुरु	2	9	16	23	30
शुक्र	3	10	17	24	31
शनि	4	11	18	बड़ा दिन	

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

नाटीइमली, वाराणसी।
Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

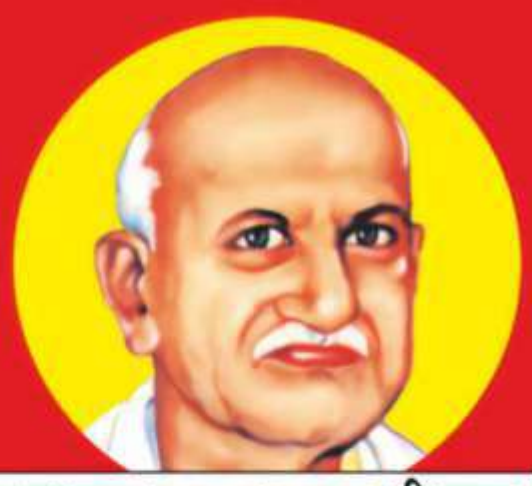
अधिकृत विक्रेता-ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक्सेलर, राजादरवाजा, वाराणसी। फोन-0542-2413650

Email- info@savitrithakur.com

web - www.thakurprasad.in

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ® ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

व्रत-त्योहार सन् २०२७

जनवरी

ता.	वार	व्रत-त्योहार
1	शुक्र.	ईसाई नववर्ष आरम्भ
3	रवि.	सफला एकादशी, सुरूप द्वादशी
5	मंगल.	भौम प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि व्रत, गुरु गोविन्द सिंह जयंती
7	गुरु.	स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या
9	शनि.	चन्द्र दर्शन
11	सोम.	वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत
14	गुरु.	श्री कृपालु जगद्गुरुत्तम दिवस
15	शुक्र.	मकर संक्रान्ति (खिचड़ी) पोंगल
16	शनि.	शाकम्भरी यात्रा, दुर्गाष्टमी
19	मंगल.	पुत्रदा एकादशी व्रत, मनवादी
20	बुध.	प्रदोष व्रत
21	गुरु.	राष्ट्रीय माघ मास आरम्भ
22	शुक्र.	शाकम्भरी जयंती, स्नान दान व्रत की पूर्णिमा माघ स्नान आरम्भ
23	शनि.	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयंती
24	रवि.	शब-ए-बारात
25	सोम.	संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी, तिलकुट चतुर्थी सौभाग्य सुन्दरी व्रत, सकंट हर गणपति व्रत (संकट) गौरी चतुर्थी (गणेश चौथ)
26	मंगल.	भारतीय गणतन्त्र दिवस
28	गुरु.	स्वामी विवेकानन्द जयंती
29	शुक्र.	कालाष्टमी
30	शनि.	शहीद दिवस

फरवरी

ता.	वार	व्रत-त्योहार
2	मंगल.	षट्तिला एकादशी
3	बुध.	प्रदोष व्रत, तिल द्वादशी
4	गुरु.	मास शिवरात्रि व्रत
6	शनि.	स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या, मौनी अमावस्या
7	रवि.	श्रीवल्लभाचार्य जयंती
8	सोम.	चन्द्रदर्शन
9	मंगल.	रमजान प्रारम्भ
10	बुध.	वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी, वरद चतुर्थी
11	गुरु.	बंसत पंचमी, सरस्वती पूजा
13	शनि.	पुत्र सप्तमी, रथ सप्तमी, अचला सप्तमी मनवादी
14	रवि.	भीष्माष्टमी, दुर्गाष्टमी
15	सोम.	हरसू ब्रह्मदेव जयंती, महानन्दा नवमी
17	बुध.	जया एकादशी व्रत, भीष्म द्वादशी
18	गुरु.	प्रदोष व्रत
19	शुक्र.	कल्पादि
20	शनि.	स्नान दान व्रत की पूर्णिमा, माघ स्नान समाप्त, सन्त रविदास जयंती, राष्ट्रीय फाल्गुन मास प्रारम्भ
24	बुध.	संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी
28	रवि.	कालाष्टमी, जानकी जयंती

मार्च

ता.	वार	व्रत-त्योहार
1	सोम.	रामदास नवमी, शहादते हजरत अली
4	गुरु.	विजया एकादशी व्रत
5	शुक्र.	प्रदोष व्रत, जमातुल विदा
6	शनि.	महाशिवरात्रि व्रत
7	रवि	शब-ए-कदर
8	सोम.	स्नान-दान-श्राद्ध की अमावस्या, सोमवती अमावस्या
9	मंगल.	चन्द्रदर्शन
10	बुध.	श्रीरामकृष्ण परमहंस जयंती, फुलवरियों दूज ईदुल-फितर (ईद)
12	शुक्र.	वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
13	शनि.	याज्ञवलक्य जयंती
15	सोम.	दुर्गाष्टमी
16	मंगल.	होलाष्टक आरम्भ
18	गुरु.	आमल की रंगभरी एकादशी व्रत
19	शुक्र.	मेला श्याम जी खाटू
20	शनि.	शनि प्रदोष व्रत
21	रवि.	होलिका दहन, व्रत की पूर्णिमा
22	सोम.	व्रत की पूर्णिमा, होली धुरण्डी, राष्ट्रीय चैत्र आरम्भ शाके 1949
25	गुरु.	संकष्ठी श्रीगणेश चतुर्थी, छत्रपति शिवाजी जयंती
26	शुक्र.	गुड फ्राईडे
27	शनि.	रंग पंचमी
28	रवि.	इस्टर सण्डे
29	सोम.	शीतला पूजन, इस्टर मण्डे
30	मंगल.	कालाष्टमी, बुढ़वा मंगल

अप्रैल

ता.	वार	व्रत-त्योहार
1	गुरु.	बैंकों की वार्षिक लेखा-बन्दी
2	शुक्र.	पापमोचनी एकादशी
3	शनि.	महावारुणी योग पर्व
4	रवि.	रवि प्रदोष व्रत
5	सोम.	मास शिवरात्रि व्रत
6	मंगल.	स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या
7	बुध.	वसन्त नवरात्रारम्भ, गुडी पड़वा
8	गुरु.	चन्द्रदर्शन, झुलेलाल जयंती, सिंधारा
9	शुक्र.	अरुन्धति व्रत, गण-गौरी पूजा, मनोरथ तृतीया, सौभाग्य शयन व्रत, मत्स्योत्पत्ति शिवशक्ति पूजा, सरहुल (झारखण्ड)
10	शनि.	वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
11	रवि.	डोलोत्सव, श्रीपंचमी
12	सोम.	स्कन्द षष्ठी व्रत, सूर्य षष्ठी
13	मंगल.	निशिथ महानिशा पूजा,ओली प्रारम्भ (जैन)
14	बुध.	भवानी उत्पत्ति, बुधष्टमी, सतुआ संक्रान्ति अम्बेडकर जयंती
15	गुरु.	श्रीरामनवमी, वैशाखी, बंगला नववर्ष प्रा.
17	शनि.	कामदा एकादशी व्रत
18	रवि.	रवि प्रदोष व्रत, महावीर जयंती (जैन) श्री हरदमनोत्सव
20	मंगल.	स्नान-दान व्रत की पूर्णिमा, हनुमान जयंती
21	बुध.	राष्ट्रीय वैशाख माह आरम्भ
23	शुक्र.	बाबू कुँवर सिंह जयंती
24	शनि.	संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी, अनसूईया जयंती
29	गुरु.	शीतलाष्टमी व्रत

मई

ता.	वार	व्रत-त्योहार
1	शनि.	श्रमिक दिवस, मई दिवस
2	रवि.	वरुथनी एकादशी
3	सोम.	सोम प्रदोष व्रत
4	मंगल.	मास शिवरात्रि
6	गुरु.	स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या
7	शुक्र.	चन्द्रदर्शन, रविन्द्र नाथ टैगोर जयंती
8	शनि.	छत्रपति शिवाजी जयंती, परशुराम जयंती
9	रवि.	अक्षय तृतीया, वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी मातृ दिवस (मदर डे)
10	सोम.	श्रीआद्यगुरु शंकराचार्य जयंती
11	मंगल.	श्रीरामानुज जयंती
12	बुध.	गंगोत्पत्ति, गंगा सप्तमी
14	शुक्र.	सीतानवमी, जानकी नवमी
16	रवि.	मोहिनी एकादशी व्रत
17	सोम.	सोम प्रदोष व्रत, बकरीद
18	मंगल.	नरसिंह चतुर्दशी
19	बुध.	कूर्म जयंती
20	गुरु.	बुद्ध पूर्णिमा, स्नान-दान व्रत की पूर्णिमा वैशाख स्नान समाप्त
22	शनि.	नारद जयंती, वीणा दान
23	रवि.	संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी
29	शनि.	कालाष्टमी

जून

ता.	वार	व्रत-त्योहार
1	मंगल.	अचला एकादशी व्रत
2	बुध.	प्रदोष व्रत
3	गुरु.	मास शिवरात्रि व्रत
4	शुक्र.	स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या शनिश्चर जयंती, वट सावित्री व्रत
5	शनि.	विश्व पर्यावरण दिवस
6	रवि.	चन्द्र दर्शन
7	सोम.	रम्भा व्रत, महाराणा प्रताप जयंती, ईस्लामी हिजरी 1449 प्रारम्भ
8	मंगल.	वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
10	गुरु.	सन्त टेउराम पुण्यतिथि
11	शुक्र.	दुर्गाष्टमी, धूमावती जयंती
13	रवि.	गंगा दशहरा व्रत
14	सोम.	निर्जला एकादशी व्रत
16	बुध.	प्रदोष व्रत, मुहर्रम (ताजिया)
19	शनि.	ज्येष्ठी पूर्णिमा, कबीर दास जयंती
20	रवि.	पितृ दिवस (फादर डे)
21	सोम.	विश्व योग दिवस
22	मंगल.	अंगार की गणेश चतुर्थी, संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी, राष्ट्रीय आषाढ़ प्रारम्भ
27	रवि.	शीतलाष्टमी
30	बुध.	योगिनी एकादशी व्रत

जुलाई

ता.	वार	व्रत-त्योहार
1	गुरु.	प्रदोष व्रत
2	शुक्र.	मास शिवरात्रि व्रत
3	शनि.	श्राद्ध की अमावस्या
4	रवि.	स्नान-दान की अमावस्या
5	सोम.	चन्द्रदर्शन, रथयात्रा
7	बुध.	वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
9	शुक्र.	स्कन्द षष्ठी, संत टेऊ राम जयंती
12	सोम.	भड़ली नवमी
13	मंगल.	आशादशमी
14	बुध.	देवशयनी एकादशी,चतुर्मास प्रारम्भ
15	गुरु.	प्रदोष व्रत
16	शुक्र.	जया पार्वती व्रत
17	शनि.	चौमासी चौदस (जैन)
18	रवि.	स्नान-दान व्रत की पूर्णिमा, व्यास पूजा गुरु पूर्णिमा, आषाढ़ी योग
19	सोम.	श्रावण सोमवार व्रत, नक्तव्रत आरम्भ
20	मंगल.	वृहत्लपा
22	गुरु.	संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी
23	शुक्र.	राष्ट्रीय श्रावण मास प्रारम्भ
24	शनि.	चेहल्लुम
26	सोम.	श्रावण सोमवार व्रत
29	गुरु.	कामिका एकादशी व्रत स्मार्तों का
30	शुक्र.	कामिका एकादशी व्रत वैष्णव का
31	शनि.	शनि प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि व्रत

अगस्त

ता.	वार	व्रत-त्योहार
1	रवि.	लोकमान्य तिलक पुण्य तिथि
2	सोम.	स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या, सूर्य ग्रहण, हरियाली अमावस्या, श्रावण सोमवार व्रत, सोमवती अमावस्या, शहादते-इमाम हसन
3	मंगल.	शृगांर सिंधारा, ग्रहण करीदिन
4	बुध.	चन्द्रदर्शन, हरियाली तीज, स्वण गौरी व्रत, आखिरी चहारशम्बा, धर्मसम्राट करपात्री जं.
5	गुरु.	वैनायकी श्री गणेश चतुर्थी व्रत
6	शुक्र.	नागपंचमी
7	शनि.	कलकी जयंती, वर्ण षष्ठी
8	रवि.	गोस्वामी तुलसीदास जयंती
9	सोम.	दुर्गाष्टमी, सोमेश्वर पूजन,श्रावण सोमवार व्रत
12	गुरु.	पुत्रदा एकादशी व्रत
13	शुक्र.	श्री विष्णु पवित्रा रोपण
14	शनि.	शनि प्रदोष व्रत
15	रवि.	भारतीय स्वतंत्रता दिवस
16	सोम.	हयग्रीव जयंती, नारियल पूर्णिमा, बारावफात श्रावण सोमवार व्रत
17	मंगल.	रक्षा बन्धन, श्रावणी पूर्णिमा, स्नान-दान की पूर्णिमा
19	गुरु.	वृहद् गौरी व्रत
20	शुक्र.	संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी, कजली
21	शनि.	बहुला चतुर्थी, ईद-ए-मौलाद
22	रवि.	चन्द्रषष्ठी
23	सोम.	हलषष्ठी (ललहीछठ) रा.भाद्रपद मास प्रारम्भ
24	मंगल.	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी स्मार्तों का
25	बुध.	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी वैष्णवों का
26	गुरु.	गोगानवमी
28	शनि.	जया एकादशी, वत्सपूजा
29	रवि.	रवि प्रदोष व्रत
30	सोम.	मास शिवरात्रि व्रत
31	मंगल.	स्नान-दान-श्राद्ध की अमावस्या,श्री शक्ति पूजा, पिठौरी अमावस्या

सितम्बर

ता.	वार	व्रत-त्योहार
2	गुरु.	चन्द्रदर्शन
3	शुक्र.	हरितालिका तीज, वराह जयंती
4	शनि.	वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
5	रवि.	ऋषि पंचमी, शिक्षक दिवस
6	सोम.	सूर्यषष्ठी, ललिता षष्ठी, उमा महेश्वर पूजन
7	मंगल.	गौरी आवाहन
8	बुध.	दधीची जयंती, राधाष्टमी, गौरी पूजा, महालक्ष्मी व्रत आरम्भ
9	गुरु.	अदुख नवमी, गौरी विसर्जन
10	शुक्र.	दशावतार, श्रीरामदेव जी का मेला
11	शनि.	जलझूलनी एकादशी व्रत
12	रवि.	वामन जयंती, महारविवार व्रत
13	सोम.	सोम प्रदोष व्रत, फातिहा यजदहूम
14	मंगल.	अनन्त चतुर्दशी, कदली व्रत
15	बुध.	स्नान-दान की पूर्णिमा, महालया श्राद्ध आरम्भ, पितृ पक्षारम्भ
16	गुरु.	फसली नववर्षारम्भ
17	शुक्र.	विश्वकर्मा पूजा
19	रवि.	संकष्ठी श्रीगणेश चतुर्थी
20	सोम.	भरणी श्राद्ध
23	गुरु.	श्रीमहालक्ष्मी व्रत, अशोकाष्टमी, जिवित्पुत्रिका व्रत, जिउतिया, राष्ट्रीय आश्विन मास प्रारम्भ
24	शुक्र.	नवमी श्राद्ध, मातृ नवमी
26	रवि.	इन्दिरा एकादशी व्रत
27	सोम.	सोम प्रदोष व्रत, सन्यासी श्राद्ध
28	मंगल.	मास शिवरात्रि व्रत,चतुर्दशी श्राद्ध
29	बुध.	पितृ-विसर्जन,सर्वपितृ श्राद्ध,श्राद्ध की अमावस्या
30	गुरु.	अमावस्या युक्त प्रतिपदा में नवरात्र को निषेध माना गया है।

अक्टूबर

ता.	वार	व्रत-त्योहार
1	शुक्र.	शारदीय नवरात्रारम्भ, महाराजा अग्रसेन जयंती चन्द्र दर्शन
2	शनि.	महात्मा गांधी जी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री जी जयंती
3	रवि.	वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी
4	सोम.	ऊषांग ललिता व्रत
5	मंगल.	स्कन्द षष्ठी
6	बुध.	सरस्वती आवाहन मूल में
7	गुरु.	महाष्टमी, भद्रकाली अवतार, सरस्वती पूजन
9	शनि.	विजयादशमी, दशहरा, शमी पूजा, शस्त्रादि पूजा, बौद्धावतार
11	सोम.	पांपाकुशा एकादशी व्रत, भरत मिलाप
12	मंगल.	भौम प्रदोष व्रत
14	गुरु.	कोजागिरी व्रत, शरद पूर्णिमा, श्रीकृपालु जगद्गुरुत्तम दिवस
15	शुक्र.	स्नान-दान की पूर्णिमा, वाल्मीकि जयंती
18	सोम.	करक चतुर्थी, करवा चौथ,सं.श्रीगणेश चतुर्थी
21	गुरु.	स्कन्द षष्ठी
22	शुक्र.	अहोई अष्टमी, कालाष्टमी
23	शनि.	राष्ट्रीय कार्तिक मास प्रारम्भ
25	सोम.	रम्भा एकादशी व्रत स्मार्तों का
26	मंगल.	रम्भा एकादशी व्रत वैष्णवों का,गोवत्स द्वादशी
27	बुध.	धनतेरस, प्रदोष व्रत, मास, शिवरात्रि व्रत
28	गुरु.	नरक चतुर्दशी, हनुमान जयंती
29	शुक्र.	दीपावली, महालक्ष्मी पूजा, स्नान दान की अमावस्या
30	शनि.	गोवर्धन पूजा, अन्नकूट
31	रवि.	भातृ द्वितीया (भईया दूज) चित्रगुप्त पूजा, दवात पूजा, चन्द्रदर्शन

नवम्बर

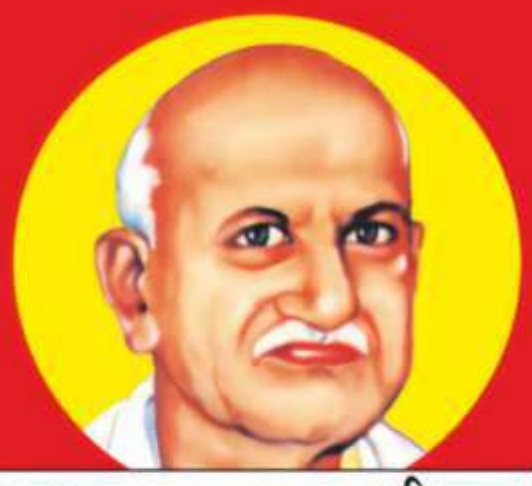
ता.	वार	व्रत-त्योहार
2	मंगल.	वै.श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, दूर्वा गणपति व्रत
3	बुध.	सौभाग्य पंचमी, पाण्डव पंचमी
4	गुरु.	सूर्य षष्ठी (डाला छठ)
5	शुक्र.	कल्पादि
6	शनि.	गोपाष्टमी
7	रवि.	अक्षय नवमी, कुष्मान्ड नवमी
10	बुध.	देव उत्थानी एकादशी, तुलसी विवाह, प्रबोधिनी एकादशी व्रत
11	गुरु.	प्रदोष व्रत, वैकुण्ठ चतुर्दशी
13	शनि.	व्रत की पूर्णिमा, पुष्कर यात्रा
14	रवि.	स्नान-दानकी पूर्णिमा, कार्तिक-पूर्णिमा, देव दीपावली, बाल दिवस, नेहरु जयंती, गुरुनानक जयंती
16	मंगल.	सौभाग्य सुन्दरी व्रत
17	बुध.	संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत
20	शनि.	कालभैरव अष्टमी
22	सोम.	राष्ट्रीय मार्गशीर्ष माह आरम्भ
24	बुध.	उत्पन्ना एकादशी व्रत, वैतरणी व्रत
25	गुरु.	प्रदोष व्रत
26	शुक्र.	मास शिवरात्रि व्रत
27	शनि.	श्राद्ध की अमावस्या, गौरी तपोव्रत
28	रवि.	स्नान-दान की अमावस्या
30	मंगल.	चन्द्र दर्शन

दिसम्बर

ता.	वार	व्रत-त्योहार
2	गुरु.	वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत
3	शुक्र.	विवाह पंचमी
4	शनि.	स्कन्द षष्ठी
5	रवि.	भानू सप्तमी
6	सोम.	दुर्गाष्टमी
7	मंगल.	महानन्दा नवमी
9	गुरु.	गीता जयन्ती, मोक्षदा एकादशी
11	शनि.	शनि प्रदोष व्रत
12	रवि.	पिशाच मोचन यात्रा, हजरत अली जन्मदिवस
13	सोम.	श्रीदत्त जयंती, बत्तीसी पूर्णिमा, स्नान-दान व्रत की पूर्णिमा
16	गुरु.	संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत
20	सोम.	कालाष्टमी
23	गुरु.	सफला एकादशीव्रत, श्रीपार्श्वनाथ जयंती (जैन)
25	शनि.	प्रदोष व्रत, क्रिसमस डे (बड़ा दिन) पं.मदन मोहन मालवीय जयंती
26	रवि.	मास शिवरात्रि व्रत,
27	सोम.	स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या,सोमवती अमा.
29	बुध.	चन्द्र दर्शन, मुहूर्त्त 45
31	शुक्र.	वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत

www.thakurprasad.in

यश

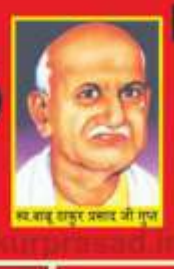


स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ®
ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर
वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

www.thakurprasad.in

यश 
स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

ठाकुर प्रसाद पंचाङ्ग

दिसम्बर 2027

द्रुध का विवरण

ता.	सुबह	शाम	ता.	सुबह	शाम
1			17		
2			18		
3			19		
4			20		
5			21		
6			22		
7			23		
8			24		
9			25		
10			26		
11			27		
12			28		
13			29		
14			30		
15			31		
16			योग		

कपड़ा धुलाई का विवरण

तारीख	विवरण कपड़ा	संख्या

अख़बार का विवरण

दिनांक	8	16	24
1	9	17	25
2	10	18	26
3	11	19	27
4	12	20	28
5	13	21	29
6	14	22	30
7	15	23	31

आवश्यक कार्यक्रम

आकाशीय लक्षण

मासारम्भ में शीतलहर का स्वभाविक क्रम देखने को मिलेगा। माह के मध्य में अधिकांश प्रदेशों में समुद्र के तटवर्तीय इलाकों में हवा का दबाव बढ़ने से तूफान आदि से जन-जीवन अस्त-व्यस्त रहेगा।

विक्रम संवत् 2084

मार्गशीर्ष शुक्ल 3 से पौष शुक्ल 3 तक।
तारीख 14 दिसम्बर से पौष माह प्रारम्भ।।

शालिवाहन शाके 1949

राष्ट्रीय मार्गशीर्ष 10 से राष्ट्रीय पौष 10 तक।
ता.22 दिसम्बर से राष्ट्रीय पौष माह प्रारम्भ।।

फसली संवत् 1435

फसली पौष 17 से फसली माघ 18 तक।
ता.14 दिसम्बर से फसली माघ माह प्रारम्भ।।

DECEMBER



इस्लामी हिजरी 1449

रज्जब 1 से सावान 2 तक।
ता.30 दिसम्बर से सावान माह प्रारम्भ।।

बंगला संवत् 1434

बंगला मार्गशीर्ष 15 से बंगला पौष 15 तक।
ता.17 दिसम्बर से बंगला पौष माह प्रारम्भ।

नेपाली संवत् 1148

नेपाली मार्गशीर्ष 16 से नेपाली पौष 17 तक।
ता.16 दिसम्बर से नेपाली पौष माह प्रारम्भ।

व्रत-त्यौहार

2 गुरु. वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत
3 शुक्र. विवाह पंचमी
4 शनि. स्कन्द षष्ठी
5 रवि. भानू सप्तमी
6 सोम. दुर्गाष्टमी
7 मंगल. महानन्दा नवमी
9 गुरु. गीता जयन्ती, मोक्षदा एकादशी
11 शनि. शनि प्रदोष व्रत
12 रवि. पिशाच मोचन यात्रा, हजरत अली जन्मदिवस
13 सोम. श्रीदत्त जयंती, बत्तीसी पूर्णिमा, स्नान-दान व्रत की पूर्णिमा
16 गुरु. संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत
20 सोम. कालाष्टमी
23 गुरु. सफला एकादशी व्रत, श्रीपार्श्वनाथ जयंती (जैन)
25 शनि. प्रदोष व्रत, क्रिसमस डे पं.मदन मोहन मालवीय जयंती
26 रवि. मास शिवरात्रि व्रत,
27 सोम. स्नान-दान श्राद्ध की अमावस्या, सोमवती अमावस्या
29 बुध. चन्द्र दर्शन, मुहूर्त्त 45
31 शुक्र. वैनायकी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत

राशि-फल

मेष- पत्नी से मतभेद, रोजगार में लाभ, पुरातत्व का लाभ, यश प्रतिष्ठा।
वृष- शत्रुओं पर विजय, मानसिक सुख श्रम से लाभ, रुके कार्य पूर्ण।
मिथुन- रोजगार में श्रमानुकूल लाभ, ऋण से बचे, आत्मबल की वृद्धि
कर्क- धर्म अध्यात्म में वृद्धि, मानसिक चिंता, मांगलिक कार्य सम्पन्न।
सिंह- शत्रु वृद्धि, नूतन वस्त्रलाभ, धन का लाभ, भाग्योदय, धार्मिक यात्रा।
कन्या- पारिवारिक उत्तरदायित्व, अल्प श्रम से लाभ, रोजगार में वृद्धि।
तुला- स्वास्थ्य में कमी, पत्नी व संतान से प्रेम, शत्रुओं पर विजय,द्रव्यलाभ।
वृश्चिक- रुके कार्य पूर्ण, वाणी पर नियंत्रण पुत्र व पत्नी से सहयोग, धर्म-कर्म।
धनु- भूमि-भवन का सुख, पारिवारिक क्लेश, मन खिन्न, स्वास्थ्य उत्तम।
मकर- आवश्यक कार्यों में रुकावट, बल बुद्धि में कमी, कुटुम्बियों से प्रेम।
कुम्भ- पारिवारिक सुख, आय से अधिक व्यय, मित्रों से सहायता,धर्मरुचि।
मीन- क्रोध पर नियंत्रण रखे, राजनैतिक क्षेत्र में प्रभाव, साहस में वृद्धि।

तेजी-मंदी

गेहूँ, मूंग, गुड़, चावल, तेल, घी चना, चीनी आदि व्यापारिक वस्तुओं में घटबढ़ से बाजार तेज रहेगा। अन्नादि पदार्थों में तेजी आयेगी। शेयर बाजार ऊपर चढ़ेगा। बाजार की चाल सर्पाकार होगी। सोने-चांदी में अच्छी तेजी देखने को मिलेगी। सूत-कपास वस्त्रों में भी तेजी का रुख होगा। दलहन व तिलहन में तेजी आयेगी। तिल, तेल, खाड व हरी सब्जियों में अच्छी तेजी आयेगी।

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
SUN	MON	TUE	WED	THU	FRI	SAT

पंचक- ता.४ को पंचक प्रारम्भ सायं ७।०७ बजे से ता.९ को पंचक समाप्त सायं १७।२६ बजे तक। पंचम प्रारम्भ ता.२१ को रात्रि २।२९ बजे से।
भद्रा- ता.१ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि १०।५३ से भद्रा समाप्त ता.२ को दिन १।४३ तक। ता.५ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ९।३७ से भद्रा समाप्त ता.६ को दिन १०।५१ तक। ता.९ को भद्रा प्रारम्भ दिन ३।१५ से भद्रा समाप्त रात्रि ३।२० बजे। ता.१२ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ११।५५ बजे से भद्रा समाप्त ता.१३ को दिन १०।४९ तक। ता.१५ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि २।४७ से भद्रा समाप्त ता.१६ को दिन १।२१ बजे। ता.१८ को भद्रा प्रारम्भ ५।३६ से भद्रा समाप्त ता.१९ को दिन ४।३२ तक। ता.२२ को भद्रा प्रारम्भ दिन १२।४ से भद्रा समाप्त रात्रि ११।४० तक। ता.२५ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ११।३१ से भद्रा समाप्त ता.२६ को दिन ११।५३ तक। ता.३१ को भद्रा प्रारम्भ रात्रि ९।३३ बजे से।
मूल विचार- रेवती- ता.८ को रेवती दिन ४।१२ से ता.९ को सायं ५।२६ तक। अश्विनी- ता.९ को सायं ५।२६ से ता.१० को सायं ५।५४ तक। आश्लेषा- ता.१७ को सुबह ७।७ से ता.१८ को सुबह ५।१९ तक। मघा- ता.१८ को सुबह ५।१९ से ता.१८ को रात ३।२९ तक। ज्येष्ठा- ता.२५ को रात १।४९ से ता.२६ को रात ३।१४ तक। मूल- ता.२६ को रात ३।१४ से ता.२८ को प्रात: ५।५ तक।

मार्गशीर्ष शुक्ल 7 रात 9/37	मार्गशीर्ष शुक्ल 14 रात 11/55	पौष कृष्ण 7 दिन 3/33	पौष कृष्ण 14 रात 12/22			
5	12	19	26			
कुंभ का चंद्र धनिष्ठा दिन 08/41	वृष का चंद्र कृत्तिका दिन 4/41	सिंह का चंद्र पू.फा. रात 2/06	धनु चंद्र रात 3/14 ज्ये.रात 3/14			
मार्गशीर्ष शुक्ल 8 रात 11/59	मार्गशीर्ष शुक्ल 15 रात 09/38	पौष कृष्ण 8 रात 1/32	पौष कृष्ण 15 रात 1/41			
6	13	20	27			
कुंभ का चंद्र शतभिषा दिन 11/40	मिथुन चंद्र रात 2/21 रोहि.दिन 3/14	कन्या चंद्र दिन 7/42 उ.फा. रात 1/4	धनु का चंद्र मूल प्रात: 5/06			
मार्गशीर्ष शुक्ल 9 रात 1/50	पौष कृष्ण 1 सायं 07/01	पौष कृष्ण 9 रात 12/34	पौष शुक्ल 1 रात 3/28			
7	14	21	28			
मीन चंद्र दिन 7/39 पू.भा. दिन 2/14	मिथुन का चंद्र मृग. दिन 1/34	कन्या का चंद्र हस्त रात 12/25	धनु का चंद्र पू.षा. दिन 6/00			
मार्गशीर्ष शुक्ल 3 दिन 11/39	मार्गशीर्ष शुक्ल 10 रात 2/59	पौष कृष्ण 2 दिन 4/13	पौष कृष्ण 10 रात 11/40	पौष शुक्ल 2 प्रात: 5/40		
1	8	15	22	29		
मकर चंद्र दिन 6/24 पू.फा.रात 11/45	मीन का चंद्र उ.भा. दिन 4/15	कर्क चंद्र रात 3/49 आर्द्रा दिन 11/21	सूर्य चंद्र दिन 12/14 चित्रा रात 12/09	मकर चंद्र दिन 2/03 पू.षा. दिन 7/25		
मार्गशीर्ष शुक्ल 4 दिन 1/43	मार्गशीर्ष शुक्ल 11 रात 3/20	पौष कृष्ण 3 दिन 1/21	पौष कृष्ण 11 रात 11/11	पौष शुक्ल 3 दिन 6/00		
2	9	16	23	30		
मकर का चंद्र उ.फा.रात 2/29	मेष चंद्र दिन 5/26 रेव.दिन 5/26	कर्क का चंद्र पुनर्वसु दिन 09/12	तुला का चंद्र स्वाति रात 12/17	मकर का चंद्र उ.षा. दिन 10/06		
मार्गशीर्ष शुक्ल 5 दिन 4/13	मार्गशीर्ष शुक्ल 12 रात 3/53	पौष कृष्ण 4 दिन 10/34	पौष कृष्ण 12 रात 11/08	पौष शुक्ल 3 दिन 8/11		
3	10	17	24	31		
मकर का चंद्र श्रवण प्रात: 5/32	मेष का चंद्र अश्विनी दिन 5/34	सिंह चंद्र प्रात: 5/11	वृश्चि.चंद्र मार्ग6/39 चित्रा.रात 12/50	कुंभ चंद्र रात 2/39 श्रवण दिन 1/3		
मार्गशीर्ष शुक्ल 6 रात 6/56	मार्गशीर्ष शुक्ल 13 रात 1/42	पौष कृष्ण दिन 07/07 प्रात: 05/56	पौष कृष्ण 13 रात 11/31			
4	11	18	25			
कुंभ चंद्र सायं 7/7 धनि.दिन6/00	वृष चंद्र रात 11/27 भर.दिन 5/37	सिंह का चंद्र मघा रात 3/29	क्रिसमस डे (बड़ा दिन) प्रदोष व्रत वृश्चि.का चंद्र अनुराधा रात 1/49			

विवाह मुहूर्त

ता.	वार	नक्षत्र
2	गुरु.	उ.षा.
7	मंगल.	उ.भा.
8	बुध.	रेवती
9	गुरु.	रेवती
12	रवि.	रोहिणी
13	सोम.	रोहि.मृग.
14	मंगल.	मृगशिरा

दिनांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
सूर्योदय	6/30	6/31	6/32	6/33	6/33	6/34	6/35	6/35	6/36	6/37	6/37	6/38	6/39	6/39	6/40	6/40	6/41	6/41	6/42	6/43	6/43	6/44	6/44	6/45	6/45	6/45	6/46	6/46	6/47	6/47	6/48
सूर्यास्त	5/4	5/4	5/4	5/4	5/4	5/4	5/4	5/4	5/4	5/5	5/5	5/5	5/6	5/6	5/6	5/7	5/7	5/8	5/8	5/9	5/9	5/10	5/10	5/11	5/11	5/12	5/12	5/13	5/13	5/14	5/15

नवम्बर 2027

रवि		7	14	21	28
सोम	1	8	15	22	29
मंगल	2	9	16	23	30
बुध	3	10	17	24	
गुरु	4	11	18	25	
शुक्र	5	12	19	26	
शनि	6	13	20	27	



जनवरी 2028

रवि	30	2	9	16	
सोम	31	3	10	17	24
मंगल		4	11	18	25
बुध		5	12	19	
गुरु		6	13	20	27
शुक्र		7	14	21	28
शनि	1	8		22	29

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

नाटीइमली, वाराणसी।
Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

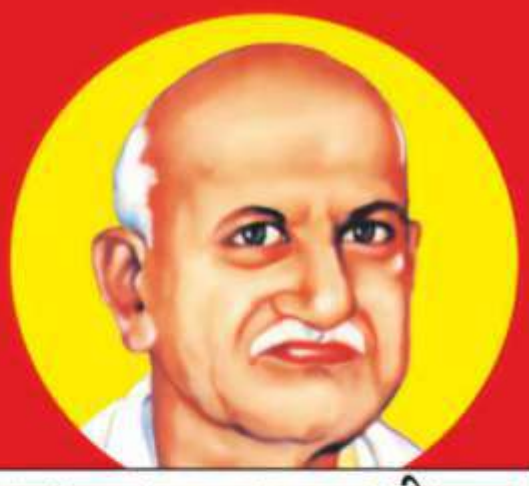
अधिकृत विक्रेता-ठाकुर प्रसाद कैलाशनाथ बुक्सेलर, राजादरवाजा, वाराणसी। फोन-0542-2413650

Email- info@savitrithakur.com

web - www.thakurprasad.in

www.thakurprasad.in

यश



स्व.बाबू ठाकुर प्रसाद जी गुप्त

सावित्री ठाकुर प्रकाशन ® ठाकुर प्रसाद बुक्सेलर वाराणसी

सावित्री ठाकुर प्रकाशन, वाराणसी

दिसम्बर

सन् 2027 ई. में भारत, भारत सरकार, प्रधानमंत्री तथा विभिन्न पार्टियों की स्थिति व भविष्य

लेखक-पं.दिव्या त्रिपाठी, ज्योतिष विशारद, तंत्र विशारद्, तंत्र विशेषज्ञ

अध्यक्ष- मन्त्र-तन्त्र ज्योतिष शोध संस्थान दुर्गा मन्दिर, 151 ए, यशोदा नगर, कानपुर-11. *Mob. 09451220392*



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

श्री त्रिपुर सुन्दर्यै नमः

विगत कई वर्षों से कैलेण्डर के अंतिम पृष्ठ पर भारत सरकार, सत्ता पक्ष प्रमुख राजनैतिक दल या व्यक्तियों की राजनैतिक भूमिका के सन्दर्भ में सारगर्भित एवं महत्वपूर्ण गतिविधियों, भविष्यवाणियाँ हमारे पाठकगण पढ़ते चले आ रहे हैं। ये अधिकांशतया अक्षरशः सत्य हो रही है। चाहे सन् १९७७ की सत्ता परिवर्तन हो या १९८० में सत्ता वापसी का या फिर २००१ मे अफगानिस्तान की घटना तथा २००३ में की गयी अमेरिका द्वारा इराक पर किया गया हमला अक्षरशः तारीख के अनुसार घटित हुआ।

प्रमुख महत्वपूर्ण व्यक्तियों जैसे श्रीमती इन्दिरा गांधी, श्री मोरारजी देशाई, श्री राजीव गांधी, श्री वी.पी.सिंह, श्री नरसिम्हाराव, श्री अटल बिहारी वाजपेई, श्रीमती सोनिया गांधी, श्री देवगौड़ा, श्रीगुजराल आदि से सम्बन्धित उत्थान या पतन की हो या विभिन्न पार्टियों की जय-पराजय, संगठनात्मक, विभाजन, विघठन, विलय, उत्थान पतन की हो या युद्ध, भूकम्प आदि प्राकृतिक प्रकोप, शेयर बाजार निवेश, सम्बन्ध आर्थिक स्थिति आदि विभिन्न विषयों की सभी भविष्यवाणियाँ अधिकांश पूर्ण सत्य सिद्ध हुई। सन् २००४ की अप्रैल में की गई चुनाव की घोषणा एवं मई २००४ की शेयर बाजार की अस्त व्यस्त स्थिति पूर्णतया सच सिद्ध हुई। इसी पृष्ठपर हमने लिखा था कि भारतीय जनता पार्टी के लिए वर्तमान समय शुभफलदायक नहीं है। राज्य की हानि क्लेश, विवाद, अपयश और नेतृत्व की विहीनता से गुजरना होगा। कांग्रेस को विशेष लाभ राज्याधिकार की प्राप्ति तथा अनेक राज्यों में राजनैतिक उथल-पुथल होगी। साम्प्रदायिक कट्टरता बढ़ेगी। वर्ष २००५, २००६, २००७ ई. सुनामी लहरें तथा जुलाई माह में प्राकृतिक वर्षा का दुयोग में व्यापक जन-धन की हानि महाराष्ट्र-गुजरात आदि राज्यों में पूर्ण तथा सच साबित हुई हैं। इसी सन्दर्भ में सन २०१३-२०१४ ई. में कांग्रेस का प्रबल विरोध एवं बदनामी की भी भविष्यवाणी सत्य सिद्ध हुई। सन् २०२७ में प्रधानमंत्री एवं भारत सरकार एवं भारत से सम्बन्धित भविष्य-वाणियाँ की जा रही हैं-

माननीय श्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी
प्रधानमंत्री भारत सरकार

श्रीनरेन्द्र मोदी जी का जन्म दिनांक १७ सितम्बर सन् १९५० दिन रविवार को वढ़नगर गुजरात में दिन ११ बजे हुआ था। इनकी जन्म लग्न वृश्चिक एवं जन्म राशि भी वृश्चिक है। आपके जन्माङ्ग में राजयोग कारक ग्रह गुरु शुक्र मंगल व चन्द्र केन्द्र में है तथा गुरु और शुक्र का प्रभाव दशम केन्द्र राज स्थान पर है। राज्य स्थान का स्वामी सूर्य लाभ भाव में स्थित है। नीच राशि स्थित चन्द्र का नीच भंग योग भी बन रहा है। इस प्रकार पूर्ण राज योग बनता है। वर्तमान समय में विंशोत्तरी दशानुसार मंगल की महादशा चल रही है जो ३० नवम्बर २०२१ से दिनांक ३० नवम्बर २०२८ तक चलेगी। २३ अक्टूबर २०२६ से २३ दिसम्बर २०२७ तक मंगल में शुक्र की अन्तरदशा चलेगी। २६ जनवरी २०२५ से २६ जनवरी २०३० तक भद्रिका योगिनी चलेगी। ७ जून २०२६ तक भद्रिका में उल्का की अन्तर दशा चलेगी। तत्पश्चात २९ मई २०२७ तक भद्रिका में सिद्धा की अन्तरदशा चलेगी।

श्रीनरेन्द्र मोदी जी का जन्मांग



दायेशात्केन्द्रराशिस्थे त्रिकोणे बलगेऽपि वा।
क्वचित्सौख्यं धनापिश्चदारपुत्रविरोधकृत।।

पाराशर होरा शास्त्र के अनुसार श्री मोदीजी का शनि लग्न से दशेश दशम भाव में स्थित है और शत्रु क्षेत्रीय है अतः लग्न व दशेश से केन्द्र में स्थित शनि सुख व धन का लाभ तथा शुभाशुभ मिश्रित फलप्रदान करने वाला होगा। मंगल की महादशा में शुक्र की अन्तरदशा मान-सम्मान के लिए हानिकरक, स्वास्थ्य के लिए हानिकारक सिद्ध होगी। शत्रुओं से अनावश्यक वाद-विवाद की स्थितियाँ बढ़ती नजर आयेगी। विदेशों से सम्बन्ध सुदृढ़ होंगे। स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्यायें, अनेकानेक असफल यात्रायें होंगे। कार्यक्षेत्र में आपसी कलह की स्थितियाँ बनेगी। मानसिक अंशाति बढ़ेगी। परन्तु कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। शत्रुओं और विरोधियों की शक्ति तथा निर्णायक क्षमताओं में कमी आयेगी। कार्यक्षेत्र में कोई बड़ा जोखिम उठाना पड़ सकता है।

श्री राहुल गाँधी जी
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

श्री राहुल गांधी जी का जन्म दिनांक १९ जून सन् १९७० ई. दिन शुक्रवार को प्रातः ५.५० मिनट पर दिल्ली में हुआ था। इनकी जन्म लग्न मिथुन तथा जन्मराशि वृश्चिक है। आपके जन्माङ्ग में राजयोग कारक ग्रह सूर्य एवं मंगल लग्न में स्थित है। दशम केन्द्र राज्य स्थान के स्वामी तथा राजयोग कारक ग्रह से दृष्ट है। नीच राशि स्थित और नीच भंग योग भी बन रहा है। इस प्रकार आपके जन्माङ्ग में भी राजयोग बनता है। ११ दिसम्बर २०२६ से ५ मई २०२९ तक राहु में गुरु की अन्तरदशा चलेगी। अतः इस समयान्तराल अहंकारी प्रवृत्ति की वृद्धि क्लेश की स्थितियाँ, परन्तु गुरु की अन्तरदशा के अन्तर्गत राजनैतिक क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। सामाजिक दृष्टिकोण से छवि में सुधार होगा।

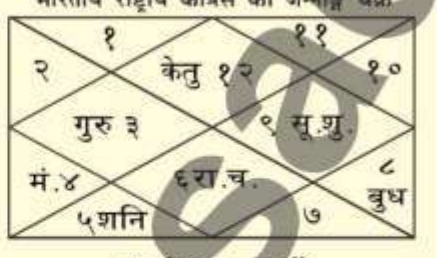
भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

वर्तमान भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन ता.२ जनवरी सन् १९७८ को दिल्ली में ११ बजकर ४१ मिनट पर हुआ था वर्तमान समय में १९ अप्रैल २०२५ से शनि की महादशा प्रारम्भ हो रही है जोकि १९ अप्रैल २०४४ तक चलेगी। जिससे की २२ अप्रैल २०२८ तक शनि में शनि की अन्तरदशा चलेगी। शनि लाभ और व्यय भावका स्वामी होकर उठे भाव में शत्रु सूर्य की राशि पर स्तिथ है। अतः विपक्ष में अपना बड़ा प्रभाव स्थापित कर सके। पुरातत्व शक्ति का लाभ प्राप्त होगा तथा पार्टी के सदस्यों में कुछ मतभेद की स्थितियाँ बनेगी।

श्री राहुल गांधी जी का जन्माङ्ग चक्र



भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्माङ्ग चक्र



भारतीय जनता पार्टी

भारतीय जनता पार्टी का गठन ता.६ अप्रैल सन् १९८० को पूर्वाह्न ११।१४ मिनट पर मिथुन लग्न में हुआ था। वर्तमान समय में ता.२५ अगस्त २०२८ तक चन्द्र की महादशा चलेगी। चन्द्र की महादशा में विपक्ष पार्टी द्वारा पार्टी की छवि बिगाड़ने का प्रयत्न पार्टी के सदस्यों की जल्दबाजी में काम करने की प्रवृत्ति से हानि। किसी वरिष्ठ सदस्य की स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याये हो सकती है। २१ जून २०२६ से २१ फरवरी २०२८ तक चन्द्र में शुक्र की अन्तरदशा चलेगी। यह समयान्तराल व्यर्थ के वाद-विवाद की स्थितियाँ, मानसिक तनाव पार्टी के अन्दर आन्तरिक कलह वरिष्ठ राजनेताओं का पार्टी में सन्यासे की स्थिति बनेगी। विरोधी, प्रतिद्वन्दी नुकसान पहुँचाने का प्रयत्न करेगें। वरिष्ठ राजनेता के स्वास्थ्य को लेकर पार्टी में चिन्ता होगी।

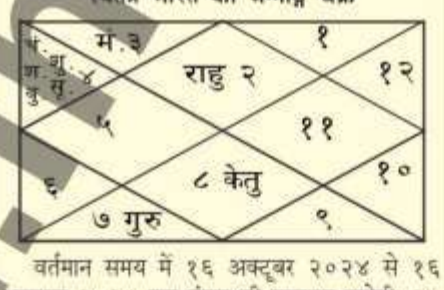
भारतीय जनता पार्टी का जन्माङ्ग चक्र



स्वतंत्र भारत की कुण्डली की विवेचना

ता.१४-१५ अगस्त १९४७ ई. दिन शुक्रवार को मध्यरात्रि में भारत वर्ष स्वतंत्र हुआ था। उस समय चन्द्रमा कर्क राशि के अन्तर्गत पुष्य नक्षत्र के प्रथमचरण में हुआ था।

स्वतंत्र भारत का जन्माङ्ग चक्र



वर्तमान समय में १६ अक्टूबर २०२४ से १६ अक्टूबर २०३१ तक मंगल की महादशा चलेगी। २७ नवम्बर २०२६ से ५ जनवरी २०२८ तक मंगल में शनि की अन्तरदशा तथा १५ अप्रैल २०२६ से १५ अप्रैल २०३१ तक भद्रिका योगिनी चलेगी तथा २५ सितम्बर २०२७ तक भद्रिका में, उल्का की अन्तरदशा चलेगी। देश को संघर्षों का सामना करना पड़ेगा। संसद में वाद-विवाद की स्थितियाँ बनेगी। समस्याओं के निराकरण में असुविधा होगी। राजनैतिक दृष्टिकोण से विभिन्न पार्टियों के गठबन्धन बनते बिगड़ते नजर आयेगें। विश्व स्तर पर भले ही भारत अपनी पकड़ बनायेगा। परन्तु आंतरिक स्थितियाँ अच्छी नहीं रहेगी। सत्तापक्ष मजबूत होगा।

शिक्षा के क्षेत्रों में प्रगति तथा देश को आर्थिक हानि होने की भी सम्भावना है। प्राकृतिक प्रकोप से देश के अनेक भागों कृषि से सम्बन्धित समस्या रहेगी जिससे जन-धन की हानि होगी। कीड़ों का प्रकोप बढ़ेगा। सीमान्त प्रान्तों में स्थितियाँ चिन्तनीय होगी। देश में अग्निकाण्ड जैसी स्थितियाँ नजर आयेगी। निर्णायक क्षमताओं में कमी के चलते देश को हानि उठानी पड़ सकती है। न्यायिक अदालतों के कार्यों में सुधार होगा। पड़ोसी देशों विशेषकर चीन और श्रीलंका से सम्बन्ध सुधार पर ध्यान दिया जायेगा। नस्लवाद और आतंकवाद के विरुद्ध विशेष अभियान चलेगा। प्राकृतिक प्रकोप से देश के अनेक भागों में अतिवृष्टि और अनावृष्टि से कृषि को हानि पहुंचेगी तथा अग्निकाण्ड जैसी स्थितियाँ बनती नजर आयेगी। आसाम, नागालैण्ड, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, आन्ध्रप्रदेश, आतंकवादी घटनाओं तथा साम्प्रदायिकता से त्रस्त होंगे। महंगाई में असहनीय वृद्धि होगी। बिहार उत्तर प्रदेश बंगाल में अपराधों का बाहुल्य होगा। फिर भी सब मिलाकर यह वर्ष देश के लिए शुभफलकारक होगा। नई सरकार भ्रष्टाचार तथा चुनाव की प्रक्रिया की कमियों के विरुद्ध तथा आर्थिक-औद्योगिक प्रगति के लिए कार्पोरेट सेक्टर के लिए तथा कथित साम्प्रदायिकता पर लगाम लगाने के लिए विशेष रुप से नई योजना लायेगी और रचनात्मक कार्य करेगी। ●

ग्रहों की शान्ति हेतु विधि-विधान

यदि किसी जातक की जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रह की स्थिति हो अथवा अशुभ ग्रह की दशा अन्तर्दशा चल रही हो तो निम्नलिखित विधि अनुसार अनिष्ट ग्रह की शान्ति हेतु व्रत रखने से कल्याण होगा।

रविवार के व्रत की विधि—समस्त कामनाओं की सिद्धि और कुष्ठादि चर्म व्याधियों के नाश एवं आयु व सौभाग्य की वृद्धि के लिए रविवार का व्रत किया जाता है। यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम रविवार से प्रारम्भ करके एक वर्ष पर्यन्त अथवा कम से कम बारह व्रत करें। व्रत के दिन केवल गेहूं की रोटी अथवा गुड़ से बना दलिया घी शक्कर के साथ भक्षण करें। भोजन से पूर्व स्नानकर शुद्ध वस्त्र धारण करके **'ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः'** बीज मन्त्र का पाठ पांच माला करें। फिर रविवार कथा पढ़ें। तत्पश्चात् सूर्य को गन्धाक्षत, लाल फूल, दूर्वायुक्त जल से निम्न मंत्र पढ़ते हुए अर्घ्य दें। नमः सहस्त्रकिरण सर्वव्याधि विनाशन। गृहाणार्घ्य मया दत्त संज्ञया सहितो रवे। फिर प्रदक्षिणा करके लाल चन्दन का तिलक लगाएं।

सोमवार के व्रत की विधि—यह व्रत श्रावण, चैत्र, वैशाख, कार्तिक या मार्गशीर्ष के महीनों के शुक्ल पक्ष के प्रथम सोमवार से प्रारम्भ करें। इस व्रत को पांच वर्ष, चौदह वर्ष अथवा सोलह सोमवार पर्यन्त श्रद्धा के साथ विधिपूर्वक करें। चैत्र शुक्ल अष्टमी तिथि आर्द्रा नक्षत्र सोमवार को अथवा श्रावण मास के प्रथम सोमवार को प्रारम्भ करने का विशेष महात्म्य है। व्रतारम्भ करने वाले स्त्री पुरुष को चाहिए कि प्रातःकाल जल में कुछ काले तिल डालकर स्नान करें। स्नान के पश्चात **'ॐ नमः शिवाय'** आदि शिव मन्त्रों द्वारा तथा श्वेत फूलों, सफेद चन्दन, पंचामृत, अक्षत, सुपारी, फल, गंगाजल, बिल्व पत्रादि से शिव-पार्वती का पूजन करें और पूजनोपरान्त दान-दक्षिणा देकर स्वयं भोजन करें। भोजन एक समय नमक रहित होना चाहिये। व्रत का उद्यापन भी उपरोक्त महीनों में करना श्रेयस्कर होता है। उद्यापन में दशमांश जप का हवन करके सफेद पदार्थ, दूध, दही, क्षीर, चांदी सफेद फलों का दान करना चाहिए। यह व्रत करने से मानसिक शान्ति, धन पुत्रादि सुखों की प्राप्ति होती है। सर्व प्रकार के कष्टों की निवृत्ति होती है।

मंगलवार के व्रत की विधि—सर्वप्रकार के सुखों, रक्त विकार, शत्रुदमन, स्वास्थ्य रक्षा, पुत्र प्राप्ति के लिए मंगलवार का व्रत उत्तम है। यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम मंगलवार से प्रारम्भ करके २१ सप्ताह तक अथवा यथा शक्ति जीवन पर्यन्त रखें। इस व्रत में गेहूं और गुड़ सहित भोजन करें। भोजन नमक रहित एक समय ही करना चाहिए। इस व्रत से मंगल ग्रह के अरिष्ट दोष भी शान्त हो जाते हैं। व्रत में श्री हनुमान जी को लाल पुष्पों, फलों, ताम्र बर्तन व नारियल द्वारा पूजा करना चाहिए तथा श्री हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। भौम ग्रह की शान्ति के लिए **'ॐ क्रां क्रीं, क्रौं सः भौमाय नमः'** की ५ मालाएं करनी चाहिए और लड्डुओं व लाल वस्त्र दान करना चाहिए।

बुधवार के व्रत की विधि—बुधवार का व्रत बुध ग्रह की शान्ति तथा धन, बुद्धि, विद्या और व्यापार में वृद्धि हेतु किया जाता है। यह व्रत विशाखा नक्षत्र कालीन बुधवार को प्रारम्भ करके सात अथवा हर बुधवार का करें। व्रत के दिन स्नान के उपरान्त हरे वस्त्र पहन कर श्री विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ तथा ग्रह शान्ति के लिए बीजमंत्र **'ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः'** का पाठ करना चाहिए। इस दिन एक समय नमक रहित भोजन, घी, मूंग अथवा मूंग की दाल से बने मिष्ठान का दान करें तथा स्वयं भी इन्हीं वस्तुओं का भक्षण करें। अन्तिम बुधवार मधुसर्पी, दधि और घृत के साथ हवन करें और हरे वस्त्र, दो फल और मूंग का दान करें। गाय को हरा घास डालें।

वृहस्पतिवार के व्रत की विधि—यह व्रत गुरु ग्रह की शान्ति तथा वैवाहिक सुखों, विद्या, पुत्र संतान एवं धन प्राप्ति के लिए श्रेष्ठ है। यह व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम गुरुवार को अनुराधा नक्षत्र हो उस दिन से प्रारम्भ करें। यह व्रत १३ मास अथवा सात मास तक रख सकते हैं। व्रत के दिन स्नान के उपरान्त पीले वस्त्र, पीला यज्ञोपवीत धारण करके वृहस्पति की पूजा स्वयं अथवा श्रेष्ठ ब्राह्मण द्वारा करवानी चाहिए। पादुका, उपानह, छाता, कमण्डल रखें, पीले रंग के पुष्प, चने की दाल, पीले कपड़े, पीला चन्दन, हल्दी व पीले चावल, लड्डू आदि का भोग लगाना चाहिए। दान करके ही स्वयं एक समय भोजन करें। नमक का प्रयोग न करें। इस दिन केले के वृक्ष का पूजन शुभ होता है। गुरु शान्ति के लिए **'ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः'** मंत्र की ५ माला का जाप करें। उद्यापन में दशमांश भाग का २८ समिधा व मधु सर्पी, घृत, दधि के साथ हवन करना चाहिए।

शुक्रवार के व्रत की विधि—यह व्रत धन, विवाह, संतानादि भौतिक सुखों को देने वाला है। श्रावण मास के प्रथम शुक्रवार को प्रारम्भ करने से विशेष रूप से लक्ष्मी की कृपा रहती है। व्रत के दिन स्नान के उपरान्त सफेद वस्त्र धारण करके श्री लक्ष्मी देवी की धूप, दीप, श्वेत चन्दन, चावल, श्वेत पुष्प, चीनी, सुपारी से पूजा करके बच्चों में मिठाई, क्षीर, फलादि बांट दें। ग्रह शान्ति के लिए **'ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः शुक्राय नमः'** की तीन माला का पाठ करें। स्वयं भी एक समय क्षीरादि सफेद वस्तुओं का सेवन करें। नमक का प्रयोग ना प्रयोग करें। उद्यापन के उपरान्त हवनादि के पश्चात् क्षीर चावलादि से युक्त भोजन करने तथा श्वेत वस्त्र, खाण्ड, चावल, चाँदी, फलादि सफेद पदार्थों का दान करें।

शनिवार के व्रत की विधि—यह व्रत शनि ग्रह की अरिष्ट शान्ति तथा जीर्ण रोग, शत्रुभय, आर्थिक संकट, मानसिक संताप का निवारण करता है, धन धान्य और व्यापार में वृद्धि करता है। यह व्रत शुक्ल पक्ष के शनिवार विशेषकर श्रावण मास लौह निर्मित शनि की प्रतिमा को पंचामृत से स्नान कराकर धूप गंध, नीले पुष्प, फल और नैवेद्य आदि से पूजन करें और **'ॐ शं शनैश्चराय नमः'** मंत्र की तीन माला का जाप करें, व्रत के दिन नीले वस्त्र धारण करें। एक बर्तन में शुद्ध जल, काले तिल, नीले पुष्प, लौंग, तेल, गंगाजल, दूध डालकर पश्चिम दिशा की ओर अभिमुख होकर पीपल वृक्ष की जड़ में डाल दें। तत्पश्चात् शिवोपासना करें। १९ शनिवार करने के बाद उद्यापन के समय शनि स्त्रोत का पाठ, जूते, जुराब, नीले रंग का वस्त्र, काले माश, चाकू और तेल से निर्मित वस्तुओं का दान करें और स्वयं भी उड़दादि तथा तैल निर्मित पदार्थों का सेवन करें। राहु की शान्ति के लिए भी शनिवार का व्रत उपरोक्त विधि अनुसार करें और दान में नारियल, भूरा कम्बल या वस्त्र दें तथा पक्षियों को बाजरा डालना चाहिए। राहु के बीज मंत्र का पाठ करना श्रेयकर होता है।

केतु ग्रह की शान्ति हेतु—केतु के बीज मंत्र **'ॐ स्त्रां स्त्रीं स्त्रौं सः केतवे नमः'** की पांच माला का जाप तथा पूजा मंगलवार के व्रत जैसे करनी चाहिए।

सप्तधान्य (सतनजा)— १ काले माश (उड़द), २. मूंग, गेहूं, चने, जौ, चावल, कंगनी।

अष्टगंध— अगर, तगर, कस्तूरी, कुंकुम, कपूर, चन्दन, लौंग और गोरोचन। ●

प्रणेता-स्व.डॉ.रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी 'निर्भय' सम्पादक-दिव्या त्रिपाठी 151 ए, यशोदा नगर, कानपुर-11 *Mob. 09451220392*

वेद पुराण, ज्योतिष आदि धार्मिक पुस्तकों के प्रमुख प्रकाशक

सावित्री ठाकुर प्रकाशन

नाटीइमली, वाराणसी। Mob : 9369516832

पंचांग पर अपना नाम पता छपवाकर बाँटने वाले सज्जन प्रकाशक से 9889820399 पर सम्पर्क करें। उन्हें पंचांग उचित मूल्य पर दिया जायेगा।

नोट-प्रस्तुत पंचाङ्ग में छपे सारे विषयों को तैयार करने में हर संभव सावधानी बरती गयी है। फिर भी मुद्रण या मानवीय भूल संभव है। सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक किसी भूल के लिए जिम्मेदार नहीं है।

www.thakurprasad.in